RNI NO. DELHIN/2012/48369
वर्ष 8 अंक 314
नई दिल्ली, रविवार, 20 सितंबर, 2020
पृष्ठ 12+4 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

समस्याएं और समाधान
आज के अंक के साथ
एजेण्डा

राज्यसभा में आज पेश होगा विवादित कृषि सुधार विधेयक

किसका पलड़ा भारी, पक्ष-विपक्ष दोनों ने की तैयारी

- आरएसएस का भारतीय किसान संघ भी खिलाफ, परिवार के भीतर उठे विरोध सुर से सत्ताधारी भाजपा बेचैन
- उच्च सदन में सरकार के पास नहीं है बहुमत, राजग सहयोगी अकाली दल समेत विपक्षी पार्टियों ने बनाई वोटिंग की रणनीति

पंजाब के पटियाला में कृषि विधेयकों के विरोध में सड़क जाम कर प्रदर्शन करते विभिन्न किसान संगठनों के लोग

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भले सरकार ने शुक्रवार को कृषि से संबंधित तीन विधेयकों को पास करा लिया हो, लेकिन राज्यसभा में उसकी राह आसान नहीं है। उच्च सदन में ये बिल रविवार को पेश किए जाएंगे। इस बीच विपक्षी दलों के साथ-साथ राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से जुड़े किसान संगठन भारतीय किसान संघ (बीकेएस) ने भी इन विधेयकों की मुखालफत की है। टीआरएस प्रमुख और तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने भी अपने सांसदों को इन विधेयकों के खिलाफ वोट करने का फरमान सुना दिया है। नौ सांसदों वाले राव मुश्किल समय में मोदी सरकार का साथ देते रहे हैं। इससे सरकार पर भविष्य में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) व्यवस्था को खत्म करने के बारे में किसानों का डर दूर करने के लिए बिल में कुछ बदलाव लाने का दबाव बढ़ सकता है। अकाली दल की नेता हरसिमरत कौर ने बिलों के विरोध में मोदी सरकार से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद बीकेएस के रुख से पता चलता है कि भाजपा इन विधेयकों को पेश करने के लिए पूरी तरह अलग-थलग पड़ गई है। लोकसभा में पारित कृषि क्षेत्र के विधेयकों के किसानों के हितों पर चोट करने की बढ़ती आशंकाओं के बीच बीकेएस ने मांग की है कि व्यापक परामर्श और बदलाव के लिए इन बिलों को कृषि संबंधी स्थायी समिति को भेजा जाना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किसानों को गुमराह करने के लिए विपक्ष को दोषी ठहराए जाने के एक दिन बाद बीकेएस ने कहा कि यह बिल कॉरपोरेट की ओर बहुत अधिक झुकाव वाला है और इससे किसानों के जीवन में सुधार नहीं होगा।

कृषि संबंधी संसदीय स्थायी समिति द्वारा इसका आकलन किया जाना चाहिए। मौजूदा स्वरूप में विधेयकों का विरोध करते हुए बीकेएस ने प्रधानमंत्री मोदी और कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर को भी पत्र लिखा है, जिसमें कहा गया है कि बिलों में ऐसे प्रावधान हों जिससे किसानों का हित हो न कि बड़ी कंपनियों और कॉरपोरेट जगत का। लोकसभा में गुरुवार को कृषि संबंधी दो विधेयकों- किसानों के उत्पादन व्यापार और (शेष पेज 9)

कोरोना का कहर, बुधवार को समाप्त हो सकता है संसद सत्र

- कार्य मंत्रणा समिति में पूर्व निर्धारित तारीख एक अक्टूबर से पहले सत्र खत्म करने पर सभी दलों में बनी सहमति

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सांसदों के बीच कोरोना वायरस का संक्रमण बढ़ने के मद्देनजर संसद का मौजूदा मानसून सत्र अगले सप्ताह के मध्य बुधवार तक खत्म किया जा सकता है। आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

लोकसभा की कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में शामिल ज्यादातर पार्टियों के नेताओं ने सत्र को निर्धारित समय से पहले खत्म करने की पैरवी की। कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में सदन में विभिन्न पार्टियों के नेता, सरकार के प्रतिनिधि शामिल होते हैं तथा इसकी अध्यक्षता लोकसभा अध्यक्ष करते हैं। मानसून सत्र गत 14 सितंबर से आरंभ हुआ था और तय कार्यक्रम के मुताबिक इसका समापन एक अक्टूबर को होना था। सत्र के संदर्भ में अंतिम निर्णय संसदीय कार्य संबंधी कैबिनेट समिति द्वारा लिया जाएगा।

लोकसभा ने कृषि से संबंधित तीन विधेयकों को पारित कर दिया है। ये विधेयक अध्यादेशों के स्थान पर लाए गए थे। इसके साथ सांसदों के वेतन में कटौती से संबंधित अध्यादेश के स्थान पर लाए गए विधेयक को (शेष पेज 9)

जम्मू-कश्मीर को आर्थिक पैकेज पानी-बिजली 50 प्रतिशत सस्ती

पायनियर समाचार सेवा। श्रीनगर

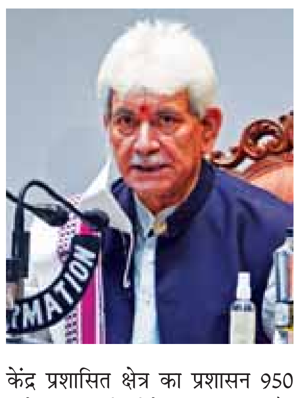

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सुरक्षा परिदृश्य और कोविड-19 महामारी के कारण आर्थिक संकट की चपेट में आए केंद्र शासित प्रदेश के पर्यटन तथा कुछ अन्य क्षेत्रों को प्रोत्साहन देने के लिए शनिवार को 1,350 करोड़ रुपए के आर्थिक पैकेज की घोषणा की। पैकेज के तहत सरकार ने किसानों, परिवारों और कारोबारियों को राहत देने के मकसद से जम्मू कश्मीर में एक साल के लिए बिजली और पानी के बिल पर 50 प्रतिशत की रियायत देने की घोषणा की है।

सिन्हा ने संकेत दिया कि कारोबारियों की सहायता के लिए केंद्र असाधारण और ऐतिहासिक पैकज देने पर भी सक्रियता से विचार कर रहा है। इसमें मौजूदा और नए उद्यमों को भी शामिल किया जाएगा और इससे जम्मू कश्मीर में कारोबार और उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा। इसकी घोषणा करते हुए उपराज्यपाल ने कहा, आप जानते हैं कि दो प्रतिशत कर्ज रियायत दी जाती है और लोग ऐसी ही उम्मीद करते हैं। पिछले करीब 20 साल में कारोबार को नुकसान हुआ है, इसलिए यहां की विशेष स्थिति को ध्यान में रखते हुए हमने छोटे, मध्यम या बड़े, सभी कारोबारों को बिना किसी भेदभाव के पांच प्रतिशत ब्याज छूट देने का फैसला किया है। यह असाधारण स्थिति है। उन्होंने कहा कि केंद्र प्रशासित क्षेत्र का प्रशासन 950 करोड़ रुपए की सीधे मदद कर रहा है। सिन्हा ने उधार लेने वाले सभी कारोबारियों के लिए अगले साल मार्च तक स्टांप ड्यूटी में छूट की घोषणा की। उन्होंने कहा कि नया आर्थिक पैकेज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत घोषित पैकेज का हिस्सा है।

उन्होंने कहा, कुल मिलाकर यह आर्थिक पैकेज आकार और पहुंच के हिसाब से ऐतेहासिक है। मैं देख सकता हूं कि केंद्र शासित क्षेत्र के विकास में योगदान देने के लिए कश्मीरी व्यग्र हैं क्योंकि वे हमारे पड़ोसी द्वारा प्रायोजित सीमा-पार के आतंकवाद से तंग आ चुके हैं। उपराज्यपाल ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत जम्मू कश्मीर बैंक के जरिए लोगों को 14,00 करोड़ रुपए दिए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि सरकार टैक्सी ड्राइवरों, ट्रांसपोर्टर, ऑटोरिक्शा ड्राइवरों, (शेष पेज 9)

पश्चिम बंगाल, केरल से नौ अलकायदा आतंकी गिरफ्तार

साजिश ध्वस्त

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली/कोलकाता

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन अलकायदा द्वारा भारत में ठिकाना बनाने की कोशिश का भंडाफोड़ किया है और पश्चिम बंगाल एवं केरल में उस पर शिकंजा कसते हुए नौ सदस्यों को गिरफ्तार किया है।

दूसरी ओर जम्मू-कश्मीर के राजौरी में शनिवार को आतंकवाद निरोधक अभियान के दौरान तीन संदिग्ध आतंकवादियों को गिरफ्तार किया गया। उनके पास से बड़ी मात्रा में हथियार और गोलाबारूद बरामद किया गया है। आधिकारिक प्रवक्ता ने शनिवार को बताया कि केंद्रीय खुफिया एजेंसियों से मिली जानकारी के आधार पर एनआईए ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर 18-19 सितंबर की दरमियानी रात केरल के एर्णाकुलम और पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में छापेमारी कर नौ लोगों को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि मुर्शिद हसन, याकूब बिस्वास, मुसरफ हुसैन को एर्णाकुलम से जबकि नजमुस साकिब, अबू सुफियान, मैनुल मंडल, लियू यिन अहमद, अल मामून कमाल और अतितुर रहमान को मुर्शिदाबाद से गिरफ्तार किया गया।

एनआईए प्रवक्ता ने बताया कि केरल से गिरफ्तार हसन गिरोह का सरगना है और मूल रूप से पश्चिम बंगाल का रहने वाला वाला है। मामले की जांच कर रहे अधिकारियों के मुताबिक गिरफ्तार संदिग्ध धुर कट्टरपंथी हैं और उन्हें पाकिस्तान स्थित अलकायदा के आतंकवादियों सहित विदेशी आकाओं से इंटरनेट के जरिये निर्देश मिल रहा था। मॉड्यूल भारत में अहम प्रतिष्ठानों पर हमला करने के साथ लक्षित हत्या करने की योजना बना रहा था। वे हमले के लिए हथियार (स्वचालित राइफल और पिस्तौल), गोलाबारूद और विस्फोटक खरीदने के अग्रिम चरण में पहुंच चुके थे।

अधिकारी के मुताबिक पटाखों को इम्प्रोवाइस्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) में तब्दील करने की कोशिश की जा रही थी और छापेमारी के दौरान एनआईए ने अबू सुफियान के घर से स्विच और बैटरी बरामद की है। अधिकारी ने बताया कि पाकिस्तान में बैठे अपने आका के निर्देश पर मॉड्यूल के सदस्य जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर सहित देश के विभिन्न हिस्सों में अलकायदा के संगठित नेटवर्क (शेष पेज 9)

बम बनाने की फैक्ट्री बना बंगाल: राज्यपाल धनखड़

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने आरोप लगाया कि प्रदेश 'अवैध बम बनाने का अड्डा बन चुका है' और कानून-व्यवस्था की बदतर होती स्थिति के लिये अपनी जवाबदेही से राज्य प्रशासन बच नहीं सकता। राज्यपाल ने ट्वीट किया कि प्रदेश अवैध बम बनाने का अड्डा बन चुका है। इससे लोकतंत्र की स्थिरता को खतरा हो सकता है। (मुख्यमंत्री) ममता बनर्जी की पुलिस राजनीतिक कार्य करने में तथा विपक्ष के साथ भिड़ने में व्यस्त है । राज्य में दिन-ब-दिन बदतर होती कानून व्यवस्था की जवाबदेही से पश्चिम बंगाल पुलिस भाग नहीं सकती है। धनखड़ ने एक अन्य ट्वीट में आरोप लगाया कि पुलिस महानिदेशक यथार्थ से कितने दूर हैं, यह चिंता का विषय है। शुतुरमुर्ग वाला उनका रुख बहुत परेशान करने वाला है। राज्यपाल पहले भी कई मौकों पर प्रदेश की पुलिस और प्रशासन की आलोचना कर चुके हैं।

देश में कम्युनिटी संक्रमण की सच्चाई स्वीकारे केंद्र: जैन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने शनिवार को कहा कि जब राष्ट्रीय राजधानी और देश के अन्य स्थानों पर लगातार कोरोना के मामले बढ़ रहे हैं, ऐसे में कोरोना के कम्युनिटी स्प्रेड यानी सामुदायिक संक्रमण को स्वीकार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार और आईसीएमआर इस संबंध में स्थिति स्पष्ट करें। राजधानी दिल्ली समेत उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, गुजरात, बिहार, पश्चिम बंगाल आदि राज्यों में कोरोना वायरस का संक्रमण फैलता जा रहा है। ऐसे में कोरोना के कम्युनिटी स्प्रेड पर फिर बहस छिड़ गई है। जैन इसी पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। सत्येंद्र जैन ने यह भी कहा कि राजधानी में बढ़ते मामलों से लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। बस, लोग सतर्क रहें। दिल्ली में कोरोना से मृत्यु दर भी लगातार घट रही है। यहां पहले मृत्यु दर तीन फीसद से अधिक थी, जो अब घटकर 2.05 फीसदी पर आ गई है। यदि पिछले 10 दिन के आंकड़ों पर गौर करें मृत्यु दर एक फीसदी से भी कम 0.68 फीसदी रही है। इसका कारण यह है कि अस्पतालों में इलाज के एक (शेष पेज 9)

ग्रेटर नोएडा में बनेगी देश की सबसे खूबसूरत फिल्म सिटी

- उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने की बड़ी घोषणा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में देश को एक अच्छी फि ल्म सिटी की आवश्यकता है। उत्तर प्रदेश यह जिम्मेदारी को लेने के लिए तैयार है और एक बेहतरीन फि ल्म सिटी बनाई जाएगी। उन्होंने कहा कि फि ल्म सिटी के लिए नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना एक्सप्रेस वे का क्षेत्र बेहतर होगा।

यह फिल्म सिटी फि ल्म निर्माताओं को एक बेहतर विकल्प उपलब्ध कराएगी। साथ ही रोजगार सृजन की दृष्टि से भी अत्यंत उपयोगी प्रयास होगा। उन्होंने इस सिलसिले में भूमि के विकल्पों के साथ यथाशीघ्र कार्य योजना तैयार करने का निर्देश दिया है। एक सरकारी बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार शाम अपने सरकारी आवास पर वीडियो कांफ्रें स के माध्यम से मेरठ मंडल मेरठ, हापुड़, बागपत, गौतमबुद्ध नगर, गाजियाबाद, बुलन्दशहर जनपद के विकास कार्यों की समीक्षा कर रहे थे।

इसी दौरान मुख्यमंत्री ने फिल्म सिटी परियोजना का ऐलान किया है। समीक्षा बैठक के दौरान यमुना प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने भूमि उपलब्ध करवाने की सहमति भी दे दी है। योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश में फि ल्म सिटी बसाने की घोषणा ऐसे वक्त में की है जब मुंबई में फि ल्म उद्योग पर सवालिया निशान उठ रहे हैं। वहां क्षेत्रवाद, भाई भतीजावाद और ड्रग्स जैसे अवैध कारोबार में संलिप्तता के आरोप सामने आ रहे हैं। ऐसे समय में राज्य सरकार की यह पहल बहुत मायने रखती है। उत्तर भारत के तमाम फि ल्म निर्माता, अभिनेता और कलाकार मुंबई के समांतर उत्तर भारत में फि ल्म उद्योग को बढ़ावा देना चाहते हैं।

मेरठ, गाजियाबाद को स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित करने की है योजना

कैलाश मानसरोवर भवन निर्माण की स्थिति की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने गाजियाबाद में जनप्रतिनिधियों के प्रशिक्षण हेतु प्रस्तावित केंद्र के निर्माण कार्य को शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए। योगी ने कहा कि मेरठ व गाजियाबाद को स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित करने की योजना महत्वपूर्ण है। इसे शीघ्रता से प्रारंभ किया जाए। गन्ना किसानों को हुए भुगतान की स्थिति की समीक्षा करते हुए योगी ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि नया पेराई सत्र प्रारंभ होने से पूर्व पिछला सारा बकाया भुगतान हो जाए। समीक्षा बैठक में (शेष पेज 9)

बाजार

सेंसेक्स	38,845	
निफ्टी	11,504	
सोना	52,672	/10g
चांदी	69,841	/kg

क्विक न्यूज

कोरोना के एक दिन में 93,337 नए मामले, 1247 लोगों की मौत

नई दिल्ली। स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि भारत ने कोविड-19 रोगियों के स्वस्थ होने के मामले में ऐतिहासिक वैश्विक उपलब्धि हासिल करते हुए अमेरिका को पीछे छोड़ दिया है और इस मामले में शीर्ष स्थान पर पहुंच गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा शनिवार सुबह आठ बजे अद्यतन किए गए आंकड़ों के मुताबिक बीते 24 घंटे में 95,880 लोग संक्रमणमुक्त हो गए है। इसी अवधि में कोरोना वायरस संक्रमण के 93,337 नए मामले सामने आए जिसके साथ देश में कोविड-19 के कुल 53,08,014 मामले हो गए है। बीते 24 घंटे में 1,247 संक्रमितों की मौत हुई है जिसके साथ मृतक संख्या बढ़कर 85,619 हो गई।

सीबीआई ने 15 के खिलाफ दायर की अनुपूरक चार्जशीट

अगस्ता हेलीकॉप्टर घोटाला

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रतीकात्मक चित्र

सीबीआई ने अगस्ता वेस्टलैंड हेलीकॉप्टर मामले में ब्रिटिश नागरिक क्रिश्चियन मिशेल जेम्स और कारोबारी राजीव सक्सेना के खिलाफ पूरक आरोप पत्र दाखिल किया।

विशेष न्यायाधीश अरविंद कुमार के समक्ष अपनी अंतिम रिपोर्ट में सीबीआई ने दोनों कथित बिचौलियों मिशेल और सक्सेना तथा 13 अन्य को आरोपी बनाया है। अदालत मामले पर 21 सितंबर को विचार कर सकती है। सूत्रों के मुताबिक शुक्रवार को दाखिल जांच रिपोर्ट में घोटाले में नेताओं, नौकरशाहों और वायु सेना के अधिकारियों के लिए रिश्वत लेने के मामले में मिशेल, सक्सेना और अन्य की कथित भूमिका का ब्योरा दिया गया है। सूत्रों ने बताया कि एजेंसी ने इस साल की शुरूआत में पूर्व रक्षा सचिव शशिकांत शर्मा पर मुकदमा चलाने के लिए संबंधित प्राधिकारों से अनुमति मांगी थी, लेकिन अब तक अनुमति नहीं मिलने के कारण उनका नाम आरोपी के तौर पर शामिल नहीं किया गया है।

एजेंसी ने अदालत को बताया कि वह मामले में बाद में एक और पूरक आरोपपत्र दाखिल कर सकती है। मामले में सितंबर 2017 में दाखिल पहले (शेष पेज 9)

दर्शकों से खाली स्टेडियम में आईपीएल टी-20 का आगाज

भाषा। अबुधाबी

कोरोना वायरस के कारण इंडियन प्रीमियर लीग का आयोजन खाली स्टेडियम में कराया जा रहा है लेकिन चकाचौंध की कमी को पूरा करने के लिए फ्रेंचाइजी टीमों ने पूर्व में रिकार्ड किए गए दर्शकों के शोर से माहौल को गुंजायमान रखा। शेख जाएद स्टेडियम की क्षमता 20,000 दर्शकों की है जो पूरा खाली था। केवल पिच पर 22 खिलाड़ियों के अलावा अधिकारी, स्टाफ, सुरक्षा और कुछ अन्य लोग वहां मौजूद थे और ऐसे ही माहौल में आईपीएल आरंभ हुआ। वीआईपी बॉक्स में बीसीसीआई के शीर्ष अधिकारी बैठे थे जिसमें अध्यक्ष सौरव गांगुली और सचिव जय शाह के अलावा एमिरेट्स क्रिकेट बोर्ड के अधिकारी सामाजिक दूरी का ध्यान रखते हुए एक दूसरे से पर्याप्त दूरी पर विराजमान थे। चेन्नई सुपर किंग्स के करिश्माई कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने टॉस के समय मजाक के लहजे में कहा कि सामाजिक दूरी के दिशानिर्देशों को देखते हुए वह एक स्लिप रख सकते हैं।

अबुधावी में आईपीएल का पहला मैच आयोजित होने से पूर्व खाली पड़ा शेख जाएद स्टेडियम

गौरतलब है कि भारत में कोरोना महामारी के बढ़ते मामलों के कारण टूर्नामेंट यूएई में खेला जा रहा है। कठिन हालात में सिनेमा और क्रिकेट के लिए तरस रहे दर्शकों के लिए भी यह आईपीएल खास होगा और खिलाड़ियों के लिए भी। ऐसे में जब सामाजिक दूरी और स्वास्थ्य प्रोटोकॉल दिनचर्या का हिस्सा बन चुके हैं, अगले 53 दिन धोनी की चेन्नई सुपर किंग्स, कोहली की रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर, रोहित की मुंबई इंडियंस, केएल राहुल की किंग्स इलेवन पंजाब और श्रेयस अय्यर की दिल्ली कैपिटल्स समेत आईपीएल टीमों के नाम होंगे। आईपीएल पहले भी विदेश में हुआ है लेकिन इस बार करोड़ों डॉलर का यह क्रिकेटिया तमाशा पहली बार जैविक सुरक्षित माहौल में होगा। इसमें क्रिस गेल और डेविड वार्नर के गगनभेदी छक्कों पर तालियां पीटने वाले नहीं होंगे और ना ही सुपर ओवर में कोई शोर सुनाई देगा। इसके बावजूद कोई शिकायत नहीं क्योंकि कम से कम खेल देखने को तो मिलेगा। कागजों पर आकलन करें तो मुंबई की टीम सबसे मजबूत नजर आ रही है जिसमें रोहित के अलावा हार्दिक और कृणाल पंड्या, कीरोन पोलार्ड और डैथ ओवरों के शहंशाह गेंदबाज जसप्रीत बुमराह हैं। चेन्नई टीम को भले ही बूढ़ों की फौज कहें लेकिन इस टीम ने साबित किया है कि सफलता और प्रतिभा उम्र के मोहताज नहीं होते। शेन वाटसन, ड्वेन ब्रावो, फाफ डु प्लेसी और रविंद्र जडेजा ने अपना सौ प्रतिशत इस टीम को दिया है और इस बार भी देंगे। वहीं कोहली की उपलब्धियों में आईपीएल खिताब की कमी खटकती है जिसे वह पूरा करना चाहेंगे।

फरीदाबाद में डिस्पेंसरी बनेगी मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल

सीएम मनोहर लाल ने करोड़ों की विकास परियोजनाओं को दी मंजूरी

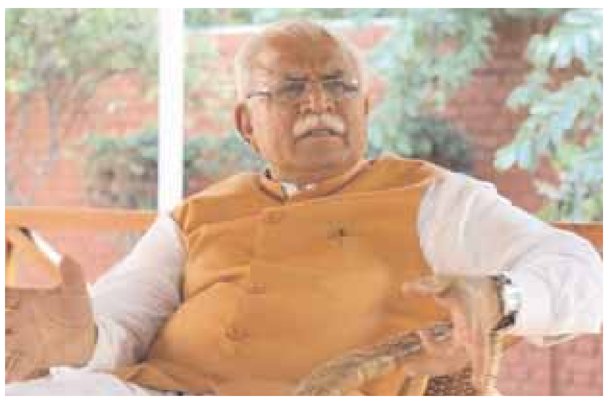

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने विभिन्न विकास कार्यों के लिए नगर निगम, फरीदाबाद को 5.66 करोड़ रुपये की धनराशि के आवंटन को मंजूरी दे दी है, जिसमें सिविल डिस्पेंसरी, ओल्ड फरीदाबाद को अपग्रेड करके मल्टी-स्पेशलिटी अस्पताल बनाना और ओल्ड फरीदाबाद के प्राथमिक बॉयज स्कूल को माध्यमिक विद्यालय के स्तर पर अपग्रेड करना शामिल है।

सरकारी प्रवक्ता ने शनिवार को इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि बल्लभगढ़ क्षेत्र में सीवर लाइनों को बिछाने के लिए 2.72 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि आवंटित की गई है, जिसमें वार्ड संख्या 37, बल्लभगढ़ में बनियावाड़ा और कुमारवाड़ा की सीवर लाइन के कार्य पर 86.43 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। जबकि वार्ड संख्या 36, बल्लभगढ़ में सीही गेट रोड से डिस्पोजल सेक्टर-3, तिगांव रोड की सीवर लाइन के कार्य पर 86.06 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। इसी प्रकार, मिल्क प्लांट रोड से अहीरवाड़ा, राजवाड़ा, बाल्मीकि बस्ती, बनियावाड़ा, कुमारवाड़ा और तिगांव रोड, बल्लभगढ़ की सीवर लाइन पर 99.59 लाख रुपये खर्च होंगे। उन्होंने बताया कि सिविल डिस्पेंसरी, ओल्ड फरीदाबाद को अपग्रेड करके मल्टी-स्पेशलिटी अस्पताल बनाने और प्राथमिक बॉयज स्कूल को माध्यमिक विद्यालय के स्तर पर अपग्रेड करने के लिए 99.76 लाख रुपये आवंटित किए गए हैं। प्रवक्ता ने बताया कि नगर निगम, फरीदाबाद के वार्ड नंबर-33 में सेक्टर-11 मार्केट की पार्किंग को चौड़ा करने के लिए 80 मिमी मोटाई की इंटरलॉकिंग पैवर्स टाइलें लगाने के लिए 98.84 लाख रुपये तथा वार्ड संख्या-37 में विभिन्न सड़कों पर एम-20 ग्रेड का रेडी मिक्स कंक्रीट (आरएमसी) के कार्य के लिए 95.65 लाख रुपये आवंटित किए गए हैं।

हरियाणा के प्राइवेट स्कूलों में भी बनेंगे परिवार पहचान पत्र

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने सोमवार से प्रदेश में परिवार पहचान पत्र का दूसरा चरण शुरू करने का फैसला किया है। जिसके तहत राज्य के बीस हजार निजी स्कूलों में भी परिवार पहचान पत्र बनाए जाएंगे।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने 4 जुलाई 2020 को पंचकूला में 20 परिवारों को परिवार पहचान पत्र देकर यह योजना शुरू की थी। सरकार द्वारा प्रदेश में 56 लाख परिवारों का डाटा जुटाया गया है जिनमें 18 लाख 28 हजार परिवारों के परिवार पहचान पत्र बनाने का काम शुरू हो चुका है। सरकार ने तीन माह के भीतर पूरे हरियाणा को इस योजना के तहत कवर करने का फैसला किया है।

पहले चरण में प्रदेश सरकार द्वारा सभी सरकारी स्कूलों में परिवार पहचान पत्र बनाए जाने के बाद अब सोमवार से निजी स्कूलों को भी इस प्रक्रिया में शामिल किया जा रहा है। शिक्षा निदेशालय द्वारा प्रदेश के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों, जिला मौलिक शिक्षा अधिकाररियों को निर्देश जारी कर दिए हैं। निजी स्कूल प्रबंधक परिवार पहचान पत्र बनाने वाले कर्मचारियों को बैठने के लिए स्थान उपलब्ध करवाएंगे।

अमरेंद्र सिंह अरोड़ा को मिली फिर से प्रदेश युवा इकाई की कमान

हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष को सिरोपा भेंट करते युवा अध्यक्ष अमरेंद्र सिंह अरोड़ा व अन्य।

करनाल। हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष बलजीत सिंह दादूवाल ने शनिवार को पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल पर श्री अकाल तख्त की मान मर्यादा को धूमिल करने का आरोप लगाया लगाते हुए कहा कि बादल परिवार ने पंजाब और हरियाणा में गुरुद्वारों के लिए अलग-अलग राजनीति की और हरियाणा में सिख पंथ को बेच डाला।

उन्होंने कहा कि बादल परिवार ने हरियाणा के गुरुद्वारों में मौजूद केवल गुल्लकों पर कब्जा जमाने का काम किया और हरियाणा सिख समुदाय की बाजुओं को परे झटक दिया। वह शनिवार को सीएम सिटी करनाल में अपने सम्मान में आयोजित समागम को संबोधित कर रहे थे। समागम का आयोजन हरियाणा युवा गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष अमेरेद्र सिंह अरोड़ा ने किया। इससे पहले दादूवाल ने हरियाणा गुरद्वारा प्रबंघक कमेटी की युवा इकाई की कमान अमरेन्द्र सिंह अरोड़ा को सोपने का एलान करते हुए कहा कि अमरेन्द्र सिंह अरोड़ा ही युवाओं को संगठित करने में सक्षम हैं। वहां मौजूद सिख संगत ने अमरेन्द्र सिंह के एलान का तालियां बजा कर स्वागत किया। नप के पूर्व प्रधान बलविंदर सिंह कालडा, बलविंदर सिंह डाचर, ध्यान सिंह पेहवा, गुरमेल सिंह, गुरविंदर सिंह, जरनैल सिंह, अमृतपाल सिंह, जसप्रीत सिंह, हरविंदर सिंह अरोड़ा, जगजीत सिंह, यादविंदर सिंह, पलविंदर सिंह बेदी, पलविंदर सिंह, गुरुदेव सिंह पीपली, सुरजीत सिंह दरड़, भाकियू के प्रदेश अध्यक्ष सेवा सिंह आर्य, संजय बत्रा, परमजीत सिंह अरोड़ा मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

शनिवार को गुरुग्राम में कोरोना के 360 नए केस, 3 मौत

गुरुग्राम। शनिवार को जिले में कोरोना के 360 नए केस आए और 3 लोगों की मौत हो गई। अब तक 159 की मौत कोरोना से हो चुकी है। अब तक जिले में कोरोना के 17423 पॉजिटिव केस आ चुके हैं। जिला स्वास्थ्य विभाग की ओर से शनिवार को जारी बुलेटिन के मुताबिक अब तक 228468 लोगों को सर्विलांस पर लिया गया है। 183927 ने अपना सर्विलांस पीरियड पूरा कर लिया है। वहीं 44541 लोग अभी भी सर्विलांस पर हैं। अब तक 225152 लोगों के सैम्पल लेकर जांच को भेजे गए हैं, जिनमें से 204211 की रिपोर्ट नेगेटिव आई है और 17423 की रिपोर्ट पॉजिटिव। इनमें से 14483 लोग ठीक हो चुके हैं। जिले में एक्टिव केस 2781 रह गए हैं। शनिवार को 360 नए केस आए और 331 ठीक भी हुए। जोन-1 में 63, जोन-2 में 84, जोन-3 में 83, जोन-4 में 80, पटौदी खंड में 20, फर्रुखनगर में एक, सोहना खंड में 20 केस आए हैं।

इनेलो ने दिया किसानों व आढ़तियों के धरने को समर्थन

इंद्री। अनाज मंडी में आढ़तियों, किसानों व मंडी से जुड़े सभी लोगों ने दूसरे दिन भी अपना रोष प्रदर्शन जारी रखते हुए सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। मौके पर काफी संख्या में आढ़ती व किसान मौजूद रहे। शनिवार को धरने को उस समय और बल मिल गया जब इनेलो नेता प्रदीप कांबोज ने अपने समर्थकों से धरने को अपना समर्थन दिया। इनेलो नेता प्रदीप काबोज ने कहा कि सरकार तीनों अध्यादेश लागू करके आढ़ती और किसान के बीच का संबध तोड़ने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि इन अध्यादेशों की वजह से किसान, आढ़ती और मजदूर वर्ग परेशान है। मौके पर मंडी प्रधान सतपाल बैरागी, पृथ्वीराज कांबोज, पवन सिंगला, बलवान, मुकेश मंगला, जय प्रकाश बंसल, कृष्ण पसरीचा, बाल कृष्ण लांबा, सुभाष बंसल, बलराम सहित काफी संख्या में आढ़ती व मजदूर मौजूद रहे।

वैल्डिंग करते समय तेल टैंकर में लगी आग, ड्राइवर झुलसा

इंद्री। अनाज मंडी के पास एक तेल टैंकर में वैल्डिंग करते समय आग लग गई है जिससे एक धमाका हआ। हादसे में गंभीर रूप से झुलसे टैंकर ड्राइवर इंद्री के सरकारी हस्पताल ले जाया गया। प्रत्यक्षदर्शी बबली दीवान व राजेश चहल ने बताया कि वैल्डिंग करते समय टैंकर में गैस बनने के कारण आग लगी है जिससे टैंकर के उपर बैठा ड्राइवर की चपेट में आ गया। उन्होंने बताया कि उसपर कंबल डालकर इंद्री के सरकारी अस्पताल में पहुंचाया। उन्होंने बताया कि टैंकर में गैस बनने के कारण यह हादसा हुआ है। हादसे में कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ। पुलिस अधिकारी गुरजीत सिंह ने बताया कि टैंकर में आग लगने की सूचना मिली थी। उन्होंने बताया कि राजू मेहता के पेट्रोल पंप से यह टैंकर वैल्डिंग कराने आया था जहां यह हादसा हो गया। इस में ड्राइवर को चोट लगी है जिसे सरकारी हस्पताल में दाखिल कराया है। बाकि पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है।

एक हजार पौधे लगा कर गांव लुखी में पौधारोपण शुरू

कुरुक्षेत्र। जननायक जनता पार्टी के युवा जिलाध्यक्ष जसविंद्र सिंह खैहरा ने कहा है कि पर्यावरण को शुद्ध रखना हमारा परम कतर्व्य बनता है। पर्यावरण को शुद्ध रखने के लिए आवश्यक है कि हमें समय-समय पर पौधारोपण करना चाहिए। जसविंद्र सिंह खैहरा शनिवार को गांव लुखी में पौधारोपण अभियान की शुरुआत कर रहे थे। खैहरा ने बताया कि उन्होंने टीम के साथ मिलकर गांव लुखी में लगभग एक हजार पौधे लगाकर पौधारोपण अभियान की शुरुआत की है। इसके बाद वे हर गांव में 500-500 पौधे लगाएंगें, ताकि पर्यावरण शुद्ध हो सके। जसविंद्र सिंह खैहरा ने कहा कि वे गांवों में सार्वजनिक भूमि पर पौधे लगाएंगें। कई स्थानों पर तो देखा जाता है कि शमशान घाट जैसे स्थानों पर कोई पौधा नहीं लगा होता, जबकि वहां जगह भी खाली होती है और छाया की भी आवश्यकता होता है। वे प्रयास करेंगें कि हर गांव में जाएं व इस प्रकार के स्थानों पर पौधे रोपित करें जहां जगह खाली है व छाया की आवश्यकता है। खैहरा ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि वे जन्मदिन, सालगिरह या शादी जैसे विशेष अवसरों पर पौधे लगाएं। इस अवसर पर बल्ली राणा, नीरज भारद्वाज, प्रमोद राणा, सुखदेव राणा, चीलू राम, पपिंद्र राणा, जतिन राणा, राहुल राणा, अनूप राणा, सोनू राणा, अजय राणा सहित अन्य ने सहयोग किया।

किसानों को दिग्भ्रमित कर रहा विपक्ष : योगेश शर्मा

कुरुक्षेत्र। जन नायक जनता पार्टी के पूर्व प्रत्याशी एंव कार्यालय सचिव योगेश शर्मा ने कहा कि हरियाणा में जजपा-भाजपा सरकार किसानों, जीमीदारों और आम आदमी के हित में कार्य कर रही है। अपने कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान शर्मा ने कहा कि विपक्ष के पास सरकार के खिलाफ कोई मुद्धा नहीं है, इसलिए कांग्रेस और इनेलो किसानों को दिग्भ्रमित कर अपनी राजनीति चमका रहे हैं। जजपा नेता ने कहा कि जजपा सुप्रीमो दुष्यंत चौटाला की बढ़ती लोकप्रियता और नितियों से घबराए पूर्व सीएम भूपेन्द्र हुड्डा बोखला गए हैं। उन्होंने कहा कि सुरजेवाला और हुड्डा पहले आपस में लडतें थे अब किसानों को बेसाखियां बनाकर सरकार से लड़ रहे हैं। शर्मा ने कहा कि दुष्यंत चौटाला किसानों के सच्चे हमदर्द है।

भाजपा सरकार किसानों व व्यापारियों को बर्बाद करने पर तुली

कुरुक्षेत्र। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस महिला विंग की प्रदेश उपाध्यक्षा सुनीता नेहरा ने कहा कि सरकार किसानों और व्यापारियों को बर्बाद करने पर तुली है। इसलिए केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा 3 अध्यादेशों को लागू किया गया है। वे गांव सूढ़पुर में लोगों से जनसंपर्क कर रही थी। उन्होंने कहा कि किसानों व व्यापारियों के खिलाफ लाए गए तीनों अध्यादेशों का कांग्रेस विरोध कर रही है, क्योंकि कांग्रेस ही एक मात्र ऐसी पार्टी है, जो हर वर्ग के कल्याण के लिए सोचती है। उन्होंने कहा कि पार्टी द्वारा इन अध्यादेशों को रद्द करने की मांग की जा रही है। नेहरा ने कहा कि 21 सितम्बर को कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा पूर्व मंत्री अशोक अरोड़ा के नेतृत्व में उपायुक्त कार्यालय पर प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा जाएगा। मनीष शर्मा, चरणजीत, विकास, पवन सैनी सहित अन्य मौजदू रहे।

प्रतियोगिता में कक्षा नौवीं के उदय शर्मा रहे प्रथम

शाहाबाद मारकंडा। सिटी हर्ट स्कूल में कोविड-19 पर ऑनलाईन क्विज प्रतियोगिता आयोजित करवाई गई, जिसमें लगभग 78 विद्यार्थियों ने भाग लिया। स्कूल के प्रबंधक सतीष अहूजा ने विडियो कॉल के माध्यम से बच्चों को कोरोना के बारे में विस्तार से बताया। स्कूल की मुख्याध्यापिका चंचल आहुजा ने भी बच्चों को कोरोना से बचाव के बारे में बताया। रोटरी क्लब शाहाबाद के सचिव रो. आरएस घुम्मन ने बताया कि प्रतियोगिता में कक्षा नौवीं से उदय शर्मा प्रथम, कक्षा सातवीं से विषाखा शर्मा द्वितीय तथा कक्षा दसवीं से लिशिका ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

जजपा ने रेवाड़ी में दिया अनुसूचित जाति को प्रतिनिधित्व

सभ्रवाल को बनाया जजपा का जिला प्रधान

पायनियर समाचार सेवा। रेवाड़ी

जननायक जनता पार्टी द्वारा गठित की गई नई कार्यकारिणी में पार्टी ने जिले में अनुसूचित जाति को प्रतिनिधित्व देते हुए जिले की बावल विधानसभा सुरक्षित सीट से चुनाव लड़ चुके श्याम सुंदर सभ्रवाल को जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी है। इधर पार्टी कार्यकर्ताओं ने नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए नवनियुक्त जिला अध्यक्ष को बधाई दी है।

जजपा का जिला अध्यक्ष बनने पर श्यामसुंदर सभ्रवाल को बधाई देते पार्टी कार्यकर्ता।

सभ्रवाल की जिला अध्यक्ष के पद पर नियुक्ति होने के बाद पार्टी के दर्जनों कार्यकर्ताओं ने निवास पर पहुंचकर फूल मालाएं पहनाकर उनका स्वागत किया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि नेतृत्व ने श्याम सुंदर सभ्रवाल को जिला अध्यक्ष का पद देकर जमीन से जुड़े कार्यकर्ता को स6मान देने की अपनी परंपरा को निभाया है। उन्होंने कहा कि पार्टी के गठन के समय दक्षिणी हरियाणा में सबसे पहले सभ्रवाल ने दुष्यंत चौटाला की आवाज को बुलंद कर कार्यकर्ताओं में जोश भरने का काम किया था। कार्यकर्ताओं के बीच उनकी बेहद साफ व स्वच्छ छवि है। सभी ने उन्हें बधाई दी। इधर सभ्रवाल ने कहा कि वह पार्टी द्वारा दी गई जिम्मेदारी को और भी मजबूती व कर्तव्यनिष्ठा के साथ निभाएंगे। उन्होंने हमेशा अजय सिंह चौटाला व दुष्यंत चौटाला की नीतियों पर चलकर पार्टी के लिए काम किया है, उनकी मेहनत का पहिया कभी नहीं थमेगा। पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाकर संगठन को और मजबूत करने की दिशा में काम करेंगे। सभ्रवाल को बधाई देने वालों में प्रमुख रूप से टेकचंद सैनी, चौधरी देवीराम, बिमला चौधरी, मलखानसिंह, शीशराम चौंकन, बच्चू सिंह, मास्टर रणवीर, अमन जून, राजबीर तिहाड़ा, विपिन माजरा, झम्मन बीदावास, सत्येंद्र झाबुआ और अन्य शामिल थे।

पेड़ से लटका मिला युवक का शव हत्या या आत्महत्या

रेवाड़ी। रेवाड़ी-महेंद्रगढ़ रोड पर गांव बालावास में रेलवे फाटक के निकट पेड़ पर लटके मिले एक युवक के शव के बाद सनसनी फैल गई है। मृतक की पहचान अभी नहीं हो पाई है।

मृतक के चेहरे पर चोट के निशान हैं। हालांकि आशंका हत्या की जताई जा रही है, लेकिन पुलिस इसे आत्महत्या का केस मानकर जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार बीती रात पुलिस को कंट्रोल रूम से सूचना मिली कि रेवाड़ी-महेंद्रगढ़ रोड पर गांव बालावास अहीर में रेलवे फाटक के निकट एक युवक का शव पेड़ से लटका हुआ है।

एक साल की मौन साधना पर किताब लिखेंगी साध्वी डॉ. मैत्रेयी आनंद

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

जगद गुरु ब्रह्मानंद वैदिक शोध संग्रहालय की संचालिका देवी डॉ. मैत्रेयी आनंद अपनी एक साल की मौन साधना पर जल्द ही किताब लिखेंगी। डॉ. मैत्रेयी आनंद ने 17 सितंबर 2019 को हरिद्वार में गंगाजल हाथों में लेकर एक साल का मौन धारण करने का संकल्प लिया था। अब यह संकल्प पूरा हुआ है।

संग्रहालय में पत्रकारों से बातचीत में डॉ. मैत्रेयी आनंद ने बताया कि यह पहली बार था कि जब उन्होंने एक साल लंबी मौन साधना की। इससे पहले उन्होंने 3-3 महीने की मौन साधना एकांत में रहकर की है। मगर इस बार लोगों के बीच में रहकर एक साल की साधना को पूरा किया। इस दौरान वे दो महीने तक ऑस्ट्रेलिया में रहकर हवन-यज्ञ करके आई। उन्होंने बताया कि इस एक साल की मौन साधना पर दीवाली तक मौन साधना का संगीत नाम से किताब लिखेंगी।

डॉ. मैत्रेयी आनंद ने बताया कि छह साल की आयु से ही वे भजन करने लग गई थी। इसके बाद उनकी रुचि पढ़ाई और अध्यात्म में अधिक हुई। उन्होंने 1979 में पहली बार 21 दिन की मौन साधना की थी। इस बार परीक्षा एक साल की थी, लेकिन गुरु ब्रह्मानंद के आशीर्वाद से यह साधना भी पूरी हुई। उन्होंने बताया कि 4 सितंबर 2019 को सुबह के समय

पत्रकारों से बातचीत करती देवी डॉ. मैत्रेयी आनंद।

हरिद्वार में गंगा किनारे उन्हें आभास हुआ कि एक साल का मौन व्रत रखने के लिए उन्हें कोई दैवीय शक्ति इशारा कर रही है। इसके बाद उन्होंने मन में संकल्प धारण किया और एक साल के लिए मौन व्रत का संकल्प ले लिया।

डॉ. मैत्रेयी ने कहा कि मौन साधना के दौरान ध्यान और एकाग्रता बहुत अधिक बढ़ी। उनके मुताबिक एक साल के दौरान उन्होंने 3 समय हवन यज्ञ रोजाना किया। सुबह लोंग, दोपहर को इलायची और शाम को काली मिर्च से हवन किया गया। हवन यज्ञ के दौरान गाय का घी और गाय के गोबर से बनी समीधा यानि लकड़ी का प्रयोग किया। अब 1008 लोगों को तुलसी के पौधे संग्रहालय की ओर से वितरित किए जाएंगे। इस अवसर पर प्रवेश राणा, जसमेर खनोदा, सुरजीत सुनहेड़ी, रामपाल आलमपुर, सुलतान और अजमेर आलमपुर मौजूद रहे।

किसान विरोधी अध्यादेश वापस ले सरकार : मदान

सोनीपत। समाजसेवी एवं कांग्रेस नेता निखिल मदान ने केंद्र सरकार द्वारा पेश किए गए कृषि अध्यादेशों को किसानों के लिए नुकसानदायक बताते हुए सरकार से अपील की कि वो इन अध्यादेशों को वापस ले और फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की बात करें। निखिल मदान ने जारी एक बयान में कहा कि सरकार वर्तमान अध्यादेश में फसलों को देश में किसी भी राज्य में बेचने की बात कर रही है, लेकिन न्यूनतम समर्थन मूल्य का वादा करने से बच रही है, जो किसानों के साथ सरासर धोखा है।

ये अध्यादेश मुख्य तौर पर मंडियों को खत्म करने और कृषि का निजीकरण करने का प्रयास है। कोरोना महामारी के चलते किसान पहले ही नुकसान में है और अब इस तरह के काले अध्यादेश से किसानों को और ज्यादा नुकसान होगा। निखिल मदान ने बताया कि इस अध्यादेश और किसानों पर कुरुक्षेत्र में हुए लाठीचार्ज के विरोध में प्रदेश कांग्रेस कमेटी सोमवार सुबह पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन कर उपायुक्त को ज्ञापन देगी और अध्यादेश को रद्द करने की मांग करेगी।

पीएम मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में 47 यूनिट रक्तदान एकत्रित किया

पायनियर समाचार सेवा। पटौदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में पटौदी खंड के गांव बोहड़ाकलां स्थित एसएससी अकादमी में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। ग्राम पंचायत बोहड़ाकलां की ओर से आयोजित शिविर में नवकल्प फाउंडेशन गुरुग्राम व रोटरी क्लब ऑफ गुड़गांव साउथ सिटी का विशेष योगदान रहा। शिविर में 47 यूनिट रक्तदान हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस की यहां सभी को बधाई देने के साथ रक्तदान जैसे नेक कार्य में भाग लेने पर रक्तदाताओं को सम्मानित भी किया। शिविर का शुभारंभ पटौदी के विधायक सत्यप्रकाश जरावता ने किया।

अपने संबोधन में विधायक सत्यप्रकाश जरावता ने कहा कि रक्तदान करके हम दूसरों का सीधे तौर पर जीवन बचा सकते हैं। इंसान का रक्त इंसान को ही लगाया जा सकता है। इसलिए अधिक से अधिक संख्या में लोग रक्तदान करें। ग्राम पंचायत बोहड़ाकलां के सरपंच

गुरुग्राम के गांव बोहड़ाकलां में लगाए गए रक्तदान शिविर में रक्तदाता व आयोजकों के साथ विधायक सत्यप्रकाश जरावता।

यजविंद्र शर्मा के सहयोग की भी सराहना विधायक सत्यप्रकाश जरावता ने की। उन्होंने रक्तदान करने वाले 46 लोगों के हौसले को भी सराहा। बता दें कि कोरोना महामारी काल में टीम नवकल्प की ओर से अब तक छह रक्तदान शिविर लगा दिए है। ग्राम सरपंच यजवेंद्र शर्मा, रोटरी क्लब ऑफ गुड़गांव साउथ सिटी के अध्यक्ष एडवोकेट नवीन गुप्ता, रोटरी क्लब के एसोसिएट डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रविन्द्र जैन, रोटेरियन गौरव मंगला, नवकल्प फाउंडेशन के उपाध्यक्ष व सिग्नेचर सत्वा के चेयरमैन प्रवीण अग्रवाल, गजेंद्र, प्रवीण शर्मा, राजबाला, विनोद गुप्ता, जिला पार्षद भूपेन्द्र पलासोली, पटौदी मंडल अध्यक्ष कृष्ण यादव, परिवर्तन एक प्रयास संस्था के धर्मबीर हिंदुस्तानी, मिसेज हरियाणा एवं समाजसेवी रितु कटारिया, विनोद गुप्ता, धर्मवीर, प्रवीण शर्मा, रविंद्र, मेहर सिंह गांधी, पूर्व मंडल अध्यक्ष नरेश शीलू, दयाराम मिल्कपुर,धर्मेन्द्र कुम्भावास, सतबीर चौहान, अभय चौहान, नंदलाल आदि मौजूद थे।

पूंजीपतियों के हाथ गिरवी रखने का षडयंत्र कर रही खट्टर-दुष्यंत सरकार

कैथल। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के महासचिव रणदीप सुरजेवाला ने शनिवार को कैथल में अपने निवास किसान भवन पर पत्रकार वार्ता को सम्बोधित किया और भाजपा सरकार द्वारा किसानों पर जबरदस्ती तीन अध्यादेश काला कानून के तौर पर काला कानून थोपने पर केंद्र की मोदी सरकार व हरियाणा की भाजपा-जजपा सरकार पर हमला बोला।

सुरजेवाला ने कहा कि देश के किसान, आढती, मंडी मुनीम, ट्रांस्पोर्टर, मजदूर पर मोदी सरकार व हरियाणा की भाजपा-जजपा ने हमला बोला है। केंद्र व हरियाणा की भाजपा सरकार किसान को अपने ही खेत में मजदूर बनाकर गुलाम बनाना चाहते हैं। देश के खेत व खलिहान पर भारतीय जनता पार्टी ने अतिक्रमण व आक्रमण किया है। भाजपा गरीव, पिछड़े व अनुसूचित जाति के इस देश के 30 से 40 करोड़ खेत मजदूरों की रोजी-रोटी छीन रही है। देश के 30 करोड़ किसानों की रोजी-रोटी व आजीविका छीन रही है। देश के

लाखों करोड़ों आढ़ती, मुनीम, मजदूरों की रोजी-रोटी छीनना चाहती है मोदी सरकार। देश के इतिहास में पहला ऐसा आक्रमण भाजपा सरकार द्वारा किया गया है। उन्होंने कहा कि भारत के भाग्यविधाता व अन्नदाता किसानों को बहुमत वाली बेरहम भाजपा सरकार ने बर्बाद किया और मुट्ठीभर पूंजीपति दोस्तों का सपना साकार किया। देशभर में 62 करोड़ किसान-मजदूर व 250 से अधिक किसान संगठन इन कानूनों के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं, पर प्रधानमंत्री मोदी सब ऐतराज दरकिनार कर देश को बरगला रहे हैं। अन्नदाता किसान की बात सुनना तो दूर, संसद में उनके नुमाइंदों की आवाज को दबाया जा रहा है और सड़कों पर किसान-मजदूरों को लाठियों से पिटवाया जा रहा है।

हरियाणा में अब एक अक्टूबर से शुरू होगा खरीफ का सीजन

चंडीगढ़। केंद्र सरकार ने हरियाणा को अभी तक 25 सितंबर से खरीफ खरीद का सीजन शुरू करने की मंजूरी नहीं मिली है। जिसके चलते अब विभागीय अधिकारियों ने एक अक्टूबर से धान व अन्य फसलों की खरीद शुरू करने की तैयारी कर ली है। हरियाणा के खाद्य आपूर्ति विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव पीके दास की अध्यक्षता में शनिवार को हुई समीक्षा बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा की गई। बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में पीके दास ने बताया कि खरीफ के सीजन में धान, बाजरा, मूंग और मक्के की खरीद की जाएगी और शनिवार को हुई बैठक में इनको अंतिम रूप दिए जाने पर चर्चा हुई है। उन्होंने बताया कि इस बार प्रदेश में धान के लिए 200 खरीद केंद्र, बाजरे के लिए 100 खरीद केंद्र, मूंग के लिए 25 खरीद केंद्र और मक्के के लिए 20 खरीद केंद्र बनाए जाएंगे। धान खरीद के केंद्रों में भी बढ़ोतरी भी हो सकती है।

मेलिया फर्स्ट सिटिजन - बुजुर्गों के लिए खास तौर पर डिजाइन किए स्मार्ट और इंटेलिजेंट घर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोरोना वायरस महामारी के कारण सुरक्षा की जरूरत और चिंता बढ़ने के कारण बुजुर्गों के रहने के लिए जगह की मांग तेजी से बढ़ने की संभावना है। इसीलिए देश भर में रियल एस्टेट डेवलपरों ने बुजुर्गों की खास जरूरत पूरी करने के लिए सीनियर लिविंग परियोजनाएं शुरू कर दी हैं। सिल्वरग्लेड्स ग्रुप की मेलिया फर्स्ट सिटिजन इसी तरह की परियोजना है, जो वरिष्ठ नागरिकों को रहने का उत्कृष्ट अनुभव प्रदान करने का वायदा करती है।

फर्स्ट सिटिजन दूसरी सीनियर लिविंग परियोजनाओं से अलग इसीलिए है क्योंकि इसमें एलेक्सा के साथ स्मार्ट और इंटेलिजेंट फीचर दिए गए हैं। मेलिया फर्स्ट सिटिजन में घरों के भीतर अनूठा 'वर्चुअल साथी' है, जो बुजुर्गों को सक्षम बनाता है और उन्हें अपने आराम के वर्षों में काफी कुछ करने का मौका देता है। इन फीचरों के कारण बुजुर्ग आत्मविश्वास के साथ जीवन बिताते हैं और फर्स्ट सिटिजन का बुजुर्गों के अनुकूल डिजाइन और चौबीस घंटे चिकित्सा उपचार एवं अन्य सुविधाओं वाला व्यापक सुविधा प्रबंधन इसे बुजुर्गों के रहने के लिए एकदम आदर्श जगह बनाता है।

परियोजना : 17 एकड़ में फैली फर्स्ट सिटिजन बुजुर्गों के लिए खासतौर पर तैयार की गई दिल्ली-एनसीआर की प्रीमियम टाउनशिप है, जिसमें 13 रिहायशी टावर हैं। दक्षिण गुरुग्राम में सोहना रोड पर अरावली की पहाड़ियों से घिरी फर्स्ट सिटिजन में प्रदूषण से पूरी तरह मुक्त वातावरण भी है और प्राकृतिक सुंदरता भी। टाउनशिप से अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे, अस्पताल, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स और शिक्षण संस्थानों तक पहुंचना भी बहुत आसान है।

इस परियोजना को दिल्ली-एनसीआर के प्रतिष्ठित डेवलपर सिल्वरग्लेड्स ग्रुप ने तैयार किया है। समूह उत्तर भारत में कई जानी-मानी परियोजनाएं तैयार कर चुका है। फर्स्ट सिटिजन की परिकल्पना बुजुर्गों की देखभाल का अनुभव रखने वाले संगठन एज वेंचर्स ने की है। एज वेंचर्स ही अनुभवी तथा कुशल टीम सदस्यों की मदद से परियोजना में सुविधाओं एवं सेवाओं को संभालेगा। भारत में बुजुर्गों के लिए पहली स्मार्ट तथा इंटेलिजेंट टाउनशिप कही जा रही मेलिया फर्स्ट सिटजन रहने वालों को न केवल अनूठी सुविधाएं देती है बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी को आसान बनाने के लिए तकनीक का प्रयोग भी करती है।

प्रमुख सुविधाएं : बुजुर्गों की रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करने के लिए खास तौर पर तैयार की गई विभिन्न सुविधाओं वाली पयोजना में कई प्रीमियम सुविधाएं हैं। संपूर्ण एवं संतोषजनक जीवनशैली प्रदान करने के लिए इसमें स्वास्थ्य की देखभाल, डाइनिंग, हाउसकीपिंग और मनोरंजन की विभिन्न सुविधाएं हैं।

पायनियर
नई दिल्ली, रविवार, 20 सितंबर 2020

चौबीस लोगों पर एफआईआर खाताधारकों के 100 करोड़ फंसे

शासन द्वारा गठित टीम करेगी जांच : एसपी सिटी अभिषेक वर्मा

महामेधा बैंक घोटाला

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

महामेधा बैंक के खाताधारकों के लिए बुरी खबर है। स्पेशल ऑडिट रिपोर्ट आने के बाद घोटाले में गाजियाबाद कोतवाली में बैंक से जुड़े पूर्व अधिकारियों और कार्यकारिणी से जुड़े 24 लोगों पर एफआईआर दर्ज हुआ है। यह एफआईआर गाजियाबाद के सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता देवेंद्र सिंह की शिकायत पर हुई है। मामले में सालों बाद इतनी बड़ी कार्रवाई की गई है।

दर्ज एफआईआर के मुताबिक, स्पेशल ऑडिट रिपोर्ट में कुल 99 करोड़ 85 लाख 12 हजार 347 रुपये का फर्जीवाड़ा है। नामजद बैंक अधिकारियों में से पूर्व चेयरमैन पप्पू भाटी की कई साल पहले मौत हो चुकी है अब उनकी पत्नी सुनीता भाटी और छोटे भाई वर्तमान चेयरमैन राज सिंह भाटी के खिलाफ भी रिपोर्ट दर्ज की गई है। आरोप है कि महामेधा अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक प्रबंधन से जुड़े अधिकारियों और कार्यकारिणी के सदस्यों ने मिलीभगत कर कुछ सालों के दौरान हजारों खाताधारकों के 100 करोड़ रुपये से अधिक डकार लिए। बैंक के तीन जिलों गौतमबुद्धनगर, गाजियाबाद व हापुड़ में कुल 37,588 खाताधारक थे। जिनमें से 36,176 खाताधारक एक लाख से कम जमा वाले थे। इनके करीब 100 करोड़ से ज्यादा रुपये बैंक में जमा थे। कुछ महीने पहले ही जारी किए गए निर्देश के मुताबिक, इन सारे खाताधारकों को अब केवल 1-1 लाख रुपये बतौर बीमा राशि मिलेंगी और इनकी बाकी धनराशि डूब गई है।

इस संबंध में एसपी सिटी अभिषेक वर्मा का कहना है कि सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता देवेंद्र सिंह की शिकायत पर घंटाघर कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि मामले की जांच गाजियाबाद पुलिस नहीं करेगी। जांच के लिए शासन द्वारा टीम निर्धारित की जाएगी।

प्राधिकरण कार्यालय पर सफाई कर्मचारियों का हल्ला बोल

धरने को मिला आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष चंद्रशेखर का समर्थन

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा विकास प्राधिकरण के खिलाफ आंदोलन कर रहे सफाई कर्मचारियों ने शनिवार को एक बार फिर हल्ला बोला है। सफाई कर्मचारियों की भारी भीड़ प्राधिकरण गेट के बाहर जमी हुई थी। इन लोगों को समर्थन देने के लिए आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद उर्फ रावण भी पहुंचे। चंद्रशेखर ने सीधे तौर पर प्राधिकरण को ही इस समस्या के लिए जिम्मेदार बताया। चंद्रशेखर का कहना है कि नोएडा विकास प्राधिकरण सफाई कर्मचारियों के हकों पर डाका डाल रहा है। कर्मचारियों का शोषण किया जा रहा है। दलितों को दबाने के लिए जेल में डाला जा रहा है और अपना हक मांगने पर लाठियां बरसाई जा रही हैं।

चंद्रशेखर ने कहा, एक ओर देश के प्रधानमंत्री सफाई कर्मचारियों को भगवान बताते हैं, उनके पांव धोकर उन्हें सम्मान देने की बात करते हैं। दूसरी ओर उनकी सरकारों में पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी कर्मचारियों को लाठियों से पीट रहे हैं और जेलों में ठूंस रहे हैं। यह दोहरा रवैया चलने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मचारियों के हकों को कोई मार नहीं पाएगा। इसके लिए जरूरत पड़ी तो वह अपनी पार्टी के साथ सड़क से लेकर जेल तक आंदोलन करेंगे।

उन्होंने कहा कि प्राधिकरण ठेकेदारी प्रथा को बढ़ावा दे रहा है साथ ही प्राधिकरण ने बिचौलिए को पाल रखा है। बिचौलिओं के जरिए सफाई कर्मचारियों का शोषण किया जा रहा है। सफाई कर्मियों ने अपने हकों की मांग की तो उनके साथ ज्यादती की गई है। चंद्रशेखर ने कहा कि आजाद समाज पार्टी सफाई कर्मचारियों के अधिकारों के लिए किसी भी हद तक जाने के लिए तैयार हैं।

आपको बता दें कि हजारों सफाई कर्मचारी पिछले करीब 2 सप्ताह से हड़ताल पर थे। हालांकि, विकास प्राधिकरण और गौतमबुद्ध नगर पुलिस का दावा है कि बीते गुरुवार को करीब 3000 सफाई कर्मचारी काम पर वापस लौट आए हैं। विकास प्राधिकरण ने सफाई कर्मचारियों की मांगों और हड़ताल को अवैध करार दिया था। इसके बाद शुक्रवार को गतिरोध ज्यादा बढ़ गया। सफाई कर्मचारियों ने शहर का कूड़ा प्राधिकरण कार्यालय के बाहर और उद्योग मार्ग पर फैला दिया था। पुलिस ने सफाई कर्मचारियों को ऐसा नहीं करने के लिए चेतावनी दी थी। कर्मचारी नहीं माने। जिसके बाद पुलिस ने हल्का बल प्रयोग किया था। भूख हड़ताल कर रहे 6 सफाई कर्मचारियों को पुलिस ने गिरफ्तार करके जेल भेज दिया था।

प्राधिकरण गेट पर सफाई कर्मचारियों को संबोधित करते आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद उर्फ रावण।

नोएडा के डेढ़ सौ सफाई कर्मियों के खिलाफ केस दर्ज

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण में ठेकेदारी प्रथा को खत्म करने, मोबाइल ऐप से हाजिरी ना लगाने तथा बोनस आदि मांगों को लेकर कई दिनों से प्राधिकरण कार्यालय में धरना दे रहे सफाई कर्मचारियों तथा पुलिस के बीच शुक्रवार को संघर्ष हुआ जिसके बाद 150 सफाई कर्मचारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि नोएडा प्राधिकरण कार्यालय के बाहर भूख हड़ताल पर बैठे सफाई कर्मियों को पुलिस ने शुक्रवार सुबह गिरफ्तार कर लिया था। कर्मचारियों की गिरफ्तारी की सूचना मिलने पर बड़ी संख्या में सफाई कर्मचारी वहां पहुंचे और अपने सहयोगियों को रिहा करने की मांग करने लगे। इस दौरान पुलिसकर्मियों और सफाई कर्मचारियों के बीच संघर्ष हुआ। थाना सेक्टर 20 में तैनात उप-निरीक्षक सुनील कुमार ने डेढ़ सौ महिला पुरुष सफाई कर्मियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

बढ़ते मामलों के बीच कोरोना संक्रमण दर घटने का दावा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि गत कुछ दिन से राष्ट्रीय राजधानी में कोरोना वायरस संक्रमण की दर में कमी देखी गई है। अगले सप्ताह तक इसके अच्छे नतीजे सामने आएंगे।

उन्होंने कहा, शुक्रवार को संक्रमण की दर 6.76 प्रतिशत रही। गत दो-तीन दिन में यह सात प्रतिशत से नीचे रही है। पिछले सप्ताह यह लगभग 8 प्रतिशत थी। संक्रमण की कुल दर भी पहली बार 10 प्रतिशत से नीचे आ गई है।

सत्येंद्र जैन ने शनिवार को कहा कि गत 10-12 दिन में जांच की संख्या बढ़ने के चलते दिल्ली में पिछले दो-तीन दिन में कोरोना वायरस संक्रमण की दर में कमी देखी गई है। अगले सप्ताह तक इसके अच्छे नतीजे सामने आने चाहिए। शुक्रवार को संक्रमण के 4,127 नए मामले सामने आए जबकि 30 रोगियों की मौत हुई। लगभग 61,037 जांच की गईं और संक्रमण की दर 6.76 प्रतिशत रही। इस दिन संक्रमण की कुल दर 9.83 प्रतिशत रही। मंगलवार को यह 10.05 प्रतिशत थी।

दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग सदस्य का कोरोना से निधन

नई दिल्ली। दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य कंवलजीत सिंह का कोरोना संक्रमित होने के चलते निधन हो गया है। आयोग के अध्यक्ष जाकिर खान ने शनिवार को यह जानकारी दी। आम आदमी पार्टी के नेता दिलीप पांड ने सिंह के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उन्हें अपना पुराना दोस्त बताया।

जाकिर खान के अनुसार कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद 10 दिन पहले उन्हें बालक राम अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां शुक्रवार को उनका निधन हो गया। खान ने बताया कि सिंह पिछले महीने दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य बने थे।

अलीगढ़ की अदालत में पेशी के बाद तिहाड़ जेल लौटा शरजील

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नागरिकता संशोधन कानून और एनआरसी के विरोध के दौरान भड़काऊ बयान देने वाले शरजील इमाम की अलीगढ़ न्यायालय में पेशी हुई। दिल्ली पुलिस कड़ी सुरक्षा के बीच उसे लेकर अलीगढ़ कोर्ट पहुंची। पुलिस ने शरजील पर चल रहे देशद्रोह के मुकदमे के संबंध में रिमांड वारंट तामील कराया। इसके बाद कोर्ट ने उसे वापस दिल्ली पुलिस के हवाले कर दिया। इसके बाद उसे उसे अपने साथ तिहाड़ जेल आई।

पिछले साल 15 दिसंबर की रात अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में हुए बवाल के बाद छात्रों का धरना प्रदर्शन शुरू हो गया था। आरोप है कि इस दौरान बिहार निवासी जेएनयू छात्र नेता शरजिल इमाम एएमयू पहुंचा और छात्रों के बीच धरने में देश को बांटने संबंधी बयान दिया। इसी तरह के बयान शरजिल इमाम ने दिल्ली व गुवाहाटी में भी दिए। इसके बाद दिल्ली, गुवाहाटी सहित अलीगढ़ में देशद्रोह का मुकदमा दर्ज किया गया। गिरफ्तारी से बचने के लिए वह बिहार भाग गया लेकिन कुछ ही दिन में उसे दिल्ली पुलिस ने पटना से गिरफ्तार कर लिया था।

पुलिस के अनुसार दिल्ली में शरजील के खिलाफ कई मुकदमे चल रहें। अलीगढ़ पुलिस ने शरजील को लाने के लिए तिहाड़ जेल में बी वारंट दाखिल किया था लेकिन इसी दौरान असम पुलिस बी वारंट पर उसे अपने साथ ले गई थी। ऐसे में अलीगढ़ पुलिस ने दोबारा गुवाहाटी जेल में बी वारंट दाखिल किया, लेकिन लॉकडाउन के चलते शरजील नहीं आ सका था।

फाइल फोटो

कार में मिला पोस्ट ऑफिस कर्मी का शव, आत्महत्या की आशंका

- सीने पर मिला कट्टा सिर में गोली के निशान

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

शाहदरा जिले के दिलशाद गार्डन क्षेत्र में शनिवार को 50 वर्षीय एक व्यक्ति ने अपनी कार में खुद को कथित तौर पर गोली मारकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान दिलशाद गार्डन के पॉकेट-ए निवासी मनीष तनेजा के रूप में हुई है। तनेजा, झिलमिल औद्योगिक क्षेत्र में डाक सहायक था।

पुलिस के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताा पुलिस को तनेजा का शव उसके फ्लैट के पास खड़ी उसकी कार में चालक की सीट पर मिला। उसके सीने पर पर कट्टा पड़ा हुआ मिला था तथा सिर पर गोली लगने का निशान मिले हैं। तनेजा पिछले 15 साल से मनोग्रसित बाध्यता विकार (ओसीडी) नामक मनोवैज्ञानिक बीमारी से पीड़ित था। जिसका इलाज चल रहा था। शव के पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। रिश्तेदारों और पड़ोसियों के बयान दर्ज किए गए हैं। उनमें कोई भी संदेहास्पद बात नजर नहीं आई। कार और कट्टा कब्जे में ले लिया गया है और शव को पोस्टमार्टम के लिए जीटीबी अस्पताल की मोर्चरी रखा गया है।

चीन की जासूरी के आरोप में पत्रकार समेत तीन गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने फ्रीलांस पत्रकार राजीव शर्मा, चीनी महिला किंग शी और नेपाली नागरिक शेर सिंह को गिरफ्तार किया है। राजीव पर चीनी इंटेलिजेंस को खुफिया जानकारी देने का आरोप है।

किंग शी और शेर सिंह ने शेल कंपनियों के जरिए शर्मा को काफी मात्रा में पैसे दिए थे। चीनी खुफिया विभाग ने पैसों के बदले स्वतंत्र पत्रकार को संवेदनशील जानकारी मुहैया कराने का काम सौंपा था। आरोपी पत्रकार को ऑफिशियल सीक्रेट एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया है। राजीव के पास से देश की रक्षा से जुड़े कई गोपनीय दस्तावेज बरामद किए गए हैं।

फ्रीलांस पत्रकार राजीव शर्मा, चीनी महिला किंग शी और नेपाली नागरिक शेर सिंह।

पुलिस उपायुक्त संजीव कुमार यादव के अनुसार, गत दिनों खुफिया विभाग से जानकारी मिली थी कि पीतमपुरा स्थित सेंट जेविर अपार्टमेंट में रहने राजीव शर्मा का विदेशी खुफिया एजेंसी के अधिकारी से संपर्क है। सेना की गतिविधि, राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े दस्तावेज दलाई लामा और विदेश नीति से संबंधित जानकारी मुहैया कराने के एवज में उसे भारी भरकम रकम मिलती थी। संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर आरोपी शर्मा को 14 सितंबर को गिरफ्तार किया गया। अगले दिन कोर्ट में पेश किया गया जहां से उन्हें 6 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया। इस दौरान पुलिस ने उसके घर की तलाशी लेने के लिए सर्च वारंट भी हासिल किया। छानबीन के दौरान पत्रकार को उस जगह पर भी ले जाया जाएगा, जहां से उसने गोपनीय दस्तावेज हासिल किए थे। उन्होंने बताया कि मामले में आरोपी के परिवार वालों से भी पूछताछ की जाएगी। इसके अलावा उसके ईमेल अकाउंट और मोबाइल फोन भी चेक किया जाएगा।

शर्मा यूनाइटेड न्यूज ऑफ इंडिया, द ट्रिब्यून, फ्री प्रेस जर्नल, सकाल जैसे संस्थानों में काम कर चुका है।

नाराज पति ने पत्नी पर दाग दी गोली, बाल-बाल बची महिला

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

मामला दर्ज

शहर के सेक्टर 116 में रहने वाली एक महिला ने अपने पति के खिलाफ जान से मारने की नियत से गोली चलाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है।

सहायक पुलिस आयुक्त विमल कुमार सिंह ने बताया कि थाना सेक्टर 49 क्षेत्र के सेक्टर 116 में रहने वाली श्वेता यादव ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उसके पति अमित यादव ने जान से मारने की नियत से उसके ऊपर गोली चलाई। उन्होंने बताया कि गोली घर की दीवार में जा लगी और महिला बाल बाल बच गई। घटना के बाद आरोपी फरार हो गया।

उन्होंने बताया कि अमित का कोई रिश्तेदार कोरोना वायरस संक्रमित हो गया है और वह उसे देखने के लिए जाना चाह रहा था लेकिन उसकी पत्नी उसको मना कर रही थी और इसी बात से आक्रोशित होकर उसने पत्नी पर गोली चला दी। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

गाजियाबाद में शनिवार को फोटो जर्नलिस्ट एसोसिएशन के गठन के बाद एसोसिएशन के चुने गए पदाधिकारी।

फोटो जर्नलिस्ट एसोसिएशन का गठन

गाजियाबाद। प्रिंट मीडिया में कार्यरत फोटो जर्नलिस्टों के हितों की रक्षा करने और उनके कल्याण के उद्देश्य से फोटो जर्नलिस्ट एसोसिएशन गाजियाबाद का शनिवार को गठन किया गया। फोटो जर्नलिस्टों की बैठक में सर्वसम्मति से नवीन सेठी को अध्यक्ष, राकेश लाहोरिया को उपाध्यक्ष, शाहबाज खान महासचिव, जावेद खान सचिव, पप्पू नेहरा महामंत्री, नरेश सिंघानिया कोषाध्यक्ष, नितिन मंत्री, नरेश बबली व अकरम अली सचिव तथा हरी सिंह को प्रचार मंत्री चुना गया। वहीं सुनील पंवार, वरुण लाहोरिया, शशांक, अनिल व नवनीत को सदस्य बनाया गया है।

नोएडा में संक्रमण के 174 नए मामले

नोएडा। गौतमबुद्धनगर जिले में शनिवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 174 नए मामले सामने आए हैं, जिससे संक्रमण के मामले बढ़कर 11217 हो गए हैं। वहीं इस महामारी से जिले में अब तक 48 लोगों की मौत हो चुकी है। जिला निगरानी अधिकारी नीरज त्यागी ने बताया कि शनिवार को 174 लोगों में संक्रमण की पुष्टि हुई है। उन्होंने बताया कि 202 लोग उपचार के बाद ठीक होकर अस्पताल से घर जा चुके हैं। उनके अनुसार 1840 लोगों का उपचार यहां के विभिन्न अस्पतालों में चल रहा है। अब तक कुल 9,329 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि जिले में संक्रमण के कुल 11217 मामले हैं वहीं 48 लोगों की मौत हो चुकी है।

प्रधानमंत्री के 70वें जन्मदिन पर देशभर में मनाए जा रहे सेवा सप्ताह के आयोजन के दौरान किसानों को बीज देतीं नजफगढ़ जोन की अध्यक्ष सुमन डागर।

किसानों को बांटे कृषि उपकरण और सरसों के बीज

नई दिल्ली। देशभर के किसान कृषि विधयकों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रही हैं। वहीं नजफगढ़ जोन की अध्यक्ष सुमन डागर ने पीएम नरेंद्र मोदी के 70वें जन्मदिन पर ईसापुर वार्ड में सेवा सप्ताह का आयोजन किया। इसमें 70 किसानों को 70 एकड़ जमीन की बुआई के लिए सरसों के बीज व कृषि उपकरणों को वितरण किया गया। इसके अलावा महिलाओं को कोरोना किट भी बांटी गई। सुमन डागर ने बताया कि क्षेत्र के किसानों को इन उपकरणों और बीज की जरूरत थी। किसानों को उनकी जरूरत के हिसाब से सहायता प्रदान की। दक्षिणी दिल्ली नगर निगम किसानों के कल्याण और विकास के लिए हमेशा तत्पर है।

कृषि विधेयकों को वापस ले केंद्र: डॉ. नरेश

नई दिल्ली। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉ नरेश कुमार ने कृषि विधेयकों को किसान विरोधी करार देते हुए इसे केंद्र से वापस लेने की मांग की है। उन्होंने कहा कि कृषि जीडीपी दर इस कोरोना काल में बढ़कर 3.4 प्रतिशत है जबकि देश की 23.9 फीसदी पर जा चुकी है। यह विधेयक जनविरोधी, देश विरोधी, पूंजीवाद को बढ़ावा देने वाला है। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी किसानों की आवाज हमेशा बुलंद करती रही है। कृषि विधेयकों को भी वापस कराया जाएगा जैसे राहुल की अगुवाई में भूमि अधिग्रहण बिल के संशोधन को वापिस कराया था।

कार्रवाई के दौरान बुल्डोजर के आगे विरोध करतीं महिलाएं।

सेक्टर 58 में मुठभेड़, धरे गए दो बदमाश

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

गोली से हुए घायल तमंचे जब्त

थाना सेक्टर 58 पुलिस और बदमाशों के बीच शुक्रवार रात को हुई मुठभेड़ में दो बदमाश घायल हो गए। अपर पुलिस उपायुक्त रणविजय सिंह ने बताया कि शुक्रवार रात को एक व्यक्ति से अज्ञात बदमाशों ने मोबाइल फोन लूट लिया था। इस मामले की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस घटना की जांच कर रही थी।

उन्होंने बताया कि सुबह पुलिस को सूचना मिली कि उक्त व्यक्ति से मोबाइल लूटने वाले बदमाश सुबह थाना सेक्टर 58 क्षेत्र में पुन: लूट की फिराक में है। उन्होंने बताया कि सूचना के आधार पर पुलिस ने सेक्टर 62 के डी-पार्क पर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी, इसी दौरान एक मोटरसाइकिल पर सवार होकर कुछ संदिग्ध लोग पुलिस को आते हुए दिखाई दिए। अपर उपायुक्त ने बताया कि पुलिस ने जब बदमाशों को रुकने का इशारा किया तो उन्होंने रुकने के बजाय पुलिसकर्मियों पर गोलियां चलाईं।

उन्होंने बताया कि जवाबी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने भी गोली चलाई। पुलिस द्वारा चलाई गई गोली अजय तथा विवेक नामक बदमाशों को लगी और उन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि इन बदमाशों के पास से दो देशी तमंचे, लूटे हुए दो मोबाइल फोन बरामद हुए हैं।

गोली से जख्मी दोनों बदमाश।

चार वाहन चोर गिरफ्तार कारें व हथियार बरामद

नोएडा। थाना सेक्टर 20 पुलिस ने चार शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार कर उनके पास से चोरी की दो कार तथा अवैध हथियार बरामद किए हैं।

डीसीपी रणविजय सिंह ने बताया कि सेक्टर 20 पुलिस ने बीती रात को एक सूचना के आधार पर फिल्म सिटी के पास से जितेंद्र गुलाटी, त्रिलोकीनाथ, कुलदीप सिंह तथा कपूर सिंह दहिया नामक चार वाहन चोरों को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि इनके पास से पुलिस ने दो कार बरामद की हैं। वहीं थाना बिसरख पुलिस ने एक वाहन चोर को गिरफ्तार कर उसके पास से चोरी की तीन मोटरसाइकिल बरामद की हैं।

सरकारी जमीन पर बने अवैध मकानों को निगम ने ढहाया

लोगों की चीख पुकार सुनकर पार्षद हुईं बेहोश

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

नन्दग्राम शान्तिनगर में सरकारी जमीन पर बने डेढ़ सौ से भी अधिक मकानों को निगम के सचल दस्ते ने जमींदोज कर दिया। खास बात यह है कि जिस समय मकानों पर बुल्डोजर चलाये जा रहे थे उस समय कार्रवाई का विरोध कर रहे निवासी बुल्डोजर के आगे लेट गये जिसके बाद में पुलिस बल ने उन्हें बडी मुश्किल से हटाया।

कार्रवाई के दौरान अपने मकानों को ढहते देख लोग बिलख-बिलख कर रो रहे थे वहीं इस भावुक दृश्य को देखकर पार्षद माया देवी बेहोश हो गईं जिन्हें निगम कर्मी एम्बुलेन्स से अस्पताल ले गये। अस्पताल में उनकी हालत अभी भी स्थिर बनी हुई है। हिंडन नदी के समीप स्थित नन्दग्राम इलाके में कुछ भूमाफियाओं ने सरकारी जमीन पर गरीब लोगों को कम रेट का सब्जबाग दिखाकर बेच दिया था। लोगों को नहीं पता था कि जिस जमीन पर वो अपना आशियाना बना रहे हैं वो सरकारी जमीन है।

इस संबंध में अपर नगर आयुक्त आरएन पान्डे ने बताया कि कार्रवाई करने से पहले यहां रह रहे निवासियों को नोटिस देकर बता दिया गया था कि यह जमीन सरकार की है और इसे खाली कर दें। बावजूद इसके लोगों ने जमीन खाली नहीं की।

जेवर एयरपोर्ट के लिए 10 को साइन होगा एग्रीमेंट

समीक्षा बैठक में यमुना प्राधिकरण के सीईओ ने मुख्यमंत्री को दी जानकारी

- कोरोना महामारी से अटकी थी परियोजना

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

जेवर में प्रस्तावित जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट से जुड़ी बड़ी खबर आई है। करीब 6 महीनों से कोरोना वायरस के कारण अटकी पड़ी परियोजना जल्दी ही रफ्तार पकड़ने वाली है। एयरपोर्ट बनाने के लिए ठेका हासिल करने वाली कंपनी के अधिकारी जल्दी ही भारत आने वाले हैं।

अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड और ज्यूरिख इंटरनेशनल एयरपोर्ट एजी के बीच एग्रीमेंट साइन किया जाएगा। जिसके साथ ही जेवर में एयरपोर्ट के निर्माण के लिए शिलान्यास होगा।

मुख्यमंत्री योगी ने शुक्रवार की शाम मेरठ मंडल के तमाम पुलिस प्रशासनिक अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठक की है। इस बैठक के दौरान मुख्यमंत्री को जानकारी दी गई है कि अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में नायल, ज्यूरिख इंटरनेशनल एयरपोर्ट एजी साथ कंसेशन एग्रीमेंट साइन करेगी। एयरपोर्ट निर्माण की दिशा में सारी बाधाएं दूर हो जाएंगी। समीक्षा बैठक में शामिल जेवर के विधायक ठाकुर धीरेन्द्र सिंह ने भी इसकी पुष्टि की है। यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण और नाइल के सीईओ डॉ अरुण वीर सिंह ने समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री को बताया कि एयरपोर्ट के लिए ज्यूरिख़ इंटरनेशनल एयरपोर्ट एजी से कंसेशन एग्रीमेंट 10 अक्टूबर को किया जाएगा। इसके लिए ज्यूरिख इंटरनेशनल एयरपोर्ट के जिम्मेदार अधिकारियों के साथ बात हो चुकी है। स्विट्जरलैंड से वहां के अधिकारी जल्दी ही भारत आने वाले हैं। दरअसल, कोरोना संक्रमण के चलते अंतरराष्ट्रीय उड़ानें प्रतिबंधित कर दी गई थीं। ऐसे में स्विट्जरलैंड स्थित ठेकेदार कंपनी के अधिकारी भारत नहीं आ सके और प्राधिकरण को दो बार कंसेशन एग्रीमेंट की तारीख टालनी पड़ी थी।

1,334 हेक्टेयर में बनेगा एयरपोर्ट

जेवर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट 1,334 हेक्टेयर में बनेगा। इसके लिए जेवर क्षेत्र के 6 गांवों की जमीन ली गई है। इस परियोजना के पहले चरण में 30,000 करोड़ रुपए खर्च होंगे। पहले चरण में 2 रनवे बनेंगे। दूसरे चरण में रनवे की संख्या में बढाकर 5 कर दी जाएगी। इस परियोजना के प्रभावित परिवारों को बसाने के लिए जिला प्रशासन काम कर रहा है। इसके लिए जेवर बांगर में करीब 49 हेक्टेयर जमीन के अधिग्रहण की प्रक्रिया चल रही है। यहां पर इन परिवारों को बसाया जाएगा।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: उषा श्रीवास्तव। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

'छेड़ी है देशभक्ति की भारत में तूने ताल-गुजरात के ऐ सिंह तूने कर दिया कमाल...'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में काव्य गोष्ठी आयोजित

महिला काव्य मंच गुरुग्राम ने किया आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में महिला काव्य मंच की ओर से काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्यक्तित्व को कवियों ने अपनी विशेष रचनाओं के माध्यम से प्रस्तुत किया। महिला काव्य मंच की राष्ट्रीय मार्गदर्शक नियति गुप्ता की अध्यक्षता और महिला काव्य मंच के संस्थापक नरेश गुप्ता 'नाज' के सान्निध्य में विशेष रूप से डिजिटल काव्य गोष्ठी आयोजित की गई।

शुभारंभ महिला काव्य मंच गुरुग्राम इकाई की अध्यक्षा दीपशिखा श्रीवास्तव 'दीप' द्वारा व मोनिका शर्मा 'मन' द्वारा किया गया। मंच की उपाध्यक्ष रश्मि चिकारा ने संचालन किया। पूर्व सांसद एवं पिछड़ा वर्ग आयोग की राष्ट्रीय सदस्य डा. सुधा यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रही, जबकि समाजसेवी रवि कालरा भी अतिथि के रूप में गोष्ठी से जुड़े।

काव्य गोष्ठी में महिला काव्य मंच के संस्थापक नरेश नाज ने अपनी रचना में सुनाया-एक है नेता जो सत्ता के मद में चूर नहीं है। नरेश नाज के गीत-'छेड़ी है देशभक्ति की भारत में तूने ताल, गुजरात के ऐ सिंह तूने कर दिया कमाल' को राशि श्रीवास्तव ने अपनी मधुर आवाज दी। नियति गुप्ता ने सुनाया-कुछ तो मन की कर लेने दो, मुझे जिंदगी जी लेने दो...। मंच के प्रदेश अध्यक्ष डाक्टर ज्योतिराज ने सुनाया-प्रधानमंत्री जब भी खोलें आपदा राहत कोष का द्वार, तनख्वाह पाने वाले क्यूं करते दुष्प्रचार। डाक्टर विनय गौड़ ने सुनाया-इक सुन्दर भारत बनाना है, सुभाष, तिलक, आजाद, भगत के देश को ऊंचा बढ़ाना है...। मंच की सचिव अंजू सिंह व वरिष्ठ साहित्यकार सविता स्याल, सुमनलता सक्सेना, आभा कुलश्रेष्ठ तथा मीना चौधरी, नीरजा मल्होत्रा 'नीर', अर्चना सिन्हा, एकता कोचर रेलन ने अपनी भाग लिया। अध्यक्ष दीपशिखा श्रीवास्तव 'दीप' ने साहित्यकारों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए गोष्ठी का समापन किया।

गुरुग्राम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में डिजिटल काव्य गोष्ठी में भाग लेते अतिथि व कविगण।

कई प्रांतों के कवियों ने लिया भाग

गोष्ठी में देश के अनेक प्रांतों से उपस्थित हुए इन विशिष्ट कवियों ने अपनी रचनाओं से चार चांद लगा दिए। महिला काव्य मंच के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. विनय गौड़, अंतरराष्ट्रीय सचिव डॉ. दुर्गा सिन्हा उदार, हरियाणा की अध्यक्षा डॉ. ज्योति 'राज', वरिष्ठ उपाध्यक्ष इंदू 'राज' निगम, हरियाणा की उपाध्यक्ष बीना कौशिक, चंडीगढ़ ट्राईसिटी इकाई की उपाध्यक्ष राशि श्रीवास्तव हरियाणा की महासचिव वंदना 'हिना' मलिक चंडीगढ़ ट्राइसिटी की अध्यक्ष शारदा मित्तल चंडीगढ़ ट्राईसिटी इकाई की उपाध्यक्षा राशि श्रीवास्तव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को शुभकामना संदेश देते हुए अपने मधुर गीतों व कविताओं से गोष्ठी में समा बांध दिया।

पीएम मोदी के जन्मदिन पर राशन भरे थैले बांटे

वार्ड-17 के पूर्व पार्षद दलीप साहनी व पार्षद रजनी साहनी के काम की हो रही तारीफ

देर रात तक चलता रहा कार्यक्रम

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

पॉलीथिन को न-मोदी जी को हां स्लोगन के साथ सेवा सप्ताह के रूप में मनाए जा रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस को यहां वार्ड-17 में पूर्व पार्षद एडवोकेट दलीप साहनी और पार्षद रजनी साहनी की ओर से विशेष तरीके से मनाया गया। भीम नगर में आयोजित कार्यक्रम में कपड़े के थैले राशन से भरकर बांटे गए। मौके पर हरियाणा कला परिषद के निदेशक संजय भसीन अतिथि के रूप में पहुंचे।

निदेशक संजय भसीन ने कहा कि कोरोना महामारी में लॉकडाउन के दौरान भी साहनी दंपति लगातार समाजसेवा में जुटे रहे। अपने क्षेत्र के लोगों से जुड़े रहे। अब लगातार उनकी ओर से कोरोना जांच के शिविर भी लगाए जा रहे हैं। यह उनकी समाजसेवा की सोच को दर्शाता है। एडवोकेट दलीप साहनी ने बताया कि केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह के मार्गदर्शन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस को देशभर में समाजसेवा के रूप में मनाया। मौके पर कोरोना जांच शिविर भी लगाया। सुभाष नगर जैकबपुरा स्थित सैनी धर्मशाला में लगाए गए इस शिविर में 74 लोगों की जांच की गई, जिसमें से 4 लोग कोरोना संक्रमित पाए गए। दलीप साहनी ने कहा कि सरकार हर संभव प्रयास कर रही है कि कोरोना का संक्रमण फैलने से रोका जाए। इसे रोकने में जनता का भी सहयोग जरूरी है।

गुरुग्राम के वार्ड-17 में पीएम मोदी के जन्मदिवस पर पूर्व पार्षद दलीप साहनी और पार्षद रजनी साहनी की ओर से लोगों को कपड़े के थैलों में राशन आवंटित करते हरियाणा कला परिषद के निदेशक संजय भसीन।

भीम नगर में 250 लोगों को बांटे थैले

इसी कड़ी में उन्होंने गुरुग्राम के भीम नगर में 250 लोगों को कपड़े के थैले तो वितरित किए ही, साथ में उनमें एक माह का राशन भरकर गरीबों को भी दिया। सभी से आग्रह किया कि वे पर्यावरण को स्वच्छ बनाने के लिए पॉलीथिन का उपयोग बंद कर दें। इससे बीमारियां भी फैलती हैं। दलीप साहनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन को कोरोना महामारी में जनसेवा का माध्यम बनाया है। देश में बड़ा अभियान चलाकर कपड़े के थैलों का चलन शुरू करने की शुरुआत की गई। कार्यक्रम में सचिन शर्मा, अंकुश भसीन शामिल रहे।

दंपति के साथ मारपीट मामले में सुनवाई न करने पर एसपी को दी शिकायत

नूंह। नूंह खंड के बीवां के एक दंपति के साथ हुई मारपीट व लूटपाट मामले में स्थानीय पुलिस द्वारा कोई न करने पर एसपी से गुहार लगाई है। बीवां गांव के रहने वाले हारूण व पत्नी मिसकीना ने शिकायत में कहा कि 22 अगस्त को कुबने के लोगों द्वारा मारपीट व दुकान में लूटपाट की गई। उक्त मामले को लेकर पुलिस को अवगत कराते हुए शिकायत दी, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। दंपति का कहना है कि गांव में ही एक परचून की दुकान है। 22 अगस्त को पड़ोस के रहने वाले कुबने के सोराब पुत्र रमजान ने दुकान से कुछ सामान खरीदा। जिसके बाद सोराब ने सामान खराब बताते हुए वापस कर दिया। इस बात को लेकर सोराब व उसके साथ अन्य परिजन खुर्शीद पुत्र रमजान, मल्लाह पुत्र जमालु, जैकम पुत्र फत्ते ने मारपीट करते हुए दुकान में रखे करीब 60 हजार का सामान व गल्ले में रखे 14 हजार भी लूट लिए। घायल अवस्था में नूंह सीएचसी पहुंच इलाज कराते हुए एमएलआर कटवाई और पुलिस को शिकायत दी, लेकिन पुलिस द्वारा उक्त लोगों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। वहीं दंपति ने कहा कि उक्त मामले पुलिस ने अनदेखी करते हुए हमारे खिलाफ केस दर्ज कर दिया। जबकि उक्त मामले को लेकर थाने में पहले शिकायत दी, लेकिन हमारी शिकायत पर कोई सुनवाई नहीं की गई।

मेयर मधु आजाद ने अधिकारियों के साथ किया गोशालाओं का दौरा

मेयर ने गोशाला संचालन का कार्य कर रही संस्था के पदाधिकारियों से भी की बातचीत

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम की मेयर मधु आजाद ने शनिवार को निगम अधिकारियों की टीम के साथ नन्दीधाम और कामधेनु गोशालाओं का दौरा किया। मेयर ने गोशाला संचालन का कार्य संभाल रही संस्था से बातचीत की और उनकी कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी ली।

नगर निगम गुरुग्राम द्वारा बनाई गई कामधेनु गोशाला में गायों की देखभाल की जा रही है, जबकि नन्दीधाम में नन्दी रखे गए हैं। इनकी देखभाल के लिए श्री चेतनदास गोसेवा संस्थान को जिम्मेदारी दी गई है। नगर निगम गुरुग्राम द्वारा गोशालाओं में अतिरिक्त शेड लगाने का कार्य किया जाना है, जिसका एस्टीमेट मेयर की अध्यक्षता में गठित वित्त एवं संविदा कमेटी की बैठक में रखा था। इसके तहत ही मेयर द्वारा शनिवार को अधिकारियों की टीम के साथ मौका निरीक्षण किया। मेयर ने गोशालाओं में गायों एवं नन्दी को अपने हाथों से चारा खिलाकर गोसेवा का संदेश भी दिया। उन्होंने कहा कि हिन्दू धर्म में गाय को माता की श्रेणी दी है और गोसेवा को परम धर्म बताया है।

गोशालाओं का दौरा करतीं मेयर मधु आजाद।

नगर निगम गुरुग्राम द्वारा संचालित इन गोशालाओ में बेसहारा गायों की देखभाल की जा रही है, जो कि एक बेहतर सेवा है। उन्होंने गुरुग्राम के प्रबुद्ध नागरिकों से आह्वान भी किया कि जब भी समय मिले गोशालाओं में जाकर गायों की सेवा अवश्य करें।

इस मौके पर मेयर मधु आजाद के साथ गांव चक्करपुर के पूर्व सरपंच अनिल यादव, वार्ड-2 से राकेश यादव, पूर्ण यादव, नगर निगम गुरुग्राम के अधीक्षक अभियन्ता राधेश्याम शर्मा, कार्यकारी अभियंता धर्मबीर मालिक सहित निगम के अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

लूट की वारदातों को अंजाम देने वाले बदमाश चढ़े पुलिस के हत्थे

पायनियर समाचार सेवा। नूंह

रास्ता रोक अवैध हथियार के बल राहगीरों को लूटने की योजना बनाते व विभिन्न राज्यों में गैंग के सदस्यों के साथ मिलकर एटीएम काटने की करीब एक दर्जन वारदातों को अंजाम देने वाले दो बदमाशों को तावडू सीआईए ने मोटरसाइकिल, अवैध हथियार व एक कारतूस के साथ काबू कर लिया।

18 सितंबर की रात तावडू सीआईए प्रभारी एएसआई राकेश कुमार के नेतृत्व में टीम को गश्त के दौरान केएमपी पुल धुलावट पर मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि दो लड़के चाहलका रोड पर पहाड़ी में राहगीरों को लूटने की योजना बना रहे हैं। पुलिस टीम योजना के तहत कार्रवाई करते हुए अवैध असलाह सहित काबू कर लिया। पूछताछ में अनीश पुत्र सलमुद्दीन, सद्दाम पुत्र वहीद निवासी शिकारपुर तावडू बताया। आरोपियों से गहनता से पूछताछ करने पर पता चला कि अपनी गैंग के साथियों के साथ मिलकर असम, पुणे से एटीएम काटने की करीब 11 वारदातों को अंजाम दिया।

अंगूठी देखने के बहाने ज्वैलर से गन प्वाइंट पर लूट

करीब 13 लाख रुपये के गहने लूट ले गए

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

यहां सदर बाजार क्षेत्र के रोशनपुरा में दिनदहाड़े एक ज्वैलर से गन प्वायंट पर बदमाश आभूषण लूट ले गए। जब तक वह कुछ समझ पाता, बदमाश फिल्मी अंदाज में उसके द्वारा दिखाए जा रहे आभूषणों को ले भागे। सूचना पाकर तुरंत पुलिस भी मौके पर पहुंची। बाजार का फायदा उठाकर बदमाश फरार हो गए। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार बाजार के सीसीटीवी खंगाले जा रहे हैं। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

जानकारी के अनुसार यहां सब्जी मंडी के साथ में सदर बाजार की ओर जाने वाले गली में मुसद्दीलाल भूप सिंह नाम से एक ज्वैलरी की शॉप है। शनिवार को पौने तीन बजे एक युवक शॉप में पहुंचा। उसने ज्वैलर से कहा कि सगाई के लिए अंगूठी खरीदनी है। इसी बीच दूसरा बदमाश शॉप में अनजान बनकर पहुंचा। ज्वैलर ने अंगूठियों की ट्रे निकालकर उन्हें पसंद करने के लिए कहा। कुछ देर तक दो बदमाश अंगूठियों को उठा-उठाकर देखते रहे और ज्वैलर से बात करते रहे। इसके बाद दो अन्य बदमाश अंदर घुसे। उनके अंदर घुसते ही बैठे हुए दोनों बदमाश खड़े हो गए। एक काउंटर का लांघकर अंदर की तरफ गया और ज्वैलर को दबोच लिया। खुद को बचाने के लिए ज्वैलर ने खूब प्रयास किए, लेकिन वह सफल नहीं हो पाया। वहीं तीन अन्य बदमाशों ने काउंटर पर व काउंटर के भीतर रखी ज्वैलरी उठाई और फरार हो गए। एक ने ज्वैलर को पिस्तौल दिखाया, फिर भी ज्वैलर ने हिम्मत नहीं हारी और बदमाश के चंगूल से छुड़ाने का प्रयास करता रहा। जब बाकी के तीनों दुकान से बाहर निकल चुके थे, जब चौथा ज्वैलर को छोड़ते हुए काउंटर को फांदकर फरार हो गया। ज्वैलर ने भी सक्रियता दिखाते हुए बाहर निकला और उनके पीछे भागा। बदमाश देखते ही देखते उनकी आंखों के आगे से फरार हो गए। बदमाशों ने गुरुद्वारे के पास स्विफ्ट डिजायर गाड़ी खड़ी कर रखी थी। जिसमें सवार होकर फरार हो गए। पीड़ित ज्वैलर की ओर से पुलिस को कॉल करके सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने सदर बाजार क्षेत्र में सक्रियता बढ़ाई, लेकिन तब तक बदमाश बाजार से फरार हो चुके थे। सारी वारदात सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। पुलिस सीसीटीवी के आधार पर बदमाशों की पहचान कर रही है।

रोशनपुरा स्थित मुसद्दीलाल भूप सिंह नाम से ज्वैलरी शॉप, जहां लूट हुई।

एसओपी उल्लंघन पर निजी स्कूलों पर दर्ज होगा केस

एसएलसी को लेकर बच्चे को चक्कर न कटवाएं निजी स्कूल

डीईओ ने सरकारी निजी स्कूलों के मुखियाओं और संचालकों की ली मीटिंग

पायनियर समाचार सेवा। तावडू

21 सितंबर को स्कूल खुलने की एडवाइजरी को लेकर डीईओ अनूप जाखड़ ने तावडू ब्लॉक के सरकारी व निजी स्कूलों की मीटिंग ली। मीटिंग में उन्होंने स्कूल मुखियाओं व संचालकों को स्कूल खुलने की एसओपी को लेकर विभिन्न दिशा-निर्देश दिए। डीईओ ने स्पष्ट तौर पर कहा कि आदेशों के उल्लंघन पर कार्रवाई होगी। मीटिंग में बीईओ रमेश मलिक भी मौजूद थे।

निजी स्कूल संचालकों की मीटिंग लेते डीईओ अनूप जाखड़।

डीईओ ने तावडू बीईओ ऑफिस में ली मीटिंग में कहा कि स्कूल मुखिया व संचालक इस बात पर गौर करें कि स्कूल खुलने से पूर्व स्कूल के सभी अध्यापकों की कोरोना टेस्टिंग अनिवार्य है। वहीं स्कूल बिल्डिंग को पूर्णतया सैनिटाइज करवाना है। उन्होंने कहा कि ध्यान रहे कि नियमित स्कूल खुलने की तरह अब स्कूल नहीं खुल रहे।

कक्षा नौंवी से बारहवीं तक के केवल 10-10 बच्चे ही गाइडेंस लेने को लेकर स्कूल में आ सकते हैं। स्कूल वाहन से बच्चे नहीं आने चाहिए। बच्चे की स्कूल में एंट्री होते ही उसकी थर्मल स्क्रीनिंग होनी आवश्यक है। थर्मल स्क्रीनिंग का रिकार्ड भी सूचीबद्ध करें। एक अक्टूबर को गूगल शीट पर ये रिकार्ड चढ़ेगा। उन्होंने कहा कि उसी बच्चे की स्कूल में एंट्री होगी जोकि अपने पेरेंट्स से स्कूल में आने की सहमति का परफोर्मा भरवाकर स्कूल में जमा कराएगा।

स्कूल खुलने की जो एसओपी सरकार ने भेजी है उसे सभी स्कूल मुखिया व संचालक गहनता से पढ़ें। बच्चों के अध्ययन की वीडियो क्लिप भी तैयार कर बीईओ को प्रेषित करनी है। वहीं उन्होंने निजी स्कूल संचालकों से कहा कि फीस ड्यू में स्कूल एसएलसी को लेकर विवाद विभाग के पास कतई नहीं आना चाहिए। उन्होंने कहा कि अक्सर देखा गया कि स्कूल फीस लंबित रहने पर स्कूल संचालक बच्चे की एसएलसी जारी नहीं करते जबकि बच्चा किसी अन्य स्कूल में प्रोविजनल दाखिला ले लेता है।

उन्होंने कहा कि फीस को लेकर जिस स्कूल संचालक ने बच्चे को एसएलसी को लेकर चक्कर कटाए उसके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। वहीं उन्होंने निजी स्कूल संचालकों से एमआइएस पर अपना रिकार्ड पूरा करने की भी बात कही। डीईओ ने यहां तक कह दिया कि रिकार्ड पूरा करने में निजी स्कूलों का बहुत ही बुरा हाल है। कभी भी स्कूल रिकार्ड चेक हो सकता है इसलिए इसे पूरा रखें। वहीं उन्होंने कहा कि कोविड के मद्देनजर जिन निजी स्कूलों ने एसओपी नियम के अनुरूप स्कूल संचालन नहीं किया उसके विरुद्ध एफआईआर तक दर्ज हो सकती है।

मंडियों में समर्थन मूल्य पर जारी रहेगी सरकारी खरीद : विरेंद्र यादव

गुरुग्राम। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष व फर्रूखनगर मार्केट कमेटी के चेयरमैन विरेन्द्र यादव ने कहा कि सरकार द्वारा कृषि क्षेत्र में किये जा रहे सुधारों से अन्नदाता को अपने उत्पाद की अधिकतम कीमत मिल सकेगी। साथ ही अन्नदाता अपने उत्पाद को देश भर में कहीं भी बेचने को स्वतंत्र होंगे। समर्थन मूल्य पर सरकारी खरीद जारी रहेगी। यह बात उन्होंने यहां जारी बयान में कही।

उन्होंने कहा कि देश का अन्नदाता पहले से ज्यादा आजाद और सुरक्षित होगा। ट्रेस बिल और एमएसपी पर सरकारी खरीद से कोई संबंध नहीं है। किसी भी भ्रम में किसानों को नहीं आना है। विरेन्द्र यादव ने बताया कि कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने लोकसभा में सदन के सदस्यों के बीच ऑन दा रिकार्ड मुख्यमंत्री मनोहर लाल और भाजपा हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ अपने संदेश में कई बार यह कह चुके हैं कि दोनों विधेयक केवल किसानों के हितों की रक्षा करने के लिए हैं। खरीफ की एमएसपी जल्दी ही घोषित की जाएगी। मण्डी में अन्य व्यवसाय करने की आढ़ती को छूट दी गई है। भावांतर भरपाई योजना के तहत सभी फसलों को कवरेज किया गया है। किसानों को अपनी कृषि उपज बेचने के नये विकल्प मिलेंगे। किसान किसी भी कम्पनी के साथ अनुबंध खेती कर सकता है परन्तु उसकी जमीन का कभी भी कम्पनी का मालिकाना हक नहीं हो सकता।

संक्षिप्त समाचार

कृषि अध्यादेश के खिलाफ आढ़तियों का विरोध प्रदर्शन

सोहना। केन्द्र सरकार के कृषि अध्यादेश के खिलाफ आढ़तियों ने विरोध-प्रदर्शन करते हुए प्रदेश मुख्यमंत्री के नाम मार्केट कमेटी सचिव को ज्ञापन सौंपा। आढ़तियों ने कृषि अध्यादेश जारी केन्द्र सरकार पर पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाने का आरोप लगाया है। शनिवार को सोहना अनाज मंडी के आढ़तियों की बैठक प्रधान महेश आर्य की आढ़त पर हुई। जिसमें व्यापार मंडल संघ के प्रधान मनोज राघव और किसान मौजूद रहे। बैठक के बाद मार्केट कमेटी कार्यालय पहुंचकर केन्द्र व राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और धरने पर बैठ गए। मार्केट कमेटी सचिव नरेश कुमार को अध्यादेश के विरोध में ज्ञापन भी सौंपा।

शनिवार को राजकीय स्कूलों में सफाई अभियान चलाया

सोहना। सोमवार से कक्षा 9 से 12वीं की कक्षाएं लगाने से पहले शनिवार को राजकीय स्कूलों में सफाई अभियान चलाया गया। ताकि सोमवार को क्लास रूम को सैनेटाइज करने के बाद विद्यार्थियों की पढ़ाई शुरू की जा सके। सोहना के राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल की प्रधानाचार्य सुनील कुमारी ने बताया कि सोमवार सुबह कक्षाएं शुरू करने से पहले सभी कमरों को सैनेटाइज किया जाएगा। सभी अभिभावकों को अपने-अपने बच्चों को मास्क, सैनेटाइजर के साथ स्कूल भेजने की सूचना दे दी गई है। उन्होंने बताया कि सोमवार से वही छात्राएं स्कूल आ रही है। जिनके अभिभावकों ने मंजूरी दे दी है। राजकीय बाल मॉडल संस्कृति सीनियर सैकेंडरी स्कूल सोहना के प्रधानाचार्य सुरेन्द्र वर्मा ने बताया कि विद्यार्थियों को विशेष सुरक्षा के साथ कक्षाओं में बैठाने, पढ़ाने और घर वापस भेजने को लेकर पूरी तैयारियां कर ली हैं। कक्षा में शिक्षक को कितने समय में अपनी क्लास लेनी है। यह सब तैयारियां कर ली है।

युवक को अवैध हथियार समेत गिरफ्तार

सोहना। सीआईए पांच पुलिस सोहना की टीम ने युवक को अवैध हथियार समेत गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ सोहना सिटी थाना में मामला दर्ज कराया है। सीआईए पांच पुलिस सोहना के प्रभारी इंस्पेक्टर कुलदीप सिंह ने बताया कि शुक्रवार को हवलदार सोनू अपनी टीम के साथ शहर के अंबेडकर बाईपास चौक पर गश्त कर रहा था। तभी हवलदार सोनू और उसकी टीम को सूचना मिली कि गांव बारौटा थाना रोजका मेव जिला नूंह निवासी मोनू इंडरी चौक पर खड़ा है। जिसके पास अवैध हथियार है। जिसके दम पर वह किसी अपराधीक वारदात को अंजाम देने वाला है। हवलदार सोनू की टीम ने मौके पर पहुंच मोनू को दबोच लिया। जिसके पास से तलाशी के दौरान एक देशी कट्टा बरामद किया। जो 315 बोर था। मोनू के खिलाफ सोहना सिटी थाना में मामला दर्ज कराया है।

मलेरिया, डेंगू और डायरिया से बचाव को किया जागरूक

सोहना। स्वास्थ्य विभाग की टीमें गांव व शहर की गलियों में जाकर लोगों को मलेरिया, डेंगू और डायरिया जैसी बीमारियों से बचाव को लेकर जागरूक कर रही हैं। साथ ही गांव व शहरी क्षेत्र में खुले में जमा पानी और कूलरों में कीटनाश्यक दवा का छिड़काव करने की सलाह दी। मलेरिया विभाग के ब्लॉक कोआर्डिनेटर दीपक कुमार ने बताया कि अभी तक शहरी क्षेत्र में मलेरिया का एक केस आया है। उस क्षेत्र में मच्छर न पनपें इसके लिए दवा का छिड़काव कर दिया है। उन्होंने बताया कि रोजना 60 से 70 घरों में जाकर लोगों को छत पर रखे अनउपयोगी बर्तनों की जांच करने जमा पानी फेंकने, कूलरों में दवा का छिड़काव करने की सलाह दी जा रही है। समुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र घंघौला के एसएमओ डॉ. विकास कुमार ने बताया कि पीएचसी भोंडसी व बादशाहपुर और सीएचसी घंघौला के अधीन आने वाले करीब 100 गांवों में मलेरिया व डेंगू के मच्छरों से बचाव के लिए उनकी टीमें रोजाना गांव टू गांव का दौरा कर रही हैं। नागरिक अस्पताल सोहना के एसएमओ डॉ. नवल किशोर ने बताया कि शहरी क्षेत्र में डेंगू का एक भी मामला नहीं है। उनकी टीम पूरी सजगता से इस मामले को लेकर कार्य कर रही है।

पीएम के जन्मदिन के उपलक्ष्य में तावडू में रक्तदान शिविर

तावडू। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में बीजेपी द्वारा देशभर में मनाए जा रहे सेवा सप्ताह के तहत शनिवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में रोटरी क्लब व चैरिटेबल ट्रस्ट फरीदाबाद की टीम ने रक्त संग्रह किया। शिविर में 104 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया वहीं जगदीश मैंहदीरत्ता ने 43वीं बार रक्तदान कर समाज को रक्तदान के प्रति प्रेरित किया। शिविर में मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे विधायक संजय सिंह ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया। वहीं रक्तदाताओं को प्रशंसा-पत्र भी भेंट किए। इस दौरान विधायक ने लोगों की समस्या भी सुनी व कहा कि रक्तदान महादान है व इससे बढ़कर कोई भी पुनीत कार्य नहीं हो सकता। उन्होंने कहा हमारे द्वारा दिया गया रक्त किसी जरूरतमंद व्यक्ति की जान बचा सकता है। उन्होंने कहा कि समाज सेवा के कार्यों में हमें अग्रणी रहना चाहिए। समाजसेवा से आत्मिक संतुष्टि मिलती है। इस अवसर पर भाजपा के पूर्व मंडलाध्यक्ष सुरेश प्रधान, भाजपा नेता नरेश ढल, धर्मंद्र भारद्वाज, राजेश गंभीर के अलावा कई अन्य पार्टी वर्कर उपस्थित थे। इस अवसर पर रोटरी क्लब ऑफ फरीदाबाद मिडटाउन के प्रेजिडेंट पंकज गर्ग भी उपस्थित थे।

जागरूकता की कमी

कोरोना योद्धाओं को भी नहीं मिल रहे अब प्लाज्मा डोनर

कविता। फरीदाबाद

जिले में कोरोना को मात दे चुके ज्यादातर लोग प्लाजा डोनेट करने को अब आगे नहीं आ रहे हैं। ऐसे में कोरोना पीड़ित प्लाज्मा के अभाव में बीमारी से जुझ रहे हैं। ईएसआई डिस्पेंसरी की एक चिकित्सक के लिए प्लाज्मा दिल्ली के एक अंजान व्यक्ति ने डोनेट किया, लेकिन चिकित्सक अभी भी जिंदगी और मौत के बीच वेंटिलेटर पर है। ईएसएसआई डॉक्टर एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. अखिल महाजन ने उच्च अधिकारियों को पत्र लिखकर मांग की है कि कोरोना योद्धाओं को इस बीमारी के दौरान प्लाज्मा मुफ्त में बिना किसी डोनर के दिया जाए।

डोनर का इंतजाम करे सरकार

डॉ. अखिल महाजन का कहना है कि जिले में करीब 15000 लोग कोरोना को मात दे चुके हैं, लेकिन चिकित्सक जब पॉजिटिव होते हैं तो उनके लिए डोनर बड़ी मुश्किल से मिलता है। ऐसे में चिकित्सकों को डोनर की आवश्यकता न हो इसका इंतजाम सरकार को करना चाहिए।

दो प्रतिशत डोनर ही आगे आए

जिले में कोरोना के मरीजों की संख्या का आंकड़ा 18000 के करीब पहुंच गया। वहीं दूसरी तरफ ठीक होने वालों की दर जिले में 88.4 प्रतिशत (15 हजार से ऊपर) पर है। लेकिन अभी तक जिले में ठीक होने वाले लोगों में से दो प्रतिशत लोग (करीब 300 के आसपास) ही प्लाज्मा डोनेट को आए गए है।

लोगों में है ये भय

ब्लड मोटीवेटर उमेश अरोड़ा ने बताया कि अभी तक करीब 300 लोग ही प्लाज्मा डोनेट को आगे आये हैं। जिसमें ईएसआई अस्पताल में 90 डोनर ने प्लाज्मा डोनेट किया है। लोगों को जागरूक करने के दौरान पता चला कि उनके मन में प्लाज्मा दान करने को लेकर भ्रांतियां हैं। साथ कुछ लोग यह सोच कर देने से कतरा रहे हैं कि यदि परिवार में किसी को कोरोना हुआ तो उन्हें प्लाज्मा के लिए चक्कर काटने पड़ेंगे।

वेंटिलेटर पर पड़े चिकित्सक के लिए उन्हें दिल्ली से एक व्यक्ति को प्लाज्मा डोनेट के लिए बुलाया गया।

बनाया जाए ऐसा नियम

डॉ. अखिल महाजन ने कहा कि ठीक होने वाले मरीजों के लिए सरकार नियम बनाए। उनके कॉन्टैक्ट नम्बर रखे, उन्हें प्लाज्मा डोनेट के लिए जागरूक करें। ताकि समय पड़ने पर मरीजों की जान बचाई जा सके।

कोरोना से दो मौतें, 290 पॉजटिव से आंकड़ा 17,558

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले में कोरोना के मरीजों की संख्या हर रोज तेजी के साथ बढ़ रही है। शनिवार को 290 कोरोना के मरीजों के सामने आने से जिले में कोविड-19 का आंकड़ा 17,558 पर पहुंच गया है। वहीं कोरोना पीड़ित दो मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या का आंकड़ा 203 पर पहुंच चुका है। जिले में कोरोना की जंग जीतने वालों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। पिछले 24 घंटे में 276 लोगों ने कोरोना की जंग जीत ली है। जिससे जिले कोरोना का रिकवरी रेट 88.4 प्रतिशत पर पहुंच गया है।

मृतक और पॉजिटिव

जिले में कोरोना पॉजिटिव दो लोगों की मौत हो गई। जिसमें सेक्टर-19 निवासी 75 वर्षीय एक महिला और जवाहर कालोनी निवासी 39 वर्षीय एक पुरूष शामिल था। दोनों मृतको को कोरोना के साथ अन्य गंभीर रोग भी थे। वहीं 290 पॉजिटिव में भारत कालोनी, सेक्टर-30, अमर नगर, खेड़ी कला, जीवन नगर, शिव कालोनी, ऊंचा गांव, झाड़सैतली से 1-1 मरीज है। तिलपत, सेक्टर-55 से 2-2 मरीज है। सेक्टर-28, 19, चार्मवुड, दयालबाग, सुभाष कालोनी, स्प्रींग फिल्ड कालोनी, विजय नगर, सेहतपुर, नवादा से 3-3 मरीज है। सेक्टर-87, सूर्या नगर, संजय कालोनी, एनएच-पांच, तीन, एक, सेक्टर-37, 75, 14, 10, इंदिरा कालोनी, भूड कालोनी, सेक्टर-18, पर्वतीया कालोनी से 4-4 मरीज शामिल है। जवाहर कालोनी, सेक्टर-नौ, आदर्श नगर, त्रिखा कालोनी से 5-5 मरीज है। गौच्छी, सिही, ग्रीन फिल्ड कालोनी, सेक्टर- 8 से 6-6 मरीज है।

यह है आंकड़ा

अब तक कुल सैम्पल	179892
अब तक रिपोर्ट नेगेटिव	162054
रिपोर्ट आनी शेष	280
अब तक पॉजिटिव आये	17558
अब तक कुल ठीक हुए	15526
अब तक कुल मौत	203
गंभीर हालत में भर्ती	57
आईसीयू में भर्ती	11

संक्षिप्त समाचार

जुआ खेलते तीन पकड़े

फरीदाबाद। क्राइम ब्रांच सेंट्रल ने फरीदाबाद के नहर पार इलाके में जुआ खेल रहे तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। तीनों आरोपी मुख्तार, अर्जुन, देवेंद्र थाना खेड़ी पुल इलाके के रहने वाले हैं। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी जुआ खेलने के आदी हैं जो की जगह बदल बदल कर जुआ खेलते हैं। क्राइम ब्रांच सेंट्रल ने आरोपियों को सूत्रों से मिली सूचना के आधार पर भारत कॉलोनी से जुआ खेलते हुए गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से आरोपियों के कब्जे से 41500 रुपए नगद और ताश के पत्ते बरामद किए हैं।

डीएमसीसी ने जीता 8 विकेट से मैच

फरीदाबाद। छठां ऑल इंडिया रविंद्र फागना अंडर 17 क्रिकेट टूर्नामेंट में डीएससीसी स्पोर्ट क्लब ने डब्लूसीएल क्रिकेट अकादमी को 8 विकेट से हराया। यह मुकाबला रविंद्र फागना क्रिकेट अकादमी स्थित मैदान पर खेला गया। बीबीसीआई कोच धर्मेंद्र फागना ने बताया कि यह मैच 40-40 ओवर का था। मैच में डब्लूसीएल क्रिकेट अकादमी ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाज़ी करने का निर्णय लिया। जिसमें बल्लेबाजी करते हुए टीम ने 26.2 ओवर में 10 विकेट पर 118 रन बनाए। टीम की ओर बल्लेबाजी करते हुए शहान ने 36 रन, जमी खान ने 35 रन और रेहान ने 16 रन बनाए। डीएससीसी स्पोर्ट क्लब की ओर से गेंदबाजी करते हुए वैभव कुमार और भव्या कक्कड़ ने 3-3 विकेट, लक्ष्य अग्रवाल और वैभव शर्मा ने 1-1 विकेट लिए। इस लक्ष्य का पीछा करते हुए डीएससीसी स्पोर्ट क्लब की टीम ने 18.4 ओवर 2 विकेट में 119 रन बनाकर जीत हासिल की। टीम की ओर से बल्लेबाजी करते हुए देव दुबे ने 65 रन, अदित्या शर्मा ने 32 रन और म.कैफ ने 10 रन बनाए। डब्लूसीएल क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी करते हुए मोनू चौधरी और साहिल ने 1-1 विकेट लिए। लाखन उम्मैर (रविंद्र फागना क्रिकेट अकेडमी) के द्वारा देव दुबे को मैन ऑफ दा मैच का पुरस्कार दिया गया।

अध्यक्षों का हुआ स्वागत

फरीदाबाद। जननायक जनता पार्टी फरीदाबाद के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष तेजपाल डागर व शहरी जिलाध्यक्ष अरविंद भारद्वाज का राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य धर्मवीर सिंह तेवतिया जिला प्रवक्ता अनिल खुटैला,हलका अध्यक्ष पृथला सूरत चौहान, बल्लभगढ़ हलका अध्यक्ष अनिल भाटी, तिगांव युवा हलका अध्यक्ष भरत यादव ने फूलों के बुके देकर उनका स्वागत किया। तेजपाल डागर व अरविंद भारद्वाज ने बताया कि पार्टी ने जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसे सभी साथियों को साथ लेकर निभाएंगे। जल्द ही नई जिला टीम को तैयार कर क्षेत्र में जननायक जनता पार्टी को मजबूत करने का काम करेंगे।

मोटरसाइकिल लूट के आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। पुलिस कमिश्नर ओपी सिंह के दिशा निर्देश व डीसीपी क्राइम मक्सूद अहमद, अनिल कुमार सहायक पुलिस उपायुक्त अपराध के नेतृत्व में कार्य करते हुए उपनिरीक्षक राकेश सिंह प्रभारी अपराध शाखा सेक्टर-48 व उनकी टीम ने बुलेट मोटरसाइकिल लूट मामले को सुलझाते हुए दो आरोपियों को 24 घंटे में गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। मामला 16 सितंबर का है। शिकायतकर्ता नरेश पुत्र मदन सेक्टर-46 रोड पर जा रहा था तभी उसकी बाइक के आगे 5 नौजवान लड़कों ने 1 बाइक आगे और एक बाइक उसके पीछे लगा दी उसके बाद उसको डंडों व हेलमेट से मारपीट कर उसकी बुलेट बाइक व फोन छीन कर मौका से भाग गये थे जिस पर थाना सूरजकुंड में आरोपियों के खिलाड़ी मामला दर्ज किया गया था। मुकदमे में तत्परता दिखाते हुये अपराध शाखा सेक्टर-48 की टीम ने विशेष सूत्रों से मिली सूचना के माध्यम से आरोपी महेंद्र प्रताप उर्फ सौरभ निवासी पलवल को 17 सितम्बर को गिरफ्तार किया।उसको अदालत में पेश करके एक दिन का पुलिस रिमांड लिया गया। जिसकी निशानदेही पर 18 सितम्बर को इस मुकदमे में एक और आरोपी राम कुमार उर्फ ऋषभ निवासी पलवल को गिरफ्तार किया गया है। क्राइम ब्रांच ने आरोपियों से वारदात में लूटी हुई बुलेट मोटरसाइकिल एवं वारदात में प्रयोगशुदा एक मोटरसाइकिल को बरामद किया है। उपरोक्त मुकदमा में तीन अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है जिनको भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। गिरफ्तार दोनों आरोपियों को अदालत में पेश कर नीमका जेल भेजा गया।

ट्रेड लाइसेंस और संपति कर सेवाएं हुईं ऑनलाइन

फरीदाबाद। नगर निगम ने ट्रेड लाईसेंस सेवाओं को पूर्णतया पेपरलैस करने के बाद अब संपत्तिकर सेवाओं को भी ऑनलाइन कर दिया है, जिससे निगम क्षेत्र के 2 लाख 62 हजार से अधिक करदाता लाभान्वित होंगे और इससे निगम के राजस्व में भी अच्छी खासी बढ़ोत्तरी होगी। अब जो करदाता अपना संपत्ति कर घर बैठे जमा करवाना चाहते हैं, वे नगर निगम की इस ऑनलाईन सेवा का लाभ उठा सकते हैं। निगमायुक्त डा. यश गर्ग ने जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि निगम के कराधान व आईटी विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा निरंतर किए गए अत्याधिक परिश्रम के कारण यह कार्य सफल हो सका है। इस सेवा के तहत करदाता यदि अपना बकाया संपत्ति कर आगामी 31 अक्टूबर तक जमा करवाता है तो उसे वर्तमान वित्त वर्ष के संपत्ति कर पर 10 प्रतिशत की छूट के साथ-साथ कैशलैस अदायगी करने पर 1 प्रतिशत की छूट भी अतिरिक्त तौर से मिलेगी। इस सुविधा का लाभ लेने के लिए करदाताओं को अब नगर निगम के कार्यालयों में आने की जरूरत नहीं है। डा. यश गर्ग ने बताया कि हरियाणा सरकार के द्वारा गत 20 मई को जारी नीति के तहत जिन संपत्ति करदाताओं ने पिछले तीन सालों में प्रत्येक वर्ष अपना संपत्ति कर निर्धारित तिथि 31 जुलाई से पहले-पहले जमा करवाया है।

सड़क सुरक्षा पर हुईं कई प्रतियोगिताएं

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

एचएच-तीन स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की जूनियर रेडक्रास और सैंट जॉन एम्बुलेंस ब्रिगेड ने शिक्षा विभाग के आदेशानुसार विद्यालय के प्राचार्य रविन्द्र कुमार मनचन्दा की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा के प्रति विशेष जागरूकता अभियान चलाया। छात्राओं को यातायात के नियमों का पालन करने के लिए ऑनलाइन जागरूकता अभियान चलाया। प्राचार्य रविन्द्र कुमार मनचन्दा ने कहा कि भारत में हर वर्ष सड़क दुर्घटना में लगभग डेढ़ लाख बहुमूल्य जिंदगियां जीवन से हाथ धो बैठती हैं। विद्यालय के प्राचार्य रविन्द्र कुमार मनचन्दा ने बताया कि जल्दी और तेजी के युग में कोई भी कहां और कब दुर्घटना का शिकार हो सकता है। इस पर गंभीरता से सोचने की जरूरत है, क्योंकि सड़क सुरक्षा में ही हम सब की सुरक्षा है और तभी हम सड़क दुर्घटनाओं पर काफी हद तक काबू पा सकते हैं। क्योंकि आज कोई भी सुरक्षित नहीं है। मनचन्दा, प्राध्यापिका जसनीत कौर, आशा वर्मा तथा संजय मिश्रा सहित समस्त स्टाफ ने पोस्टर मेकिंग, स्लोगन लेखन तथा निबंध लेखन प्रतियोगिता के विजेता बच्चों शिवानी, प्रीति, कनिका, खुशी, अनु, प्रियंका तथा कोमल को ई-सर्टिफिकेट प्रदान कर सम्मानित किया।

रावल ने 25 रन से जीता मैच

फरीदाबाद। बड़खल स्थित पैरी क्रिकेट अकादमी के मैदान पर अंडर-14 वर्ग के अभ्यास मुकाबले में रावल क्रिकेट अकादमी ने पैरी क्रिकेट अकादमी को 25 रन से हराया। क्रिकेट कोच सुनील चौधरी ने बताया कि रावल क्रिकेट अकादमी ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए 35 ओवर में सात विकेट खोकर 205 रन बनाए। जिसमें विराट त्यागी ने 70 गेंदों पर आठ चौकों की मदद से 65 रन, अंशुल यादव ने 80 गेंदों पर सात चौकों की मदद से 61 रन और मोहित शर्मा ने 75 गेंदों की मदद से 63 रन बनाए। पैरी क्रिकेट अकादमी ओर से साहिल व प्रिंस ने तीन-तीन विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए पैरी क्रिकेट अकादमी की टीम 180 रन पर आल आउट हो गई। सिद्धार्थ राय ने चार छक्कों की बदौलत 108 और मृदुल ने 40 रन बनाए। रावल क्रिकेट अकादमी की ओर से समीर, आदित्य राज, अंशुल तायल, कर्तव्य और निहाल ने दो-दो विकेट ली।

एसओपी के प्रति जागरूकता के लिए हुई सेमिनार

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

उपायुक्त यशपाल के दिशा-निर्देशनुसार कोविड-19 के कोऑर्डिनेटर डॉ. एमपी सिंह ने एमएचए (मिनिस्ट्री ऑफ होम अफेयर्स) द्वारा जारी की गई एसओपी (स्टैंड ओपरेटिंग प्रोसिजर) के बारे में राजकीय बालिका वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय एनआईटी फरीदाबाद में जागरूकता के लिए एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया। जिसमें उन्होंने कहा कि नौवीं से बारहवीं तक के विद्यार्थी वॉयलेएंट्री बेसिस पर अपने माता-पिता की अनुमति से अध्यापकों का मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए विद्यालय आ सकते हैं। लेकिन इन्हें दो गज की दूरी बनाकर रखनी होगी। मुंह पर मास्क लगाना अनिवार्य होगा। साबुन से हाथों को धोने का प्रावधान विद्यालय में होगा तथा गेट पर सैनिटाईजर, डिस्पेंसर होगा ताकि सभी विद्यार्थी और अध्यापक अपने हाथों को सैनिटाईज करने के बाद ही अपने कक्षा में जा सके इसके साथ थर्मल स्क्रीनिंग भी उनकी गेट पर की जाएगी। यदि किसी को छींक आती है या खांसी होती है तो उसके लिए अध्यापकों को सुपरविजन करना होगा तथा अति शीघ्र जिला प्रशासन की हेल्पलाइन 1950 या राज्य की हेल्पलाइन 1075 पर सूचना देनी होगी, यदि कोई विद्यार्थी या अध्यापक बीमारी की स्थिति में विद्यालय आते हैं तो उन्हें तुरंत सरकारी अस्पताल को बताना होगा। डॉ. एम.पी. सिंह ने कहा कि कंटेनमेंट जोन में रहने वाले विद्यार्थी और अध्यापकों को विद्यालय नहीं आना चाहिए, जिन विद्यालयों में क्वारेंटाइन सेंटर बना हुआ है।

युवा कांग्रेस ने किया कृषि विधेयकों का विरोध

किसानों को बर्बाद कर देंगे तीनों विधेयक : तरुण तेवतिया

हर मोर्चे पर किसानों के साथ खड़ी है युवा कांग्रेसः पराग शर्मा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

केंद्र सरकार ने संसद के मानसून सत्र में कृषि से संबंधित तीन विधेयक लेकर आई है, जिन्हें लोकसभा में मंजूरी मिल गई है और राज्यसभा से मंजूरी मिलना बाकी है। देश भर के किसान इन विधेयकों को किसान विरोध बता कर इसका विरोध कर रहे हैं। हरियाणा व पंजाब में इसका सबसे अधिक विरोध हो रहा है। युवा कांग्रेस भी तीनों विधेयकों का पुरजोर विरोध कर रही है। युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं जिला अध्यक्ष तरुण तेवतिया व राष्ट्रीय प्रवक्ता पराग शर्मा ने इन विधेयकों को किसानों को बर्बाद करने वाला बताया है। उनका कहना है कि यह तीनों विधेयक अगर राज्य सभा में भी पास हो जाते हैं, तो किसान व मंडी सिस्टम पूरी तरह से बर्बाद हो जाएगा। दोनों ने यह बात बल्लभगढ़ अनाज मंडी स्थित युवा कांग्रेस के कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान संयुक्त रुप से कही।

तरुण तेवतिया ने कहा कि कोविड 19 महामारी के बीच में सरकार का कृषि क्षेत्र में इतने बड़े बदलावों को अध्यादेश के रूप में लाना सरकार की गलत मंशा को दिखाता है। इन तीनों विधेयकों के लागू होने से किसानों के साथ आढ़तियों, व्यापारियों, मंडियों में काम करने वाले मजदूरों से लेकर खेतिहर मजदूरों को भी नुकसान होगा। इससे बड़ों व निजी कंपनियों की लूट बढ़ जाएगी।

एमएसपी पूरी तरह से खत्म हो जाएगा और बड़ी कंपनियां अपनी मर्जी से दाम तय कर किसानों की फसलों को खरीदने का काम करेंगी, जिससे किसानों को भारी नुकसान होगा। एक तरफ से सरकार किसानों की आय को दोगुना करने की बात करती है और दूसरी तरह इस तरह के विधेयक लाकर किसानों को बर्बाद करने पर तुली हुई है। इसलिए हम इन तीनों विधेयकों का पूरी तरह से विरोध करते हैं और देश के राष्ट्रपति से तीनों विधेयकों को खारिज करने की मांग करते हैं। पराग शर्मा ने कहा कि बीजेपी सरकार पूरी तरह से किसान विरोध है।

यह सरकार पूंजीपतियों की सरकार है और उन्हीं को लाभ पहुंचाने के लिए किसानों पर जबरन इन तीनों विधेयकों को थोपने का काम कर रही है। यही नहीं, इसका विरोध करने वाले किसानों को लाठियों व डंडों से पिटवा रही है। पिछले दिनों पीपली में देश भर में इसका प्रमाण देखा था। किसानों के हित के लिए सरकार किसान नेताओं व उनके प्रतिनिधियों से भी चर्चा करने को तैयार नहीं है, जो की पूरी तरह से असंविधानिक है। युवा कांग्रेस इन तीनों विधेयकों का पुरजोर विरोध करती है और किसानों के साथ हर स्तर पर लड़ाई लड़ने को तैयार है। हम देश के किसानों को किसी भी सूरत में बर्बाद नहीं होने देंगे।

कायाकल्प की टीम ने किया बीके अस्पताल का दौरा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

बादशाह खान सिविल अस्पताल के कायाकल्प की एक टीम ने दौरा किया। टीम ने मरीजों को दी जा रही सुविधाओं की क्वालिटी की जांच की। टीम में दो सदस्य मौजूद थे, जिसमें पलवल से डीक्यूएम (डिस्ट्रिक्ट क्वालिटी मैनेजर) डॉ. अंजली और गुरुग्राम से डीक्यूएम डॉ. प्रियंका बधोरिया मौजूद थी। इस दौरान टीम की दोनों सदस्यों ने अलग-अलग जांच की। जिसमें एक ने अस्पताल में दी जा रही सुविधाओं की जांच की, तो दूसरी सदस्य ने अस्पताल के रिकार्ड की जांच की। टीम के सदस्यों ने बताया कि अस्पताल में पहले से ज्यादा क्वालिटी मैंटेन है।

जानकारी के मुताबिक कायाकल्प की टीम ने शनिवार को सुबह नौ अस्पताल के तृतीय तल से निरीक्षण शुरू किया। टीम के सदस्यों ने मेडिकल, सर्जिकल, प्रसूति वार्ड, लैब और अस्पताल में मौजूद अपातकालीन कक्ष समेत साफ-सफाई और वहां प्रयोग में आने वाले उपकरणों को बेहद गंभीरता से देखा। इतना ही नहीं टीम के सदस्यों ने वार्ड आदि के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों व स्टाफ से विभागीय जानकारियां हासिल की। टीम ने इस दौरान शाखा के सभी प्रकार के कागजात आदि की भी गंभीरता से जांच की। इस बारे में डॉ. राजेश धीमन ने बताया कि टीम ने वहां मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं व व्यवस्थाओं को बेहद गंभीरता से देखा।

कर्मियों की छंटनी के खिलाफ 21 को आंदोलन का ऐलान

आयुक्तों के कार्यालयों पर विरोध किए जाएंगे प्रदर्शन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा ने नव चयनित क्लर्कों की ज्वाइनिंग के बाद नगरपालिका, परिषदों व नगर निगमों में सालों से आऊटसोर्सिंग नीति पार्ट 1 व 2 में ठेके पर लगे क्लर्कों व कम्पयूटर आपरेटरों की छंटनी करने के खिलाफ आंदोलन का ऐलान किया है। शनिवार को स्थानीय अरावली गोल्फ कोर्स में आयोजित पत्रकार वार्ता में आंदोलन की घोषणा करते हुए प्रदेशाध्यक्ष नरेश कुमार शास्त्री ने बताया कि इस छंटनी के खिलाफ 21 सितम्बर, 2020 को सभी निगमायुक्तों, पालिका व परिषदों के आयुक्तों (डीएमसी) के कार्यालयों पर विरोध प्रदर्शन किए जाएंगे। प्रदर्शनों के बाद विभाग के मंत्री, एसीएस व निदेशक के नाम ज्ञापन देकर छंटनी पर तुरंत रोक लगाने और छंटनी किए गए कर्मचारियों को वापस ड्यूटी पर लेने की मांग की जाएगी। उन्होंने दो टूक शब्दों में सरकार एवं विभाग को चेतावनी दी कि इसके बाद भी सरकार ने क्लर्कों की छंटनी पर रोक नहीं लगाई और मंत्री के साथ हुए समझौते को लागू नहीं किया तो नगरपालिका कर्मचारी संघ 23 सितम्बर को रोहतक में तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों की राज्य स्तरीय कन्वेंशन आयोजित कर आगामी राज्यव्यापी आन्दोलन का फैसला लेने पर मजबूर होगा। संघ ने इस छंटनी के विरोध स्वरूप 16 सितम्बर को ही सरकार को आन्दोलन का नोटिस भेज दिया है और आने वाले 21 सितम्बर को पूरे प्रदेश में विरोध प्रदर्शन कर सभी नगर निगमों के आयुक्त एवं नवनियुक्त पालिका एवं परिषदों के आयुक्तों (डीएमसी) के कार्यालयों पर प्रदर्शन कर आन्दोलन का नोटिस दिए जाएंगे।

सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के प्रदेशाध्यक्ष सुभाष लांबा ने पत्रकार वार्ता में बोलते हुए कहा कि सरकार ने 4015 क्लर्कों की नई भर्ती की है और उनकी ज्वाइनिंग के साथ ही विभिन्न विभागों, निगमों व बोर्डों में 8-10 सालों से अनुबंध पर लगे 4015 क्लर्कों व कंप्यूटर आपरेटर को नौकरी से निकालने के फरमान जारी कर दिए हैं। उन्होंने सरकार के इस फैसले को घोर निंदनीय करार देते हुए कहा कि 29 सितंबर को सभी विभागों, खंडों व डीसी आफिस पर प्रदर्शन किए जाएंगे। प्रैसवार्ता में नरेश कुमार शास्त्री के अलावा सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के प्रदेशाध्यक्ष सुभाष लांबा, नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के उप महासचिव सुनील चिंड़ालिया, केंद्रीय कमेटी के नेता सुभाष फैटमार, जिला प्रधान गुरचरण खाड़िया, सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के जिला सचिव बलबीर सिंह बालगोहर विशेष तौर से उपस्थित रहे।

सफाई कर्मचारी यूनियन की हुई बैठक

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के सफाई कर्मचारियों यूनियन की बैठक मनोज की अध्यक्षता में ओपन एयर थिएटर सेक्टर 12 में संपन्न हुई। इसका संचालन हुड्डा जन स्वास्थ्य कर्मचारी यूनियन रजिस्ट्रेशन नंबर 1266 के सर्कल सचिव धर्मवीर वैष्णव ने किया। बैठक में हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के अंतर्गत सेक्टरों की सफाई के लिए तैनात सफाई मजदूरों को फरीदाबाद नगर निगम की तर्ज पर विभागीय रोल में समायोजित करने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पास किया गया। धर्मवीर वैष्णव ने बताया कि शहरी विकास प्राधिकरण के अंतर्गत सफाई का कार्य करने वाले कर्मचारियों और नगर निगम के अंतर्गत काम करने वाले कर्मचारियों के कार्यों में समानता है। इस लिए, इन कर्मचारियों को नगर निगम के कर्मचारियों के समान ही सुविधाएं मिलनी चाहिए। उन्होंने बताया कि कोरोना महामारी के काल में भी हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के अंतर्गत काम करने वाले सफाई कर्मचारियों को किसी भी प्रकार की सुविधा प्रदान नहीं की गई है। इनको स्वयं की रक्षा के लिए मास्क, दस्ताने, और सैनिटाइजर नहीं दिए गए। अब जबकि यह बीमारी और तेजी से फैल रही है। इसलिए उपरोक्त कर्मचारियों को सुरक्षा के लिए उपरोक्त सामग्री का वितरण नियमित रूप से किया जाना चाहिए।

धरती के पर्यावरण की ढाल है ओजोन पर्त

जलवायु परिवर्तन के विनाशकारी प्रभावों का अनुभव करने के बाद, अब समय आ गया है कि सभी देश ओजोन पर्त की क्षमता बहाल करने के लिए निम्न कार्बन उत्सर्जन का मार्ग अपनाने हेतु साथ मिलकर काम करें।

षणमुगनाथम के.
आशीष सारस्वत

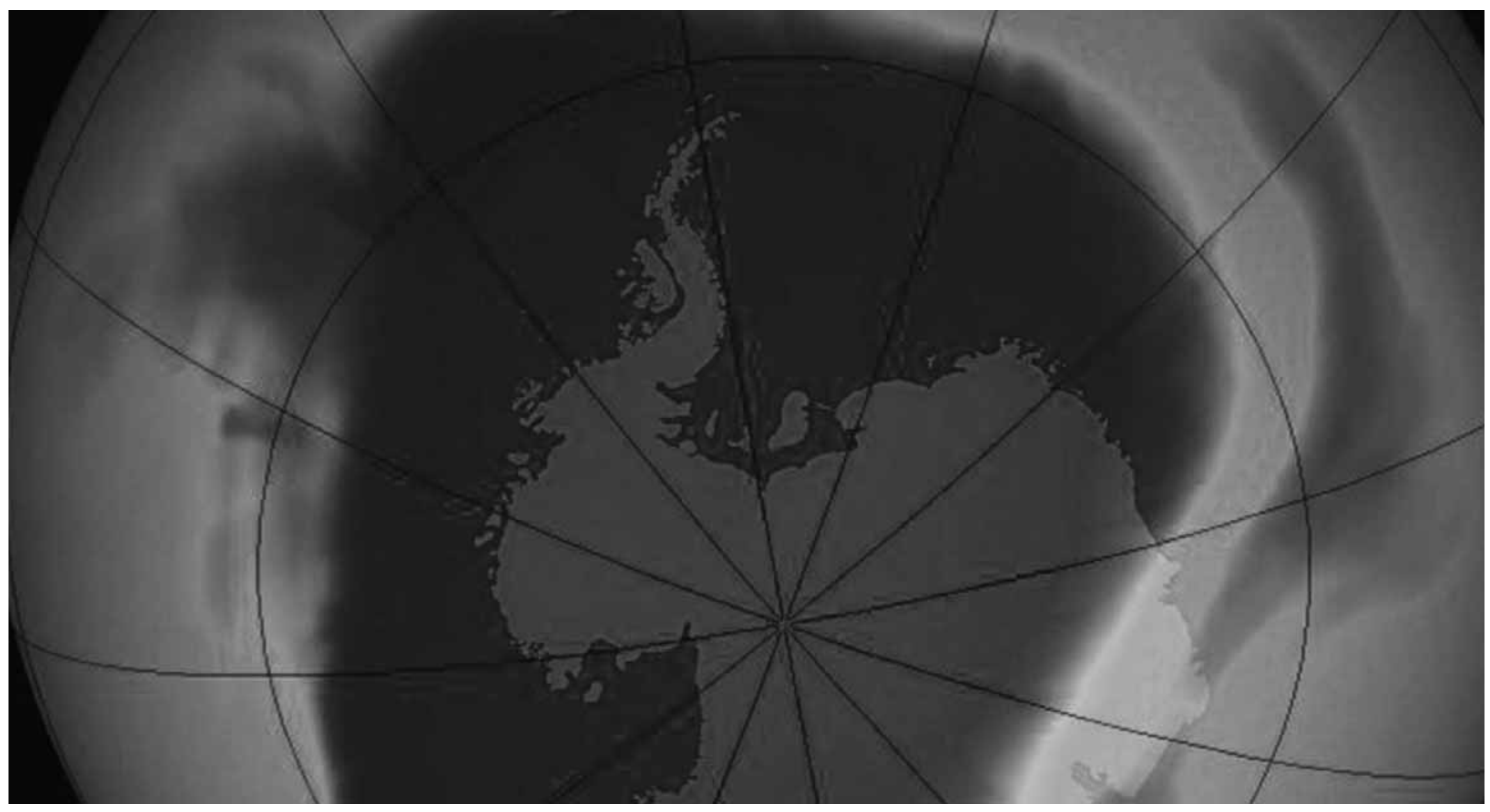

हमारी धरती के वातावरण की रक्षक ओजोन पर्त हमारे लौकिक एवं समुद्री जीवन के संरक्षण का काम करती है। वह पर्त जो अत्यधिक प्रतिक्रियाशील तथा ट्रेस गैसों से निर्मित होती है वायु के प्रत्येक 10 मिलियन अणुओं के लिए लगभग तीन अणु निर्मित करती है तथा सूर्य की पराबैंगनी किरणों को अवशोषित करती है जो धरती की ओर आती हैं। हालांकि, 1970 के पूर्वार्द्ध में निर्णयात्मक शोध के द्वारा इस अहम आवरण में समस्या के संकेतों को रेखांकित किया गया था। 1974 में, कैलीफोर्निया विश्वविद्यालय के स्वर्गीय प्रोफेसर शेरवुड रोलैंड एवं प्रोफेसर मारियो मोलिना एक लेख प्रकाशित किया था जिसमें क्लोरोफ्लोरोकार्बन (सीएफसी) गैसों से ओजोन पर्त को खतरों का उल्लेख किया गया था।

यह पाया गया कि, जो प्रशीतन के लिए आमतौर पर रेफ्रिजरेटरों आदि में इस्तेमाल किया जाता है वह धरती के वातावरण में प्रवाहित होने के बाद ओजोन लेयर को खा रहा है। स्थिति और भी बुरी हो जाती है क्योंकि सीएफसी का उपभोग इसकी कम कीमत तथा अज्वलनशील एवं गैरविषकारी गुणों के कारण विविध बिजनेसों व उद्योगों में चरघातांकीय रूप से बढ़ रहा है।

दुनिया के सर्वाधिक सफल समझौते की शुरुआत : प्रोफेसर रोलैंड एवं प्रोफेसर मोलिना के निष्कर्षों के 11 वर्ष बाद, वैज्ञानिकों की एक टीम ने भी ओजोन लेयर के सिकुड़ने के बारे में जाना, जिसे ओजोन छिद्र की संज्ञा दी जाती है। उन्हें महसूस हुआ कि सीएफसी ने ओजोन पर्त को भेदना प्रारम्भ कर दिया है जिससे अत्यंत हानिकारक पराबैंगनी किरणों का प्रवेश धरती की सतह तक होना संभव है। इसके परिणामस्वरूप मनुष्यों में त्वचा कैंसर के मामले बढ़ने लगे तथा भौतिक तथा समुद्री पारिस्थितिकीय तंत्र को नुकसान पहुंचने लगा। मानव स्वास्थ्य की रक्षा एवं पर्यावरण को सिकुड़ती ओजोन पर्त के हानकारक प्रभावों से बचाने का ध्येय लेकर, ओजोन पर्त के संरक्षण हेतु विएना कन्वेंशन 22 मार्च 1985 को अस्तित्व में आई।

कन्वेंशन ने मांट्रियल प्रोटोकाल (एमपी) के लिए व्यवस्था मुहैया कराई जो सार्वभौमिक मंजूरी प्राप्त करने के मामले में सर्वाधिक सफल पर्यावरण समझौता है। 16 सितम्बर 1987 को, संयुक्त राष्ट्र संघ व 45 अन्य देशों ने उन पदार्थों को लेकर मांट्रियल प्रोटोकाल पर हस्ताक्षर किए जो ओजोन पर्त का क्षरण करते हैं। इसका उद्देश्य ओजोन पर्त को पतला करने वाले पदार्थों पर विश्वव्यापी नियंत्रण, कटौती एवं चरणबद्ध रूप से उनका उपयोग बंद करके संरक्षाणात्मक ढाल का संरक्षण करना था। तीन दशक पूर्व, वैंकूवर की 12 वर्षीय लड़की, सेवर्न कुलिस सुजूकी, ने 1992 के पृथ्वी सम्मेलन के अवसर पर ओजोन का क्षरण करने वाले पदार्थों को चरणबद्ध रूप से हटाने के उपायों संबंधी रणनीति को लेकर विविध पक्षकारों का ध्यान खींचा था। कुलिस ने अपने ऐतिहासिक भाषण में कहा था, ''ओजोन पर्त में छिद्र के कारण मुझे सूर्य की रोशनी में बाहर जाने से डर लगता है। मुझे हवा में सांस लेने से भय लगता है क्योंकि मुझे नहीं पता उसमें कौन से रसायन मिले हुए हैं। यदि आपको नहीं पता कि समस्या से कैसे निबटा जाए, तो कृपया उसे तोड़ना बंद कर दीजिए।'

1994 में, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने हस्ताक्षर वाले दिन की याद में 16 सितम्बर को ओजोन पर्त संरक्षण हेतु अंतरराष्ट्रीय दिवस घोषित किया था। आज, मांट्रियल प्रोटोकाल के सभी पक्षों ने अपने 98 प्रतिशत ओजोन क्षरण कारक पदार्थों का प्रयोग बंद कर दिया है जिससे प्रतिवर्ष दो मिलियन लोगों की त्वचा कैंसर से रक्षा होती है।

प्रमुख निर्धारक हैं प्रशीतक तत्व। प्रशीतकों की व्यवस्था की स्थापना ने 18वीं सदी के दौरान आकार लेना प्रारम्भ कर दिया था जब विश्व ने वाष्प संपीडन प्रशीतन प्रणाली नामक तकनीकी उच्चीकरण की पद्धति को अपनाया था जो बाद में सर्वाधिक सफल वाणिज्यिक तकनीक साबित हुई।

प्रशीतन की अप्रत्याशित आवश्यकता का परिणाम शुरुआत में अपनाए गए प्राकृतिक प्रशीतकों (कार्बनडाइ आक्साइड, अमोनिया, सल्फर डाइ आक्साइड, जल और वायु) के अनुप्रयोग के रूप में सामने आया। पहली पीढ़ी के प्रशीतकों का स्थान धीरे-धीरे फ्लोरोकेमिकल्स ने लिया, जिन्हें उनके विविध गुणों यथा स्थिरता, अज्वलनशीलता आदि के

प्रोफेसर रोलैंड एवं प्रोफेसर मोलिना के निष्कर्षों के 11 वर्ष बाद वैज्ञानिकों की एक टीम ने भी ओजोन लेयर के सिकुड़ने के बारे में जाना, जिसे ओजोन छिद्र की संज्ञा दी जाती है। उन्हें महसूस हुआ कि सीएफसी ने ओजोन पर्त को भेदना प्रारम्भ कर दिया है जिससे अत्यंत हानिकारक पराबैंगनी किरणों का प्रवेश धरती की सतह तक होना संभव है।

कारण आमतौर से क्लोरोफ्लोरोकार्बन- सीएफसी तथा हाइड्रोक्लोरोफ्लोरोकार्बन (एचएफसी) कहा जाता है, जैसे आर-123, आर13, आर22। शुरुआत में, प्रशीतकों की व्यवस्था को शोधकर्ताओं ने पर्यावरण के परिप्रेक्ष्य में नहीं देखा। बाद में, ओजोन पर्त पर उनके नकारात्मक प्रभावों ने एचएफसी तथा पेट्रोक्लोरोफ्लोरोकार्बन (पीएफसी) के इस्तेमाल को बढ़ावा दिया, जो ओजोन क्षरणकारी नहीं होते, लेकिन उनमें वैश्विक तापन की क्षमता होती हे जो जलवायु परिवर्तन में योगदान के मामले में कार्बन डाइआक्साइड से ज्यादा प्रभावी होते हैं। 2,000 के शुरुआती वर्षों के दौरान, एचएपुसी प्रशीतकों को अप्रत्याशित रूप से अपनाए जाने के चलते ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को बढ़ावा मिला जिससे वैश्विक तापन प्रभाव सामने आने लगे।

एचएफसी प्रशीतकों के कारण पैदा कार्बन पादचिन्हों के घातक प्रभाव को महसूस करते हुए, वैश्विक नेताओं एवं संयुक्त राष्ट्र ने रवांडा की राजधानी में अक्टूबर 2016 में मांट्रियल प्रोटोकाल के सभी पक्षों की 28वीं बैठक आयोजित की। कन्वेंशन की परिणिति किगाली संशोधन के रूप में हुई, जिसका उद्देश्य जीएचजी उत्सर्जनों में कटौती करना था जिसके द्वारा इस सदी के अंत तक 0.5 डिग्री सेल्सियस वैश्विक तापन को कम किया जा सकता है, साथ में ओजोन पर्त का संरक्षण भी जरी रहेगा। टिकाऊ जलवायु का उद्देश्य लेकर किगाली संशोधन के अंतर्गत, विश्व की अर्थव्यवस्थाएं अब वैश्विक तापन निरोधक उपायों के तहत 2040 तक चरणबद्ध तरीके से वर्तमान में प्रयुक्त होने वाले एचसीएफसी का उपयोग घटाने के प्रयास कर रही हैं। निम्न जीडब्लूपी प्रशीतकों को अपनाने की प्रवृत्ति पर्यावरणीय लाभों की खोजकर के साथ ही साथ बाजार की तैयारी के साथ संबोधित किया जा सकता है। हालांकि, आगे बढ़ाते समय, बिजनेस के पूर्व परिदृश्य को बनए रखते हुए, प्रशीतक संक्रमण को बाजार की स्वीकार्यता के परिप्रेक्ष्य में देखना आवश्यक होता है। प्रशीतक का कुल पर्यावरणीय प्रभाव केवल कम अग्रिम लागत वाले प्रशीतकों, सभी प्रशीतन प्रणालियों की कुल ऊर्जा दक्षता एवं सुरक्षा पहलुओं को जोड़कर ही कम किया जा सकता है।

उदाहरण के लिए, बगैर संशोधन किए वर्तमान प्रशीतन प्रणाली के किसी प्रशीतक को बदल देने से वांछित आर्थिक एवं पर्यावरणीय लाभ उलट सकते हैं। ऐसे परिदृश्य से बचने के लिए, प्रशीतन उद्योग अगली पीढ़ी के निम्न जीडब्लूपी प्रशीतकों की वाणिज्यिक व्यावहार्यता सुनिश्चित करने के लिए प्रणालियां निर्मित करने के प्रयासों में लगा हुआ है। हालांकि, ऐसी नई प्रणालियों का इस्तेमाल बहुत सीमित है और प्रारम्भिक रूप से इस्तेमाल करने वाले पर निर्भर करता है जो आम तौर से प्रयुक्त होने वाले प्रशीतकों की वर्तमान प्रणालियों को पसंद करते हैं जिनकी कीमत कम है और परिणाम सिद्ध हो चुके हैं।

इस वर्ष ओजोन दिवस की थीम है, ''ओजोन फार लाइफ : ओजोन पर्त संरक्षण प्रयासों के 35 साल'' ओजोन पर्त के संरक्षण हेतु 1985 के विएना कन्वेंशन की सफलता को याद करते हुए। साथ ही साथ, वातावरण में जीएचजी उत्र्सजनों के निरंतर प्रवाहित होने का परिणाम यह हुआ है कि 2010-19 का दशक सर्वाधिक गर्म रहा है। जलवायु परिवर्तन के विनाशकारी प्रभावों का अनुभव करने के बाद, अब समय आ गया है कि सभी देश भावी पीढ़ियों के लिए ओजोन पर्त की क्षमता बहाल करने के लिए निम्न कार्बन उत्सर्जन का मार्ग अपनाने हेतु साथ मिलकर काम करें। प्रशीतन क्षेत्र में टिकाऊ ऊर्जा विकल्पों एवं वातावरण-हितैषी प्रशीतकों को अपनाकर 2100 तक वैश्विक तापन 0.5 डिग्री सेल्सियस तक घटाने की उम्मीद की जा सकती है।

भारत में विश्व की 16 प्रतिशत जनसंख्या निवास करती है लेकिन वर्तमान में केवल 7 से 9 प्रतिशत लोगों की पहुंच वातानुकूलन उपकरणों तक हो पाई है। प्रशीतन संकर-क्षेत्रीय है जो व्यापक रूप से विविध क्षेत्रों में होता है जैसे कि अंतरिक्ष प्रशीतन, उद्योग, परिवहन, खाद्य सुरक्षा आदि। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी की रिपोर्ट 2018 के अनुसार, भारत का प्रशीतन उद्योग 2050 तक तेजी से बढ़ने की संभावना है। भविष्य में प्रशीतन की आवश्यकताओं को महसूस करते हुए, भारत ने सक्रिय रूप से मार्च 2019 में इंडियसा कूलिंग एक्शन प्लान के रूप में अपना सामरिक दस्तावेज प्रस्तुत किया है, जिसका उद्देश्य कम पर्यावरणीय प्रभावों के साथ अधिक टिकाऊ प्रशीतन हेतु समाधानों का अपनाना है।

इस अप्रत्याशित वृद्धि से निबटने के लिए, भारतीय प्रशीतन उद्योग के लिए देशीय शोध एवं विकासीय गतिविधियों को बढ़ावा देकर श्रेष्ठ ऊर्जा-दक्ष तकनीकी विकल्पों का उपयोग करने के लिए त्वरित पद्धतियों को रणनीतिक रूप देना अनिवार्य हो गया है तथा पूर्व बिजनेस परिदृश्य में पर्यावरण हितैषी प्रशीतकों के इस्तेमाल को प्रोत्साहन देने की आवश्यकता है। इसमें सहयोग देने के लिए अंतर मंत्रालयी कार्रवाइयों में समकालिकता, नवीन प्रशीतन तकनीकों के प्रमाणीकरण एवं वित्तपोषण, नई प्रशीतन तकनीकों के लिए कार्य प्रणालियों का पेटेंट कराना तथा वर्तमान प्रशीतन नीतियों का प्रभावी क्रियान्वयन आदि सुनिश्चित कराने की आवश्यकता है।

सुशांत मामले में मीडिया कवरेज की प्रकृति

पब्लिक स्फेयर में चर्चा के लिए सूचना उपलब्ध कराने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका है, पर उसकी यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी भी है कि जांच सही दिशा में चले। जांच और अभियोजन एजेंसियां कभी-कभी आपराधिक घटना के खुलासे के दबाव में निरपराध लोगों को फंसा देती हैं।

हिरण्यमय कार्लेकर
(लेखक, द पायनियर के सलाहकार संपादक हैं)

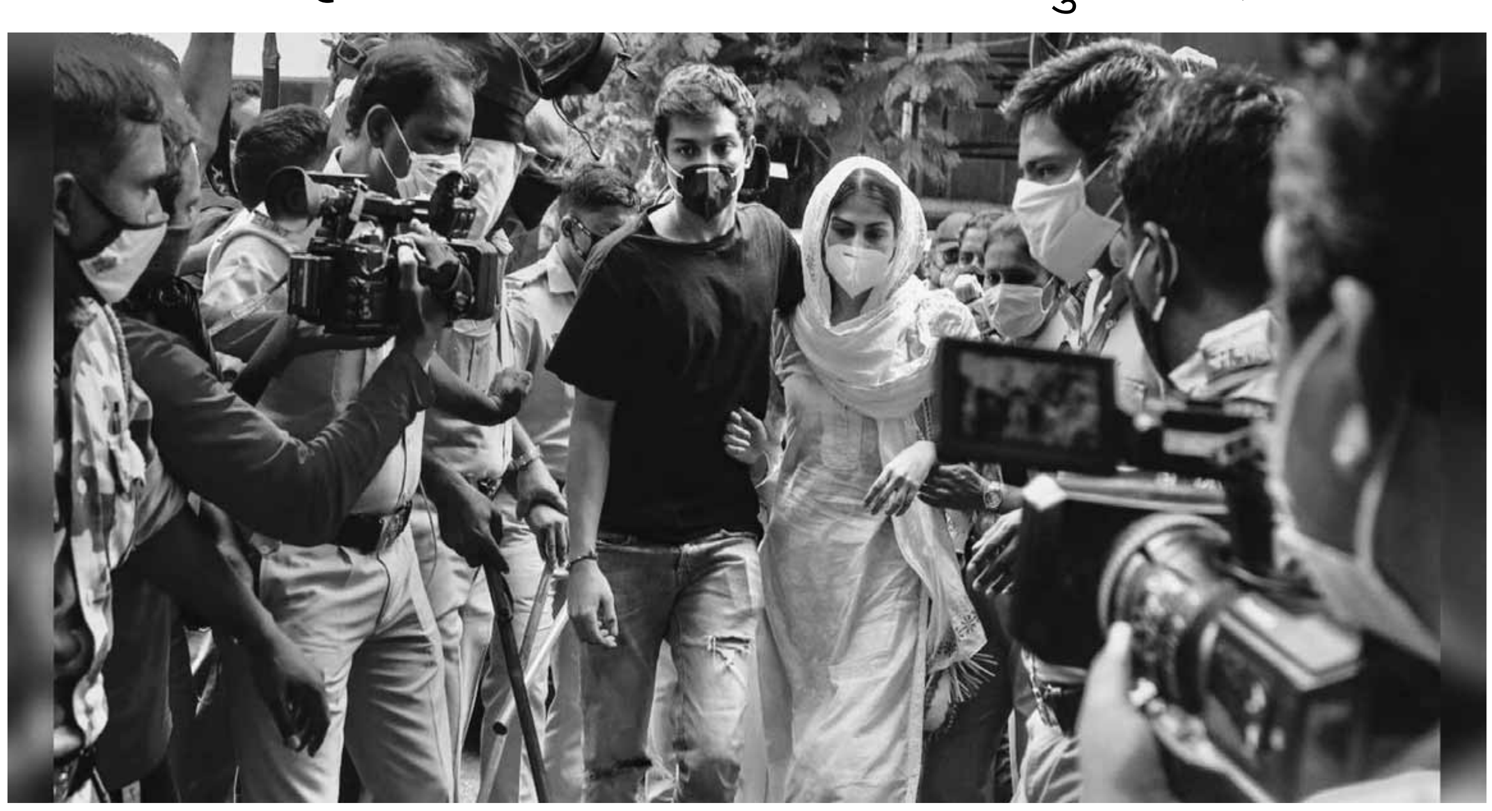

मीडिया ने सुशांत सिंह राजपूत की मौत मामले में नैतिक न्यायिक कवरेज सिद्धान्त की अनदेखी की है जिसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं। सुशांत सिंह राजपूत मामले में खासकर टेलीविजन कवरेज पर अनेक सवाल उठे हैं। जब तक प्रमाणों के आधार पर स्थापित न हो जाए, तब तक इसे आत्महत्या कहा जा सकता है। मामले में परस्पर आरोप-प्रत्यारोप वाले बयानों का दौर जारी है। में केवल इससे जुड़े गहरे मुद्दों पर गौर करना चाहता हूं। पहला यह है कि क्या इसकी विस्तारित कवरेज उचित है। निसंदेह यह घटना बहुत त्रासद है। भारतीय सिनेमा में उल्लेखनीय योगदान करने वाला एक युवा असमय विदा हो गया। उसकी मौत की असामान्य प्रकृति, इससे जुड़े आरोप-प्रत्यारोप, केन्द्र द्वारा सीबीआई जांच का फैसला, मामला हस्तांतरित करने का सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय तथा बाद का घटनाक्रम निश्चित रूप से मीडिया कवरेज की जरूरत उजागर करता है। लेकिन क्या 14 जून को हुई कथित आत्महत्या के बाद से अधिकांश चैनलों के प्राइम टाइम कवरेज में इसे बड़ा स्थान मिलना ठीक है? देश वर्तमान समय में चीनी आक्रामकता के गंभीर खतरे, कोविड-19 महामारी के विस्तार तथा अर्थव्यवस्था पर संकट जैसी महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना कर रहा है। ऐसे में क्या इस मुद्दे को मिलने वाले समय की गुणवत्ता व विस्तार उचित है? इस सवाल के नकारात्मक या सकारात्मक जवाब में अनेक व्यक्तिनिष्ठ निर्णय हो सकते हैं, इसलिए इसे अंतिम नहीं कहा जा सकता है। दूसरे, कहा जाता है कि दर्शक इसी तरह की कवरेज चाहते हैं। वैसे सभी मुद्दों पर निर्णय व्यक्तिनिष्ठ होते हैं क्योंकि प्रमाणों की गुणवत्ता के आधार पर कोई व्यक्ति या समूह इनका आंकलन करता और नतीजे पर पहुंचता है। इसमें पूर्वाग्रहों व उन्मुखीकरण का भी अपना स्थान है। लेकिन समाज को उचित निर्णय करने के पहले अंतर्निहित सामाजिक संबंधों का ध्यान रखते हुए तार्किकता व नैतिकता को महत्व देना चाहिए।

सवाल है कि क्या सुशांत की मौत व उसके परिणामों की देश के लिए प्रासांगिकता चीनी आक्रामकता, कोविड-19 महामारी और आर्थिक संकट से अधिक है? केन्द्रीय राज्य मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कांग्रेस सांसद के. सुधाकरन के सवाल का लिखित जवाब 15 सितंबर को लोकसभा में दिया, 'नारकोटिक्स कंटोल ब्यूरो-एनसीबी अपनी या अन्य स्त्रोतों से मिली जानकारियों के आधार पर पूरे साल तलाशी, जब्ती, गिरफ्तारी व जांच का काम लगातार करता है। कोविड-19 लाकडाउन के कारण एनसीबी को फिल्म उद्योग और नशा व्यापारियों के बीच गठजोड़ के खुलासे वाली कोई कारगर सूचना नहीं मिली थी। लेकिन इस संबंध में एनसीबी मुंबई जोनल कार्यालय ने 28 अगस्त, 2020 को एक मामला दर्ज कर अब तक 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से गांजा, हशीश, टेटां हाइडो कैनाबिनाल व लिसर्जिक एसिड डी इथिलमाइड जैसे नशे जब्त हुए हैं।' एनसीबी द्वारा निकाले नतीजे की प्रतीक्षा करनी होगी। लेकिन ऐसा नहीं लगता कि सुशांत की मौत के बाद उसकी कार्रवाई किसी देशव्यापी नशा व्यापारी गठजोड़ का खुलासा करने वाली है।

देश वर्तमान समय में चीनी आक्रामकता के गंभीर खतरे, कोविड-19 महामारी के विस्तार तथा अर्थव्यवस्था पर संकट जैसी महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना कर रहा है। ऐसे में क्या इस मुद्दे को मिलने वाले समय की गुणवत्ता व विस्तार उचित है? इस सवाल के नकारात्मक या सकारात्मक जवाब में अनेक व्यक्तिनिष्ठ निर्णय हो सकते हैं, इसलिए इसे अंतिम नहीं कहा जा सकता है। दूसरे, कहा जाता है कि दर्शक इसी तरह की कवरेज चाहते हैं। वैसे सभी मुद्दों पर निर्णय व्यक्तिनिष्ठ होते हैं क्योंकि प्रमाणों की गुणवत्ता के आधार पर कोई व्यक्ति या समूह इनका आकलन करता और नतीजे पर पहुंचता है।

यह तर्क कुछ सीमा तक उचित हो सकता है कि दर्शकों को सेलेब्रिटीज़ से जुड़ी इस प्रकार की कवरेज में दिलचस्पी होती है जो खासकर किसी आश्चर्यजनक त्रासद घटना के बाद बढ़ जाती है। लेकिन यह तर्क ठीक नहीं कहा जा सकता है। एक समय रोम के कोलेजियम में एकत्र जनता द्वारा ग्लेडियेटर की दूसरे ग्लेडियेटर या शेर से मारे जाने पर खुशी सामान्य बात मानी जाती थी। आज भी स्पेन में बहुत से लोग सांडों की लड़ाई में किसी मैटाडोर की मौत से खुश होते हैं और हजारों लोग दक्षिण भारत में बैलों की भयंकर लड़ाई जलीकट्टू से खुश होते हैं। लेकिन केवल जनता के देखने से इन घटनाओं या उनकी व्यापक कवरेज को ऐसे समय उचित नहीं कहा जा सकता है, जब इससे देश के सामने मौजूद महत्वपूर्ण समस्याओं से ध्यान हटता हो। जर्मन सामाजिक दार्शनिक जर्गन हेबरमास ने इसे 'पब्लिक स्फेयर' कहा है। उसने 'स्टंक्चरल टांसफारमेशन आफ द पब्लिक स्फेयर' में यह भी कहा है कि 'यह सार्वजनिक स्थल पर एकत्र लोगों द्वारा बनता तथा समाज व राज्य की आवश्यकताओं को जोड़ता है।' इस स्पेस में लोग समाज व राज्य से जुड़े सार्वजनिक मुद्दों की चर्चा करते हैं तथा एक सार्वजनिक राय बनाते हैं जो राज्य को नागरिकों के प्रति जवाबदेह बनाती है।

पब्लिक स्फेयर में चर्चा के लिए सूचना उपलब्ध कराने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका है, पर उसकी यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी भी है कि जांच सही दिशा में चले। जांच और अभियोजन एजेंसियां कभी-कभी आपराधिक घटना के खुलासे के दबाव में निरपराध लोगों को फंसा देती हैं। इस लेखक ने पत्रकार बनने का निर्णय हेनरी हैथवे की सच्ची घटना पर आधारित फिल्म 'काल नार्थसाइड 777' से प्रभावित होकर लिया था। इसमें शकागो डेली टाइम्स का रिपोर्टर जेम्स मैक्यूर जोसेफ मैजजेक को रिहा करवा देता है जिसे एक पुलिस अधिकारी की हत्या में गलत तरीके से फंसा दिया गया था और उसे 99 साल की सजा मिली थी। सुशांत सिंह राजपूत का मामला मुझे मैल्काम फीले की बहुचर्चित पुस्तक 'प्रोसेस इज़ द पनिशमेंट: हैंडलिंग केसेज़ इन ए लोअर क्रिमिनल कोर्ट' की याद दिला देता है। हालांकि, इसका संबंध भारत के बजाय अमेरिकी अदालतों से है, पर भारत की अदालतों में भी लगभग ऐसी ही समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। क्या अंततः निर्दोष सिद्ध होने वाले व्यक्ति के लिए यह त्रासदी उचित होगी कि मीडिया पर उसे दोषी ठहराने का दबाव था? इसका अर्थ यह नहीं है कि खोजी पत्रकारिता को ऐसे मामलों में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए जिनकी जांच चल रही हो। लेकिन इसका अर्थ निश्चित रूप से लोकतांत्रिक व उदारवादी न्याय प्रणाली के दो मुख्य सिद्धान्तों पर काम करना और उनकी निष्ठा का सम्मान करना जरूर है जो मानवाधिकारों से जुड़े हैं। इनमें से पहला संयुक्त राष्टंसंघ द्वारा 1948 में घोषित मानवाधिकारों की सार्विक घोषणा का अनुच्छेद 11-1 में निहित है। इसके अनुसार, 'आपराधिक मामले के किसी आरोपी को उस समय तक निरपराध समझे जाने का अधिकार है, जब तक उसे कानून के अनुसार ऐसी सार्वजनिक सुनवाई में दोषी न सिद्ध किया जाए जिसमें उसे अपने बचाव के लिए आवश्यक सभी गारंटियां मिली हों।' इसे मानवाधिकार संरक्षण के यूरोपीय प्रस्ताव में भी शामिल किया गया है जो मूल रूप से मानवाधिकार तथा मूल स्वतंत्रताओं के संरक्षण का प्रस्ताव था। 3 सितंबर, 1953 को लागू हुए इस प्रस्ताव के अनुच्छेद 6-2 में कहा गया था, 'आपराधिक कृत्य के आरोपी सभी लोगों को उस समय तक निरपराध माना जाएगा जब तक उनको कानून के अनुसार दोषी न मान लिया जाए।' प्रख्यात ब्रिटिश न्यायविद विलियम ब्लैकस्टोन ने दूसरे सिद्धान्त को ब्रिटेन में कानूनों पर टिप्पणियां करते हुए स्पष्ट किया है। उनके अनुसार, 'अपराध के सभी प्रमाणों को सावधानी से स्वीकार किया जाना चाहिए। कानून के अनुसार एक निरपराध को सजा मिलने से बेहतर दस दोषियों का छूट जाना है।' संयुक्त राज्य अमेरिका के एक संस्थापक बेंजामिन फ्रेंक्लिन ने और आगे बढ़ते हुए मार्च, 1785 को एक पत्र में लिखा था, 'एक निरपराध व्यक्ति को सजा मिलने से बेहतर 100 दोषी व्यक्तियों का बरी हो जाना है। इस सिद्धान्त को लंबे समय से स्वीकार किया गया है।' पत्रकारों को दोनों बातें हमेशा याद रखनी चाहिए।

स्लेट पर पाठशाला

महामारी आखिर क्या क्या रूप न दिखा दे, इसका सटीक अनुमान लगाना मुश्किल है। पर महामारी के बीच दैनिक क्रियाओं का सम्पादन भी तो जिंदगी का हिस्सा है। महामारी के चलते सांस की डोर तो थम सकती है मगर जिंदगी नहीं रुक सकती है। अब इस महामारी के दौर में एक तकनीक ही है जो आम आदमी के जीवन को आसान बना रही है। अपने मैनेजमेंट गुरु हर बात में तकनीक को जिंदगी का हिस्सा बनाना चाहते हैं और उन्होंने इसे साबित भी कर दिखाया है। महामारी में ऑनलाइन कक्षाओं को लेकर उनकी पहल पर एक स्लेट एप को ईजाद किया गया है। इस एप के माध्यम से संस्थान के शिक्षक क्लास लेंगे। ऑनलाइन पढ़ाई के लिए बने एप को सोच समझ कर स्लेट नाम दिया गया है। ऐसा संस्थान के महारथियों का मानना है। उनका कहना है कि स्लेट पर ही पहली क्लास लगी थी और अब शिक्षा के शिखर पर पहुंचने पर भी स्लेट पर ही पाठशाला शुरू होनी है। न जाने महामारी क्या और रूप दिखा दे पर गुरुजनों को स्लेट पर पाठशाला काफी रास आ रही है।

कौन आया कि.......

मुख्यमंत्री के दरबार में इन दिनों एक आईएएस अफसर अपने ही संवर्ग के अधिकारियों के बीच चर्चा का केन्द्र बने हुये हैं। चर्चा हो भी क्यों न। इस अधिकारी ने सीएम के दरबार में ताजा इन्ट्री जो मारी है। वह भी बिना किसी जुगाड़ के। सीएम के निर्देश पर इन्हें टीम 11 की बैठक में विशेष रूप से न केवल बुलाया जाता है बल्कि सीएम खुद इस अधिकारी के काम का उदाहरण देकर अन्य अफसरों को नसीहत देते हैं। मुख्यमंत्री द्वारा बात-बात पर इस अधिकारी की तारीफ किया जाना दरबार में शामिल अन्य अधिकारियों के गले नहीं उतर रहा है। ये अधिकारी अब इस बात का पता लगाने की कोशिश में जुटे हैं कि आखिरकार गोट कहां से फिट हुई जो सीएम इस अधिकारी को अचानक इतना ज्यादा तव्वजो देने लगे। हालांकि अभी तक कारणों का तो पता नहीं चला है लेकिन इस अधिकारी को सीएम के दरबार में शामिल एक दूसरे अधिकारी का समर्थन जरूर मिल गया है। समर्थन देने वाले अधिकारी भी सीएम दरबार में शामिल अफसरों की आंखों की किरकिरी बने हुये हैं। इस अधिकारी का सपा और बसपा की सरकारों में जलवा हुआ करता था और योगी सरकार में काफी दिनों तक साइडलाइन रहने के बाद अपने काम के दम पर सीएम योगी के करीब पहुंचे हैं।

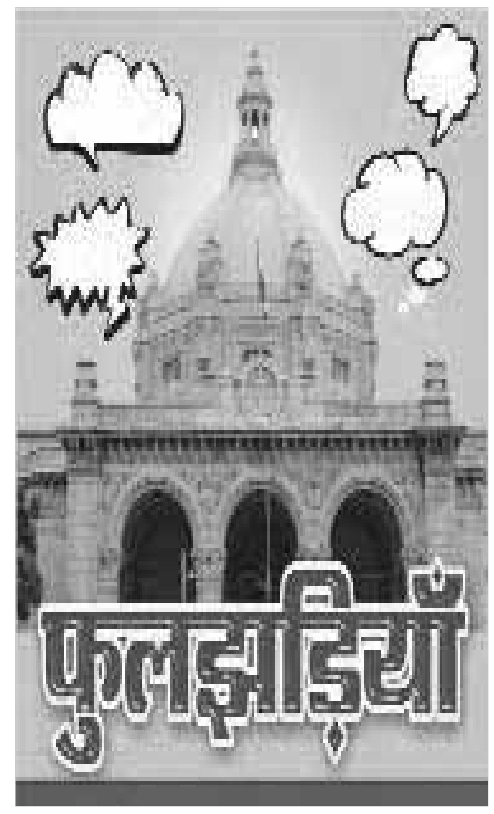

कासे कहूं मन की बात

कहने को साहब सूबे के प्रशासनिक पदों के मुखिया हैं और अधिकारियों में होशियार भी हैं लेकिन हालत उनकी किसी से कहने वाली नहीं है। साहब अपने मन की व्यथा किसी से कह नहीं पाते हैं। अब तो सचिवालय में यहां तक कानाफूसी होने लगी है कि साहब तो सिर्फ सचिवालय के अनुभागों का निरीक्षण करें। बाकी तो सब लोकभवन के सी-ब्लाक के पंचम तल पर बैठने वाले साहब ही निपटाते हैं। हाल ही में एक बैठक में महाराज जी की सुननी पड़ी जिससे साहब और हताश हो गए हैं। जिले के अधिकारी उनकी सुनते नहीं हैं। सिर्फ बैठक ही करते हैं। अब तो यहां तक चर्चा होने लगी है कि जैसे सरकार ने चीफ का पद ही समाप्त कर दिया हो। अब साहब की स्थिति ऐसी हो गई है कि जैसे कोई सोचे की कासे कहूं मन की बात।

असफल का सफल मंत्र

प्रांतीय सेवा से प्रोन्नत पाकर खाकी वाले महकमे में भारतीय सेवा का हिस्सा बने कप्तान साहब साइकिल वाली सरकार में लगातार चार्ज पर रहे और कई जिलों में सफलतापूर्वक कप्तानी की लेकिन जब से भगवा सरकार आई सफलता की गाड़ी पटरी से ऐसी उतरी कि अभी तक ट्रैक पर नहीं आ पाई है। काफी प्रयास और जोड़ तोड़ किया मगर लंबा समय गुजर जाने के बाद भी दाल नहीं गल सकी। नतीजा यह निकला कि अब पूरी तरह से ना उम्मीद हो चुके हैं। भगवा सरकार ने उन्हें भ्रष्टाचारी सरकारी कर्मचारियों की पकड़ धकड़ करने वाली शाखा में तैनात कर रखा है लेकिन उनका मन वहां नहीं लगता। इच्छा आज भी फील्ड में नौकरी करने की है। मगर मुसीबत यह है कि पुराने वाले मुखिया उन्हें जिले में तैनात करने का आश्वासन देते देते रिटायर हो गए और उनके स्थान पर जो नए वाले आए हैं वह ज्यादा घास डाल नहीं रहे। लिहाजा मन मसोसकर जहां हैं वहीं नौकरी करनी पड़ रही है। इन परिस्थितियों में अपना ध्यान बंटाने और हताशा को दूर करने के लिए कप्तान साहब ने एक दूसरा रास्ता निकाल लिया है। भगवा सरकार में खुद असफल रहे कप्तान साहब अब सोशल मीडिया पर बतौर मोटिवेशनल स्पीकर युवाओं को सफलता का मंत्र देने में जुट गए हैं।

सभी योजनाएं समय पर गुणवत्ता के साथ पूरी करें

● जल जीवन मिशन तथा अटल भूजल योजना का प्रस्तुतीकरण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री ने कहा कि जल जीवन मिशन के अन्तर्गत सभी योजनाएं समय से और मानक के अनुसार पूरी की जाएं। उन्होंने कहा कि जो पेयजल योजनाएं पूर्ण हो चुकी हैं, उनमें त्वरित गति से कनेक्शन देने की कार्यवाही भी की जाए, जिससे लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो। मुख्यमंत्री शनिवार को अपने सरकारी आवास पर जल जीवन मिशन हर घर जल तथा अटल भूजल योजना का प्रस्तुतीकरण देखने के बाद अधिकारियों को निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत बुन्देलखण्ड की सम्पूर्ण आबादी, विन्ध्य क्षेत्र की सम्पूर्ण आबादी, आर्सेनिक/फ्लोराइड तथा जेई/एईएस से प्रभावित आबादी, 8 आकांक्षात्मक जनपदों तथा शेष प्रदेश में वर्ष 2022 तक हर हाल में पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित कर ली जाए। मुख्यमंत्री ने लक्षित क्षेत्रों में तेजी से कार्यवाही के निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक 15 दिन पर कार्य की प्रगति की अद्यतन स्थिति से उन्हें अवगत कराया जाए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण और दुरूह क्षेत्रों में कठिनाइयों के साथ रहने वाले नागरिकों की समस्याओं के प्रति अत्यंत संवेदनशील है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ पेयजल हर नागरिक का अधिकार है।

भाजपा सेवा सप्ताह के तीसरे दिन मोदी के व्यक्तित्व पर आयोजित हुआ वेबिनॉर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भाजपा लखनऊ महानगर द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 70वें जन्मदिन को सेवा सप्ताहष् के रूप में मनाते हुए एक बार पुनः चरितार्थ किया है कि पार्टी के कार्यकर्ता कोरोना की विषम परिस्थितियों में भी पार्टी की विचारधारा सेवा ही संगठन है को पूर्णता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

सेवा सप्ताह के छठे दिन आज शहर के प्रत्येक वार्डो में वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। प्रदेश सरकार में विधि एवं न्याय मंत्री बृजेश पाठक तथा महानगर अध्यक्ष मुकेश शर्मा द्वारा मध्य विधानसभा के वल्लभ भाई पटेल पार्क में पौधारोपण किया गया। कोरोना संक्रमण से संक्रमित हो चुके मंत्री ब्रजेश पाठक ने सबको सोशल डिस्टेंसिंग व फेस कवर के उपयोग के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि हम सभी को सरकार द्वारा जारी गाइडलाइंस का पूर्ण पालन करना चाहिए और सार्वजनिक स्थानों पर भूलकर भी फेस कवर को नहीं हटाना चाहिए और समय-समय पर सैनिटाइजर का उपयोग करते रहना चाहिए व साबुन से हाथों को धोते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण के समय सभी कार्यकर्ता ऐसे सुरक्षित स्थानों का चयन करके ही वृक्षारोपण करें जहां वह सुरक्षित रह सकें व वृक्षारोपण के उपरांत भी लगाए गए वृक्ष की देखभाल करें जिससे कि वह पूर्ण रूप से विकसित हो सके। इसके साथ ही विभिन्न स्थानों पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किए गए। चौक स्टेडियम में खेल संघों द्वारा आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में फेस कवर, मास्क व सैनिटाइजर भी उपलब्ध कराए गये। इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आयोजित बेविनार में लखनऊ महानगर क्षेत्र के प्रबुद्ध वर्ग ने भी भाग लिया।

एक्सप्रेसवे पर समस्याओं का त्वरित समाधान किया जाए: अवस्थी

● बुन्देलखण्ड एक्सप्रेसवे की समीक्षा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

यूपीडा के सीईओ अवनीश कुमार अवस्थी ने शनिवार को वीडियो कान्फ्रेसिंग के माध्यम से बुन्देलखण्ड एक्सप्रेसवे के निर्माण कार्य की समीक्षा की। अवस्थी ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे एक्सप्रेसवे के मेन कैरिजवे और सर्विस रोड पर आने वाली सभी समस्याओं का निराकरण त्वरित गति से कराना सुनिश्चित करें। अवस्थी ने निर्माण कार्य करने वाली कम्पनियों को भी निर्देशित किया कि वह गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखते हुए निर्माण कार्य तेजी से कराएं इसके अतिरिक्त स्ट्रक्चर्स के निर्माण कार्य को भी शीघ्रता से कराना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही उन्होंने यूटिलिटी शिफ्टिंग के कार्य जैसे टयूबवेल, इलेक्ट्रिकल लाइन्स इत्यादि को हटाने के भी निर्देश दिए ताकि एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य शीघ्रता से बिना किसी परेशानी के पूर्ण कराया जा सके। एक्सप्रेसवे के मार्ग में पड़ने वाली नदियों केन, बेतवा व यमुना पर बनने वाले पुलों का निर्माण शीघ्र प्रारम्भ किया जाए जिसका निरीक्षण वे स्वयं आकर करेंगे। अवस्थी ने एक्सप्रेसवे के मार्ग में पड़ने वाले सभी जनपदों के जिलाधिकारियों से बात कर उन्हें एक्सप्रेसवे के निर्माण कार्य को त्वरित गति से कराने के निर्देश दिए। बुन्देलखण्ड एक्सप्रेसवे चित्रकूट में भरतकूप के पास से प्रारम्भ होकर बांदा, महोबा, हमीरपुर, जालौन, औरैया होते हुए आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर राष्ट्रीय राजमार्ग इटावा-बेवर मार्ग से लगभग 16 किमी पूर्व कुदरैल गाँव के पास समाप्त होगा।

उद्योगों में आपदा प्रबंधन पर पीएचडी चैम्बर ने आयोजित किया वेबिनार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के डीजी फायर डॉ आर के विश्वकर्मा ने कहा कि सुरक्षा के बिना कोई भी कारोबार संभव नहीं। किसी भी कारोबार का यह पहला नियम है। विशेष रूप से औद्योगिक इकाइयों में सुरक्षा के प्रति शुरुआती अनदेखी बाद में बड़ी महँगी पड़ती है। उद्यमियों को इन सुरक्षा उपायों के प्रति जागरूक करने के लिए उत्तर प्रदेश का अग्निशमन विभाग प्रतिबद्ध है। पीएचडी चैंबर ऑफकॉमर्स एंड इंडस्ट्री की आपदा प्रबंधन पर आयोजित एक वेबिनार को संबोधित करते हुए डीजी फायर ने कहा कि उद्यमी जब भी चाहें फ़ायर डिपार्टमेंट से संपर्क कर इस संबंध में विधिवत प्रशिक्षण भी प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने कानपुर के नज़दीक उन्नाव में 90 एकड़ ज़मीन पर फायर ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट स्थापित किया है। आम नागरिकों व उद्यमियों के हित में इसके व्यापक सदुपयोग की कार्य योजना विभाग तैयार कर रहा है। पीएचडी चैम्बर इसमें अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। पीएचडी चैंबर यूपी स्टेट चैप्टर के चेयरमैन मनोज गौड़ ने कहा की दुर्घटनाओं से बचने के लिए कार्य स्थल पर मौजूद श्रमिकों का सही प्रशिक्षण ज़रूरी है। साथ ही बिजली सुरक्षा, अग्निशमन सीसीटीवी कैमरे जैसे उपकरणों के माध्यम से भी हम इन दुर्घटनाओं को काफ़ी हद तक नियंत्रित कर सकते हैं। पूर्व डीजीपी जावीद अहमद ने कहा कि लागत यदि बढ़ती है तो भी सुरक्षा उपकरणों का इस्तेमाल घटाना समझदारी नहीं होगी। सुरक्षा वास्तव में कुछ बड़े उपायों से नहीं बल्कि ढेर सारे छोटे-छोटे उपायों के माध्यम से हासिल की जा सकती है। लखनऊ मेट्रो के प्रबंध निदेशक कुमार केशव ने सुरक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उद्योग में प्रत्येक कर्मचारी के लिए कार्यस्थल की सुरक्षा बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि सभी श्रमिक सुरक्षित और संरक्षित वातावरण में काम करना चाहते हैं। कर्मचारियों और नियोक्ताओं के बीच अच्छे संबंधों को बढ़ावा देने के लिए उनकी सुरक्षा और स्वास्थ्य प्रमुख कारक हैं।

उपचुनाव व 2022 के आम विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुट जाएं कार्यकर्ता: नरेश उत्तम

● सपा प्रदेश अध्यक्ष ने उन्नाव व देवरिया के पार्टी पदाधिकारियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए की चर्चा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने शनिवार को उन्नाव और देवरिया जिले के जिलाध्यक्षों, विधानसभा अध्यक्षों और पार्टी पदाधिकारियों से वर्चुवल वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए वार्ता की। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष के साथ प्रदेश कार्यालय प्रभारी अरविन्द कुमार सिंह मौजूद रहे।

प्रदेश अध्यक्ष ने उन्नाव की बांगरमऊ विधानसभा और देवरिया जिले की देवरिया सदर विधान सभा क्षेत्र के सम्भावित उपचुनाव को लेकर जिले के पदाधिकारियों के साथ इस विधानसभा क्षेत्रों के सेक्टर प्रभारियों से बात कर बूथों की जानकारी ली। बूथ स्तर पर पदाधिकारियों की बैठक करने के निर्देश दिए। दोनों जिलों में संगठन को मजबूत करने का निर्देश देते हुए समस्याओं की जानकारी ली। प्रदेश अध्यक्ष ने नेताओं से कहा कि कोरोना संक्रमण को देखते हुए तकनीक की मदद से आम कार्यकर्ता से संवाद बनाते हुए उन्हें सक्रिय रखा जाए। कार्यकर्ता सोशल डिस्टैंसिंग का पालन करते हुए जनता के सुख.दु:ख में साथ देने का काम करें। जनता भाजपा सरकार की कार्यप्रणाली से निराश हो चुकी है। लोग परेशान है। संकट में है। जनता को समाजवादियों से ही उम्मीद है। लोगों को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर भरोसा है। नेता और कार्यकर्ता जनता के बीच जाकर भाजपा सरकार के किसान नौजवान विरोधी कार्यों को उजागर करें। लोगों को समाजवादी पार्टी की नीतियों और अखिलेश यादव द्वारा सरकार के समय किए गए कार्यों को बताएं।

सभी नेता कार्यकर्ता प्रदेश में रिक्त विधानसभा सीटों पर सम्भावित उपचुनाव और 2022 के आम विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुट जाएं। भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों का विरोध करते हुए लोगों को भाजपा की झूठ और धोखे की राजनीति की सच्चाई बताएं।

किसानों को बर्बाद करने पर तुली है भाजपा सरकार: अखिलेश यादव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि केन्द्र और प्रदेश की भाजपा सरकार की नीतियां किसान और नौजवान विरोधी है। भाजपा सरकार किसानों को बर्बाद करने पर तुली है। यह सरकार खेती को अमीरों के हाथों गिरवी करने के लिए शोषणकारी विधेयक लायी है। ये खेतों से किसानों का मालिकाना हक छीनने का षडयंत्र है। इससे एमएसपी सुनिश्चित करने वाली मंडियां धीरे.धीरे खत्म हो जाएंगी। भविष्य में किसानों की उपज का उचित दाम भी छिन जाएगा और वो अपनी ही जमीन पर मजदूर बन कर रह जाएगा। सपा अध्यक्ष ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा लाया गया बिल किसान विरोधी है, यह किसानों के साथ बड़ी साजिश है। कृषि और किसान ही होता है जो कठिन समय में देश की अर्थव्यवस्था सम्हालता था। लेकिन अब खेती पर बड़े उद्योगपतियों की नजर है। जिससे किसान मजदूर बन कर रह जाएगा। किसानों की खेती बर्बाद हो जाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार जब से सत्ता में आयी है, उसने अपनी नीतियों और कार्यों से किसान को त्रस्त कर रखा है। अभी धान की फसल में यूरिया और अन्य उर्वरक डालने के लिए किसान मारा.मारा फिर रहा था। यूरिया खाद की जमकर कालाबाजारी हुई। किसान को मंहगे दामों पर यूरिया खरीदनी पड़ी। गन्ना किसानों की परेशानी जस की तस है। नया पेराई सत्र आने वाला है, लेकिन पिछले सत्र का 15 हजार करोड़ रूपया बकाया है। गन्ना किसानों के बकाया भुगतान को लेकर सरकार चुप्पी साध लेती है। सरकार और मिल मालिकों की सांठ-गांठ से गन्ना किसान संकट में है।

इसी तरह से भाजपा नौजवानों को लगातार धोखा दे रही है। भाजपा ने चुनाव के समय नौकरियों के नाम पर युवाओं से कितना झूठ बोला यह अब पता चल रहा है। नौजवान, किसान तथा आम आदमी भाजपा की धोखे की राजनीति को समझ रहा है। अखिलेश ने कहा कि भाजपा सरकार में प्रदेश और देश में मंहगाई आसमान छू रही है। कोरोना काल में जबकि हर व्यक्ति आर्थिक संकट से जूझ रहा है। लोगों की जेब खाली है। ऐसे में खाने.पीने की चीजों व सब्जियों के दामों में बेतहाशा वृद्धि ने जनता के सामने नया संकट पैदा कर दिया है। भाजपा की नीतियां लोककल्याणकारी नहीं है।

प्रियंका ने सीएम योगी को लिखा पत्र

12460 शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों की जल्द नियुक्ति की मांग

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने शिक्षक भर्ती को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखा हैण् उन्होंने कहा है कि 12460 शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थी हताश और बेरोजगार हैं। उन्हें कोर्ट कचहरी का चक्कर न लगवाकर 24 शून्य जनपद के अभ्यर्थियों की जल्द नियुक्ति की जाए।

पत्र में प्रियंका ने कहा है कि उत्तर प्रदेश का युवा बहुत परेशान और हताश है। कुछ दिनों पहले ही उन्होंने 12,460 शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग पर बातचीत की थी। इस शिक्षक भर्ती में 24 जिले शून्य जनपद घोषित थे। यानि कि इन 24 जिलों में कोई जगह नहीं खाली थी। मगर, अन्य जिलों की भर्तियों के लिए इन बच्चों ने मेरिट में स्थान प्राप्त किया। काउंसलिंग में हिस्सा लिया, इनको विद्यालय आवंटित हुए, नियुक्ति पत्र भी छपा। लेकिन, मिला नहीं। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि अब तीन साल गुजर जाने के बाद भी इन प्रतिभावान युवाओं की नियुक्ति नहीं हो पाई है। उन्होंने कहा कि ऐसे में यह युवा मजबूरी में कोर्ट कचहरी के चक्कर काट रहे हैं। इनमें से कई ऐसे बच्चे हैं, जिनके जीवन संघर्ष से भरे हैं। इनकी दर्दनाक कहानी सुनकर मुझे बहुत दुख हुआ। मैं समझ नहीं पा रही हूं कि सरकार ने इनके प्रति एक आक्रामक और निर्मम स्वभाव क्यों अपनाया है,क्योंकि यही उत्तर प्रदेश का भविष्य बनाने वाली पीढ़ी है और सरकार इनके प्रति जवाबदेह है।

उन्होंने मुख्यमंत्री से कहा कि ये युवा बहुत परेशान हैं। कोरोना महामारी इनके ऊपर और भी कहर बरपा रही है। एक तो इन्हें नौकरी नहीं मिल रही है, ऊपर से इस महामारी में उनके सामने गहरा आर्थिक संकट खड़ा हुआ है। कई अभ्यर्थी तो भयानक अवसाद में हैं। उनके ऊपर घर के नमक, तेल और राशन का भी बोझ है। प्रियंका ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि मानवीय संवेदनाओं को देखते हुए और युवाओं के रोजगार का हक का सम्मान करते हुए इन 24 जनपद के अभ्यर्थियों की नियुक्ति करायी जाए।

पिछड़ों की लड़ाई कांग्रेस सड़क से सदन तक लड़ेगी: लल्लू

● पिछड़ा वर्ग विभाग की बैठक में 15 सूत्रीय प्रस्ताव पारित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने चाहे पिछड़े वर्ग के नौकरियों में आरक्षण का मामला होए उच्च शिक्षा में आरक्षण का मामला रहा होए उत्पीड़न का मामला रहा होए पिछड़े वर्ग के हितों के लिए सड़क से सदन तक कांग्रेस ने संघर्ष किया है। उन्होंने कहा कि सपा और भाजपा एक दूसरे से मिली हुई है। लल्लू शनिवार को उप्र कांग्रेस कमेटी पिछड़ा वर्ग विभाग के प्रतिनिधियों की बैठक में बोल रहे थे। इस दौरान पिछड़ा वर्ग विभाग के कार्यकारी अध्यक्ष एवं विधायक नरेश सैनी ने कहा कि पूरे प्रदेश में योगी की सरकार में पिछड़ों पर अत्याचार हो रहे हैं। उनके हक और अधिकार को छीनने का काम किया जा रहा है। ऐसे में पिछड़े वर्ग के लोगों को एकजुट होकर अपने हक और अधिकार के लिए संघर्ष करना होगा।

पिछड़ा वर्ग विभाग के एक अन्य कार्यकारी अध्यक्ष मनोज यादव ने कहा कि पिछड़ा वर्ग विभाग के प्रदेश से लेकर ब्लाक स्तर तक व गांव.गांव तक संगठन बनाना है। पिछड़े वर्ग के लोगों को संगठित करना है। उन्होंने कहा कि मौजूदा भाजपा की सरकार आरक्षण पर ऐन.केन.प्रकारेण हमला कर उससे वंचित करने का कुत्सित प्रयास कर रही है। हम सभी लोगों को एकजुट होकर इस हमले के खिलाफ सड़कों पर उतरकर अपने संवैधानिक अधिकारों की रक्षा करना है।बैठक में 15 सूत्रीय प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। जिसमें प्रमुख रूप से पिछड़े वर्ग को जनसंख्या के अनुपात में संसाधनोंए सरकारी नौकरियों व सभी सार्वजनिक उपक्रमों में भागीदारी सुनिश्चित करनाए वर्ष 2011 में कांग्रेस पार्टी के शासनकाल में कराई गई जातिगत जनगणना के आंकड़ों को जातिवार सार्वजनिक करना और वर्ष 2021 की जनगणना में जातिगत जनगणना भी कराना तथा उसके आंकड़ों को सार्वजनिक करने की मांग है। इसके साथ ही पार्टी ने सभी सार्वजनिक उपक्रमों की नियुक्तियां स्थायी तौर पर करने की मांग की। प्रस्ताव में कहा गया कि मोदी सरकार द्वारा लगातार सार्वजनिक उपक्रमों का निजीकरण किया जा रहा हैए जिससे सभी संस्थानों पर पूंजीपतियों और शोषणकारी व्यवस्था के पोषक तत्वों का कब्जा हो रहा है। हम पिछड़े वर्ग के सभी प्रतिनिधि इसकी घोर निन्दा करते हैं और सरकार की मंशा को समझते हैं वह सार्वजनिक उपक्रमों का निजीकरण करके लगातार पिछड़ों के आरक्षण को खत्म करने का प्रयास कर रही है।

प्रस्ताव में कहा गया कि कांग्रेस पार्टी इस देश में गरीबीए भुखमरीए बेरोजगारी तथा लोगों की बेबसी को देखते हुए न्याय योजना का प्रस्ताव लायी थीए जिसके माध्यम से प्रत्येक परिवार को 6 हजार रुपये प्रतिमाह और साल भर में 72 हजार रुपये देने की व्यवस्था करने का वादा किया था। जो इस दौर में प्रासंगिक और लोगों के लिए जरूरी है। इसलिए इस न्याय योजना को लागू कराने के लिए पिछड़ा वर्ग विभाग संघर्ष करेगा।

शिवसेना ने मोदी सरकार की नीतियों पर उठाए सवाल

● शिवसेना ने यह आरोप भी लगाया कि केंद्र ने अपने सहयोगियों, किसान संगठनों या विपक्षी दलों के साथ परामर्श किए बिना कृषि पर विधेयक पेश किए

भाषा। मुंबई

शिवसेना ने शनिवार को अर्थव्यवस्था, व्यापार और कृषि पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नीत राजग सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए और आरोप लगाया कि सरकार हवाई अड्डों, एअर इंडिया तथा रेलवे के निजीकरण की ओर बढ़ रही है तथा किसानों के जीवन का नियंत्रण व्यापारियों और निजी क्षेत्र को दे रही है। शिवसेना ने यह आरोप भी लगाया कि केंद्र ने अपने सहयोगियों, किसान संगठनों या विपक्षी दलों के साथ परामर्श किए बिना कृषि पर विधेयक पेश किए और केंद्रीय मंत्री हरसिमरत कौर बादल के इस्तीफे से यह बात पूरी तरह साफ हो गई है।शिवसेना ने अपने मुखपत्र सामना के एक संपादकीय में लिखा है कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई और वरिष्ठ भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी के समय का राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) अलग था क्योंकि वे राजग के घटक दलों को सम्मान के साथ देखते थे और उनसे परामर्श करते थे।इसमें लिखा है, शिरोमणि अकाली दल की सदस्य हरसिमरत कौर बादल ने केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया है। मोदी सरकार दो किसान-विरोधी विधेयक लाई है और उन्होंने इसके विरोध में इस्तीफा दिया है। उनके इस्तीफे को कबूल कर लिया गया है। शिवसेना पहले ही राजग से बाहर हो चुकी है और अब अकाली दल ने कदम उठाया है। शिवसेना ने कहा, वाजपेई और आडवाणी के समय राजग के सहयोगी दलों को सम्मान, लगाव और विश्वास के साथ देखा जाता था। नीतिगत निर्णयों पर परामर्श होता था और भाजपा नेता सहयोगी दलों के विचारों को सुनते थे। उस समय बोले गए शब्दों का मान होता था। इसमें कहा गया, महाराष्ट्र की तरह ही पंजाब कृषि आधारित अर्थव्यवस्था वाला राज्य है। इसलिए किसानों पर विधेयक लाने से पहले सरकार को महाराष्ट्र, पंजाब और बाकी देश में किसान संगठनों तथा कृषि विशेषज्ञों के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत करनी चाहिए थी। शिवसेना के अनुसार विधेयक में ऐसा तंत्र बनाने का प्रावधान है जिसमें कारोबारी मंडियों के बाहर भी किसानों के उत्पाद खरीद सकते हैं। कांग्रेस, द्रमुक और तृणमूल कांग्रेस ने इस प्रावधान का विरोध किया है। उनका मानना है कि यह किसान विरोधी है।उसने आरोप लगाया, केंद्र सरकार हवाई अड्डों, एअर इंडिया, बंदरगाहों, रेलवे, बीमा कंपनियों के निजीकरण की ओर बढ़ रही है तथा किसानों के जीवन का नियंत्रण कारोबारियों और निजी क्षेत्र के लोगों को दे रही है। अर्थव्यवस्था, व्यापार, कृषि से संबंधित मोदी सरकार की नीतियां संदेह पैदा करती हैं। शिवसेना के मुताबिक, सरकार कहती है कि नई प्रणाली से किसानों को फायदा होगा। अगर इसे सच मान भी लिया जाए तो देश में कुछ शीर्ष किसान नेताओं के साथ बातचीत करने में क्या हर्ज था? उसे कम से कम राकांपा नेता शरद पवार से बातचीत करनी चाहिए थी। लेकिन इस सरकार को संवाद या परामर्श शब्द से कोई लेनादेना नहीं है। लोकसभा ने बृहस्पतिवार को कृषि उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्द्धन और सुविधा) विधेयक-2020 और कृषक (सशक्तिकरण एवं संरक्षण) कीमत आश्वासन समझौता और कृषि सेवा पर करार विधेयक-2020 को मंजूरी दे दी। हरसिमरत कौर बादल ने कहा कि कृषि विधेयकों के विरोध में केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफे का उनका फैसला किसानों के हितों की सुरक्षा के लिए किसी भी हद तक जाने के उनके पार्टी के दृष्टिकोण, उसकी गौरवशाली विरासत तथा प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

अगरतला में अनलॉक 4 के दौरान ट्रेनों की सफाई अभियान में जुटे कर्मचारी

शिअद अब तक राजग के साथ क्यों है : अमरिन्दर

● पंजाब के मुख्यमंत्री ने अपने विरोधी दल पर झूठ बोलने का भी लगाया आरोप

भाषा। चंडीगढ़

शिरोमणि अकाली दल का राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का हिस्सा बने रहने पर सवाल खड़ा करते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने शनिवार को पूछा कि शिअद भाजपा नीत केंद्र सरकार में रहने के दौरान पिछले छह साल में किसानों के हित में की गई उसकी एक पहल के बारे में बताए? शिअद के शीर्ष नेतृत्व पर कृषि विधेयकों के संबंध में पिछले कुछ दिनों से झूठ बोलने का आरोप लगाते हुए सिंह ने कहा कि शिअद ने ये अध्यादेश लाए जाने के बाद से ही खुलेआम और बेहद बेशर्मी के साथ इसका समर्थन किया था। मुख्यमंत्री ने यहां एक बयान में कहा कि शिअद के प्रमुख सुखबीर सिंह बादल और पूर्व केंद्रीय मंत्री हरसिमरत कौर बादल कृषि विधेयकों को लेकर झूठ बोल रहे हैं जोकि पूरी तरह सामने आ चुका है। मुख्यमंत्री ने बादल से पूछा, क्या आपमें से किसी ने लोकसभा में पेश किए जाने से पहले तक अध्यादेशों को किसान विरोधी कहा था? उन्होंने कहा क्या हरसिमरत ने एक बार भी, इस्तीफा देने तक, किसानों को बताया कि वह उनकी चिंताओं को दूर करने के लिए केंद्र सरकार को मनाने की कोशिश कर रही थीं, जैसा कि अब वह दावा कर रही हैं? अकाली दल के राजग का हिस्सा बने रहने पर सवाल उठाते हुए सिंह ने पूछा, हरसिमरत के यह मानने के बाद कि भाजपा नीत सरकार उनके द्वारा जताई गई चिंताओं के बावजूद किसानों की समस्याओं को दूर करने में नाकाम रहीं, फिर भी शिअद अब तक राजग का हिस्सा क्यों बना हुआ है?

हमारे चिंता जताने के बावजूद भाजपा नेतृत्व का मुद्दे को हल नहीं करना दुर्भाग्यपूर्ण : शिअद

चंडीगढ़। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) ने शनिवार को कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कृषि सुधार विधेयकों को लेकर भाजपा नेतृत्व को पार्टी की चिंताओं से अवगत कराने के बावजूद मुद्दों को सुलझाया नहीं गया। शिअद ने इसके साथ ही सभी राजनीतिक दलों से विधेयकों के खिलाफ अपने संघर्ष में शामिल होने की अपील भी की। शिअद ने कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) पर किसानों के साथ धोखा करने का आरोप लगाते हुए कहा कि इन दलों ने लोकसभा में विधेयकों को पारित करने को लेकर विरोध नहीं जताया।

सत्तारूढ़ भाजपा की सबसे पुरानी सहयोगी पार्टियों में से एक अकाली दल तीन कृषि विधेयकों का जबरदस्त विरोध कर रही है। हरसिमरत कौर बादल ने तीन कृषि विधेयकों के विरोध में बृहस्पतिवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया था। वह नरेंद्र मोदी सरकार में शिअद से एकमात्र मंत्री थीं। ए विधेयक बृहस्पतिवार को लोकसभा में पारित हुए थे। शिअद के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व सांसद प्रेम सिंह चंदूमाजरा ने यहां ऑनलाइन प्रेस वार्ता के दौरान कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि भाजपा ने हमारे चिंता व्यक्त करने और किसान समुदाय की भावनाओं को केंद्रीय नेतृत्व तक पहुंचाने के बावजूद मुद्दों का समाधान नहीं किया। उन्होंने कहा, हालांकि, हम किसानों के प्रति अपने कर्तव्यों को लेकर असफल नहीं होंगे।

मंत्रिमंडल विस्तार पर भाजपा नेतृत्व से निर्देश मिलने की उम्मीद : बीएस एदियुरप्पा

भाषा। बेंगलुरु

कर्नाटक के मुख्यमंत्री बीएस एदियुरप्पा ने शनिवार को कहा कि उन्हें उम्मीद है कि मंत्रिमंडल के विस्तार को लेकर उन्हें आज या कल भाजपा नेतृत्व से निर्देश मिल जाएगा। मुख्यमंत्री ने अपने दिल्ली दौरे को सफल बताते हुए कहा कि उनकी इच्छा है यह प्रकिया 21 सितंबर से शुरू हो रहे विधानसभा के मानसून सत्र से पहले पूरी हो जाए, लेकिन सबकुछ पार्टी नेतृत्व के फैसले पर निर्भर करता है। एदियुरप्पा ने कहा, मंत्रिमंडल विस्तार के संबंध में मैंने कल करीब आधे घंटे तक नड्डा जी (भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा) से बात की। वह संभवत: प्रधानमंत्री से बात करेंगे और आगे की कार्वाई पर आज ही निर्देश दे सकते हैं। नई दिल्ली में उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू से मुलाकात के बाद पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि पार्टी नेतृत्व के फैसले के आधार पर वह मंत्रिमंडल विस्तार पर फैसला लेंगे। मुख्यमंत्री बृहस्पतिवार दोपहर से दिल्ली में हैं और उन्होंने राज्य के विकास से जुड़े अनेक मुद्दों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विभिन्न केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात की है। एदियुरप्पा ने गत रात मंत्रिमंडल विस्तार पर नड्डा से मुलाकात की थी। मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने वाले सदस्यों की संख्या के बारे में पूछे गए सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा, हमें देखना होगा, प्रधानमंत्री और राष्ट्रीय अध्यक्ष के परामर्श पर मैं फैसला लूंगा। गौरतलब है कि कई पुराने नेता मंत्रिमंडल में शामिल होने का इंतजार कर रहे हैं, इनके अलावा कांग्रेस और जनता दल (सेकुलर) से बगावत कर भाजपा में आने वाले ए एच विश्वनाथ, आर शंकर और एमटीबी नागराज भी अपनी बारी का इंजतार कर रहे हैं। इस समय कर्नाटक मंत्रिमंडल में 28 सदस्य हैं और छह स्थान रिक्त हैं। इस बीच, कयास लगाए जा रहे हैं कि एदियुरप्पा की उम्र को देखते हुए आने वाले वक्त में नेतृत्व परिवर्तन भी हो सकता है। हालांकि, भाजपा के वरिष्ठ नेताओं, पार्टी प्रदेश अध्यक्ष नलिन कुमार कतील और मंत्री आर अशोक सहित कई ने इन्हें खारिज किया है।

वर्ष 2019 में तेज गति से वाहन चलाने के कारण हुईं सड़क दुर्घटनाओं में लगभग 3.19 लाख लोगों की मौत

● भारत में प्रतिवर्ष लगभग पांच लाख सड़क दुर्घटनाएं होती है, जो दुनिया में सबसे अधिक हैं

भाषा। नई दिल्ली

पिछले साल देश में हुई 4.49 लाख सड़क दुर्घटनाओं में से लगभग 71 प्रतिशत सड़क दुर्घटना, तेज गति से वाहन चलाने के कारण हुई। यह जानकारी संसद को शनिवार को दी गई। सड़क परिवहन और राजमार्ग राज्य मंत्री वी के सिंह ने राज्यसभा को एक लिखित उत्तर में कहा, उपलब्ध जानकारी के अनुसार, पिछले कैलेंडर वर्ष 2019 के दौरान सड़क दुर्घटनाओं की कुल संख्या 4,49,002 है। इनमें से 3,19,028 सड़क दुर्घटनाएं (71.1ॐ) दुर्घटना, तेज गति से वाहन चलाने से हुई हैं। उन्होंने कहा कि सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने हर जिले में सड़क उपयोगकर्ताओं के बीच जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए सांसदों की सड़क सुरक्षा समिति को सूचित किया है। मंत्री ने कहा कि उस जिले के संसद सदस्य (लोकसभा) इस समिति के अध्यक्ष होंगे। सिंह ने कहा कि मंत्रालय ने शिक्षा, इंजीनियरिंग (सड़क और वाहन दोनों), प्रवर्तन और आपातकालीन देखभाल के आधार पर सड़क सुरक्षा के मुद्दे को हल करने के लिए एक बहुस्तरीय रणनीति तैयार की है। भारत में प्रतिवर्ष लगभग पांच लाख सड़क दुर्घटनाएं होती हैं, जो दुनिया में सबसे अधिक है। इन दुर्घटनाओं में लगभग 1.5 लाख लोग मारे जाते हैं और करीब 3 लाख अपंग हो जाते हैं।

संसद भवन परिसर में अमरावती भूमि घोटाले को लेकर प्रदर्शन करते वाईएसआर कांग्रेस के नेता

क्विक न्यूज

मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री के बीच समझ वैसी ही जैसी भगवान राम-लक्ष्मण के बीच थी : मंत्री

चेन्नई। तमिलनाडु के राजस्व मंत्री आर बी उदयकुमार ने शनिवार को यहां कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री के पलानीस्वामी और उप मुख्यमंत्री ओ. पनीरसेलवम के बीच समझ ठीक वैसी ही है जैसी भगवान राम और उनके भाई लक्ष्मण के बीच थी। पार्टी की शुक्रवार को हुई बैठक में दोनों नेताओं के बीच मतभेद के दावों के बारे में किए गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि दोनों नेता सेना जैसे अनुशासन के साथ पार्टी का नेतृत्व कर रहे हैं। उदयकुमार ने कहा कि दोनों नेताओं से करीब डेढ़ करोड़ कार्यकर्ता जुड़े हैं और वे सभी को ममता भरे स्नेह के साथ लेकर चल रहे हैं।

उत्तराखंड विधानसभा में विपक्ष की नेता इंदिरा हृदएश कोरोना वायरस संक्रमित

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा मे विपक्ष की नेता इंदिरा हृदएश कोरोना वायरस से संक्रमित पाई गई है। प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष धीरेंद्र प्रताप ने शनिवार को यह जानकारी दी। प्रताप ने बताया कि हृदएश की कोविड-19 की जांच रिपोर्ट शुक्रवार रात को आई जिसमे उनके संक्रमित होने की पुष्टि हुई। उन्हे यहां लाया जा रहा है और मैक्स अस्पताल मे भर्ती कराया जाएगा। प्रताप के अनुसार हृदएश को शुक्रवार सुबह निमोनिया होने का पता चलने के बाद हल्द्वानी के सुशीला तिवारी सरकार अस्पताल मे भर्ती कराया गया था। उन्होने कहा कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रीतम सिंह भी एहतियातन शनिवार को पृथक-वास में चले गए। हृदएश 23 सितंबर से शुरू हो रहे राज्य विधानसभा के मानसून सत्र से पहले कार्य मंत्रणा समिति की रविवार को होने वाली बैठक मे शामिल नही होंगी। बैठक मे विपक्ष के उप नेता और रानीखेत के विधायक करण मेहरा के शामिल होने की संभावना है।

भोजपुरी को आठवीं अनुसूची में शामिल करने की राज्यसभा में उठी मांग

नई दिल्ली। राज्यसभा मे शनिवार को भाजपा के एक सदस्य ने भोजपुरी को संविधान की आठवी अनुसूची मे शामिल किए जाने की मांग करते हुए कहा कि करीब 50 साल से की जा रही इस मांग को पूरा करने के लिए सरकार को तत्काल विधेयक लाना चाहिए।भाजपा के नीरज शेखर ने शून्यकाल मे यह मुद्दा उठाते हुए कहा कि देश मे भोजपुरी बोलने वालों की संख्या करीब 20 करोड है और विदेशों मे करीब 8 करोड लोग भोजपुरी बोलते है। उन्होंने कहा कि मॉरीशस, सूरीनाम, नेपाल और युगांडा मे तो भोजपुरी भाषा बोलने वालों की बहुतायत है। मॉरीशस और नेपाल मे इस भाषा को संवैधानिक दर्जा प्राप्त है।शेखर ने कहा भोजपुरी को संविधान की आठवी अनुसूची मे डाले जाने की मांग 1969 से की जा रही है। सरकार को चाहिए कि पिछले करीब 50 साल से चली आ रही इस मांग को पूरा करने के लिए वह तत्काल एक विधेयक लाए।

अध्यादेश के बाद स्वास्थ्य कर्मियों के खिलाफ हिंसा की घटनाओं में खासी कमी आई : हर्षवर्द्धन

नई दिल्ली। स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्द्धन ने शनिवार को राज्यसभा मे कहा कि एक अध्यादेश लाए जाने के बाद देश मे स्वास्थ्य कर्मियो के खिलाफ हिसा की घटनाओ मे खासी कमी आई। उस अध्यादेश मे ऐसी गतिविधियो को गैर-जमानती अपराध बनाया गया है। सरकार ने 22 अप्रैल को एक अध्यादेश जारी कर महामारी कानून 1897 मे संशोधन किया और कोविड-19 मरीजों का इलाज करने वाले स्वास्थ्य कर्मियो के खिलाफ हिसा की घटनाओ को गैर-जमानती अपराध बनाते हुए दंड का भी प्रावधान किया। ऐसे अपराधो मे सात साल तक की सजा का प्रावधान किया गया है। मंत्री ने उच्च सदन में महामारी (संशोधन) विधेयक, 2020 चर्चा के लिए पेश करते हुए कहा कि अध्यादेश के बाद स्वास्थ्य कर्मियो के खिलाफ ऐसी घटनाओ मे कमी आई है।

कोविड संकट के दौरान श्रमिक विशेष रेलगाड़ियों में यात्रा करते हुए 97 लोगों की मौत हुई : गोयल

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने पहली बार यह स्वीकार किया है कि कोविड-19 संकट के मद्देनजर लागू किए गए लॉकडाउन के दौरान प्रवासी श्रमिकों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए चलाई गई श्रमिक विशेष रेलगाड़ियों मे यात्रा के दौरान 97 लोगो की मौत हुई थी। तृणमूल कांग्रेस के डेरेके ओ ब्रायन द्वारा पूछे गए एक सवाल के लिखित जवाब मे रेल मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को राज्यसभा को यह जानकारी दी। गोयल ने बताया, राज्य पुलिस द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ो के आधार पर वर्तमान कोविड-19 संकट के दौरान श्रमिक स्पेशल गाड़ियों मे यात्रा करते हुए नौ सितंबर तक 97 लोगो के मरने की सूचना मिली। उन्होने कहा कि मृत्यु के इन 97 मामलो में से 87 मामलो मे राज्य पुलिस ने शवो को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और अब तक संबंधित राज्य पुलिस से 51 पोस्टमार्टम रिपोर्टें प्राप्त हुई है। उन्होने कहा, पोस्टमार्टम रिपोर्ट मे मृत्यु के कारण हृदय गति रुकना, हृदय रोग, ब्रेन हैमरेज, पुरानी गंभीर बीमारी, फेफड़ो की गंभीर बीमारी, जिगर की गंभीर बीमारी आदि दर्शाए गए है। गोयल ने बताया कि श्रमिक विशेष गाड़ियों मे कुल 63.19 लाख, फंसे हुए श्रमिको ने यात्रा की।

नायडू ने सांसदों से मास्क पहनने व सुरक्षित दूरी बनाए रखने का आग्रह किया

भाषा। नई दिल्ली

करीब दो दर्जन सांसदों के कोरोना वायरस से संक्रमित होने के बीच राज्यसभा के सभापति एम वेंकैया नायडू ने शनिवार को सदस्यों से बार-बार हाथ धोने, मास्क पहनने और सुरक्षित दूरी बनाए रखने का आग्रह किया।नायडू ने सुबह उच्च सदन की बैठक शुरू होने पर कहा कि संसद भवन में सत्र के दौरान हर दिन कोविड-19 जांच की सुविधा उपलब्ध रहेगी। इसमें रैपिड एंटीजन और आरटी-पीसीआर दोनों तरीके उपलब्ध होंगे।उन्होंने कहा कि सदस्यों को इस सुविधा का लाभ उठाने और अपनी जांच कराने की सलाह दी जाती है। उन्होंने कहा कि ऑक्सीजन स्तर की जांच करने के लिए खासी संख्या में ऑक्सीमीटर भी संसद भवन में उपलब्ध हैं।नायडू ने कहा कि अधिकारियों ने उन्हें बताया है कि वायरस के खिलाफ सबसे अच्छा सुरक्षा उपाय मास्क है।उन्होंने कहा जब भी आप अपने घर के बाहर किसी व्यक्ति से मिलते हैं तो मास्क पहनना जरूरी है। दूसरी सबसे महत्वपूर्ण बात सुरक्षित दूरी बनाए रखना है। इसके अलावा हाथ बार बार धोना भी अहम है। नायडू ने कहा कि चौथी बात, शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को बनाए रखने की आवश्यकता है। यह पौष्टिक भोजन, स्वस्थ जीवन शैली और व्यायाम से संभव है। उन्होंने कहा कि वह लोगों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं और सदस्यों को एक दूसरे से बातचीत करते समय दूरी बनाए रखनी चाहिए।उन्होंने कहा, छह फुट की सीमा को पार नहीं करें और दूसरे सदस्य की ओर नहीं झुकें... यदि यह बहुत महत्वपूर्ण है तो पर्ची भेजें। नायडू ने कहा कि सदस्य अपनी समस्याओं या शिकायतों को लिखित रूप से बता सकते हैं, यह सबसे अच्छा तरीका है।

मप्र: वन्यजीवों के शिकार में एक व्यक्ति गिरफ्तार, सात अन्य फरार

भाषा। दमोह, (मप्र)

मध्यप्रदेश के दमोह जिले में वन विभाग के दल ने तेंदूखेड़ा में वन्यजीवों के शिकार के आरोप में 35 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से मृत अवस्था में तीन गुहा (वन्य प्राणी) और एक जंगली खरगोश बरामद किए हैं। मामले में सात आरोपी फरार हैं। पुलिस इनकी तलाश कर रही है। अनु विभागीय अधिकारी पुलिस (एसडीओपी) अशोक चौरसिया ने शनिवार को बताया कि शुक्रवार रात को पुलिस ने तेंदूखेड़ा इलाके के वार्ड क्रमांक 11 से भोपाल निवासी सुरेश डोलानाथ (35) को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि सुरेश के पास से मृत अवस्था में तीन गुहा और एक जंगली खरगोश बरामद किया गया है। एसडीओपी ने बताया कि वन विभाग के अधिकारियों की सूचना पर सुरेश को उसकी ससुराल से गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि इस मामले में राजा और अजय सहित सात अन्य आरोपी फरार हैं। पुलिस उनकी तलाश कर रही है। उन्होंने बताया कि यह आरोपी जंगल में जंगली जानवरों का शिकार कर विक्रय करते थे। उन्होंने बताया कि वन विभाग द्वारा इन आरोपियों के विरुद्ध वन्य जीव संरक्षण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

वायु सेना में सेवारत 1875 महिला अधिकारियों में से 10 लड़ाकू विमान चालक : श्रीपाद नाइक

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय वायुसेना (आईएएफ) में सेवारत महिला अधिकारियों की कुल संख्या 1875 है और इनमें से 10 लड़ाकू विमान चालक हैं जबकि 18 महिला अधिकारी दिशा-संचालक (नैवीगेटर) हैं। रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी। राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित जवाब में रक्षा राज्य मंत्री श्रीपाद नाईक ने बताया, एक सितंबर, 2020 की स्थिति के अनुसार भारतीय वायुसेना में सेवारत महिला अधिकारियों की संख्या 1875 है। इनमें से 10 महिला अधिकारी लड़ाकू पायलट हैं और 18 महिला अधिकारी नैवीगेटर हैं। उन्होंने बताया कि रक्षा मंत्रालय के अनुमोदन के बाद भारतीय वायुसेना ने वर्ष 2016 में फ्लाइंग ब्रांच की लड़ाकू स्ट्रीम में महिला एसएससी अधिकारियों के प्रवेश के लिए एक योजना आरंभ की थी। इसके अंतर्गत अब तक 10 महिला लड़ाकू पायलटों को कमीशन किया गया है।यह पूछे जाने पर कि महिला लड़ाकू विमान चालकों द्वारा सीमा पार या शत्रु देशों की सीमा रेखा के आस-पास लड़ाकू विमान उड़ाते समय किस तरह की सुरक्षा संबंधी सावधानियां बरतने के दिशा निर्देश हैं, नाईक ने बताया, भारतीय वायुसेना में महिला लड़ाकू पायलटों को निर्धारित की गई नीति के अंतर्गत सामरिक जरूरतों और संक्रियात्मक आवश्यकताओं के अनुसार नियुक्त और तैनात किया जाता है, जिसकी समय-समय पर समीक्षा की जाती है। उल्लेखनीय है कि जून 2016 में पहली बार तीन महिला लड़ाकू विमान चालकों भावना कंठ, अवनी चतुर्वेदी और मोहना सिंह को भारतीय वायु सेना के लड़ाकू बेड़े में शामिल किया गया था।

नई शिक्षा नीति का उद्देश्य समावेशी और उत्कृष्टता के दोहरे उद्देश्य को हासिल करना

भाषा। नई दिल्ली

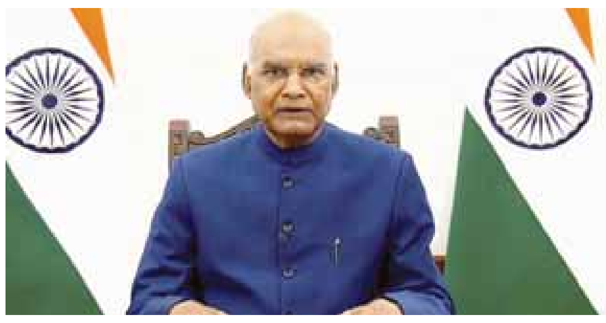

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने शनिवार को कहा कि नई शिक्षा नीति का मकसद समावेशी और उत्कृष्टता के दोहरे उद्देश्य को हासिल करके 21वीं सदी की जरूरतों को पूरा करने की दिशा में शिक्षा प्रणाली को पुनर्जीवित करना है।

राष्ट्रपति ने उच्च शिक्षा में नई शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन विषय पर एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि यह नीति सभी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करके एक समतामूलक और जीवंत रूप से शिक्षित समाज विकसित करने की सोच का निर्धारण करती है। कोविंद ने कहा, उच्च शिक्षण संस्थानों पर भारत को वैश्विक ज्ञान महाशक्ति बनाने की अधिक जिम्मेदारी है। अन्य संस्थान इन संस्थानों द्वारा स्थापित गुणवत्ता मानकों का पालन करेंगे। उन्होंने कहा कि नई नीति के मूल सिद्धांतों में तार्किक निर्णय लेने तथा नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए रचनात्मकता एवं महत्वपूर्ण दृष्टिकोण को समाहित करना शामिल है।

राष्ट्रपति ने कहा, एनईपी महत्वपूर्ण दृष्टिकोण और जिज्ञासा की भावना को प्रोत्साहित करने का प्रयास भी करती है। नीति के प्रभावी कार्यान्वयन से भारत की शिक्षा के महान केंद्रों तक्षशिला और नालंदा के समय के गौरव को हासिल किया जा सकता है। कोविंद ने भगवत गीता और कृष्ण–अर्जुन संवाद का जिक्र करते हुए शिक्षकों और छात्रों के बीच मुक्त संचार की अवधारणा पर जोर दिया।

उन्होंने कहा नई शिक्षा नीति का मकसद समावेशी और उत्कृष्टता के दोहरे उद्देश्य हासिल करके 21वीं सदी की जरूरतों को पूरा करने की दिशा में शिक्षा प्रणाली को पुनर्जीवित करना है। यह नीति सभी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करके एक समतामूलक और जीवंत ज्ञान प्राप्त समाज विकसित करने की सोच का निर्धारण करती है।

पुराने वाहन नष्ट करने की नीति को परिपत्र तैयारः सरकार

नई दिल्ली। सरकार ने शनिवार को कहा कि वाहन तोड़ने (स्क्रैपिंग) नीति के लिए एक मंत्रिमंडल परिपत्र तैयार किया गया है। सड़क परिवहन और राजमार्ग राज्य मंत्री वीके सिंह ने राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने पुराने वाहनों के निपटारे के लिए स्वैच्छिक और पर्यावरण के अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण के संदर्भ में एक मंत्रिमंडलीय परिपत्र तैयार किया है। सरकार ने पहले कहा था कि इस प्रस्तावित नीति के एक बार अनुमोदित होने के बाद, सभी वाहनों पर लागू होगी। इस नीति को प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के निर्देश पर सभी अंशधारकों के साथ नए दौर के परामर्श के लिए भेजा गया है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने इस साल की शुरुआत में कहा था कि एक बार नीति को मंजूरी मिलने के बाद, भारत ऑटोमोबाइल विनिर्माण का एक केन्द्र बन सकता है।

तिरुवनंतपुरम में शनिवार को पद्मनाभस्वामी मंदिर के दर्दकुनी उत्सव में भाग लेते भक्तगण

आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को नौकरी के लिए आयुसीमा में छूट की रास में उठी मांग

भाषा। नई दिल्ली

राज्यसभा में शनिवार को भाजपा के एक सदस्य ने कहा कि कोविड–19 महामारी की वजह से टीबी के खिलाफ लड़ाई में किसी तरह की कोई कोताही नहीं बरती जानी चाहिए। भाजपा सदस्य के जे अल्फोंस ने शून्यकाल में यह मुद्दा उठाते हुए कहा कि विश्व भर में टीबी के मरीज हैं और भारत के हर राज्य में यह बीमारी अब तक है। उन्होंने कहा कि फिलहाल कोविड–19 महामारी के चलते टीबी और अन्य गैर संचारी बीमारियों की ओर किसी का ध्यान नहीं जा रहा है।

अल्फोंस ने कहा कि ऐसा नहीं है कि गैर संचारी बीमारियां गंभीर नहीं हैं। टीबी के उन्मूलन के लिए वैश्विक लक्ष्य तय किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि टीबी के मरीजों का प्रतिरोधक तंत्र वैसे भी कमजोर होता है इसलिए उनके इलाज में कोई ढिलाई नहीं बरती जानी चाहिए। शून्यकाल में ही शिवसेना की प्रियंका चतुर्वेदी ने सुझाव दिया कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के अभ्यर्थियों को शैक्षिक संस्थानों में प्रवेश एवं रोजगार के लिए आयु सीमा में छूट दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए दस फीसदी आरक्षण की व्यवस्था है लेकिन आयु सीमा में उन्हें कोई छूट नहीं दी गई है। तृणमूल कांग्रेस के डेरेक ओ ब्रायन ने मांग की कि कोलकाता में स्थित अखिल भारतीय हस्तशिल्प बोर्ड को तत्काल बहाल किया जाए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने ऐसे समय यह बोर्ड खत्म किया है जब कोविड–19 महामारी का संकट चरम पर है। डेरेक ने साथ ही कहा कि पश्चिम बंगाल में चल रही एक योजना की तरह ही सरकार कलाकारों, बुनकरों, दैनिक मजदूरों, छोटे व्यापारियों जैसे अनौपचारिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को त्यौहार के मौसम से पहले आर्थिक मदद दे।

भाजपा के वाई आर एस चौधरी ने जल संरक्षण और जल प्रबंधन का मुद्दा शून्यकाल में उठाते हुए कहा कि जिस तेजी से भूजल स्तर गिर रहा है और जल संकट बढ़ रहा है, उसे देखते हुए जल संरक्षण और जल प्रबंधन अत्यंत आवश्यक है और इसके लिए समय रहते कदम उठाने चाहिए। इनके अलावा बीजद के सुभाष चंद्र सिंह , वाईएसआर कांग्रेस के वेंटरमणा राव मोपीदेवी और सपा के चंद्रपाल सिंह ने भी शून्यकाल में अपने अपने मुद्दे उठाए। माकपा सदस्य के के रागेश ने विशेष उल्लेख के जरिए मांग की कि सरकार राष्ट्रीय हथकरघा विकास निगम क्षेत्रीय कार्यालय को कन्नूर से बेंगलूर स्थानांतरित करने का फैसला रद्द कर दे। कांग्रेस के सैयद नजीर हुसैन, बीजद के सुजीत कुमार, भाजपा के हरनाथ सिंह यादव और अशोक बाजपेई और आईयूएमएल के अब्दुल वहाब ने भी विशेष उल्लेख के जरिए लोक महत्व से जुड़े अपने अपने मुद्दे उठाए।

भूमि अधिग्रहण मुद्दों के कारण 210 एनएच परियोजनाओं में देर डेवलपर्स का खराब प्रदर्शनः सरकार

नई दिल्ली। सरकार ने शनिवार को कहा कि 210 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं में विभिन्न कारणों से देरी हो रही हैं जैसे कि डेवलपर्स (विकासकर्ता) द्वारा खराब प्रदर्शन और भूमि अधिग्रहण में आने वाली समस्याओं के अलावा अन्य नियामकीय बाधाएं जैसे कारण शामिल हैं। सड़क परिवहन और राजमार्ग राज्य मंत्री वीके सिंह ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में राज्यसभा को बताया कि विभिन्न कारणों से भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकार (एनएचएआई) के तहत 210 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के पूरा होने में देर हुई। देरी कई कारणों से है, जैसे ठेकेदारों का खराब प्रदर्शन, विभिन्न गतिविधियों में देरी और भू–उपयोगिता में किया जाने वाला बदलाव, पर्यावरण एवं वन मंजूरी, भूमि अधिग्रहण और कानून और व्यवस्था की समस्याएं आदि। चूंकि भूमि, राज्य का विषय है, इसलिए राज्यों के साथ समन्वय करने एवं भूमि की उपलब्धता के काम की गति में तेजी लाने और भूमि अधिग्रहण के मुद्दों को हल करने के लिए कई कदम उठाए गए हैं।

बंगाल में लागू नहीं गरीब कल्याण रोजगार अभियान

● क्योंकि राज्य ने आंकड़े नहीं दिएः निर्मला सीतारमण

भाषा। नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि गरीब कल्याण रोजगार अभियान पश्चिम बंगाल में लागू नहीं किया गया क्योंकि राज्य कोविड–19 महामारी से जुड़े लॉकडाउन के दौरान अपने घरों को लौटने वाले प्रवासी कामगारों के संबंध में आकड़े नहीं दिए।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 20 जून को प्रवासी मजदूरों के लिए रोजगार योजना पेश की थी। वित्त मंत्री ने यह जवाब तब दिया जब शून्यकाल के दौरान लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने पश्चिम बंगाल में प्रवासी श्रमिकों से जुड़ा मुद्दा उठाया। सीतारमण ने कहा कि गरीब कल्याण रोजगार अभियान को 125 दिनों के लिए छह राज्यों के 116 जिलों में लागू किया गया था जहां 30 मई तक प्रति जिला कम से कम 25 हजार प्रवासी श्रमिक लौटे थे। इन राज्यों में बिहार, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, झारखंड और ओडिशा शामिल है।

उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल सरकार ने प्रवासी मजदूरों से संबंधित आंकड़े नहीं दिए, तब हम कैसे पश्चिम बंगाल को शामिल कर सकते थे। हमारे पास यह जानकारी नहीं थी कि उस राज्य के किसी जिले में 25 हजार प्रवासी मजदूर लौटे हैं। मंत्री ने कहा कि त्रिपुरा, छत्तीसगढ जैसे राज्यों ने नए जिले शामिल करने के बारे में मांग की थी लेकिन ऐसा किया नही जा सका।

डेरी की आड़ में गोकशी मामले में आठ पुलिसकर्मी लाइन हाजिर

बिजनौर। उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले में किरतपुर नगरपालिका अध्यक्ष के घेर (जानवरों को रखने के स्थान) पर छापे के दौरान डेरी की आड़ में गोकशी का मामला सामने आया। इस संबंध में पुलिस के दो दारोगा और छह सिपाहियों को लापरवाही के आरोप में लाइनहाजिर किया गया है। पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह के अनुसार शुक्रवार को सूचना के आधार पर तीन थानों की पुलिस ने किरतपुर नगरपालिका अध्यक्ष अब्दुल मन्नान के घेर में छापा मारकर 12 जिंदा गौवंश, पशुओं के अवशेष और पशु काटने के उपकरण बरामद किए थे। उन्होंने बताया कि यहां दूध डेरी की आड़ में गोकशी का धंधा बड़े पैमाने पर चल रहा था। पुलिस टीम ने मौके से छह लोगों को गिरफ्तार कर लिया मगर मन्नान सहित चार लोग फरार हैं। एसपी के अनुसार सभी अभियुक्तों पर गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्वाई की जा रही है। एसपी ने बताया कि किरतपुर कस्बे के प्रभारी दारोगा नरेशपाल, दारोगा इरशाद अली, सिपाही संदीप ,प्रवेश, योगेश, अमित, जितेन्द्र और पंकज को लापरवाही बरतने और कर्तव्य का पालन न करने के आरोप में तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर किया गया है।

सशस्त्र सेनाओं में कोविड-19 से कुल 41 कर्मियों की मौत हुईः सरकार

भाषा। नई दिल्ली

रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि सशस्त्र सेनाओं के 22,353 सेवारत कर्मियों में कोविड–19 की पुष्टि हुई है और इससे अब तक कुल 41 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं।

राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में रक्षा राज्यमंत्री श्रीपाद नाइक ने बताया, सशस्त्र सेनाओं के सेवारत कर्मियों में कोविड–19 के पुष्ट मामलों की कुल संख्या 22,353 है। आज की तारीख तक, सशस्त्र सेनाओं में कुल 41 मौतें हुई हैं जो प्रत्यक्ष रूप से कोविड–19 के कारण हो सकती हैं। उन्होंने बताया कि सशस्त्र सेनाओं के सभी अस्पताल कोविड–19 मरीजों के उपचार के लिए उपयुक्त रूप से सुसज्जित हैं। उन्होंने कहा, कोविड–19 के लिए अन्तरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय उपचार प्रोटोकॉल की तर्ज पर, सशस्त्र सेना के अस्पतालों में एंटी वाइरल औषधियों (फेविपिराविर और रेमडेसीविर) और इम्यूनो–माडुलेटरी एजेंट (टोसिलिजुमाब प्रीडनिसोलोन आदि) की काफी व्यवस्था है। नाइक ने यह भी बताया कि सशस्त्र सेनाओं के दो अस्पतालों में गम्भीर रूप से बीमार मरीजों के उपचार के लिए प्लाज्मा थेरेपी का उपयोग किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि महामारी की शुरुआत में सशस्त्र सेनाओं के सभी अस्पतालों को कोविड केयर के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण उपकरणों जैसे वेंटीलेटर, ऑक्सीजन, पीपीई, फेस मास्क, सैनिटाइजर, थर्मल मॉनिटर आदि से सुसज्जित करने के लिए आपूर्ति आर्डर जारी किए गए थे।

रक्षा राज्य मंत्री ने उच्च सदन को बताया कि कोरोना वायरस संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए, छुट्टियों से लौटने वाले कर्मियों को 14 दिनों तक पृथकवास में रहना अनिवार्य किया गया है। उन्होंने बताया कि सशस्त्र सेनाओं द्वारा सभी स्टेशनों पर एक व्यापक सूचना, शिक्षा और सम्पर्क अभियान चलाया जा रहा है ताकि बचाव उपायों, मुख्य रूप से सामाजिक दूरी के संदर्भ में जनता को जागरूक किया जा सके।

ऑक्सफोर्ड टीके के तीसरे चरण का परीक्षण पुणे में अगले सप्ताह हो जाएगा शुरू

पुणे। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा विकसित और भारतीय सीरम संस्थान द्वारा तैयार किए जा रहे कोविड–19 टीके का मानव शरीर पर तीसरे चरण का परीक्षण अगले सप्ताह पुणे के ससून अस्पताल में शुरू हो जाएगा। सरकार द्वारा संचालित ससून अस्पताल के डीन डॉक्टर मुरलीधर तांबे ने शनिवार को पीटीआई–भाषा को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, ससून अस्पताल में अगले सप्ताह कोविशील्ड टीके के तीसरे चरण का परीक्षण शुरू हो जाएगा। इसके सोमवार से शुरू होने की संभावना है। परीक्षण के लिए पहले ही कुछ स्वयंसेवक आगे आ चुके हैं। लगभग 150 से 200 लोगों को यह टीका लगाया जाएगा।

एनआईए ने जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादी से संबंधित मकान को कुर्क करने का आदेश दिया

भाषा। श्रीनगर

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने वर्ष 2017 में जम्मू–कश्मीर में सीआरपीएफ केंद्र पर हमले के मामले में गिरफ्तार जैश–ए–मोहम्मद के आतंकवादी इरशाद अहमद रेशी से संबंधित मकान को शनिवार को कुर्क करने का आदेश दिया है।

जम्मू–कश्मीर के पुलवामा जिले में स्थित मकान इरशाद के पिता नाजिर अहमद रेशी के नाम पर है। एनआईए के प्रवक्ता ने कहा कि दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले में काकापुरा इलाके के रत्नीपुरा गांव में स्थित मकान के अलावा 17 मरला भूमि को आतंकवादी गतिविधियों लिए इस्तेमाल होने वाली संपत्ति की रूप में कुर्क कर लिया गया है।

गैर–कानूनी गतिविधियां (निवारण) अधिनियम, 1967 की धारा 25 में प्रदत्त संपत्ति कुर्क करने की शक्ति का इस्तेमाल करते हुए यह कार्वाई की गई। आरोपी इरशाद रेशी जैश–ए–मोहम्मद आतंकवादी समूह का सक्रिय सदस्य था। वह मारे जा चुके आतंकवादी तथा जैश कमांडर नूर मोहम्मद तांत्रे उर्फ नूर त्राली का करीबी भी था। दिसंबर 2017 में सुरक्षा बलों के साथ हुई मुठभेड़ में नूर त्राली मारा गया था, जिसका बदला लेने के लिए उसी साल दक्षिण कश्मीर के लेथपुरा में सीआरपीएफ समूह केन्द्र पर साजिश के तहत हमला किया गया था।

एनआईए द्वारा अप्रैल 2019 में गिरफ्तार किया गया इरशाद रेशी उस हमले का मुख्य साजिशकर्ता था। उसने आतंकवादियों के लिए ठहरने और आने–जाने के लिए वाहन का इंतजाम किया था। सीआरपीएफ के पांच कर्मी 30–31 दिसंबर 2017 की दरम्यानी रात को हुए उस हमले में शहीद हो गए थे। जवाबी कार्रवाई में तीन आतंकवादी भी मारे गए थे।

विहिप भारतीय उद्योगपतियों से चीन से आयात होने वाली वस्तुओं का उत्पादन करने को कहेगी

भाषा। भोपाल

विश्व हिंदू परिषद महासचिव मिलिंद परांडे ने कहा है कि विहिप चीनी वस्तुओं के बहिष्कार के आह्वान के साथ ही भारतीय उद्योगपतियों से चीन से आयात होने वाले सामान का उत्पादन करने को कहेगी। विहिप की केन्द्रीय समिति की बैठक समाप्त होने के बाद परांडे ने पत्रकार वार्ता में कहा, विहिप ने तय किया है कि देशभर में हम चीनी वस्तुओं का बहिष्कार करेंगे। चीनी वस्तुएं खरीदने का मतलब अपने शत्रु के हाथ मजबूत करना है। पूर्वी लद्दाख में सीमा पर चीन की सेना के साथ गतिरोध का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, सभी को चीनी वस्तुओं का बहिष्कार करना चाहिए। इसके लिए हम बहुत बड़ा अभियान चला रहे हैं। उन्होंने कहा, इसके साथ ही हम भारत के उद्योगपतियों भी मिल रहे हैं और उनसे पूछ रहे हैं कि वे चीन से आयात की जाने वाली वस्तुओं का विनिर्माण कर सकते हैं या नहीं? परांडे ने कहा, भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दृष्टि से देशभर में सभी के माध्यम से अनेक प्रयास चल रहे हैं। इन प्रयासों को मजबूती देने के लिए कृषि कौशल विकास (स्वरोजगार) स्वास्थ्य तथा शिक्षा के क्षेत्र में विहिप भी अनेक कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि अयोध्या में राम जन्मभूमि पर मंदिर में 32 या 36 माह में रामलला को गर्भ गृह में विराजमान कर दिया जाएगा। विहिप महामंत्री ने कहा कि पिछले वर्षों में कई समाचार एजेंजियों के माध्यम से ज़कात फाउंडेशन के बारे में जानकारी मिली है कि इस फाउंडेशन की कई गतिविधियाँ हिंसा में लिप्त संगठनों के समर्थन में दिखाई पड़ती हैं। इसलिए विश्व हिन्दू परिषद सरकार से इस फाउंडेशन की जांच की मांग करती है।

पेज एक का शेष

किसका पलड़ा...

वाणिज्य (संवर्धन और सुविधा) विधेयक–2020, और मूल्य आश्वासन और फार्म सेवा (बिल और संरक्षण) समझौता बिल ध्वनि मत से पारित किया गया। मंगलवार को, सदन ने आवश्यक वस्तु (संशोधन) विधेयक, 2020 पारित किया, जिसमें अनाज, दाल और प्याज सहित खाद्य पदार्थों को बाजार के नियंत्रण से मुक्त करने का प्रयास किया गया है। पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में तीनों विधेयकों के खिलाफ किसान सड़कों पर उतर आए हैं और केंद्र में भाजपा की सहयोगी शिरोमणि अकाली दल (शिअद) की नेता केंद्रीय मंत्री हरसिमरत कौर बादल ने विरोध में मोदी सरकार से इस्तीफा दे दिया है। इससे विपक्ष और आक्रामक हो गया है। उसने सरकार के कदम को खेती का कॉरपोरेटाइजेशन करने और बड़े किसानों के पक्ष में बताया है। राज्यसभा में ये तीनों बिल रविवार को पेश किए जाने हैं। इस दौरान उच्च सदन में विपक्षी एकता की परीक्षा भी होनी है। कम से कम दस सांसद कोविड–19 पॉजिटिव आए हैं और घरों में आइसोलेट है जिससे वे सदन में उपस्थित नहीं रहेंगे। शनिवार सुबह बिलों को लेकर भाजपा और पीएम मोदी की कड़ी आचोलना करने वाले कांग्रेस के पी चिदंबरम समेत 15 अन्य सांसदों ने सत्र में भाग लेने में असमर्थता जताई है। इस स्थिति में सदन में भाजपा का पलड़ा भारी हो सकता है। भाजपा के पास 86 सदस्य हैं और राजग सहयोगियों के साथ उसके वोटों की संख्या 105 पहुंच सकती है। हालाँकि, तीन सांसदों वाली अकाली दल ने बिलों के खिलाफवोट करने के लिए तीन लाइन का व्हिप जारी किया है। भाजपा ने अपने सांसदों को तीन लाइन का व्हिप जारी किया है। उसे उच्च सदन में अपने मित्र दलों ओडिशा की बीजेडी और आंध्र प्रदेश की वाईएसआर कांग्रेस जैसे क्षेत्रीय दलों से भी अपने पक्ष में वोट करने की उम्मीद है। राज्यसभा में जगन मोहन रेड्डी की वाईएसआर कांग्रेस के छह और नवीन पटनायक की बीजेडी के नौ सांसद हैं। सूत्रों का कहना है कि सरकार को भरोसा है कि लगभग 135 सांसद कृषि बिल के समर्थन में मतदान करेंगे। दूसरी ओर, कांग्रेस के नेतृत्व वाला विपक्ष, जिसमें तृणमूल कांग्रेस के 13 सांसद भी शामिल हैं, रविवार को बैकफुट पर होंगे। अपने 40 सांसदों वाली कांग्रेस को कई क्षेत्रीय और छोटे दलों जैसे बीएसपी (चार सांसद), समाजवादी पार्टी (आठ सांसद) और दिल्ली की आप (तीन सांसद) से बिल के विरोध में वोट करने की उम्मीद है। तीन सांसदों वाली शिवसेना देर रात अपना रुख स्पष्ट करेगी। शिवसेना महाराष्ट्र में कांग्रेस के साथ मिलकर सरकार चला रही है।

कोरोना का...

भी सदन की मंजूरी मिल गई है। सूत्रों ने कहा कि सत्र के दौरान संसद के कुछ सदस्य कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। विपक्षी दलों ने सरकार से कहा है कि 18 दिनों का सत्र जोखिम भरा हो सकता है। सूत्रों के अनुसार, सरकार ने इस दिशा में विचार करना आरंभ कर दिया है। गत 14 सितंबर से सत्र के होने के बाद से केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और प्रह्लाद पटेल कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। दोनों सत्र में शामिल हुए थे। कई सांसदों के भी कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है।

जम्मू-कश्मीर...

हाउसबोट के मालिकों, शिकारावालों और अन्य प्रभावित लोगों के वास्ते सुव्यवस्थित तंत्र और पैकेज के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि हथकरघा और हस्तशिल्प क्षेत्र से संबद्ध लोगों के क्रेडिट कार्ड की सीमा बढ़ाकर दो लाख रुपए कर दी जाएगी तथा इन क्षेत्रों को प्रोत्साहन देने के लिए सात प्रतिशत ब्याज की रियायत दी जाएगी। सिन्हा ने कहा, हम पर्यटन क्षेत्र से जुड़े लोगों की वित्तीय सहायता के लिए आकर्षक मूल्यों और कर्ज अदायगी की विशिष्टताओं के साथ जम्मू कश्मीर बैंक के जरिए एक मददगार पर्यटन योजना की शुरूआत करने जा रहे हैं। हम एक विशेष भूमि बैंक की स्थापना करे जा रहे हैं और इससे औद्योगिक इकाइयों और फूड पार्क में गोदाम के लिए भूमि उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर बैंक युवा और महिला उद्यमियों के लिए एक अक्टूबर से एक विशेष डेस्क की शुरूआत करेगा। उपराज्यपाल ने जम्मू कश्मीर के कारोबारी समुदाय की मदद का आकलन करने के लिए 18 अगस्त को एक कमेटी गठित की थी और बैंकिंग, उद्योग, पर्यटन, कृषि और हस्तशिल्प को बढ़ावा देने के लिए प्रशासनिक उपायों का सुझाव दिया था। उपराज्यपाल के सलाहकार के के शर्मा की अध्यक्षता वाली कमेटी ने श्रीनगर और जम्मू के कम से कम 35 कारोबारी संगठनों के साथ विचार–विमर्श के बाद एक सितंबर को अपनी रिपोर्ट दी थी।

पश्चिम बंगाल...

बनाने की कोशिश कर रहे थे। उल्लेखनीय है कि 11 सितंबर को अलकायदा के मॉड्यूल की जांच के लिए शीर्ष जांच एजेंसी द्वारा प्राथमिकी दर्ज किए जाने के बाद एनआईए और अन्य केंद्रीय एजेंसियों की कड़ी निगरानी में अभियान को शुरू किया गया। अधिकारी ने बताया कि समूह हथियार प्राप्त करने के लिए कश्मीर जाने की योजना बना रहा था। शुरुआती जांच से खुलासा हुआ कि गिरफ्तार व्यक्तियों को पाकिस्तान में रह रहे अलकायदा के आतंकवादी सोशल मीडिया मंच के जरिये कट्टरपंथी बना रहे थे और उन्हें राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) सहित विभिन्न स्थानों पर हमले के लिए उकसा रहे थे। अधिकारी ने बताया कि मॉड्यूल सक्रियता से पैसे जुटा रहा था और उसके सदस्यों की योजना नयी दिल्ली जाकर हथियार और गोला–बारूद खरीदने की थी। उन्होंने बताया कि इनकी गिरफ्तारी से देश के विभिन्न हिस्सों में संभावित हमले टल गए। उन्होंने बताया कि आगे की जांच के लिए हिरासत में लेने के वास्ते उन्हें केरल और पश्चिम बंगाल की संबंधित अदालतों में पेश किया जाएगा।

देश में...

समान प्रोटोकॉल का पालन हो रहा है। यदि मामले अधिक आ रहे हैं तो पहले के मुकाबले जांच भी चार गुना अधिक हो रही है। पहले प्रतिदिन करीब 16 हजार सैंपल की जांच होती थी, अभी कई दिनों से 60 हजार से अधिक सैंपल की जांच हो रही है।

मेरठ, गाजियाबाद...

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार राज्य में एक्सप्रेसवे का जाल बना रही है। दिल्ली–मेरठ एक्सप्रेसवे की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि यह कार्य दिसम्बर, 2020 तक पूर्ण होने कर लिया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम आरआरटीएस कॉरिडोर एक रेल आधारित तीव्र गति, उच्च क्षमतायुक्त, सुरक्षित और सुविधाजनक सार्वजनिक परिवहन परियोजना है, जिससे राजधानी दिल्ली से मेरठ के बीच की दूरी एक घंटे से भी कम समय में पूरी की जा सकेगी।

सीबीआई ने...

आरोप पत्र में पूर्व वायु सेना प्रमुख एसपी त्यागी तथा अन्य को नामजद किया गया था। सीबीआई ने पिछले साल पांच दिसंबर को मिशेल को हिरासत में लिया था। उसे दुबई से लाया गया था। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पिछले साल 22 दिसंबर को मिशेल को हिरासत में लिया था। वर्तमान में वह दोनों मामलों में न्यायिक हिरासत में हैं। अगस्ता वेस्टलैंड से 12 वीवीआईपी हेलीकॉप्टरों की खरीद के संबंध में कथित घोटाला के मामले में दुबई में रहने वाले कारोबारी सक्सेना को 31 जनवरी 2019 को भारत लाया गया। मिशेल अभी न्यायिक हिरासत में हैं जबकि ईडी द्वारा दाखिल धन शोधन के मामले में सक्सेना जमानत पर है। एजेंसियों ने अदालत को बताया था कि अगस्ता वेस्टलैंड सौदे से मिशेल ने 2.42 करोड़ यूरो और 1,60,96,245 पाउंड अर्जित किए थे। बाद में इस सौदे को रद्द कर दिया गया था।

सियाचिन में तैनात सैनिकों के खाने की पौष्टिकता में कोई कमी नहीं: सरकार

भाषा। नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने शनिवार को स्पष्ट किया कि दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धस्थल सियाचिन में तैनात सैनिकों को दिए जाने वाले भोजन की पौष्टिकता में कोई कमी नहीं है और यह पर्याप्त से अधिक है।

तृणमूल कांग्रेस सदस्य शांता छेत्री ने राज्यसभा में सरकार से सवाल किया था कि क्या सिचाचिन में तैनात सैनिकों द्वारा ली जा रही कैलोरी की मात्रा में 82 प्रतिशत तक की कमी है। इसके लिखित जवाब में रक्षा राज्यमंत्री श्रीपाद नाइक ने कहा, जी, नहीं। ऐसा कोई मामला नहीं आया है। एक दिन के लिए मानक राशन में ऊर्जा खर्च को पूरा करने के लिए पर्याप्त कैलोरी होती है। उन्होंने बताया कि राशन मानकों को जलवायु की विभिन्न परिस्थितियों में सैनिकों के ऊर्जा खर्च के अनुसार एक सैनिक की पोषण संबंधी आवश्यकता के आधार पर निर्धारित किया जाता है। उन्होंने कहा कि सियाचिन जैसे ऊंचाई वाले क्षेत्रों (12,000 फुट से अधिक) में इस प्रकार की परिस्थितियों में ऊर्जा खर्च की आपूर्ति के लिए राशन के विशेष मानक प्राधिकृत हैं। रक्षा कायिकी एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (डीआईपीएएस) द्वारा किए गए एक अध्ययन का हवाला देते हुए नाइक ने बताया 12,000 फुट से अधिक ऊंचाई पर तैनात सैन्य दलों के लिए कुल ऊर्जा खर्च 4,270 किलो कैलोरी है जबकि मौजूदा राशन 5350 किलो कैलोरी का है।

उन्होंने कहा, अतः यह देखा जा सकता है कि राशन से कैलोरी सेवन पर्याप्त से अधिक है। रक्षा राज्य मंत्री ने बताया कि सभी स्थानों पर सैन्य दलों की पसंद के साथ–साथ पोषण संबंधी आवश्यकताओं की आपूर्ति करते हुए रक्षा खाद्य निर्देशनों के अनुसार गुणवत्तापूर्ण राशन जारी सुनिश्चित करने के लिए एक सु–व्यवस्थित मजबूत तंत्र है। उन्होंने कहा कि सियाचिन में भी सदैव सैन्य दलों की पसंद और उनकी पोषण संबंधी आवश्यकता के अनुरूप गुणवत्तायुक्त राशन सुनिश्चित किया जाता है। ज्ञात हो कि सियाचिन दुनिया का सबसे ऊंचा सैन्य क्षेत्र है। यह हिमालय के पूर्वी काराकोरम पर्वत श्रंखला में स्थित है। ठंड में यहां तापमान शून्य से 50 डिग्री सेल्सियस नीचे तक पहुंच जाता है।

भाजपा मप्र में 15 साल के शासन का हिसाब दे: कमलनाथ

● **भाजपा पर लगाया धन बल के भरोसे सत्ता हासिल करने का आरोप**

● **नाथ के निशाने पर आए सिंधिया भी**

भाषा। ग्वालियर

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने कहा कि शिवराज सिंह चौहान ने 15 साल सत्ता में रहने के बाद स्वयं का हिसाब नहीं दिया और उनसे 15 महीने के शासन का हिसाब मांगते हैं। कमलनाथ ने भाजपा पर प्रदेश में धन–बल के जरिए सत्ता में आने का भी आरोप लगाया। वहीं, प्रदेश भाजपा के एक नेता ने इस आरोप का खंडन करते हुए कहा कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया के जरिए प्रदेश में भाजपा सरकार का गठन हुआ है। कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुए राज्यसभा सदस्य ज्योतिरादित्य सिंधिया के गृह क्षेत्र ग्वालियर में कमलनाथ ने शनिवार को संवाददाताओं से कहा, मुझे शिवराज सिंह से प्रमाण पत्र नहीं चाहिए, उन्होंने खुद 15 साल सत्ता में रहने का हिसाब नहीं दिया और हमसे 15 महीने का हिसाब मांगते हैं। भाजपा केवल प्रचार करना जानती है। 15 साल में शिवराज ने केवल घोषणाएं ही की हैं। जनता जानती है कि उनकी सरकार कैसे नोट से बनी और हमारी वोट से। सिंधिया का नाम लिए बिना प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने विकास में ग्वालियर के पिछड़ने की बात करते हुए कहा कि आजादी के बाद मध्य प्रदेश की पहचान ग्वालियर से होती थी, उसमें इंदौर, भोपाल या जबलपुर का नाम नहीं होता था, लेकिन आज ग्वालियर–चंबल विकास में पीछे रह गया है। कुल मिलाकर इस इलाके को विकास से वंचित रखा गया। अब यही विकास की बात आने वाला उपचुनाव तय करेगा। उन्होंने कहा कि शुक्रवार को कांग्रेस के रोड शो में जो भीड़ थी, वह सरकारी नहीं थी, बल्कि लोग अपनी मर्जी से शामिल होने आए थे। इससे जनता के मूड का पता चल रहा है। इसीलिए जो उपचुनाव होगा, वह ग्वालियर–चंबल के साथ मध्य प्रदेश का भविष्य को भी तय कर देगा। मुख्यमंत्री रहते समय ग्वालियर नहीं आने के सवाल पर कमलनाथ ने कहा, मैंने यहां विकास और राजनीति के मुद्दे पर कभी दखल नहीं दिया, लेकिन अब परिस्थितियां बदल गई हैं और यह इलाक़ा उनकी प्राथमिकता में रहेगा। कमलनाथ ने दावा किया कि उनके नेतृत्व में कांग्रेस सरकार ने 26 लाख किसानों का कृषि ऋण माफ किया और वह मुख्यमंत्री चौहान को लाभार्थियों की सूची देने को तैयार हैं। कोरोना वायरस संक्रमण के सवाल पर उन्होंने कहा, अभी भी मध्य प्रदेश में जांच कम हो रही है और सरकार प्रचार कर रही है कि कोरोना ज्यादा नहीं फैला है। कमलनाथ के बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रदेश भाजपा के प्रवक्ता रजनीश अग्रवाल ने कहा कि कांग्रेस को अपने 15 माह के शासन का हिसाब देना चाहिए ।उन्होंने कहा, हम पिछले 15 साल में विभिन्न विधानसभा और लोकसभा चुनावों के दौरान बार–बार जनता के सामने गए। कांग्रेस नेताओं को विधानसभा के आगामी उपचुनाव के दौरान जनता से वोट मांगते समय अपनी 15 महीने की सरकार का हिसाब देना चाहिए। अग्रवाल ने कहा कि प्रदेश में भाजपा सरकार पूरी तरह से लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से बनी है और जिन विधायकों ने कांग्रेस से त्यागपत्र दिया है, वे फिर से उपचुनाव में जनता के पास जा रहे हैं।

अकबर की मानहानि शिकायत में पत्रकार रमानी ने बरी किए जाने का अनुरोध किया

भाषा। नई दिल्ली

● **मी टू मामला**

पत्रकार प्रिया रमानी ने पूर्व केंद्रीय मंत्री एम जे अकबर द्वारा उनके खिलाफ दायर आपराधिक मानहानि की शिकायत में बरी किए जाने का अनुरोध किया है। रमानी ने कहा कि लोकतांत्रिक समाज में उन्हें वाक और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है और अकबर के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोप उनका सच है। मी टू मुहिम के दौरान रमानी ने 2018 में अकबर पर करीब 20 साल पहले यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था, जब वह पत्रकार थे। अकबर ने 17 अक्टूबर 2018 को केंद्रीय मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था। अकबर द्वारा दायर की गई शिकायत के मामले में रमानी की दलीलें शनिवार को पूरी हो गई। रमानी ने अपने वकील के जरिए अदालत को बताया कि लंबे समय से व्यवस्थागत गलतियों को सुधारने के लिए मी टू मुहिम की शुरूआत हुई थी। उन्होंने कहा, मी टू मुहिम ने दुनिया भर की हजारों महिलाओं को आगे आकर अपनी बात रखने और यौन उत्पीड़न की अपनी कहानियों को बताने का मंच दिया। व्यवस्थागत गलतियों को सुधारने के लिए मी टू मुहिम की शुरूआत हुई। रमानी की ओर से पेश अधिवक्ता रेबेका जॉन ने अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट विशाल पाहूजा को बताया, लोकतंत्र में वाक और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता महत्वपूर्ण और स्वाभाविक है। मी टू मुहिम में हजारों महिलाओं ने हिस्सेदारी की। मैंने (रमानी) अपना मामला साबित किया और बरी होने की हकदार हूं। वकील ने कहा कि रमानी ने अकबर के खिलाफ जो कहा वह उनका सच है और उन्होंने लोगों के हित में कहा। रमानी ने पहले क्यों नहीं अपनी आवाज उठाई, शिकायतकर्ता की इस दलील पर जॉन ने कहा कि जब घटना हुई थी उस समय चुप रहने का दस्तूर था। उन्होंने कहा, वह नहीं बोल पाईं क्योंकि उस समय चुप रह जाने का रिवाज था। गजाला वहाब (पत्रकार और मामले में गवाह, उन्होंने भी अकबर पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था) ने भी कहा है कि कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की शिकायत के लिए कोई तंत्र नहीं था। उन्होंने कहा, विशाखा दिशा–निर्देश (कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न रोकने के लिए) 1993 में नहीं आया था। दिशा–निर्देश लागू होने के बाद भी न्यायपालिका और मीडिया को इसे लागू करने में लंबा समय लगा। अदालत मामले पर 13 अक्टूबर को सुनवाई करेगी। अकबर ने अदालत को बताया था कि रमानी ने उनको बदनाम किया और उनकी प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाई। भाजपा नेता अकबर ने अपने खिलाफ यौन उत्पीड़न के सभी आरोपों से इनकार किया था।

कृषि विधेयकों पर रार

शिअद का असली चेहरा सामने आया: सुखदेव सिंह ढींढसा

भाषा। नई दिल्ली

शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के असंतुष्ट नेता सुखदेव सिंह ढींढसा ने शनिवार को आरोप लगाया कि कृषि विधेयकों को लेकर पार्टी का दोहरा चेहरा सामने आ गया है। उन्होंने पूछा कि हरसिमरत कौर बादल ने जून में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा विधेयकों को मंजूरी दिए जाने के बाद मंत्री पद से इस्तीफा क्यों नहीं दिया? तीन कृषि विधेयकों के लोकसभा में पारित होने के बाद अकाली दल की नेता हरसिमरत कौर ने बृहस्पतिवार को केंद्रीय मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। शिअद केंद्र की भाजपा नीत सरकार की गठबंधन सहयोगी है। इनमें से दो कृषि विधेयक रविवार को राज्यसभा में पेश किए जाने की संभावना है। कुछ महीने पहले ही शिअद का साथ छोड़कर शिरोमणि अकाली दल (डेमोक्रेटिक) का गठन करने वाले ढींढसा ने आरोप लगाया कि हरसिमरत अब इस्तीफा देकर नाटक कर रही हैं और अब यह कामयाब नहीं होगा क्योंकि पंजाब की जनता के सामने शिअद का पर्दाफाश हो गया है। उन्होंने पीटीआई–भाषा से कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल समेत शिअद का नेतृत्व पंथ (सिख समुदाय) के साथ नहीं खड़ा है और शिअद ने मेरे और किसानों के साथ धोखा किया है। मुझे उनके व्यवहार और विधेयकों को लेकर उनके रुख पर अफसोस है। ढींढसा ने कहा, जनता ने बादल का असली चेहरा देख लिया है और पंजाब के लोगों के सामने उनका पर्दाफाश हो चुका है।

कांग्रेस के नेता ने हिरासत में यातना देने का आरोप लगाया

भाषा। अहमदाबाद

गुजरात उच्च न्यायालय ने कांग्रेस नेता के हिरासत में यातना दिए जाने के आरोपों के संबंध में दी गई शिकायतों की स्थिति को लेकर राजकोट के पुलिस आयुक्त से रिपोर्ट तलब की है। कांग्रेस नेता का आरोप है कि उन्हें उस समय रास्ते से गिरफ्तार किया गया, जब वह पीएम केयर्स कोष में योगदान के लिए कृषि उपज जमा करने जिलाधिकारी कार्यालय जा रहे थे। न्यायमूर्ति सोनिया गोकानी और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की खंडपीठ दो पुलिस अधिकारियों के खिलाफ दायर अदालत की अवमानना वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थीं, जिसे गुजरात के कांग्रेस किसान मोर्चा के अध्यक्ष पलभाई अंबालिया ने दाखिल किया था। पीठ ने संबंधित अधिकारियों के खिलाफ अंबालिया की शिकायतों पर की गई कार्वाई के निष्कर्षों को लेकर लिखित में विवरण देने के निर्देश दिए। अंबालिया ने 20 मई को पुलिस हिरासत के दौरान उन्हें यातना देने का आरोप लगाया था। पीठ ने 17 सिंतबर को दिए अपने आदेश में सहायक पुलिस आयुक्त जयदीपसिंह सरवैया और पुलिस निरीक्षक हितेश गढ़वी के खिलाफ अदालत की अवमानना संबंधी कार्यवाही शुरू किए जाने के निर्णय से पहले पुलिस उपायुक्त को 22 सितंबर तक रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया। याचिकाकर्ता के वकील आनंद याज्ञनिक की ओर से यातना दिए जाने के संबंध में पेश किए गए तर्क और साक्ष्यों के बाद अदालत का यह आदेश आया है।

शोपियां मामले में डीएनए की रिपोर्ट जल्द आने की संभावना है: डीजीपी

जम्मू। जम्मू–कश्मीर पुलिस के महानिदेशक दिलबाग सिंह ने शनिवार को कहा कि शोपियां जिले में एक कथित फर्जी मुठभेड़ में मारे गए तीन युवकों की डीएनए रिपोर्ट जल्द आने की उम्मीद है और उसी के अनुरूप आगामी कार्वाई की जाएगी। 18 जुलाई को, सेना ने दावा किया था कि दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले के ऊंचे इलाके में स्थित अम्सीपुरा गांव में तीन आतंकवादी मारे गए। हालांकि, राजौरी के रहने वाले तीन लोगों के परिवारों ने उन्हें अपना परिजन बताया था और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। शोपियां में मारे गए युवकों के डीएनए के साथ मिलान के लिए पुलिस ने 14 अगस्त को राजौरी जिले से तीनों परिवार के डीएनए नमूने लिए थे। सिंह ने राजौरी जिले में संवाददाताओं से कहा, पुलिस की जांच और सेना की जांच समानांतर तरीके से चल रही है। हम अपने तरीके से काम कर रहे हैं और डीएनए नमूने ले लिए हैं और उन्हें जांच के लिए भेज दिया गया है। जल्द ही रिपोर्ट आने की उम्मीद है। शुक्रवार को सेना ने कहा कि उसने प्रथम दृष्ट्या सबूत पाया है कि जवानों ने सशस्त्र बल विशेष शक्तियां अधिनियम (अफ्सपा) के तहत मिली शक्तिया का उल्लंघन किया है और अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू की गई है।

Public Notice
To be known to all that **I Krishna** Devi W/o Late Sh Ram Kumar Panwar **R/o 290C, Block-BG-6 Paschim Vihar, N.D-63, Possession Letter** of the above Flat has been lost. FIR against this effect has been lodged. Any person claiming any right, interest, having any objection/found of documents, may contact with above named person at 9911771205 within 15 days from the date of publication of this notice.The person claiming any objection with respect to this property inform to Dy. Director(LAB-(Res),Vikas Sadan,I NA, N.D

PUBLIC NOTICE
Notice is hereby given to the General Public that Mr. Akshay Ghai is owner of Entire Second Floor without roof rights & Left side half portion of Lower Ground Floor of Property No. 36/8, area measuring 200 Sq.Yds., situated at East Patel Nagar, New Delhi by virtue of Sale Deed dated 14.11.2019 having registration No. 13081, but SMC Certificate stating legal heirs of Mr. Chander Pal Kakkar is not available with him. All persons including surviving members & Legal heirs of Late Mr. Chander Pal Kakkar are hereby informed if anyone has any objection with respect of Title / ownership of Mr. Akshay Ghai with respect of the said floor, kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 07 days of the present.
Kumar & Associates (Advocates & Consultants)
200, IInd Flr, 23, Shivaji Marg, Moti Nagar, N.Delhi-15
Ph. 011-41112527-28 kumarassociates.advocate@gmail.com

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that my client Mr. Surender Kumar (is purchasing House No. 173, Pocket No. 4-5 Sector-23, Rohini, Delhi, By virtue of Conveyance Deed document No. 885, Book No. 1, Vol. No. 2295 on pages 69 to 71, dated 15.05.2001 executed by DDA in favour of Praveen Kumar. If any person(s) have any objection(s) or claim (s) with respect to the right, title or interest in the said property then contact us within 15 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by any one.
Arun Kumar, Advocate
F-211 (Basement & Ground Floor, Sector-3, Vaishali, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201010, Contact: 7428409748

PUBLIC NOTICE
Be it known to the general public that Ms. Sharda Khanna D/o Late Shri Kulwant Khanna, Member of the Pharmaceutical Employees CGHS Ltd. (Membership No. 521) having address at namely Flat No. B-19/237, Pharma Appts., Plot No. 88, I.P. Extn., Delhi – 110 092 died on 09.04.2020 without making any nomination. The Society hereby invites claims or objections from her or legal heirs or other claimants/ objectors to transfer of the said shares and interest of the deceased Member in the Capital property, of the Society within a period of 14 days from the publication of this notice. If no claims / objections are received within the prescribed above, the Society shall be free to deal with the Shares and the interest of the deceased member in the Capital/Property of the Society in such manner as is provided under the bye-laws of the Society.
For Pharmaceutical Employees Cooperative Group Housing Society Ltd.
President/Secretary

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को यह सूचित किया जाता है कि राजनीतिक दल **भारतीय पंचायती राज पार्टी (लोकतांत्रिक)** के नाम से रजिस्ट्रीकृत होना प्रस्तावित है। पार्टी **कार्यालय B-247, तीसरा फ्लोर, प्रियदर्शनी विहार, दिल्ली - 110092** में स्थित है। इस दल ने **लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29क** के अधीन राजनीतिक दल के रुप में रजिस्ट्रीकरण के लिए भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली को आवेदन प्रस्तुत किया है – पार्टी के पदाधिकारियों के नाम/पता नीचे दिए गए हैं:–
सभापति/अध्यक्ष: राजीव कुमार रंजन
महासचिव/सचिव: सतीश पारख
कोषाध्यक्ष: अनिलेन्द्र पाण्डे
यदि किसी को भारतीय पंचायती राज पार्टी (लोकतांत्रिक) के रजिस्ट्रीकरण में कोई आपत्ति हो तो वे अपनी आपत्ति इसके कारणों सहित सचिव (राजनीतिक दल), भारत निर्वाचन आयोग, निर्वाचन भवन, अशोक रोड़, नई दिल्ली-110001 को इस सूचना के प्रकाशन के 30 दिनों के भीतर भेजें।

सिक्किम में तीन मंत्री और दो विधायक कोरोना से संक्रमित

गंगटोक। सिक्किम की प्रेम सिंह तमांग सरकार के तीन मंत्री और भाजपा के दो विधायक कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि विधानसभा के सोमवार को प्रस्तावित एक दिवसीय सत्र से पहले शुक्रवार को एहतियात के तौर सभी विधायकों और विधानसभा के कर्मचारियों की कोविड–19 जांच कराई गई थी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग कोरोना वायरस से संक्रमित नहीं पाए गए हैं। अधिकारी ने कहा कि सूचना एवं जन संपर्क मंत्री लोकनाथ शर्मा, वन एवं पर्यावरण मंत्री के एल भूटिया और ऊर्जा मंत्री एम एन शेरपा कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। इसके अलावा भाजपा विधायक एफ तमांग और टीटी भूटिया भी कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। सिक्किम में शुक्रवार तक कोरोना वायरस संक्रमण के 2,304 मामले सामने आ चुके हैं। संक्रमण से 25 रोगियों की मौत हो चुकी है।

हिमाचल प्रदेश में सरकार की महत्वपूर्ण पहल

खेतों को जंगली जानवरों से बचाने के लिए लगाई जा रही सौर बाड़

भाषा। धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश सरकार ने फसलों को जंगली जानवरों से बचाने के लिए खेतों में बाड़ लगाने की एक योजना शुरू की है, जिसमें सौर ऊर्जा से संचालित बाड़ भी शामिल है। गौरतलब है कि जंगली जानवरों से तंग आकर बहुत से किसानों ने खेती करना छोड़ दिया था। मुख्यमंत्री खेत संरक्षण योजना (एमएमकेएसवाई) के तहत शुरू की गई योजना का मुख्य आकर्षण सोलर बाड़ है। योजना के तहत कंटीले तार और चेन की बाड़ लगाने पर 50 प्रतिशत, समग्र बाड़ लगाने पर 70 प्रतिशत और सौर बाड़ पर 85 प्रतिशत की छूट मिलने का प्रावधान है। कांगड़ा के जिलाधिकारी राकेश प्रजापति ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, 2019–20 में शुरू की गई योजना के तहत जिले में 784 किसानों की जमीन पर 1,26,843 मीटर सोलर बाड़ लगाने के लिए 10.31 करोड़ रुपए खर्च किए गए। राज्य के उत्तरी क्षेत्र के संयुक्त निदेशक (कृषि) नरेंद्र धीमान ने बताया, सोलर बाड़ में सौर ऊर्जा से संचालित बाड़ होती है। उन्होंने कहा, बाड़ लगाने की इस आधुनिक और नवीन तकनीक के जरिए, सौर ऊर्जा से उत्पन्न बिजली तार में प्रवाहित होती है, जिससे जानवर को तगड़ा झटका लगता है लेकिन वह मरता नहीं। इस योजना को किसानों की खूब सराहना मिल रही है। गग्गल हवाई अड्डे के पास कुठमा में रहने वाले पंचायत प्रधान राजेंद्र कुमार ने कहा, सूअर, बंदर जैसे जंगली जानवरों के हमलों से तंग आकर मैंने लगभग दस साल पहले खेती करना छोड़ दिया था और मेरी जमीन बंजर हो गई थी। लेकिन जब मैंने एमएमकेएसवाई के बारे में सुना तो मैंने इसका लाभ लेने का फैसला लिया। उन्होंने कहा कि उन्होंने लगभग दस कनाल भूमि के 320 वर्ग मीटर क्षेत्र में सोलर बाड़ लगाने का निर्णय लिया। कुमार ने सरकार के प्रति आभार जताते हुए कहा, बाड़ लगाने की कुल लागत 3,58,543 रुपए थी जिसमें से मैंने 1,07,562 रुपए दिए और मुझे कृषि विभाग से 2,50,980 रुपए की सब्सिडी मिली।

सोना तस्करी मामले की हो पारदर्शी जांच

नई दिल्ली। लोकसभा में शनिवार को कांग्रेस के एक सांसद ने केरल के सोना तस्करी मामले की निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से जांच कराने की मांग की और कहा कि एजेंसियों को इसमें साजिश की दृष्टि से जांच करनी चाहिए। निचले सदन में शून्यकाल के दौरान कांग्रेस के हिबी इडेन ने इस मुद्दे को उठाते हुए आरोप लगाया कि इस मामले में शांतिपूर्ण ढंग से विरोध प्रदर्शन करने वाले युवाओं एवं महिलाओं पर पुलिस कार्वाई की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया, जैसा कि हम सभी केरल में सोना तस्करी के मामले के बारे में जानते हैं जहां मुख्यमंत्री कार्यालय इससे जुड़ा हुआ है। एजेंसियां इस मामले की जांच कर रही हैं और इस मामले निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से जांच की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जो भी इसमें शामिल हैं, उन्हें सामने लाया जाना चाहिए। भाजपा सांसद राजू बिष्ट ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि सरकार गोरखालैंड से जुड़ा मुद्दा जल्द सुलझा लेगी।

कार्यालय जिला पंचायत ऊधमसिंहनगर

निविदा सूचना

जिला पंचायत उधमसिंह नगर में निर्माण कार्यों के लिए इस कार्यालय में पंजीकृत ठेकेदारों से शासन से प्राप्त अनुदान राज्य वित आयोग/15वॉं वित आयोग मद के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि से सम्पादित कराये जाने वाले निम्नलिखित निर्माण कार्यों की मोहरबन्द निविदा दिनांक 29.09.2020 को दिन में 12.00 बजे से 1:30 बजे तक आमंत्रित की जाती है, जो जिला पंचायत ऊधमसिंहनगर के कार्यालय में दिनांक 29.09.2020 को अपरान्ह 3:00 बजे टैण्डर खोलने हेतु गठित समिति द्वारा उपस्थित निविदाताओं अथवा उनके प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जाएंगी। निविदा प्रपत्र दिनांक 28.09.2020 को प्रातः 10.00 बजे से अपरान्ह 04.00 बजे तक जिला पंचायत कार्यालय ऊधमसिंह नगर से प्राप्त किये जा सकते हैं।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	विकास खण्ड का नाम	स्वीकृत धनराशि	धरोहर धनराशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	ग्राम रम्पुराकाजी में गुरूद्वारे से सिंघारा सिंह के घर तक एवं अगरजीत के घर से मलकीत के घर तक सी0सी0 मार्ग निर्माण कार्य	बाजपुर	6.50	13000.00	700+GST	3 माह
2.	ग्राम मडैया हट्टू में बुक्सा जनजाति बस्ती में मेन रोड से किषन सिंह के घर तक सी0सी0 मार्ग निर्माण कार्य	बाजपुर	8.50	17000.00	900+GST	3 माह
3.	ग्राम महोली जंगल की बुक्सा जनजाति बस्ती में मेन रोड से बाबू सिंह के घर तक सी0सी0 मार्ग निर्माण कार्य	बाजपुर	5.00	10000.00	500+GST	3 माह
4.	ग्राम सरदार नगर में प्रमोद कुमार पुत्र श्री हरदयाल, जगदीश लाल पुत्र श्री सोहन लाल तथा पोल्ट्री फार्म के पास समर्सिवल स्थापना कार्य	गदरपुर	3.00	6000.00	300+GST	3 माह

निविदा की शर्ते–

1. निविदा प्रपत्र के साथ रू0 100.00 का नॉन ज्यूडिशियल स्टॉम्प पेपर वैद्यता की शर्तों के साथ जिसके उपर एक रू0 के रसीदी टिकट के साथ ठेकेदार को हस्ताक्षर युक्त संग्लन होना चाहिए।
2. निविदा के साथ धरोहर धनराशि राष्ट्रीय बचत पत्र/एफ0डी0आर0 के रूप में अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत ऊधमसिंहनगर के पदनाम से बन्धक करते हुए संलग्न करना अनिवार्य होगा।
3. निविदा प्रतिषत दरों में ही मान्य होगी जो अंकों एवं षव्दों में अंकित होनी चाहिए।
4. सफल निविदादाताओं को अनुबन्ध गठित करने से पूर्व धरोहर धनराशि को सम्मिलित करते हुए 10 प्रतिशत की धनराशि राष्ट्रीय बचत पत्र/एफ0डी0आर0 के रूप में अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत ऊधमसिंह नगर के पदनाम से बन्धक कर प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।
5. बिल भुगतान के समय नियमानुसार आयकर एवं जी.एस.टी आदि की कटौती नियमानुसार की जायेगी।
6. अनुबन्ध हेतु स्टॉम्प ड्यूटी नियमानुसार जमा करनी होगी।
7. मैनुवल फार्म संख्या 76/जी0पी0डब्लू0–9 जो लागू हो की समस्त शर्ते निविदा में मान्य होगी।
6. अध्यक्ष जिला पंचायत ऊधमसिंह नगर/अद्योहस्ताक्षरी को बिना कारण बताये किसी भी निविदा अथवा समस्त निविदाओं को निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है।
7. अपूर्ण एवं सशर्त निविदा किसी भी दशा में मान्य नहीं होगी।

अपर मुख्य अधिकारी
जिला पंचायत ऊधम सिंह नगर

पत्रांक: 5755/विज्ञप्ति/2019–20 दिनांक 01.02.2020

फर्जी फॉलोवर व लाइक दिलाने वाला गिरफ्तार

भाषा। मुंबई

● **सोशल मीडिया पर गोरखधंधा चलाने वाले को मुंबई क्राइम ब्रांच ने राजस्थान से किया गिरफ्तार**

मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने सोशल मीडिया पर फर्जी फॉलोवर , लाइक और व्यू दिलाने के मामले में कथित संलिप्तता को लेकर राजस्थान के 21 वर्षीय आईटी पेशेवर को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि एसआईटी ने जोधपुर निवासी विजय बांठिया को बृहस्पतिवार को गिरफ्तार किया और उसे ट्रांजिट रिमांड पर शहर लाया गया। उन्होंने बताया कि बांठिया कई ऐसे पोर्टल चला रहा था, जो इंस्टाग्राम, यूट्यूब, फेसबुक, ट्विटर जैसे सोशल मीडिया मंचों पर फर्जी फॉलोवर, व्यू, सब्सक्राइबर, लाइक दिलाने का काम करते थे। अधिकारी ने बताया कि आरोपी ने कथित रूप से ऐसे करीब 9,000 ऑर्डर पूरे किए थे और लाखों फॉलोवर, व्यू और लाइक मुहैया कराए थे। गिरफ्तार किए गए एक अन्य आरोपी काशिफ तनवर के संबंध में जांच के दौरान पुलिस को बांठिया के बारे में पता चला।

एसआईटी ने फर्जी फॉलोवर, व्यू और लाइक दिलाने वाले 79 पोर्टल की अब तक पहचान की है। अधिकारी ने बताया कि बांठिया को अदालत में पेश किया गया, जिसने उसे 21 सितंबर तक अपराध शाखा की हिरासत में भेज दिया। इससे पहले, एसआईटी ने इस मामले के संबंध में बॉलीवुड रैपर बादशाह से भी पूछताछ की थी और डिजिटल मीडिया मार्केटिंग कंपनी क्यूकी के सीओओ और दो कर्मियों के बयान दर्ज किए थे।

आतंकी खतरे से निपटने के लिए हम तैयार

कोच्चि। राष्ट्रीय जांच एजेंसी द्वारा पश्चिम बंगाल और यहां की गई छापेमारी के दौरान अल कायदा के नौ आतंकवादियों की गिरफ्तारी के बाद शनिवार को यहां उच्च सुरक्षा अधिकारियों ने कहा कि कोच्चि शहर आतंकवाद के किसी भी खतरे से निपटने के लिए तैयार है। दक्षिण भारत में स्थित कोच्चि रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है और यहां नौसेना की दक्षिणी कमान समेत कई अहम ठिकाने मौजूद हैं। एनआईए ने खुलासा किया था कि गिरफ्तार किए गए आतंकवादी देश के अहम ठिकानों पर हमला करने वाले थे और निर्दोष लोगों की हत्या करने का मकसद रखते थे। रक्षा सूत्रों ने यहां बताया कि कोच्चि स्थित नौसेना की दक्षिणी कमान में कुछ समय से सतर्कता और बढ़ा दी गई है। एक रक्षा सूत्र ने कहा, नौसेना की दक्षिणी कमान सभी संभावित खतरों के प्रति एहतियात बरतती रहेगी। कोच्चि पुलिस के उच्च पदस्थ सूत्रों ने कहा कि पुलिस आतंकवादी तत्वों की पहचान करने और शहर में आकर रह रहे लोगों पर निगरानी रखने का काम प्रभावी ढंग से कर रही है।

डीआरडीओ ने की आठ उन्नत प्रौद्योगिकी केंद्रों की स्थापना

भाषा। नई दिल्ली

● **राज्यसभा में सवाल के लिखित जवाब में रक्षा राज्यमंत्री ने बताया**

सरकार ने शनिवार को बताया कि देश के प्रतिष्ठित रक्षा शोध संस्थान रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने नए प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में अनुसंधान के लिए देशभर में आठ उन्नत प्रौद्योगिकी केंद्रों की स्थापना की है।

राज्यसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में रक्षा राज्यमंत्री श्रीपाद नाईक ने कहा कि ए प्रौद्योगिकी केन्द्र रक्षा अनुप्रयोगों से संबंधित पहचान किए गए प्रमुख क्षेत्रों में अनुसंधान के लिए शैक्षिक संस्थानों को सहयोग प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा, डीआरडीओ ने पहचान किए गए नए प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में अनुसंधान कार्य करने के लिए पूरे भारत में आठ उन्नत प्रौद्योगिकी केंद्रों का सृजन किया है। डीआरडीओ ने अगस्त महीने में काफी अरसे से लंबित बड़े सुधारों की प्रक्रिया शुरू की है ताकि यह भविष्य के लिए सेना के लिए हथियार विकसित कर सके और घरेलू रक्षा उत्पादन को मजबूत करने की सरकार की पहल का समर्थन कर सके। दिल्ली आईआईटी के निदेशक प्रोफेसर वी. रामगोपाल राव की अध्यक्षता में एक समिति को देश भर में डीआरडीओ प्रयोगशालाओं की क्षमता में सुधार के उपाय सुझाने के लिए नियुक्त किया गया है ताकि घरेलू रक्षा उत्पादन को बढ़ावा दिया जा सके। देश भर में रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) की 50 से अधिक प्रयोगशालाएं हैं जो रक्षा प्रौद्योगिकियों का विकास करने में संलग्न हैं। ए प्रयोगशालाएं एयरोनॉटिक्स, हथियार, लड़ाकू वाहन, इंजीनियरिंग प्रणाली, मिसाइल, उन्नत कंप्यूटिंग और नौसेना की प्रणालियां विकसित करती हैं।

त्वेसा मलिक फ्रेंच ओपन में संयुक्त दूसरे स्थान पर

बोरदू (फ्रांस)। भारतीय गोल्फर त्वेसा मलिक ने तीन अंडर 68 का स्कोर करके लाकोस्टे लेडीज ओपन डे फ्रांस के दूसरे दौर के बाद संयुक्त दूसरा स्थान हासिल कर लिया। त्वेसा ने कुल चार अंडर 138 स्कोर किया। स्वीडन की जूलिया एंगस्ट्रोम 64 का स्कोर करके शीर्ष पर है। भारत की ही दीक्षा डागर खराब प्रदर्शन के बाद कट में प्रवेश से चूक गई। त्वेसा फ्रांस की सेलाइन हर्बिन के साथ दूसरे स्थान पर है और वे जूलिया से चार स्ट्रोक पीछे है।

बायर्न ने शाल्के को हराया

बर्लिन। गत चैम्पियन बायर्न म्युनिख ने दर्शकों के बिना बहाल हुई बुंदेस्लिगा फुटबॉल के पहले मैच में शाल्के को 8-0 से हराया। शाल्के पिछले 17 मैचों से जीत नहीं सकी है जबकि बायर्न का विजय अभियान 22 मैचों का हो गया है। बायर्न के लिए सर्जी नाबरी ने हैट्रिक लगाई। पहले इस मैच के लिए 7500 दर्शकों को स्टेडियम में अनुमति देने की योजना थी लेकिन कोरोना वायरस संक्रमण के मामले बढने के बाद यह फैसला वापिस ले लिया गया।

कोविड–19 महामारी से फीफा विश्व कप कार्यक्रम प्रभावित

जेनेवा। कोरोना वायरस महामारी फीफा के क्लब विश्व कप के एक सत्र को स्थगित करने के बाद दूसरे सत्र को भी प्रभावित कर रहा है। इसके साथ ही कोविड-19 के कारण 2022 विश्व कप क्वालीफाइंग मुकाबलों में हो रही देरी ने टूर्नामेंट को समय पर कराने को लेकर चिंताएं बढ़ा दी है।फीफा के अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने शुक्रवार को महाद्वीपीय क्लब चैंपियनशिप के लिए पारंपरिक सात-टीमों की टूर्नामेंट को नए तारीखों पर करने की पुष्टि की। पहले इसका आयोजन दिसंबर में कतर में निर्धारित था।

बीसीसीआई, अमीरात बोर्ड ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए

दुबई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) और अमीरात क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने शनिवार को दोनो देशों के बीच क्रिकेट संबंधों को बढ़ावा देने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) और मेजबान समझौते पर हस्ताक्षर किए। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। शाह ने ट्विटर पर लिखा, मैंने और अमीरात क्रिकेट बोर्ड के उपाध्यक्ष खालिद अल जरोनी के साथ हमारे देशों के बीच क्रिकेट संबंधों को बढ़ावा देने के लिए बीसीसीआई और ईसीबी की ओर से समझौता ज्ञापन और मेजबानी समझौते पर हस्ताक्षर किए।

महामारी के कारण बीएफआई ने चुनाव स्थगित किए

नई दिल्ली। कोविड-19 महामारी को देखते हुए भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) के आगामी चुनाव शनिवार को स्थगित कर दिए गए तथा अध्यक्ष अजय सिंह और कार्यकारी समिति का कार्यकाल तीन महीने बढ़ा दिया गया। बीएफआई ने विशेष आम बैठक (एसजीएम) में राष्ट्रीय खेल संहिता 2011 की आवश्यकताओं के अनुरूप अपने संविधान मे सर्वसम्मति से संशोधन भी किए।

एनगिडी की कसी गेंदबाजी

मुंबई ने चेन्नई को दिया 163 रन का लक्ष्य

भाषा। अबुधाबी

लुंगी एनगिडी की अगुवाई में डेथ ओवरों की कसी हुई गेंदबाजी और फाफ डुप्लेसिस के शानदार क्षेत्ररक्षण के दम पर चेन्नई सुपरकिंग्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के उदघाटन मैच में शनिवार को यहां मौजूदा चैंपियन मुंबई इंडियन्स को नौ विकेट पर 162 रन ही बनाने दिए।

मुंबई एक समय 180 से अधिक रन बनाने की स्थिति में दिख रहा था लेकिन उसने आखिरी छह ओवरों केवल 41 रन बनाए और इस बीच छह विकेट गंवाए। उसकी तरफ से सौरभ तिवारी ने सर्वाधिक 42 रन बनाए। इसके लिए उन्होंने 31 गेंदें खेली तथा तीन चौके और एक छक्का लगाया। चेन्ई के लिए एनगिडी ने तीन जबकि दीपक चाहर और रविंद्र जडेजा ने दो–दो विकेट लिए। लंबे अर्से बाद प्रतिस्पर्धी मैच खेल रहे महेंद्र सिंह धोनी ने टॉस जीता, चेन्नई सुपरकिंग्स ने पहले क्षेत्ररक्षण किया और दीपक चाहर ने लगातार तीसरे साल सत्र की पहली गेंद करने का रिकार्ड बनाया। रोहित शर्मा (12) ने चौके इसका स्वागत किया। पिच धीमी थी और चेन्नई के गेंदबाजों ने बीच बीच में ढीली गेंदें भी की। मुंबई के सलामी बल्लेबाज रोहित और क्विंटन डिकाक (20 गेंदों पर 33, पांच चौके) चार ओवर तक स्कोर 45 रन तक ले गए, लेकिन चार गेंद के अंदर ए दोनों पवेलियन लौट गए।

धोनी ने पांचवें ओवर में ही पीयूष चावला के रूप में स्पिन आक्रमण लगा दिया और इस लेग स्पिनर ने कप्तान को निराश नहीं किया। रोहित उनकी गेंद पर सही टाइमिंग से शॉट नहीं लगा पाए और मिडऑफ पर सैम कुेन को आसान कैच दे बैठे। इंग्लैंड से दो दिन पहले यहां पहुंचने के बाद ही मैच खेल रहे आलराउंडर कुेन के अगले ओवर में डिकॉक ने भी मिडविकेट पर शेन वाटसन को कैच का अभ्यास कराया।

तिवारी ने जडेजा पर इस टूर्नामेंट का पहला छक्का लगाया जिससे दस ओवर के बाद स्कोर दो विकेट पर 86 रन पहुंच गया। ऐसे मौके पर कुेन ने सीमा रेखा पर सूर्यकुमार यादव (16 गेंदों पर 17) का कैच लपक दिया। पीठ दर्द के कारण लगभग एक साल बाद खेल रहे हार्दिक ने आते ही अपने तेवर दिखाए। उन्होंने जडेजा पर लगातार दो छक्के जड़कर स्कोर बोर्ड में अपनी जीवंत उपस्थिति दर्ज कराने के साथ मुंबई का स्कोर 100 रन के पार पहुंचाया। इसके बाद डुप्लेसिस के बेहतरीन क्षेत्ररक्षण का शानदार नजारा देखने को मिला। उन्होंने तिवारी और हार्दिक दोनों के छक्के के लिए जा रहे शॉट को सीमा रेखा पर बड़ी खूबसूरती से कैच में बदलकर जडेजा को एक ओवर में दो विकेट दिलवाए। डेथ ओवरों का दारोमदार क्रुणाल पंड्या (तीन) और कीरेन पोलार्ड (18) पर था लेकिन एनगिडी ने इन्हें लगातार ओवरों में पवेलियन भेजकर मुंबई की उम्मीदों पर पानी फेरा।

स्कोरबोर्ड

मुंबई इंडियन्स : रोहित शर्मा का कुेन बो चावला 12,क्विंटन डिकाक का वाटसन बो कुेन 33,सूर्यकुमार यादव का कुेन बो चाहर 17,सौरभ तिवारी का डुप्लेसिस बो जडेजा 42,हार्दिक पंड्या का डुप्लेसिस बो जडेजा 14,कीरेन पोलार्ड का धोनी बो एनगिडी 18,क्रुणाल पंड्या का धोनी बो एनगिडी 03,जेम्स पैटिनसन का डुप्लेसिस बो एनगिडी 11,राहुल चाहर नाबाद 02,ट्रेंट बोल्ट बो चाहर 00,जसप्रीत बुमराह नाबाद 05,**अतिरिक्त** (लेग बाई 01, वाइड 04) 05,**कुल** (20 ओवर में, नौ विकेट पर) 162,**विकेट पतन** :1-46, 2-48, 3-92, 4-121, 5-124, 6-136, 7-151, 8-156, 9-156,**गेंदबाजी** :चाहर 4-0-32-2,कुेन 4-0-28-1,एनगिडी 4-0-38-3,चावला 4-0-21-1,जडेजा 4-0-42-2

स्पिनरों के दम से दिल्ली कैपिटल्स का पलड़ा भारी

किंग्स इलेवन पंजाब से मुकाबला आज

भाषा। दुबई

रविचंद्रन अश्विन, अमित मिश्रा और अक्षर पटेल जैसे अनुभवी स्पिनरों की मौजूदगी के कारण दिल्ली कैपिटल्स का रविवार को खेले जाने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मुकाबले में किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ पलड़ा भारी रहेगा। दोनों टीमों का यह सत्र का पहला मुकाबला होगा जहां उनके कप्तानों के बीच भी शानदार प्रतिद्वंद्विता देखने को मिल सकती है। किंग्स इलेवन के कप्तान लोकेश राहुल और दिल्ली कैपिटल्स के श्रेयस अय्यर को भविष्य के भारतीय कप्तान के तौर पर देखा जा रहा है।

यही नहीं दोनों टीमों के कोच विश्व स्तरीय खिलाड़ी रहे है और ऐसे में उनकी रणनीति को देखना दिलचस्प होगा। किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाड़ी अनिल कुंबले से प्रेरणा लेना चाहेंगे तो वही दिल्ली कैपिटल्स के खिलाड़ी रिकी पोंटिंग की योजनाओं को मैदान पर उतारने में कोई कसर नहीं छोड़ेगे। दोनों टीमों में बड़े शॉट लगाने वाले खिलाड़ियों को कमी नहीं है लेकिन यूएई की धीमी पिचों पर अश्विन, मिश्रा और अक्षर की तिकड़ी पंजाब की टीम पर भारी पड़ सकती है। यह मुकाबला दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। बल्लेबाजी के मोर्चे पर दिल्ली कैपिटल्स में भारतीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है। जिसमें पृथ्वी साव, अय्यर, ऋषभ पंत, शिखर धवन के अलावा वेस्टइंडीज के शिमरोन हेटमेयर शामिल हैं। इस परिदृश्य में भारतीय टेस्ट उप–कप्तान अजिंक्य रहाणे (120 से कम की स्ट्राइक रेट) को शायद मौका नहीं मिले। टीम ने उन्हें राजथान रॉयल्स से खरीदा गया था। किंग्स इलेवन के पास क्रिस गेल, ग्लेन मैक्सवेल और खुद राहुल जैसे बड़े शॉट लगाने वाले खिलाड़ी है।

बायो बबल में रहना चुनौतीपूर्ण , मैदान पर दर्शकों की कमी खलेगी : श्रेयस

दुबई। किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग मे अपने अभियान के आगाज से पूर्व दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने स्वीकार किया कि बायो बबल मे रहना चुनौतीपूर्ण है और मैदान पर टीम को दर्शकों की कमी जरूर खलेगी। कोरोना वायरस महामारी के कारण यूएई में हो रहे इस आईपीएल मे स्वास्थ्य और सुरक्षा के कड़े प्रोटोकॉल का पालन किया जा रहा है। आम तौर पर खचाखच भरे स्टेडियम मे होने वाले आईपीएल मैच इस बार खाली स्टेडियमों मे होंगे। श्रेयस ने वर्चुअल प्रेस कांफ्रेंस मे कहा

पंत से काफी उम्मीदें लेकिन अपेक्षाओं का दबाव नहीं डालेंगे : पोंटिंग

दुबई। दिल्ली कैपिटल्स के कोच रिकी पोंटिंग को अपने शीर्षक्रम खासकर स्टार बल्लेबाज ऋषभ पंत से इंडियन प्रीमियर लीग के इस सत्र मे प्रभावी प्रदर्शन की उम्मीद है लेकिन उन्होने कहा कि वह इस युवा खिलाड़ी पर अपेक्षाओं का दबाव नही डालेंगे। किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ पोंटिग ने वर्चुअल प्रेस कांफ्रेंस मे कहा , मुझे पूरी टीम से काफी उम्मीदे है और मुझे यकीन है कि ऋषभ इस बार भी प्रभावी प्रदर्शन करेंगे। लेकिन एक कोच होने के नाते मै ऐसी कोई अपेक्षाएं नही रखना चाहता जो खिलाड़ी को खुद से भी नही हो।

हालेप इटालियन ओपन के सेमीफाइनल में

संवाददाता। रोम

शीर्ष वरीय सिमोना हालेप ने शनिवार को इटालियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया क्योंकि कजाखस्तान की उनकी प्रतिद्वंद्वी यूलिया पुतिनत्सेवा ने पीठ के निचले हिस्से में चोट की वजह से मैच के बीच से रिटायर होने का फैसला किया। हालेप तब 6–2 2–0 से आगे चल रही थीं, जब पुतिनत्सेवा ने दर्द के कारण हटने का फैसला किया। इससे पहले वह सेट के बीच में भी मेडिकल टाइम आउट ले चुकी थीं। पुतिनत्सेवा यूएस ओपन के क्वार्टरफाइनल में पहुंची थी जबकि हालेप ने कोरोना वायरस के कारण यात्रा संबंधित चिंताओं के कारण इसमें नहीं खेलने का फैसला किया था। अब हालेप का सामना दो बार की ग्रैंडस्लैम विजेता गार्बाइन मुगुरूजा और यूएस ओपन की उप विजेता विक्टोरिया अजारेंका के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा।

बोपन्ना-शापोवालोव की जोड़ी बाहर

रोम। भारत के रोहन बोपन्ना और कनाडा के डेनिस शापोवालोव की जोड़ी इटालियन ओपन टेनिस के पुरूष युगल क्वार्टर फाइल में फ्रांस के जेरेमी चार्डी और फेब्रिस मार्टिन से हारकर बाहर हो गई। दोनों को 6–4, 5–7, 7–10 से पराजय का सामना करना पड़ा। बोपन्ना और शापोवालोव ने दूसरे दौर में शीर्ष वरीयता प्राप्त जुआन सेबेस्टियन काबाल और कोलंबिया के राबर्ट फाराह को मात दी थी। बोपन्ना और शापोवालोव अमेरिकी ओपन के क्वार्टर फाइनल में भी हार गए थे।

नडाल

हरिकृष्णा ने कार्लसन को हराया लेकिन फिर चार मैच हारे

भाषा। चेन्नई

भारतीय ग्रैंडमास्टर पी हरिकृष्णा ने नॉर्वे के विश्व चैम्पियन मैग्नस कार्लसन को हराया लेकिन बाद में लगातार चार मुकाबले हारकर सेंट लुईस रैपिट और ब्लिट्ज शतरंज टूर्नामेंट में छठे स्थान पर खिसक गए। हरिकृष्णा ने दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी कार्लसन को ब्लिट्ज के तीसरे दौर में 63 चालों में हराया। उन्होंने अमेरिका के जैफरी शियोंग को भी मात दी लेकिन इसके अलावा चार मुकाबले हारे और तीन ड्रा खेले। उन्हें अमेरिका के लेइनिएर डोमिनिगेज और वेसले, रूस के अलेक्जेंडर ग्रिसचुक और ईरान के अलीरजा फिरोजा ने हराया। वह आर्मेनिया के ग्रैंडमास्टर लेवोन आरोनियन के साथ छठे स्थान पर हैं जिनके 3 . 5 अंक हैं। कार्लसन 18 . 5 अंक लेकर शीर्ष पर हैं।

बेहतर क्रिकेट खेल कर सत्र को शानदार बनाने की कोशिश होगी: राहुल

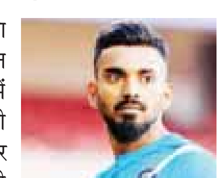

दुबई। किंग्स इलेवन पंजाब के कप्तान लोकेश राहुल ने शनिवार को कहा कि उनकी टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मौजूदा सत्र में अच्छी क्रिकेट खेल कर इसे यादगार बनाने की कोशिश करेगी। राहुल की अगुवाई में टीम रविवार को यहां के दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अपने अभियान को शुरुआत करेगी। टीम शानदार है, हम अच्छे से घुल–मिल रहे है और सत्र को यादगार बनाने के लिए बेहतरीन क्रिकेट खेलना चाहते हैं। हमें आईपीएल के इस सत्र में अच्छा प्रदर्शन करने को लेकर विश्वास है। हम इसे लेकर प्रेरित और उत्साहित है। पिछले दो सत्र में शानदार प्रदर्शन करने वाले राहुल इस बार टीम का नेतृत्व करेंगे। उन्होंने कहा कि यूएई में दर्शकों के बिना आईपीएल खेलना चुनौतीपूर्ण होगा लेकिन टीम इसके लिए तैयार है। इस साल एक अलग अनुभव होने जा रहा है, लेकिन हम एक टीम के रूप में चुनौती के लिए तैयार हैं और उन सभी प्रशंसकों के लिए खेल रहे हैं जो हमारा समर्थन करते हैं। किंग्स इलेवन पंजाब की टीम अब तक आईपीएल चैम्पियन नहीं बनी है।

शुभमन पूरे आईपीएल सत्र में शीर्ष क्रम पर बल्लेबाजी करेंगे: केकेआर कोच मैकुलम

अबुधाबी। कोलकाता नाइट राइडर्स के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने शनिवार को स्पष्ट किया कि शुभमन गिल पूरे इंडियन प्रीमियर लीग के दौरान पारी का आगाज करेंगे ताकि संयुक्त अरब अमीरात की मुश्किल पिचों पर शीर्ष क्रम में कुछ मजबूती मिले। पिछले सत्र में उभरते हुए इस शीर्ष क्रम बल्लेबाज को विभिन्न स्थानों पर आजमाया गया लेकिन उनके नतीजे अच्छे नहीं रहे और टीम के प्ले आफ स्थान चूकने का यह भी एक कारण माना गया। मैकुलम ने कहा, विकेट काफी ताजा होगा, मुझे लगता है कि यह सीम गेंदबाजी के लिए काफी मददगार होगा। अगर तेज गेंदबाजी के खिलाफ शुरू में विकेट कुछ मुश्किल होता है तो मुझे लगता है कि आप अपने उन खिलाड़ियों को चाहोगे जिनकी तकनीकी सर्वश्रेष्ठ हो और उनकी बल्लेबाजी की कला सर्वश्रेष्ठ हो।, वह

पहले छह दिन पृथकवास पर रहना बहुत मुश्किल था : धोनी

अबुधाबी। चेन्नई सुपरकिंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने मुंबई इंडियन्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के उदघाटन मैच से पूर्व शनिवार को यहां कहा कि परिवार के साथ पांच महीने बिताने के बाद यहां पहले छह दिन पृथकवास में रहना सबसे मुश्किल दौर था। इस बार आईपीएल से पूर्व चेन्नई टीम के 13 सदस्य कोविड–19 से संक्रमित पाए गए थे जिनमें दो खिलाड़ी भी शामिल थे। इसके बाद सुरेश रैना और हरभजन सिंह भी निजी कारणों से टूर्नामेंट से हट गए थे। दिशानिर्देशों के अनुसार टीमों को यूएई पहुंचने पर छह दिन तक पृथकवास पर रहना पड़ा था, लेकिन दीपक चाहर और रुतुराज गायकवाड़ सहित कुल 13 मामलों के पॉजीटिव पाए जाने के कारण चेन्नई का पृथकवास एक सितंबर तक बढ़ गया था। धोनी ने टास जीतने के बाद कहा, पृथकवास के पहले छह दिन काफी मुश्किल थे। आप अपने परिवार के साथ रहते हो और अचानक ही आपको कमरे में अलग थलग रहना पड़ता है।

भारत की ईंधन मांग 2020 में 11.5 प्रतिशत घटेगी : फिच सॉल्यूशंस

नई दिल्ली। फिच सॉल्यूशंस का अनुमान है कि 2020 में भारत की ईंधन की मांग 11.5 प्रतिशत घटेगी। देश का आर्थिक परिदृश्य और कमजोर होने के बीच फिच सॉल्यूशंस ने ईंधन की मांग में गिरावट के अपने अनुमान को बढ़ा दिया है। फिच सॉल्यूशंस के अर्थशास्त्रियों का अनुमान है कि 2020–21 में भारत के वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 8.6 प्रतिशत की गिरावट आएगी। पहले उसने अर्थव्यवस्था में 4.5 प्रतिशत की गिरावट का अनुमान लगाया था। फिच सॉल्यूशंस की ओर से शनिवार को जारी नोट में कहा गया, ईंधन की मांग व्यापक रूप से प्रभावित हुई है। उपभोक्ता के साथ औद्योगिक ईंधन दोनों की मांग में बड़ी गिरावट आई है। पहले फिच सॉल्यूशंस ने 2020 में ईंधन की मांग में 9.4 प्रतिशत की गिरावट का अनुमान लगाया था। फिच सॉल्यूशंस का अनुमान है कि 2021 और 2022 में भारतीय अर्थव्यवस्था पांच प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करेगी। उसने कहा कि उस समय महामारी नियंत्रण में होगी और आर्थिक गतिविधियां सामान्य होने से अर्थव्यवस्था वृद्धि दर्ज करेगी। चालू वित्त वर्ष की पहली अप्रैल–जून की तिमाही में भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 23.9 प्रतिशत की गिरावट आई है।

टिकटॉक, वीचैट पर अमेरिकी प्रतिबंध के खिलाफ चीन की जवाबी कार्रवाई की चेतावनी

बीजिंग। चीन ने वीचैट और टिकटॉक ऐप की डाउनलोडिंग को रोकने के अमेरिका के कदम का पुरजोर विरोध किया है। उसने चीन की कंपनियों के हितों की रक्षा के लिए जवाबी कदम उठाने की चेतावनी भी दी। अमेरिका ने लोकप्रिय चीनी सोशल मीडिया ऐप टिकटॉक और वीचैट को राष्ट्रीय सुरक्षा के मद्देनजर प्रतिबंधित करने का शुक्रवार को आदेश जारी किया। इसके कुछ हफ्ते पहले भारत ने भी देश की संप्रभुता, अखंडता और सुरक्षा के लिए चीन के कई ऐप पर रोक लगा दी थी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 15 सितंबर तक टिकटॉक और वीचैट का मालिकाना हक किसी अमेरिकी कंपनी के पास नहीं आ जाने की स्थिति में इन्हें प्रतिबंधित करने के आदेश पर पिछले महीने हस्ताक्षर किया था।

नीति आयोग, आईएसपीपी ने क्षमता निर्माण के लिए हाथ मिलाया

नई दिल्ली। नीति आयोग और इंडियन स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी (आईएसपीपी) ने सरकारी अधिकारियों व सरकारी नीति के जानकारों के प्रशिक्षण, सलाह तथा क्षमता निर्माण के लिए हाथ मिलाया है। एक बयान में इसकी जानकारी दी गई। बयान में कहा गया कि आयोग के विकास निगरानी और मूल्यांकन कार्यालय (डीएमईओ) ने सार्वजनिक प्रणाली के भीतर ज्ञान के इस्तेमाल में तेजी लाने पर सहयोग के लिए आईएसपीपी के साथ इस आशय के एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। संचार और विस्तार के तहत साक्ष्य निर्माण अभ्यास, संयुक्त सम्मेलनों और पॉडकास्ट श्रृंखला का आयोजन किया जाएगा, जिसमें आईएसपीपी के विद्वान मौजूदा नीतिगत मुद्दों, मूल्यांकन व दृष्टिकोणों पर डीएमईओ तथा नीति आयोग के विशेषज्ञों से बातचीत करेंगे। अब तक इसमें पांच बार संशोधन किया जा चुका है।

`कर्ज भुगतान में चूक करने वाली कंपनियों व गारंटरों पर भी कार्रवाई

आईबीसी के तहत कंपनियों, गारंटर के खिलाफ साथ-साथ हो सकती है दिवाला कार्रवाई : सीतारमण

भाषा। नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) के तहत कर्ज भुगतान में चूक करने वाली कंपनियों तथा व्यक्तिगत गारंटी देने वालों के खिलाफ साथ–साथ दिवाला कार्रवाई चल सकती है। सीतारमण ने शनिवार को राज्यसभा में दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता (दूसरा संशोधन) विधेयक, 2020 पर चर्चा का जवाब देते हुए यह बात कही। राज्यसभा में यह विधेयक ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। यह विधेयक इस बारे में जून में लाए गए अध्यादेश का स्थान लेगा। कुछ सदस्यों द्वारा यह मुद्दा उठाए जाने पर सीतारमण ने कहा, कई बार कर्ज लेने वाली कंपनियों की ओर कुछ गारंटर होते हैं। ऐसे में वृहद कॉरपोरेट दिवाला समाधान एवं परिसमापन के लिए हमारा मानना है कि जहां तक संभव हो, कॉरपोरेट कर्जदार और उसके गारंटर के खिलाफ साथ–साथ दिवाला कार्वाई की जाए। सरकार आईबीसी में संशोधन के लिए जून में अध्यादेश लेकर आई थी। इसके तहत यह प्रावधान किया गया था कि कोरोना वायरस महामारी की वजह से 25 मार्च से छह महीने तक कोई नई दिवाला कार्वाई शुरू नहीं की जाएगी। देश में कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए 25 मार्च को ही लॉकडाउन लगाया गया था। वित्त मंत्री ने स्पष्ट किया कि 25 मार्च से पहले कर्ज भुगतान में चूक करने वाली कंपनियों के खिलाफ दिवाला प्रक्रिया के तहत कार्वाई जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि इस संशोधन से ऐसी कंपनियों को राहत नहीं मिलेगी। सदस्यों के यह पूछे जाने पर कि सबसे पहले यह अध्यादेश लाने की हड़बड़ी क्या थी, सीतारमण ने कहा, विभिन्न सत्रों के बीच यदि जमीनी स्थिति की मांग होती है, तो अध्यादेश लाने की जरूरत पड़ती है। एक जिम्मेदार सरकार का दायित्य अध्यादेश का इस्तेमाल कर यह दिखाना होता है कि वह भारत के लोगों के साथ है। महामारी के कारण बनी स्थिति की वजह से समय की मांग थी कि तत्काल कदम उठाए जाएं और उसके लिए अध्यादेश का तरीका चुना गया। अध्यादेश को कानून बनाने के लिए सरकार अगले ही सत्र में विधेयक लेकर आ गई। कोविड–19 की वजह से कंपनियों को संकट से जूझना पड़ रहा है। उन्होंने कहा, ऐसे में हमने आईबीसी की धारा 7, 9, 10 को स्थगित करने का फैसला किया। इससे हम असाधारण परिस्थितियों की वजह से दिवाला होने जा रही कंपनियों को बचा पाए। आईबीसी की धारा 7, 9 और 10 किसी कंपनी के वित्तीय ऋणदाता, परिचालन के लिए कर्ज देने वालों को उसके खिलाफ दिवाला ऋणशोधन अक्षमता प्रक्रिया शुरू करने से संबंधित है। आईबीसी अब कारोबार का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने कुछ आंकड़े देते हुए बताया कि अभी तक आईबीसी ने अच्छा प्रदर्शन किया है। वित्त वर्ष 2018–19 के वाणिज्यिक बैंकों की गैर–निष्पादित आस्तियों (एनपीए) के आंकड़ों का उल्लेख करते हुए सीतारमण ने कहा कि लोक अदालतों के जरिए 5.3 प्रतिशत ऋण की वसूली हुई।

आयातकों को 21 सितंबर से एफटीए के तहत शुल्क लाभ के लिए जांच–परख करनी होगी: वित्त मंत्रालय

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने कहा कि आयातकों को मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के तहत सीमा शुल्क की रियायती दर का लाभ लेने के लिए सोमवार से किसी भी वस्तु का आयात करने से पहले यह सुनिश्चित करना होगा कि अयातित सामान जिस जगह से आयात किया जा रहा है वह निर्धारित मापदंड को पूरा कर रहा है या नही। मंत्रालय ने बयान मे कहा कि सीमा शुल्क (व्यापार समझौतों के अंतर्गत नियमों का प्रशासन) नियम 2020 (सीएआरओटीएआर, 2020) के संबंध में 21 अगस्त, 2020 को अधिसूचना जारी की गई थी। यह 21 सितंबर 2020 से अमल में आएगी। इन्हे जानने समझने के लिए आयातकों और अन्य को 30 दिनों का समय दिया गया था।

केवीआईसी के दबाव के बाद फ्लिपकार्ट, अमेजन, स्नैपडील ने जाली खादी उत्पाद हटाए

नई दिल्ली। खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के प्रयासों से अमेजन, फ्लिपकार्ट, स्नैपडील और अन्य ई–कॉमर्स कंपनियों ने अपने मंच से खादी ब्रांड नाम से उत्पाद बेचने वाले 160 से अधिक वेब लिंक हटा दिए हैं। केवीआईसी ने शनिवार को यह जानकारी दी। केवीआईसी ने खादी इंडिया ब्रांड नाम से अपने उत्पादों की बिक्री करने वाली करीब।,000 कंपनियों को कानूनी नोटिस जारी किया था। केवीआईसी का कहना था कि इससे उसकी छवि को नुकसान पहुंच रहा है तथा खादी कामगार भी प्रभावित हो रहे हैं। केवीआईसी के नोटिस के बाद खादी ग्लोबल ने अपनी वेबसाइट का इस्तेमाल बंद कर दिया है और साथ ही ट्विटर, फेसबुक व इंस्टग्राम से अपने सोशल मीडिया पेज हटा दिए है। साथ ही उसने इस ब्रांड नाम की सभी सामग्री तथा उत्पाद हटाने के लिए 10 दिन का समय मांगा है। केवीआईसी ने कहा कि उसकी कार्वाई के बाद देशभर में जाली खादी उत्पाद बेचने वाले कई स्टोर बंद हुए हैं। बयान में कहा, केवीआईसी के दबाव के बाद अमेजन, फ्लिपकार्ट, स्नैपडील और अन्य ने खादी ब्रांड नाम से उत्पाद बेचने वाले 160 से अधिक वेब लिंक हटाए हैं।

देश का बाहरी कर्ज मार्च अंत तक 2.8 प्रतिशत बढ़कर 558.5 अरब डॉलर पर

भाषा। नई दिल्ली

देश का कुल बाहरी कर्ज मार्च के अंत तक 2.8 प्रतिशत बढ़कर 558.5 अरब डॉलर पर पहुंच गया। वित्त मंत्रालय की ओर से शनिवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया कि वाणिज्यिक ऋण बढ़ने की वजह से कुल बाहरी कर्ज बढ़ा है। मार्च, 2019 के अंत तक कुल बाहरी कर्ज 543 अरब डॉलर था। रिपोर्ट में कहा गया कि मार्च 2020 के अंत तक बाहरी कर्ज पर विदेशी मुद्रा भंडार अनुपात 85.5 प्रतिशत था। एक साल पहले समान अवधि में यह 76 प्रतिशत था। भारत का बाहरी कर्ज: एक स्थिति रिपोर्ट: 2019–20 में कहा गया कि सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के अनुपात में बाहरी कर्ज मामूली बढ़कर 20.6 प्रतिशत पर पहुंच गया। एक साल पहले समान अवधि में यह 19.8 प्रतिशत था। मार्च, 2019 की तुलना में सॉवरेन ऋण तीन प्रतिशत घटकर 100.9 अरब डॉलर रह गया। रिपोर्ट में कहा गया कि यह कमी मुख्य रूप से सरकारी प्रतिभूतियों (जी–सेक) में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) का निवेश घटने की वजह से है।

बीएमडब्ल्यू मोटोराड क्रूजर खंड में उतरी, नया आर–18 मॉडल उतारा

नई दिल्ली। जर्मनी की लक्जरी कार कंपनी बीएमडब्ल्यू की दोपहिया इकाई बीएमडब्ल्यू मोटोराड भारत के क्रूजर बाइक बाजार में उतर गई है। कंपनी ने अपना पूरी तरह नया आर18 मोटरसाइकिल मॉडल भारतीय बाजार मे पेश किया है। बीएमडब्ल्यू आर18 दो संस्करणों में पेश की गई है। इनकी शोरूम कीमत क्रमशः 18.9 लाख रुपए और 21.9 लाख रुपए है।

सात को–वर्किंग केंद्र स्थापित करने पर 20 करोड़ का निवेश करेगी इंस्पायर

नई दिल्ली। को-वर्किंग कंपनी इंस्पायर को-स्पेसेज अगले साल मार्च तक सात केंद्रों की स्थापना पर 20 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। कंपनी के संस्थापक अमित साठे ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए इन केंद्रो मे 2,500 डेस्क बनाए जाएंगे। कंपनी ने शुक्रवार को अपने दो केंद्र गोरेगांव और बेलापुर, मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में शुरू किए। ए केंद्र 78,000 वर्गफुट क्षेत्र मे है। इनमे करीब।,000 वर्कस्टेशन है।

तमिलनाडु ने 31,464 करोड़ रुपए के 42 एमओयू किए : मुख्यमंत्री

चेन्नई। तमिलनाडु ने कोविड-19 की वजह से लागू लॉकडाउन के दौरान 42 सहमति ज्ञापनो (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए है। इसके अलावा राज्य ने शनिवार को सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र पर तीन नीतियां पेश की है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के. पलानीस्वामी ने यहां साइबर सुरक्षा, ब्लॉक-चेन तथा कृत्रिम मेधा (एआई) पर तीन नीतियां पेश करते हुए कहा, कोविड-19 की वजह से लागू लॉकडाउन के दौरान हमने 31,464 करोड़ रुपए के 42 एमओयू किए है। इनसे 69,712 रोजगार के अवसरों का सृजन होगा।

प्रदर्शनकारियों ने महात्मा गांधी की प्रतिमा को भी नहीं छोड़ा : ट्रम्प

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि अफ्रीकी अमेरिकी जॉर्ज फ्लॉयड की मौत के बाद हिंसक हुए प्रदर्शनकारियों को ठगों की टोली करार देते हुए कहा कि उन्होंने वाशिंगटन डीसी में मौजूद महात्मा गांधी की प्रतिमा को भी नहीं छोड़ा।

गौरतलब है कि 25 मई को मिनियापोलिस में श्वेत पुलिकर्मी डेरेक चाउविन ने 46 वर्षीय फ्लॉयड को हथकड़ी लगा कर जमीन पर गिरा दिया था और उसकी गर्दन को घुटने से करीब आठ मिनट तक दबाए रखा जिससे उसकी मौत हो गई थी। इस घटना का वीडियो वायरल होने के बाद पूरे देश में हिंसक प्रदर्शन शुरू हो गए। इस क्रम में पूरे देश में तोड़फोड़, लूटपाट और आगजनी की भी कुछ घटनाएं हुईं। मिनीसोटा में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए ट्रम्प ने कहा, आप जानते हैं, उन्होंने अब्राहम लिंकन की प्रतिमा को निशाना बनाया। जब उन्होंने लिंकन की प्रतिमा को निशाना बनाया तो मैंने कहा, एक मिनट रुको, यह वह व्यक्ति है और आप ऐसा कर रहे हैं, तब उन्होंने जॉर्ज वाशिंगटन, थॉमस जेफरसन और सभी को निशाना बनाना शुरू किया। उल्लेखनीय है कि ट्रम्प 2016 में मिनिसोटा में 44 हजार मतों से हार गए थे। राष्ट्रपति ने वाशिंगटन में लगी महात्मा गांधी की प्रतिमा का जिक्र किया जिसे अज्ञात शरारती तत्वों ने राष्ट्रव्यापी प्रदर्शन के दौरान निशाना बनाया था। उन्होंने कहा, उनके पास गांधी भी थे। गांधी बस एक ही चीज चाहते हैं,वह है शांति। सही ? हमारे पास शांति हैं, और उनकी प्रतिमा गिरा दी गई। हम उन्हें पसंद नहीं करते हैं मुझे नहीं लगता कि उन्हें एहसास होगा कि वे क्या कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं मानता हूं कि यह महज कुछ ठगों की टोली थी। आप सच जानना चाहते हैं। मैं मानता हूं यह ठगों की टोली थी। राष्ट्रपति ने अपने श्रोताओं को बताया कि उन्होंने उस कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं जिसमें ऐसे शरारती तत्वों के लिए 10 साल की कैद का प्रावधान है।उन्होंने कहा कि अब कोई प्रतिमाओं को गिराने की बात तक नहीं करता है।भारतीय दूतावास ने नेशनल पार्क पुलिस और अमेरिकी विदेश मंत्रालय की मदद से प्रतिमा पुनः स्थापित कर दी है।

गाजा सिटी में समुद्र में अपने परिवार के साथ खेलता फलीस्तीनी व्यक्ति

चीन ने ताइवान की तरफ और लड़ाकू विमान भेजे

एपी। ताइपे

चीन ने शनिवार को लगातार दूसरे दिन ताइवान की तरफ और भी लड़ाकू विमान भेजे। चीन ने यह कदम ऐसे समय उठाया है जब ताइवान के वरिष्ठ नेता, वरिष्ठ सरकारी अधिकारी और एक उच्च स्तरीय अमेरिकी दूत ताइवान को लोकतांत्रिक व्यवस्था में तब्दील करने वाले पूर्व राष्ट्रपति ली तेंग हुई को श्रद्धांजलि दे रहे हैं। अमेरिका की विदेश उप मंत्री किथ क्राच कार्यक्रम में मौजूद रहे, लेकिन कार्यक्रम में उनकी उपस्थिति पर चीन ने कड़ी आपत्ति दर्ज कराई और शुक्रवार को ताइवान जलडमरुमध्य के ऊपर 18 लड़ाकू विमानों को भेजा, असमान्य तरीके से इतने बड़े पैमाने पर शक्ति प्रदर्शन किया गया है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक शनिवार को चीन ने दो बमवर्षक विमान सहित 19 लड़ाकू विमानों को भेजा। मंत्रालय ने कहा कि ताइवान की वायुसेना ने इसका मुकाबला किया और चीन की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली की तैनाती की गई है। उल्लेखनीय है कि ली को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए शनिवार को ताइपे स्थित एलेथिया विश्वविद्यालय में कार्यक्रम आयोजित किया गया और इसमें राष्ट्रपति त्साई इंग वेन भी शामिल हुईं। गौरतलब है कि ली ने ताइवान में शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से सत्ता परिवर्तन सुनिश्चित किया और चीनी मुख्यभूमि से अलग ताइवान की राजनीतिक पहचान स्थापित की। चीन, ताइवान को अलग हुआ प्रांत मानता है और जरूरत पड़ने पर ताकत के बल पर हासिल करने की बात करता है।ली का 30 जुलाई को 97 साल की उम्र में निधन हो गया था। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स ने शुक्रवार को संपादकीय में लिखा, जितनी बार उच्च पदस्थ अमेरिकी अधिकारी ताइवान जाएंगे, उतनी बार जनमुक्ति सेना के लड़ाकू विमान द्वीप के और करीब जाएंगे।

> ● चीन, ताइवान को अलग हुआ प्रांत मानता है और जरूरत पड़ने पर ताकत के बल पर हासिल करने की बात करता है

असांजे के वकील का दावा

ट्रंप की ओर से असांजे को माफी की एक अप्रत्यक्ष पेशकश की गई

एपी। लंदन

विकीलीक्स संस्थापक जूलियन असांजे की एक वकील ने लंदन की एक अदालत को बताया कि उनके मुवक्किल को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से एक सौदे की अप्रत्यक्ष पेशकश की गई थी।

वकील ने कहा कि इसमें असांजे से कहा गया कि यदि वह 2016 के चुनाव से पहले डेमोक्रेटिक पार्टी से लीक दस्तावेजों के स्रोत का खुलासा कर दें तो वह अमेरिका प्रत्यर्पित होने से बच जाएंगे। असांजे ने डेमोक्रेटिक नेशनल कमेटी के ईमेल लीक के स्रोत का खुलासा नहीं किया था। असांजे अमेरिका द्वारा उन्हें प्रत्यर्पित करने के प्रयासों के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे हैं। अमेरिका असांजे को प्रत्यर्पित करना चाहता है ताकि वह विकीलीक्स में अपने काम से संबंधित आरोपों का सामना कर सकें। एक दशक तक विकीलीक्स का प्रतिनिधित्व करने वाली अधिवक्ता जेनिफर रॉबिन्सन ने शुक्रवार को अदालत में एक लिखित बयान के माध्यम से कहा कि उनके मुवक्किल को एक प्रस्ताव 15 अगस्त, 2017 को पूर्व रिपब्लिकन कांग्रेस सदस्य डी रोहराबाचेर और ट्रंप के सहयोगी चार्ल्स जॉनसन के साथ एक बैठक में दिया गया था।रॉबिन्सन ने लंदन की आपराधिक अदालत में पढ़े गए अपने बयान में कहा कि दोनों हमें विश्वास दिलाना चाहते थे कि वे राष्ट्रपति की तरफ से काम कर रहे थे। रॉबिन्सन ने कहा कि दोनों ने कहा कि ट्रंप को इस बारे में जानकारी है और उन्होंने इसकी मंजूरी दी है कि वे दोनों प्रस्ताव पर चर्चा करने के लिए असांजे से मुलाकात करें।

क्विक न्यूज

अमेरिका ने सीरिया में रूस का मुकाबला करने के लिए और सैनिक व बख्तरबंद वाहन भेजे

वाशिंगटन। रूसी बलो के साथ हुई कई झड़पो के बाद अमेरिका ने पूर्वी सीरिया मे अतिरिक्त सैनिकों और बख्तरबंद वाहनो की तैनाती की है। अमेरिकी नौसेना मे कैप्टन और मध्य कमान के प्रवक्ता बिल अर्बन ने बताया कि अमेरिका ने रडार प्रणाली भी भेजी है और अमेरिकी एंव गठबंधन बलों की बेहतर सुरक्षा के लिए इलाके मे लड़ाकू विमानो की गश्त बढ़ा दी गई है। अर्बन ने कहा, अमेरिका सीरिया मे किसी अन्य देश से विवाद नही चाहता लेकिन जरूरत पड़ी तो गठबंधन बलों की रक्षा करेगा। वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि करीब आधा दर्जन ब्राडले लड़ाकू वाहन और 100 से कुछ कम अतिरिक्त सैनिक पूर्वी सीरिया भेजे गए है। अधिकारी ने पहचान गोपनीय रखते हुए बताया कि इलाके मे सैनिकों की तैनाती रूस को साफ संकेत है कि वह अब अमेरिका और उसके मित्र देशों के खिलाफ वहां किसी असुरक्षित एवं उकसावे की कार्वाई से बचे।

कोविड-19: कनाडा-अमेरिका सीमा अक्तूबर में भी बंद रहेगी

टोरंटो। कनाडा ने कोरोना वायरस महामारी के कारण अमेरिकी सीमा को 21 अक्तूबर तक गैर-आवश्यक यात्रा के लिए बंद रखने का फैसला लिया है। लोक सुरक्षा मंत्री बिल ब्लेयर ने शुक्रवार को कहा कि कनाडाई लोगों को सुरक्षित रखने के लिए वे श्रेष्ठ लोक सुरक्षा सलाह के आधार पर फैसला लेना जारी रखेंगे। कोरोना वायरस के कारण 18 मार्च को घोषित की गई पाबंदियों को तब से हर महीने बढ़ाया जा रहा है।दुनिया मे कोविड-19 के सर्वाधिक मामले अमेरिका मे है, यहां संक्रमण के कारण मरने वालों की संख्या भी सबसे ज्यादा है। बीते कुछ हफ्तो से कनाडा मे भी संक्रमण के मामले बढ़े है।

जापान के पूर्व प्रधानमंत्री आबे तोक्यो के विवादित स्मारक गए

तोक्यो। जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने कहा कि वह शनिवार को यासूकूनी स्मारक गए। यह ऐसा स्थान है जिसे पड़ोसी मुल्क चीन और दक्षिण तथा उत्तर कोरिया युद्धकाल की आक्रामकता का प्रतीक मानते है।आबे ने ट्वीट करके यह जानकारी दी। हाल ही मे प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने वाले आबे की सात वर्ष मे यहां कि यह पहली यात्रा है। उन्होंने कहा कि वह शनिवार को स्मारक गए और युद्ध मे मारे गए लोगो को याद किया। जापान के पड़ोसी इसे विवादित मानते है क्योंकि यहां द्वितीय विश्वयुद्ध मे मारे गए लाखो जापानियो के साथ ही युद्धअपराध के दोषी ठहराए गए लोग भी दफ्न हैं। माना जा रहा है कि चीन और दक्षिण तथा उत्तर कोरिया इस यात्रा पर कड़ी आपत्ति जताएंगे।

महाभियोग का मतदान पेरू के राष्ट्रपति के पक्ष में रहा

लीमा। पेरू के राष्ट्रपति मार्टिन विजकारा के खिलाफ शुक्रवार को महाभियोग के तहत हुआ मतदान उनके पक्ष में रहा। विपक्षी सांसद विजकारा के खिलाफ पर्याप्त समर्थन जुटाने में विफल रहे। महाभियोग पर फैसला आने से पहले, सांसदो के बीच कई घंटे तक बहस चली जिसमे उन्होने विजकारा की बहुत आलोचना की। हालांकि उन्होने यह सवाल भी उठाया कि जल्दबाजी मे की जा रही महाभियोग की कार्यवाही से ऐसे वक्त मे हालात और भी मुश्किल हो सकते है जब देश कोरोना वायरस महामारी के कारण स्वास्थ्य और आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। विजकारा को पद से हटाने के लिए दो तिहाई बहुमत की आवश्यकता थी लेकिन संख्या बल इससे बहुत कम रहा। संस्कृति मंत्रालय द्वारा संगीतकार रिचर्ड स्विंग के साथ करीब 50,000 डॉलर का अनुबंध किए जाने के बाद से विजकारा विवादो मे है। स्विंग को विजकारा का करीबी माना जाता है।

मोगादिशु हवाई अड्डे पर मालवाहक विमान दुर्घटनाग्रस्त

मोगादिशु। सोमालिया की राजधानी मोगादिशु स्थित अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मालवाहक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। चश्मदीदो ने यह जानकारी दी। हालांकि, तत्काल हादसे में किसी के हताहत होने की पुष्टि नही हो सकी। दुघर्टनास्थल की तस्वीरों में दिखाई दे रहा है कि विमान का कॉकपिट हवाई अड्डे पर बनी कंक्रीट की दीवार से टकरा गया है। यह समुद्र से महज कुछ कदम की दूरी पर है। सोमालिया के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण ने शनिवार को मोगादिशु के अदन अड्डे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विमान हादसे की पुष्टि की है। दुर्घटनागस्त विमान का परिचालन पड़ोसी देश केन्या की कंपनी सिल्वरस्टोन एयर करती है।

दिल्ली के ई-रिक्शा चालक का बेटा लंदन के बैले स्कूल के लिए क्राउडफंड से जुटा रहा फीस

भाषा। लंदन

दिल्ली में ई–रिक्शा चलाने वाले पिता का 20 वर्षीय बेटा कमल सिंह ने लंदन स्थित प्रतिष्ठित इंग्लिश बैले स्कूल में प्रशिक्षण पाठ्यक्रम की फीस जुटाने के लिए क्राउडफंडिंग अभियान की शुरुआत की है। स्कूल के एक वर्षीय पेशेवर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में सफल होने के बाद सिंह का सपना अंतरराष्ट्रीय नृत्य मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने का है। हालांकि, इसके लिए न केवल उन्हें फीस देने के लिए बल्कि लंदन में रहने के लिए बड़ी राशि की जरूरत है। सिंह ने कहा, मेरा परिवार और मेरे कोच हमेशा मेरे पक्ष में खड़े हुए हैं। उन्होंने कभी मुझे हताश नहीं होने दिया। दुर्भाग्यवश मैं एक साल के पाठ्यक्रम का फीस– 8000 पांउड (करीब 7.60 लाख रुपए)– वहन नहीं कर सकता। इसके साथ ही लंदन में रहने का भी खर्च है जो कम से कम एक हजार पाउंड (करीब 95 हजार रुपए) है। उन्होंने कहा, मैंने केट्टो (क्राउडफंडिंग का मंच)पर कोष एकत्र करने का फैसला या। मैं लोगों के प्यार और समर्थन से आगे बढ़ूंगा जो मुझे लोगों से मिल रहा है। मैं लोगों का आभारी हूं जो मेरे अभियान को दान दे रहे हैं। सिंह ने बताया कि उन्होंने पहले ही 18,000 पाउंड (करीब 17.11 लाख रुपए) एकत्र कर लिया है और 27,777 पाउंड (करीब 26.40 लाख रुपए) एकत्र करने का लक्ष्य है। उनके इस अभियान का दुनियाभर के सैकड़ों लोग समर्थन कर रहे हैं। एक दानकर्ता ने लिखा, आप महान नर्तक हैं और मुझे उम्मीद है कि आपका सपना पूरा होगा। अंतरराष्ट्रीय नृत्य समुदाय में भारत को गौरवान्वित करो।

लिचफील्ड पार्क में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रैली के दौरान उपराष्ट्रपति माइक पेंस व मार्था मैकसैली

हिंद-प्रशांत की अवधारणा ने भारत को वृहद समाधान में समाहित किया हैः अमेरिका

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका के एक शीर्ष राजनयिक ने कहा है कि हिंद-प्रशांत की अवधारणा ने भारत को वृहद समाधान में समाहित किया है और ट्रंप प्रशासन समान विचारों वाले क्वैड देशों जैसे साझेदारों के साथ तालमेल बनाने के लिए कुछ नई व्यवस्थाएं विकसित कर रहा है। भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान ने नवंबर 2017 में काफी समय से लंबित क्वैड गठबंधन को आकार दिया था। इसका मकसद नई रणनीति बनाकर प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव पर लगाम लगाना और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों को किसी भी प्रभाव से मुक्त रखना है। हिंद-प्रशांत एक जैव भौगोलिक क्षेत्र है। हिंद महासागर, दक्षिण चीन सागर समेत पश्चिमी-मध्य प्रशांत महासागर इसी क्षेत्र में आते हैं। चीन लगभग पूरे दक्षिण चीन सागर पर दावा जताता रहा है। ताइवान, फिलिपीन, ब्रुनेई, मलेशिया और वियतनाम भी इसके हिस्सों पर दावे जताते रहे हैं। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन का प्रभाव विषय पर बृहस्पतिवार को हुई चर्चा के दौरान पूर्वी एशिया एवं प्रशांत मामलों के ब्यूरो के सहायक विदेश सचिव डेविड स्टिलवेल ने सीनेट की विदेश संबंधों से संबंधित समिति को बताया, भारत ने इस संबंध में काफी कड़ा रुख अपना रखा है। हिंद-प्रशांत क्षेत्र की अवधारणा ने भारत को वृहद समाधान में शामिल कर लिया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका अपनी सुरक्षा प्रतिबद्धताओं को पूरा जुटा है। स्टिलवेल ने कहा कि सुरक्षा सहायता से साझेदारों को अपनी संप्रभुता और समुद्री संसाधनों की रक्षा में मदद मिलती है।

संयुक्त राष्ट्र में प्रधानमंत्री मोदी के संबोधन काफी महत्वपूर्ण होंगेः तिरुमूर्ति

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र में भारत के राजदूत टी एस तिरुमूर्ति ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संयुक्त राष्ट्र की 75वीं वर्षगांठ के मौके पर उच्चस्तरीय सम्मेलन और महासभा को संबोधित करेंगे। सुरक्षा परिषद में भारत के प्रवेश के बाद मोदी के ए संबोधन विशेष रूप से महत्वपूर्ण होने वाले हैं।संयुक्त राष्ट्र महासभा का वार्षिक सत्र 21 सितंबर को शुरू होने जा रहा है। इस ऐतिहासिक अवसर पर संयुक्त राष्ट्र के 193 सदस्य देश कई अहम मुद्दों पर चर्चा करेंगे।तिरुमूर्ति ने कहा, प्रधानमंत्री संयुक्त राष्ट्र को संबोधित करेंगे और वह विशेषकर भारत के संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में प्रवेश के बाद जिस दृष्टिकोण को रेखांकित करेंगे, वह काफी महत्वपूर्ण होगा। मोदी पहले से रिकॉर्ड किए गए वीडियो बयान के जरिए विशेष कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। महासभा में परिचर्चा 22 सितंबर से शुरू होगी और 29 सितंबर तक चलेगी। मोदी 26 सितंबर को सभा को संबोधित करेंगे। गौरतलब है कि भारत को दो साल के लिए संयुक्त राष्ट्र की शक्तिशाली सुरक्षा परिषद का अस्थाई सदस्य चुना गया है। इसके बाद इन दो उच्चस्तरीय सभाओं में मोदी जिस दृष्टिकोण को रेखांकित करेंगे, उसपर सभी की करीबी निगाह होगी। सुरक्षा परिषद में अस्थाई सदस्य के तौर पर भारत का कार्यकाल। जनवरी 2021 से शुरू होगा।संयुक्त राष्ट्र के 75 वर्ष के इतिहास में पहली बार ऐसे होगा जब सदस्य देशों के शासनाध्यक्ष और राष्ट्राध्यक्ष महासभा के लिए न्यूयॉर्क नहीं आ पाएंगे। कोविड–19 महामारी के चलते सभी शासनाध्यक्षों और राष्ट्राध्यक्षों ने विभिन्न सम्मेलनों और सत्रों के लिए पहले से रिकॉर्ड वीडियो बयान जमा करा दिए हैं, जिन्हें ऐतिहासिक महासभा कक्ष में चलाया जाएगा।

विरोध के बाद सीडीसी ने जांच को लेकर जारी हुए विवादित निर्देश को हटाया

एपी। न्यूयॉर्क

अमेरिकी स्वास्थ्य अधिकारियों ने शुक्रवार को एक विवादित निर्देश को हटाते हुए कहा कि कोरोना वायरस से संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने वाले हर व्यक्ति को जांच करानी चाहिए।रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र ने पिछले महीने पोस्ट किए गए इस निर्देश को हटा दिया जिसमें कहा गया था कि जो लोग बीमार महसूस नहीं कर रहे उन्हें जांच कराने की आवश्यकता नहीं है।इस निर्देश की स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने काफी आलोचना की और कहा कि वे समझ नहीं पा रहे हैं कि देश की शीर्ष सार्वजनिक स्वास्थ्य एजेंसी इस महामारी के बीच ऐसा क्यों कह रही है। ब्राउन यूनिवर्सिटी में बाल रोग संक्रामक रोग विशेषज्ञ डॉ सिल्विया च्यांग ने शुक्रवार को निर्देशों में परिवर्तन की सराहना करते हुए कहा कि यह महामारी को नियंत्रित करने के बुनियादी सिद्धांतों के अनुरूप नहीं था।अब सीडीसी का कहना है कि जो कोई भी व्यक्ति संक्रमित मरीज के आसपास छह फीट की दूरी के भीतर कम से कम 15 मिनट के लिए रहा है, उसे जांच करवानी चाहिए। एजेंसी ने एक बयान में कहा कि ये परिवर्तन एक स्पष्टीकरण है जो बिना लक्षण वाले संक्रमित रोगियों को ध्यान में रखकर किया गया है। एजेंसी के अधिकारियों ने अतिरिक्त टिप्पणी से इनकार कर दिया।कुछ बाहरी पर्यवेक्षकों ने अनुमान लगाया कि स्वास्थ्य अधिकारी इस बात से अवगत थे कि उन्होंने अगस्त में यह बदलाव क्यों किया था, और ट्रम्प प्रशासन के तहत कुछ राजनीतिक शक्तियों ने सीडीसी पर इसके लिए जोर डाला था।

> ● इस निर्देश की स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने काफी आलोचना की और कहा कि वे समझ नही पा रहे है कि देश की शीर्ष सार्वजनिक स्वास्थ्य एजेंसी इस महामारी के बीच ऐसा क्यों कह रही है

नस्लभेद का खुलासा होने के बाद प्रिसटन यूनिवर्सिटी के खिलाफ संघीय जांच

ट्रेंटन,अमेरिका। प्रिंसटन विश्वविद्यालय परिसर में नस्लभेद की बात स्वीकार करने के बाद ट्रम्प प्रशासन ने जांच के निर्देश दिए हैं।बुधवार को विश्वविद्यालय को लिखे एक पत्र में, अमेरिकी शिक्षा विभाग ने कहा कि स्कूल के परिसर में नस्लभेद की जानकारी मिली है जो भेदभाव विरोधी संघीय कानूनों का अनुपालन करने के प्रिंसटन विश्वविद्यालय के दावों के विपरीत है।दो सितंबर को जारी एक खुले पत्र में विश्वविद्यालय के अध्यक्ष ने स्वीकार किया कि प्रिंसटन के शैक्षिक कार्यक्रम दशकों से नस्लवादी है।बृहस्पतिवार को वाशिंगटन में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि अमेरिकी स्कूलों और विश्वविद्यालयों ने छात्रों के सामने अमेरिका के एक नस्लवादी राष्ट्र की छवि पेश की है। उन्होंने इसे विषाक्त प्रचार कहा। ट्रम्प ने जून में ट्विटर पर प्रिंसटन को पूर्व राष्ट्रपति वुडरो विल्सन का नाम उनके अलगाव के विचारों के कारण सार्वजनिक नीति स्कूल से हटाने के फैसले पर लताड़ लगाई थी।

पाकिस्तान में कोरोना वायरस संक्रमण के 645 नए मामले सामने आए

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में कोरोना वायरस संक्रमण के 645 नए मामले सामने आने के बाद संक्रमितों की कुल संख्या 3,05,031 हो गई। स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी।राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा मंत्रालय ने कहा कि सात रोगियों की मौत हुई है, जिसके बाद मृतकों की संख्या बढ़कर 6,415 हो गई है। मंत्रालय ने कहा कि देश में 2,92,004 लोग पूरी तरह संक्रमण से उबर चुके हैं। 6,572 लोग अब भी संक्रमित हैं।

पायनियर
रविवार, 20 सितंबर, 2020

एजेण्डा

आप निराशा व भ्रम की भावना के इलाज में पर्याप्त धन नहीं खर्च कर सकते
- विवोना राइडर

अगर तकनीक बुजुर्ग आबादी में हिस्सा बन जाती है तो इससे उनके जीवन की गुणवत्ता में जबरदस्त सुधार हो सकता है। इसलिए, अगर यह शुरुआत में उन्हें मजबूरी भी लगे तो भी सीखने के स्तर पर, कि इसका इस्तेमाल कैसे करना है, पूर्णतया उपयोगी है। हरीश खत्री की रिपोर्ट

वरिष्ठ नागरिकों की समस्याएं और समाधान

विकासशील देशों में बीते 150 सालों में जीवन दर में निरंतर उन्नति हुई है, मुख्यतया बेहतर जीवन स्थितियों, बेहतर स्वास्थ्य मानकों व उन्नत चिकित्सा देखभाल के कारण। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, वैश्विक औसत जीवन दर में 2000 और 2016 के बीच 5.5 सालों की वृद्धि हुई है, जो 1960 दशक के बाद सर्वाधिक वृद्धि है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य रूपरेखा 2019 के अनुसार, भारत में जीवन दर में 1970–75 के बीच 49.7 साल से 2012 –16 में 68.7 की वृद्धि हुई है।

हम आज जिस उच्च जीवन दर का देखते हैं उसने हमारे समाज में वरिष्ठ नागरिकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि का मुकाम दिखाया है। और वे एक मजबूत व स्वतंत्र हिस्सा और अपने आपमें एक समुदाय बन गए हैं। समानांतर स्तर पर, दुनिया ने तकनीक में जबरदस्त प्रगति देखी है जो अब अनेक रोजमर्रा गतिविधियों को मदद एवं सुव्यवस्थित करती है। विश्व तालाबंदियों व एकांतवास समयों के दौरान अपनी राह निकालना लगभग असंभव हुआ होता यदि इंटरनेट, तकनीक आधारित मंचों व एप्स की मौजूदगी नहीं होती जिन्होंने होम डिलीवरी की सुविधाएं हमें दीं।

कोविड से पहले की दुनिया में भी, हमने लोगों को तकनीक द्वारा लाई गयी जबरदस्त तब्दीलियों के कारण, अपनी जीवनशैलियां, और यहां तक कि खरीद की आदतें तक बदलते देखा है। अनेक लोगों ने एक फोन कॉल पर वाहन सुविधा प्रदान करने वाले एप्स के काराण कारें न खरीदना पंसद किया। हमारे स्वास्थ्य से लेकर हमारे घर और कार्यालय तक हर चीज तकनीक से सुसज्जित हो गयी है। हमारे वरिष्ठ नागरिकों के लिए तकनीक वरदान बनकर आई है, जो घर में रहने में उनकी मदद कर रही है और अनेक कार्य संभालने में उन्हें सक्षम बना रही है। लेकिन क्या इस वर्ग के लिए तकनीक को अपनाना सहज हुआ है? हम सभी अनेक बुजुर्गों को जानते हैं जो संदेश तक नहीं भेज सकते मोबाइल एप्स का उपयोग करने की बात छोड़ दें। असलियत में, अनेक बुजुर्ग लोग कहते हैं कि उन्हें अभी भी उपकरणों तथा तकनीक आधारित मंचों का इस्तेमाल करने संबंधी आत्मविश्वास महसूस नहीं होता है।

जैसा कि हाल में प्रकाशित हुआ था, अध्ययन के प्रमुख लेखक के अनुसार, युनिवर्सिटी आफ कैलीफोर्निया सेन डियागो (यूसीएसडी) में डिजाइन लैब के शेंग्जी वांग, शोधकर्ता ने पाया कि कई बार नयी तकनीक से संबंधित अवसाद ने बुजुर्गों को इसके उपयोग की उनकी योग्यता को संदिग्ध बना दिया, उन्हें आजमाने तक के प्रति निष्क्रीय बना दिया। इसलिए, ये कौन सी बाधाएं हैं जो अवसाद का कारण बन रही हैं?

● **निरंतर अद्यतन और बदलाव की बाधा :** सबसे बड़ी बाधाओं में से एक, जिसने बुजुर्गों को परेशान किया है, वो थी मोबाइल फोनों से बटनों का हटाया जाना। उन्होंने ''बटन वाले मोबाइलों'' को अच्छी तरह अपना लिया था, लेकिन तकनीकी उन्नतियों तथा नए '' टच मोबाइलों'' के आने से, वे असहज महसूस करने लगे। स्मार्टफोन बिलकुल नयी चुनौती बन गया जिस पर पार पाने में अनेक लोग अभी भी जूझते हैं।

● **अनेक पासवर्ड को याद रखने की समस्या :** यद्यपि यह समस्या सभी आयु समूहों की आम समस्या है लेकिन प्रत्येक अलग एप और खाते के लिए पासवर्ड रखने का बोझ वरिष्ठ नागरिकों को सर्वाधिक प्रभावित करता है। आजकल, लागइन प्रक्रिया के बिना किसी भी आनलाइन या एप आधारित सेवा को प्राप्त करना असंभव है। हालांकि गूगल सिंगल लागइन अकाऊंट के जरिए अनेक आनलाइन पोर्टल तक पहुंचने की अनुमति देता है, लेकिन अभी भी ऐसी अनेक समस्याएं हैं जिनमें अलग खाता बनाने की जरूरत होगी। अनेक मामलों में अधिकांश मोबाइल एप्स की तकनीक जटिल और बोझिल है, जबकि इसे समावेशी व मार्गदर्शन करने वाली बनाया जाना चाहिए। इसके अलावा, बुजुर्ग आम तौर पर अपने सभी आनलाइन खातों के लिए एक पासवर्ड रखना पसंद करते हैं ताकि वे उसे हमेशा याद रख सकें। हालांकि, अब यह प्रस्तावित गतिविधि नहीं रह गयी क्योंकि यह साइबर अपराधों व हैकरों को आकर्षित करती है। इसे स्वयं मोबाइल एप्स को लागइन के लिए अधिक सरल तरीके अपनाने के लिए उत्साहित करना चाहिए।

● **गलती करने के भय की समस्या :** मोबाइल एप को चलाने के प्रति भय इंगित करता है कि आप बूढ़े हो रहे हैं ! भयभीत होने का मुख्य कारण है गलतियां करना। पूर्व में भी, इसी भय के कारण पहले की पीढ़ी वीसीआर रिमोट चलाने से पहले काफी सोच विचार किया करती थी। हालांकि टच और वायस कमांड्स बुजुर्गों के लिए अद्भुत काम कर सकते हैं, मगर हमें उनमें इन तकनीकी उपकरणों के साथ प्रयोग करने के लिए पर्याप्त आत्मविश्वास निर्मित करना होगा! मसलन जब हम स्मार्ट टेलीविजन खरीदते हैं तो कंपनी का कोई व्यक्ति आता है और हमें उसे चलाने का डेमो देता है, तो तकनीक कंपनियों को उसी स्तर पर जाना चाहिए और अपने मोबाइल एप्स की सेवाओं के बारे में घर घर डेमो देना चाहिए। जैसे ही धन हानि का खतरा दूर हो जाता है, तो शेष सारी चिंताएं उन्हें प्रयोग करने का आत्मविश्वास देकर दूर की जा सकती हैं। गलतियां करना तभी तक ठीक होत है जब गलतियों करने का कोई खाामियाजा भुगतना नहीं पड़ता है।

> आईटी उद्योग को, प्रौद्योगिकी को अधिक समावेशी बनाने के लिए नई प्रथाओं को फिर से परिभाषित करने और विकसित करने की आवश्यकता है। उम्र बढ़ने की आबादी के लिए शुरू करने के लिए, परिवहन, स्वास्थ्य देखभाल और काम जैसी महत्वपूर्ण रोजमर्रा की गतिविधियों के प्रदर्शन का समर्थन करने के लिए इस डिजाइन पर बहुत ध्यान देना होगा।

● **बहुत सारे विकल्पों की समस्या :** हम एक ऐसे दौर में रहते हैं जहां हमारे पास अनगिनत किस्म के उत्पाद हैं। हालांकि यह हमारे लिए लाभदायक है मगर इसने खरीद प्रक्रिया को और भी ज्यादा भ्रामक बना दिया है, खासतौर पर बुजुर्गों के लिए। वे चुन नहीं पाते कि उत्पाद विकल्पों के भंडार में कौन सा उत्पाद उनके लिए उत्तम है। एक ईमानदार व सरल ग्रेडिंग प्रणाली होनी चाहिए जो यह समझने में बुजुर्गों की सहायता करती हो कि क्या उपलब्ध है और गुणवत्ता व सेवा में यह किस दर्जा का है।

● **विजुअल कमजोरियों की समस्या :** विजुअल क्रियाएं लोगों की उम्र के अनुसार घटती हैं। विजुअल क्रियात्मकता में बदलाव या 55 वर्ष या उससे अधिक की आयु में चीजों को विस्तार से देखने की योग्यता सुस्त पड़ती है। रंग दृष्टि और विपरीत संवेदनशीलता में आयु संबंधी बदलाव बुजुर्ग लोगों के लिए अधिक समस्या पैदा करते हैं खासतौर पर स्मार्टफोन व अन्य उपकरणों में छोटे फोंट तथा विभिन्न आइकनों को पढ़ते समय।

तकनीक से बुजुर्गों की मदद करना आसान होता है

आईटी इंडस्ट्री को तकनीक को अधिक समावेशी बनाने के लिए नये अभ्यासों को प्रोत्साहित करना व पुनर्परिभाषित करना चाहिए। शुरूआत में, बुजुर्ग आबादी के लिए ज्यादा ध्यान डिजाइन पर केन्द्रित होना चाहिए ताकि आवागमन, स्वास्थ्य देखभाल व काम जैसी महत्वपूर्ण रोजमर्रा गतिविधियों को करने में मदद मिले।

हमें ''बटन मोबाइलों'' से प्रेरणा लेने और ''टच बटन तकनीक'' गढ़ने की जरूरत है जो सरल और उपयोग में आसान हो। उदाहरण के लिए, हाल में शुरू किया गया एप, इंडिया असिस्ट, जिसने तकनीक का उपयोग करते वरिष्ठ नागरिकों के लिए बनाया गया है इसमें फोन एप के जरिए बुजुर्गों को चौबीसों घंटे सहायता मिल सके। बुजुर्गों के अनुकूल डिजाइन उपयोग करने के प्रोटोटाइप को इस एप में देखा जा सकता है। बड़े बटन, जिसमें स्पष्ट उल्लेख होता है कि वे किस प्रकार के उपयोग के लिए हैं, उचित विजुअल्स के साथ, अनेक समस्याएं दूर करता है जिनके बारे में हम ऊपर चर्चा कर चुके हैं।

हमें उनके जीवन में सृजित होने वाली वैल्यू तकनीक पर भी जोर देने की जरूरत है, मसलन एक स्वतंत्र व गरिमामय जीवन जीने में उनकी सहायता करना। हमें आसान व संशयमुक्त भाषा का उपयोग सुनिश्चित करना चाहिए। इंटरनेट ने हमारे शब्दकोष में नए शब्दों का सृजन किया है जो उस व्यक्ति के लिए महत्व नहीं रखते हैं जो बिरले ही कंप्यूटर का इस्तेमाल करता है।

उसके अलावा यह कि हमें तकनीक के सामाजिक उपयोग का लाभ समझने और उठाने में बुजुर्गों की सहायता करनी चाहिए, मसलन वीडियो कॉल्स के जरिए अपने परिवार व मित्रों से जुड़ना, सोशल मीडिया मंचों पर अपना खुद का समुदाय व मंच बनाना, जुड़े रहने और जानकारी का आदान प्रदान करने के लिए व्हाट्सएप समूहों का इस्तेमाल करना... तकनीक को उन्हें यह आत्मविश्वास देना चाहिए कि वे अकेले नहीं हैं। जब भी उन्हें सहयोग की आवश्यकता होगी, बटन के स्पर्श की दूरी पर सहायता उन्हें प्रदान कर दी जाएगी। न केवल यह, तकनीक को उन्हें अपना चिकित्सा रिकार्ड प्रबंधित करने में सहायता करनी चाहिए। अनेक वरिष्ठ नागरिकों को अपने चिकित्सा प्रकिया पर निगरानी बनाए रखना चुनौतीपूर्ण लगता है। इससे उनमें अपने स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर नजर रखने की समझ विकसित होनी चाहिए।

वरिष्ठजनों के लिए तकनीक के फायदे

अगर तकनीक बुजुर्ग आबादी को सम्मिलित कर लेती है तो यह जीवन की उनकी गुणवत्ता को जबरदस्त ढंग से बेहतर बनाती है। इसलिए, अगर यह पहले आपके जीवन में इसे प्रस्तुति पर बाध्यता महसूस करें, तो बाद में, इसे सीखने का प्रयास पूर्णतया उपयोगी है कि इसे कैसे इस्तेमाल करें।

● **वित्तीय प्रबंधन :** बैंकिंग और निवेश हर एक के जीवन में अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। बैंक जाने की परेशानी, लाइनों में खड़े होना और भीड़ वाली जगहों में अपना काम कराना अच्छे खासे लोगों के लिए बहुत परेशान करने वाला है। वरिष्ठ जनों के लिए, यह असलियत में एक भारी बोझ में रूपांतरित हो सकती है। तकनीक और नेटबैंकिंग का उपयोग करने इससे पूरी तरह सरल होता है और यह उन्हें अपने घरों में रहकर अपने वित्तीय प्रबंधन में सक्षम बनाती है। अधिकांश बैंक आज फोन एप्स प्रस्तावित करते हैं। और इसे बुजुर्गों के लिए अपनी बैंक स्थिति जानना, पैसा किसी को भेजना या धन हासिल करना बहुत सुविधाजनक ढंग से संभव होता है।

● **सामाजिक अंतर्क्रिया:** वीडियो काल्स अपने प्रियजनों से संपर्क करने का बहुत अच्छा तरीका हैं। इसी तरह ईमेल्स, व्हाट्सएप ग्रुप्स और फेसबुक जैसे सोशल मीडिया मंच हैं। एकल परिवारों के बढ़ते जाने से, अनेक लोग अकेले रह रहे हैं और जैसे ही वे कामकाजी जीवन से रिटायर होते हैं और उनका सामाजिक जीवन स्वास्थ्य समस्याओं, या आजीविका समस्याओं की लागत के कारण घट जाता है, तो वे खुद को अकेला व अलग थलग पाते हैं। दूसरों के साथ संवाद की उपलब्धता ऐसी है जो टेबलेट्स और स्मार्टफोन के जरिए आसानी से उपलब्ध है। यह अवसाद या अकेलेपन की भावनाओं से लड़ने में बुजुर्गों की सहायता करती है, जो कि एकांत जीवन की आम समस्याएं हैं।

● **मनोरंजन:** यह एक बड़ा लाभ है। जैसे ही बुजुर्ग एप्स की सदस्यता लेना और उसे संचालित करना सीख लेते हैं तो उनके पास चौबीसो घंटे प्रसारित होने वाले अपने पसंदीदा शोज, फिल्में व संगीत होते हैं। बूढ़े होने पर, सिनेमा हालों तक पहुंचना कठिन हो जाने से, उनके पास अपने पसंदीदा फिल्मों से वंचित होने का कोई कारण नहीं होता। असलियत में, ज्ञान और जानकारी की एक समूची दुनिया भी डाक्यूमेंट्रीज और गैरउपन्यासिक शोज के साथ खुल जाती है। जैसे जैसे आप बूढ़े होते जाते हैं आपके लिए पढ़ना कठिन हो जाता है और डाउनलोड किये गये विजुअल मीडिया और ऑडियो बुक्स आसानी से उनकी जगह ले सकते हैं।

● **सहयोग व सहायता:** यह तकनीक का एक व्यापक एवं बेहद प्रासंगिक लाभ है। जब माता पिता और हमारे बुजुर्ग अकेले रहते हैं, तो बच्चों को हमेशा उनके सहायक ढांचे की चिंता होती है। अब, दवाइयां खरीदना और डाक्टर से सलाह लेना आनलाइन किया जा सकता है। व्यक्ति को दैनिक आवश्यकताओं के लिए बाहर निकलने की आवश्यकता नहीं होती। सब्जियां, व अन्य सुविधाएं घर पर पहुचाई जा सकती हैं। सफाई सेवाएं, इलेक्ट्रिशियन, प्लंबर, पेरा मेडिकल सहायक सभी बटल के एक क्लिक पर उपलब्ध हैं। इसी तरह कैब और यात्रा संबंधी सहयोग हैं। गौरतलब ज्यादा महत्वपूर्ण बात यह है कि ये सेवाएं प्रमाणित होती हैं और सेवाप्रदाता भरोसेमंद और सुरक्षित हैं। जैसे ही बुजुर्ग लोग तकनीक के प्रति अपना विरोध पर काबू पाना और इसका उपयोग करना सीख जाते हैं, उन्हें तकनीक के जरिए मिलने वाली सामाजिक संतुष्टि और जिंदगी की आसानी से प्यार हो जाएगा।

बुढ़ापे को सहयोग देने की जिम्मेदारी सामूहिक होती है। मोबाइल कंपनियों को सुनिश्चित करना चाहिए कि वे सस्ती कीमतों पर बड़ी स्क्रीन वाले मोबाइल फोन प्रदान करें। इंटरनेट कंपनियों को सुनिश्चित करना चाहिए कि वे वरिष्ठ नागरिकों को लक्षित करके विशेष अभियान चलाएं और उचित लागत पर वाईफाई सुविधा उपलब्ध कराके उन्हें मुख्यधारा में लाने का प्रयास करें। मोबाइल एप्स बनाने वाली कपंनियों को सुनिश्चित करना चाहिए कि वे उपयोग में आसान तकनीक का सृजन करें और ग्राहकों के दरवाजे पर अपने उत्पाद का डेमो प्रदर्शित करें।

सरकारों को कंपनियों को प्रोत्साहन देना चाहिए जो अपनी तकनीक को बुजुर्गों के लिए समावेशी बनाती हैं। जब सभी जवाबदेह अपनी अपनी भूमिकाएं बेहतर निभाने लगेंगे तो, हम देखेंगे कि बुजुर्गवार सहज हो रहे हैं और असलियत में अपने जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए तकनीक पर निर्भर हो रहे हैं ।

भारत में परिवारों के एकल इकाइयों में बदलने की बढ़ती रफ्तार, तथा पेशेवर लक्ष्यों की पूर्ति की खातिर बच्चों के अपने माता पिता से दूर रहने के कारण यह न केवल एक आवश्यकता है बल्कि एक अनिवार्यता है कि हम अपने बुजुर्गों के तकनीक अनुकूल बनाएं जो उसके लिए सुरक्षा जाल बनेगी।

और, यह सिर्फ सामाजिक भलाई करना मात्र नहीं है! यह देखते हुए कि बुजुर्ग आबादी दुनिया की आबादी का एक बड़ा हिस्सा बनती है, बुजुर्ग आबादी के लिए बौद्धिक रूप से सक्षम और विशिष्टता प्राप्त तकनीक संचालित उत्पाद नये व्यवसायों, यहां तक भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए भी बुरी चीज नहीं होंगे!

– लेखक इंडिया असिस्ट नामक स्टार्टअप के संस्थापक हैं जिसने वरिष्ठ नागरिकों की सहायता के लिए मोबाइल एप बनाया है।

पायनियर
एजेण्डा
रविवार, 20 सितंबर, 2020

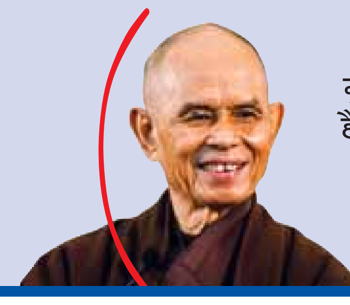

कभी-कभी आनंद आपकी मुस्कान का स्रोत बन सकता है, लेकिन कभी कभी आपकी मुस्कान आपके आनंद का स्रोत बन सकती है
- थिच न्हात हान्ह

जीवन चक्र
भारत भूषण पद्मदेव

सफलता के लिए खुद को जानें

जीवन विरोधाभासी है। यह अंतर्विरोधों से भरा है। मौजूदा जगत अपनी समस्त विकरालता व विविधता के साथ, जहां हर कोई अनोखा जन्मा है, हर कोई अपनी अलग अलग इच्छा व मानसिक प्रवृत्तियों को प्रदर्शित करते हुए, हितों के टकराव को स्वाभाविक खुराक देने वाली जमीन बनता है। ऐसी परस्पर उलझी दुनिया में, जहां जीवन में स्थायी उत्तम स्थिति रहने की कोई संभावना नहीं होती है- हम हमेशा जीवन में अप्रत्याशित उतार-चढ़ावों से होकर गुजरने की संभावनाओं में चलते हैं। फिर भी, हमसे जीवन में आसानी व सुविधा के साथ सफलता के तरीके व संसाधन निकालने की अपेक्षा की जाती है। लेकिन एक जटिल दुनिया में, क्या यह संभव है और अगर है तो कैसे ?

वैसे तर्क का उपयोग करने से, यह काफी हद तक संभव है और यह हम सभी के सामने चुनौती है। यह तारीफकी जानी चाहिए कि सृष्टि में अन्य प्रजातियों के विपरीत, जो कि अपने तयशुदा स्वभाव से बंधी होती हैं, इंसान अपनी पसंद के अनुसार अपने कार्यों को निर्देशित करने की विशिष्ट सुविधा से संपन्न है। लेकिन जहां भी चुनाव का विकल्प होता है, वहां इसके उपयोग व दुरूपयोग और फिर उसके खामियाजों की संभावना बराबर होती है। इस कमजोरी पर काबू पाने के लिए, इंसान एक और विशिष्ट नेमत 'बुद्धि' से भी लैस होता है- यानी विशिष्ट बौद्धिक क्षमता। जो आपको सशक्त बनाती है कि आप तटस्थतापूर्वक चीजों का परिप्रेक्ष्य में आंकलन कर पाएं और सबसे उपयुक्त रास्ता चुन सकें। यह आपको ' आप क्या चाहते हैं ' और ' क्या सही है ' के बीच तुलना का अवसर देती है और उसके अनुसार सही चुनाव करने में सहायता करती है। यह संभावित चुनौतियों को उचित आवश्यक परिप्रेक्ष्य में पूर्वानुमान करने तथा बुद्धिमानी के साथ उनका मुकाबला करने में भी आपकी सहायता करती है।

हालांकि बुद्धि स्वेच्छा से भूमिका नहीं निभाती है। इसे प्रत्येक अवसर सजगतापूर्वक जागृत करना पड़ता है, जो लक्ष्य के प्रति अनिवार्य सतर्कता की मांग करता है। हालांकि सत्य यह है कि हम बिरले ही इस सशक्तीकरण उपकरण को हर समय सक्रिय अवस्था में बनाए रखने के प्रति सजग नहीं रहते हैं। आम तौर पर हम अपनी अनुवांशिक इच्छा व मानसिक प्रवृत्तियों से संचालित जीवन की गति में बहते रहते हैं। हमारा अहंकार भी इस प्रक्रिया में अपनी शैतानी भूमिका निभाता है, क्योंकि यह खुद को उन प्रवृत्तियों से पहचानता है और उन्हें ऐसे स्वीकारता है मानो वही जीवन की अंतिम सच्चाई हों। यह अपने समझदारी के लिए बुद्धि को जगाने का अवसर नहीं देता- कि उक्त इच्छा उचित है या नहीं है, हम उन्हें उनकी तार्किक परिणति तक पहुंचाने के योग्य हैं या नहीं, परिवेशगत स्थितियां अनुकुल हैं या नहीं- नतीजा यह कि फिर खामियाजे भुगतने पड़ते हैं। जब हम विफल होते हैं, तो हम या तो बाहरी कारकों पर दोष मढ़ते हैं या भाग्य की

शरण ले लेते हैं, बजाय इसके कि अपनी खुद की गलतियों का पता लगाने के लिए आत्ममंथन करें।

एक दिन एक सज्जन ने आकर पूछा: '' महोदय, मैं अच्छे विचारों को चुनता हूं। उनका पालन करता हूं, उससे मुझे बहुत लाभ होता है। और फिर अपना अगला कदम उठाता हूं, जो प्रत्यक्षतया उचित नजर आता है, मैं सब कुछ खो देता हूं। नतीजा कुल मिलाकर शून्य होता है। आखिर मेरे भाग्य में क्या लिखा है जो मुझे अपनी राह पर आगे नहीं बढ़ने देता? कृपया मन की इस कमजोरी पर काबू पाने के लिए कोई पूजा बताएं। ''

पूजा की ओर देखने के बजाय, आपको पहले समझने की जरूरत है कि इंसान का भाग्य कैसे बना होता है। ध्यान रखें, हमारा जीवन कार्य कारण श्रंखला से संचालित है। अतीत में जो हमने चुनाव किया होता है, भविष्य में उसका असर दिखाई देता है। पूर्व में हमने जो किया होता है उसकी छवियां बीज संभावना के रूप में हमारे मन में दर्ज होती है, जो अनुकूल वातावरण मिलने पर भविष्य में सक्रिय हो जाएंगी। उसी के अनुसार, सर्वोत्तम पूजा यह होगगी कि आप पहले खुद को जानें- अपनी अंतर्निहित बीज संभावना का पता लगाएं। फिर आप, बुद्धि के उचित मार्गदर्शन द्वारा चयन विकल्प का पुन: उपयोग करते हुए, ताजा जानकारियों के जरिए अपनी चिंतन प्रक्रिया में आवश्यक सुधार लाएं। तभी आप अपनी खुद की कमजोरियों से ऊपर उठ पाएंगे। पंडितों द्वारा की गयी कोई भी पूजा आवश्यक सुधार के लिए आपके मानसिक दायरे में प्रवेश नहीं कर सकती।

अब अपनी अनुवांशिक इच्छा व मानसिक प्रवृत्तियों की ओर देखें। यूरेनस लग्न में है जो अपने स्वामी सूर्य के त्रिगुट में है जो आपकी उच्च मेधा का संकेत करता है। पांचवें घर में सूर्य पूर्वानुमान प्रवृत्तियों से चिन्हित है, जो जोखिम लेने का भाव लाता है। लेकिन अंततोगत्वा, चन्द्रमा आपके विचारों को कार्य में बदलता है। चन्द्रमा मिथनु राशि में काबिज है, ढुलमुलपन से चिन्हित राशि, जो पांचवें घर में मंगल के नक्षत्र में अवस्थित है, जो आपकी जुआ खेलने वाली प्रवृत्तियों को मजबूती देता है। जैसा कि किसी भी जोखिमपूर्ण काम में होता है, सफलता और विफलता की संभावना बराबर होती है। इस कमजोरी पर तार्किक समझ के जरिए काबू पाया जा सकता है, इससे आपको सोच समझ कर कदम उठाने का अवसर मिलेगा और ब्लाइंड खेल खेलने से बचाएगा जो कि आप अक्सर करते हैं।

हालांकि समस्या यह है कि बुद्धि संकेतक बुध का अपने घोर शत्रु मंगल के साथ शीशविहीन केतु के साथ गठजोड़ है जो आपको बेचैन बनाता है, आपको उचित समझदारी अपनाने का अवसर नहीं देता। नतीजा यह होता है कि आप तेजी से सहजबोध के आधार पर अपना काम करने की ओर उन्मत्त होते हैं और कष्ट का सामना करते हैं। आज नतीजा इसी का आपके सामने है।

भौतिक एवं आध्यात्मिक कार्य

अजित कुमार बिश्नोई का कहना है हालांकि भौतिक कार्य शायद पुरस्कृत हों या न हों मगर आध्यात्मिक कार्य ईश्वर के विशिष्ट न्यायाधिकार के अंतर्गत आते हैं

हम हमेशा अपने तन, मन व वाचन से अपने काम करते आ रहे हैं। इस विशिष्टता में, मन और वाचन का अलग से उल्लेख किया जाता है, क्योंकि उनके कार्यों को रेखांकित करने की जरूरत होती हैं। मन हमेशा सभी प्रकार के कार्यों के बारे में सोचने में व्यस्त रहता है। कहा जाता है कि हर दिन औसतन 50हजार विचार उत्पन्न होते हैं। नींद के दौरान भी जब दिमाग सक्रिय रहता है, मन भी सक्रिय होगा। वाचन सभी इन्द्रियों से अलग रहा है क्योंकि यह हमारे जीवन में बड़ा अंतर डालता है। मान लीजिए हम किसी से गुस्से में बात करते हैं हम अपने आप एक नकारात्मक प्रतिक्रिया को उकसाते हैं। इसके विपरीत, यदि हम किसी की प्रशंसा करते हैं तो हम स्वयं को उस व्यक्ति का प्रिय बना लेते हैं।

दो प्रकार के काम होते हैं- भौतिक एवं आध्यात्मिक। भौतिक काम मूलत: भौतिक वस्तुओं से संबंधित होते हैं मसलन कोई प्रत्यक्ष कार्य करने के लिए हाथों का इस्तेमाल करना या किसी जगह जाने के लिए पैदल चलना। आध्यात्मिक कार्य भावना से संबंधित होते हैं, जो या तो आत्मा है या ईश्वर। ईश्वर से प्रार्थना करना एक उदाहरण है, और दूसरों को समान आत्माओं के रूप में समझना, भले ही उनकी काया अन्य है। (गीता 13.27)

भौतिक कार्यों से शुरूआत करें तो, सभी कार्य प्रतिफलन के लिए या तो शरीर द्वारा या मन या वाचन द्वारा किए जाते हैं। अधिकांशतया, समय लगता है लेकिन कुछ काम तत्काल परिणाम देते हैं। कुछ काम भावी जीवनों में प्रतिफलित होते हैं। यही है जो अलग अलग लोगों के राशिफल में नजर आता है। फिर, कुछ काम छोटा पुरस्कार लेकर आते हैं मसलन एक मजदूर दिन समाप्त होने में मामूली दिहाड़ी पाने के लिए दिन भर काम करता है, जबकि एक वैज्ञानिक एक महत्वपूर्ण खोज कर सकता है और लाखों कमा सकता है। व्यक्ति जो पाता है उसे देवताओं द्वारा देखा जाता है। ईश्वर ने नियम बनाए हैं, जिस दिव्य शक्तियां लागू करती हैं। उनके स्वतंत्र न्यायाधिकार नहीं होते हैं। हालांकि, हमारे लिए यह जानना कठिन है कि सटीक रूप से हमारे लिए क्या सुनिश्चित है। समय और प्रारूप दोनों आम तौर पर रहस्य में घिरे होते हैं। भौतिक कार्यो का कोई स्थायीत्व नहीं होता है, हम उन्हें करते हैं और हमें उनका पुरस्कार या दंड प्राप्त होता है।

आध्यात्मिक कार्यों पर, भगवान कृष्ण ने उनके बारे में गीता में विस्तार से बताया है। उदाहरण के लिए, श्लोक 2.40 में उन्होंने कहा है कि इसमें न तो प्रयास की बर्बादी है न ही इसका विपरीत प्रभाव पड़ता है। ऐसे कार्य केवल लाभकारी होते हैं। उन्होंने कहा है कि एक छोटा आध्यात्मिक काम भी व्यक्ति को भयानक डर से बचाता है। ऐसे काम कभी भी भौतिक कार्य की तरह बेकार नहीं जाते हैं। वे हमारे सदकर्म में वृद्धि करते रहते हैं। यदि ये काम ईश्वर से संबंधित होते हैं तो ईश्वर स्वयं कर्ता को पुरस्कृत करने के लिए संलिप्त हो जाता है। निश्चित रूप से आध्यात्मिक काम बहुत भिन्न प्रकार के होते हैं और वे सभी ईश्वर को प्रसन्न करते हैं।

ईश्वर ने गीता (12.13-19) के 12वें अध्याय में अनेक ऐसे कामों का उल्लेख किया है। भगवान कृष्ण खासतौर पर उन आस्थावान का उल्लेख करते हैं जिन्होंने उसे अपनी शरण माना है जो उसके द्वारा बताए गए ज्ञान का पालन करते हैं। (12.20) एक और स्थान पर, भगवान उन लोगों को उल्लेख करते हैं जो उसके परम पवित्र ज्ञान को उसके भक्तों के बीच प्रवचन देते हैं। वह कहते हैं कि उनके अलावा कोई भी अन्य उन्हें ज्यादा प्रसन्न नहीं करता है। (18.68-69)

ईश्वर अनेक प्रकार से आध्यात्मिक काम करने वालों को नवाजता है। उन्हें अपना इच्छित प्राप्त होता है। संजय ऐसे कुछ पुरस्कारों का उल्लेख करते हैं, वे समृद्धि, विजय व संपदा पाते हैं। (18.78)

भगवान दो प्रकार की भक्ति का उल्लेख करते हैं। एक भौतिक प्राप्तियों के लिए है मसलन अर्थार्थि (संपत्ति चाहना) या अर्तह (बेचैन व्यक्ति)। यह 'सकमा' भक्ति है। दूसरी किस्म की भक्ति है निष्काम जिसमें ध्यान मुक्ति पाने पर होता है। बाद वाली भक्ति निश्चित रूप से उच्च है क्योंकि जीवन-मरण के चक्र से मुक्ति पाना नगण्य जीव के लिए परम उपलब्धि है।

हालांकि भौतिक कार्य शायद पुरस्कृत हों या न हों मगर आध्यात्मिक कार्य ईश्वर के विशिष्ट न्यायाधिकार के अंतर्गत आते हैं। वह हमेशा सभी आध्यात्मिक कामों पर ध्यान देता है। व्यक्ति को याद रखना चाहिए कि ईश्वर कभी भी ऋणी नहीं होता है। उसे ऐसा होने की आवश्यकता नहीं है। वह किसी को नवाजता है जो उसे किसी न किसी ढंग से प्रसन्न करता है। ईश्वर अविश्वसनीय स्तर पर उदार होता है।

प्रशिक्षक के बिना जीवन

अशरफ करायथ का कहना है कि यह सिर्फ कड़ी मेहनत नहीं है जो व्यक्ति की सफलता का निर्धारण करती है, बल्कि यह वो प्रेरित कार्रवाई है जो भीतर से उपजती है

अमरीकी -जर्मन कवि, चार्ल्स बुकोव्स्की की सरल हालांकि विस्मयकारी समाधि पत्थर की दर्ज है: '' कोशिश मत करना ''। अनेक लोगों के लिए यहह शायद कमतर आंकना लग सकता है, लेकिन एक आम दर्शक का ये दो शब्द उनसे सिर्फ स्वाभाविक बनने के लिए कहते हैं। किसी ऐसी चीज से, जिससे आपकी निगाहें नहीं उठती हैं, लाभ हासिल करने हेतु पसीना बहाने के बजाय, बुकोव्स्की उनसे धैर्यपूर्वक इंतजार करने के लिए कहते हैं क्योंकि कुछ आंतरिक, सतह पर आएगा। सहजबोध और आंतरिक प्रतिभा है जिसकी गहराई में उतरने के लिए बुकोव्स्की कहते हैं।

जीवन प्रशिक्षण, जैसा यह लगता है वैसा सुव्यवस्थित करना, बिरले ही यह व्यक्ति के गहन पेचिदा दायरों के साथ मेल खाता है। जीवन प्रशिक्षकों को उनके जीवन के विभिन्न दायरों के लोगों से सलाह लेने के लिए कहा जाता है। एक छात्र। एक महत्वाकांक्षी उद्यमी। एक एक्जीक्यूटिव हाल ही में कंपनी के सबसे बड़े पद पर पदोन्नत हुए। हर कोई अपने दम पर। आवश्यकताएं हालात के अनुसार अलग अलग हो सकते हैं। लेकिन, जैसा कि इतिहास प्रमाण है, इस बात से परे कि कितने सारे सबक व्यक्ति, अपनी स्थिति के बरक्स किसी अन्य के साथ उसी ढंग से प्रतिक्रया हेतु , अपनी डायरी में नोट करता है, यदि लागू करने की बात आती है, तो कुछ नहीं बल्कि उनका सहजबोध उनके कार्यों का मार्गदर्शन करने में प्रेरक होता है।

जैसा कि स्वर्गीय अमरीकी व्यवसाय धुरंधर, स्टीव जॉब्स ने कहा था: '' आपका समय सीमित है, इसलिए इस किसी अन्य में जीवन में रहते हुए नष्ट न करें। किसी ऐसी रूढ़ि के चक्कर में न आएं जो दूसरे लोगों की सोच के नतीजों के साथ रह रही है। दूसरों के विचारों के शोर में अपने अंतर्मन की आवाज को डूबने न दें। और सबसे महत्वपूर्ण, अपने दिल व सहजबोध को सुनने का साहस रखें। वे किसी रूप में पहले से जानते हैं जो आप सचमुच बनना चाहते हैं। इसके अलावा हर चीज दोयम है। ''

यहां जॉब्स उस पुकार का उल्लेख करते हैं जो हमारे भीतर होती है। व्यक्ति अपने प्रभावी अंतर्मन से जुड़ सकता है और तभी नए क्षेत्र उद्घाटित कर सकता है जब वह स्वयं अपने भीतर जाता है।

मूल्यवान शिक्षाओं व मार्गदर्शन का शिखर पाने के लिए प्राचीन धर्मग्रंथों व किताबों में ज्ञान के असीम मोती हैं, लेकिन मूल रूप में, इस चुनौतीपूर्ण दौर में, यह पूर्णतया उन तरीकों पर विचार करना है ताकि उसमें अपनी रोज ब रोज स्थिति से निपट सकें और जो हम कर रहे हैं, उसमें अधिक अर्थ प्राप्त कर सकें। कार्पोरेट मुखिया, अच्छे कलाकार, वैज्ञानिक और बीते दौर के व्यवसायी, प्रबल आत्मविश्वास से संचालित दूरदर्शी थे। हालांकि, यह आत्मविश्वास किसी ऐसी चीज द्वारा उतनी ही सरलता से उपजा था जितनी कि इसे पाने की सहज भावना, माना यही उनकी ज्वलंत इच्छा हो। दुनियावी कैनवस को रंगने के लिए जीने के उनके विचारों को लाकर।

यह न केवल कड़ी मेहनत है जो व्यक्ति की सफलता निर्धारित करती है, लेकिन यह एक प्रेरणादायी क्रिया है जो भीतर से आती है, खासतौर पर जब व्यक्ति अपनी आंतरिक क्षमता व दृष्टि को पहचान लेता है। यद्यपि अधिकांश प्रबंधन सिद्धांत त्वरित समाधान दृष्टिकोण से निपटते हैं, जबकि एक कार्पोरेट को जो चाहिए वे ज्ञान के वे सबक हैं जहां वे अपनी आंतरिक दृष्टि से सच्चे रूप में जुड़ सकें।

जिस प्रकार समूची दुनिया भय और अनिश्चितता का शिकार है, लोग अपनी उम्मीदें व आस्था खो रहे हैं, और बेचैनी, तनाव व भय से जूझ रहे हैं। ये नकारात्मक भावनाएं हमारे मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर डालती हैं जिनके कारण हमारी प्रतिरक्षण प्रणाली प्रभावित होती है। यह समय है जहां हम सभी को अपनी आंतरिक स्वास्थ्य, जो कि हममें अनुवांशिक व प्रबल है, की शक्ति से खुद को सक्षम बनाने की जरूरत है। आध्यात्मिकता और कुछ नहीं बल्कि उन आंतरिक क्षमताओं का साधना है। हम आम तौर पर केवल तभी अपनी आंतरिक दुनिया खोलने के लिए तैयार होते हैं जब बाहरी दुनिया का शोर थमता है। इसलिए अब, जब हम पूरी तरह अलग थलग हैं, बाह्य जगत का पूरी उथल पुथल स्वाभाविक तौर पर थम गयी है, और हमें पर्याप्त समय मिलता है कि हम अपने भीतर जा सकें और चिंतन कर सकें। हमारे मन निर्मित उलझनें धीरे धीरे शांत हो जाएंगी, और जब शून्य स्थिति होगी, तो एक नयी दुनिया धीरे धीरे उभरेगी।

यह हमें वापस लेकर जाती हैं जहां हम सीखते हैं कि प्राचीन काल के प्रतिष्ठित लोगों के पास किस प्रकार पेशेवर व्यक्ति या जीवन प्रशिक्षक नहीं होते थे जो उनके करियर की हलचल भरे दौर के दौर आगे बढ़ सकें और सहायता मांग सकें, लेकिन यह भीतर की धड़कती आवाज है जिसने अप्रत्याशिच मुकाम हासिल करने हेतु उनके लिए राह निर्देशन किया था।

- लेखक जनक और अष्टवक्र: अ जर्नी बीयोंड के लेखक हैं।

इस सप्ताह आपका भविष्य

मधु कोटिया

मेष (मार्च 21-20 अप्रैल)

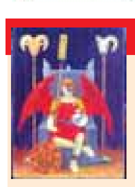

इस सप्ताह स्वास्थ्य मोर्चे पर कुछ चुनौतियों के आसार हैं। उसी समय ऐसी समस्याएं सामने आ सकती हैं जो आपको बेचैन बनाती हैं। अपच, गैस, बीपी और अवसाद की समस्याएं उभर सकती हैं। आपकी भावनाएं और संवेदनशीलता बुरी तरह प्रभावित हैं। आपको आराम करना चाहिए। करियर मोर्चे पर, आपके काम का ग्राफ इस सप्ताह एक नया मोड़ लेगा, क्योंकि आपकी क्षमताएं की उचित पहचान होगी। वित्तीय स्थिति भी सुधरेगी। आप कार्यस्थल पर सकारात्मक माहौल महसूस करेंगे। निजी संबंधों में, अपने संबंधों मं सजग रहने की सलाह है।

शुभ अंक: 10 **शुभ रंग:** सफेद **शुभ दिन:** सोमवार

वृष (अप्रैल 21-21 मई)

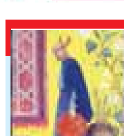

आपने उन चुनौतियों पर काबू पा लिया है जिनका आप सामना कर रहे थे और अब आप खुद को दुनिया की चोटी पर महसूस कर रहे हैं। घरेलू मोर्चे पर अच्छा काम करने की प्रशंसा उत्साहित करेगी। आप पर बुजुर्गों का आर्शीवाद है और यह आपके व्यक्तित्व में झलकता है। आपमें आंतरिक संतुष्टि है, कठिन स्थिति को आसान बनाने की सकारात्मक ऊर्जा देने वाली। करियर मोर्चे पर, अच्छा संदेश मिलने की संभावना है। आपमें से कुछ की पदोन्नति होगी और ऐसा महत्वपूर्ण कार्यभार मिल सकता है, जो आपके करियर को नयी बुलंदियां प्रदान करेगा।

शुभ अंक: 1 **शुभ रंग:** इंडिगो **शुभ दिन:** शुक्रवार

मिथुन (मई 22-21 जून)

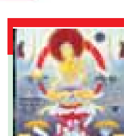

इस सप्ताह आपके भीतर सकारात्मक ऊर्जा प्रवाहमान है। आपको इस ऊर्जा का कुछ रचनात्मक लक्ष्यों में उपयोग करना चाहिए। यह आपके लिए अत्यंत रचनात्मक समय तथा आपके सपनों के लिए एक शुभ समय हो सकता है, इसका उपयोग करें और बच्चे की तरह अन्वेषी हों। पेशेवर मोर्चे पर, चीजें आपके अनुकूल होने की संभावना है। करियर स्तर पर यह यह उत्कृष्ट समय नजर आता है। पदोन्नति उन लोगों के लिए तय है जो निजी सेक्टर में काम करते हैं। एकाग्रचित्त रहें। अधिकारी का नजरिया आपके लिए अपना काम आसान बनाने में मददगार होगा।

शुभ अंक: 12 **शुभ रंग:** पीला **शुभ दिन:** बुधवार

कर्क (जून 22-22 जुलाई)

इस सप्ताह आप भ्रमित हैं और अपने जीवन में बदलाव लाने पर विचार कर रहे हैं। स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव है और जीवन की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। आपको अपने पिछले व्यवहार के नतीजे पाने के लिए परामर्श सूत्र व मार्गदर्शन की जरूरत है। सुधार में कभी देरी नहीं होती है। बेहतर कल के लिए आज बीज बोएं। कार्य मोर्चे पर, चुनौतियां होंगी। अपने आत्म विश्वास और इच्छाशक्ति से आपके स्थितियों पर काबू पाने में सफल होने व विजेता बनकर उभरने के आसार हैं। व्यक्तिगत संबंध में, यह सप्ताह आपके जीवन में प्रेम को केन्द्र में लाने वाला है।

शुभ अंक: 17 **शुभ रंग:** रजत **शुभ दिन:** शनिवार

सिंह (जुलाई 23-23 अगस्त)

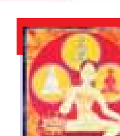

इस सप्ताह आप जीवन में पंच तत्वों में संतुलन लाएंगे और तन, मन और आत्म के बीच सामंजस्य होगा। जो लोग इस समय स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे हैं, उन्हें पौष्टाहार परामर्श, मालिश, खुराक संबंधी पाबंदियों आदि जैसे वैकल्पिक उपचारों से जबरदस्त लाभ हो सकता है। पेशेवर रूप में, आपको अपनी योग्यताएं निखारने की जरूरत है। किसी अनुभवी करियर सलाहकार से करियर-सलाह लेना अच्छा खयाल होगा। संक्षिप्त कोर्स, कार्यशालाएं, या व्याख्यान आदि आपके लक्ष्यों में आपकी सहायता करेंगे। काम बेहतर ढंग से चलना चाहिए।

शुभ अंक: 16 **शुभ रंग:** सफेद **शुभ दिन:** रविवार

कन्या (अगस्त 24-23 सितम्बर)

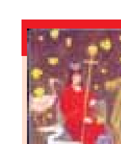

अच्छे स्वास्थ्य को लेकर आपकी कोशिशों का इस सप्ताह आपको बेहतर लाभ प्राप्त होगा। आप ऊर्जावान, रचनाशील व बहुआयामी महसूस करते हैं। जीवन में सार्थकता की भावना है, और आप उत्साहित हैं। योग, प्राणायाम और उपचारक अभ्यास जैसी गतिविधियां आपको तंदरूस्त व तरोताजा बने रहने में सहायता करती हैं। अपना आत्मविश्वास पुन: पाने और जीवन में चमक लाने में आध्यात्मिकता आपकी सहायता करेगी। करियर मोर्चे पर, अप्रत्याशित ढंग से, आप चीजों को काफी बेहतर ढंग से घटित होते पा सकते हैं। कोई शक्तिशाली व्यक्ति आपका साथ दे सकता है।

शुभ अंक: 20 **शुभ रंग:** सुनहरा **शुभ दिन:** रविवार

तुला (सितम्बर 24-23 अक्टूबर)

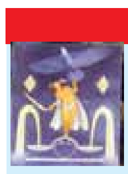

इस सप्ताह आप आत्मविश्वास से भरे और अपने स्वास्थ्य में उत्तम होंगे। आपके स्वास्थ्य प्रयास फलित होने की संभावनाएं हैं। स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने या उपचार के वैकल्पिक तरीको पर विचार करने में संकोच न करें। पेशेवर तौर पर आपका करियर ग्राफ वर्तमान समय में जिस ढंग से चल रहा है, आपको अवकाश व पेशेवर सलाह लेने की आवश्यकता है। बेहतर नतीजों के लिए अपने अधिकारियों से थोड़ी सलाह ले लें। अपने दायरे में नियंत्रण हासिल करने के लिए और अपने पेशे में माहिर होने के लिए, किसी का मार्गदर्शन आपके करियर में तेजी लेकर आएगा।

शुभ अंक: 11 **शुभ रंग:** आसमानी **शुभ दिन:** गुरूवार

वृश्चिक (अक्टूबर 24-22 नवम्बर)

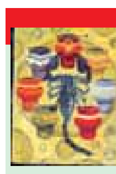

इस सप्ताह साथ ही साथ सामान्य तौर पर, आपको आगे बढ़ने के लिए पिछली चोटों से उबरने की जरूरत है। यह समय है कि आपको अपने भय क्षेत्रों का गहन विश्लेषण करने तथा चीजों पर काबू पाने की कोशिश में अपने भीतर झांकना चाहिए। अनासक्ति भी स्वतंत्रता है। शरीर में ऊर्जा केन्द्रों के बारे में जानें और ध्यान करें कि आप कैसे काम करते हैं। बदलावों के लिए तैयार रहें क्योंकि यह जीवन की एकमात्र सच्चाई है। इस सप्ताह पेशेवर रूप में, समय की आवश्यकता है कि अपने काम को अपना समय एक एकाग्रता प्रदान करें।

शुभ अंक: 13 **शुभ रंग:** सुनहरा **शुभ दिन:** मंगलवार

धनु (नवम्बर 23-23 दिसम्बर)

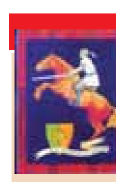

आपकी रचनात्मकता व आशावाद के लिए यह शानदार सप्ताह है और आप मानते हैं कि हर चीज आपके अनुकूल हो जाएगी। आप उदारवादी हैं और साझादारी भावना वाले हैं। आपने अपनी कमजोरियों को स्वीकारना और दूसरों को अपनाना सीखा है। यह आपको वो बनने की शक्ति प्रदान करता है जो आप बनना चाहते हैं। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, और आप इसका आनंद लेंगे। कार्य मोर्चे पर, फील गुड फैक्टर, आपके चेहरे पर मुस्कान लेकर आएगा। इस सप्ताह आप सहकर्मियों व अधिकारियों को समर्थन पाते हैं और आपको पदोन्नति मिलने की संभावना है।

शुभ अंक: 9 **शुभ रंग:** लाल **शुभ दिन:** मंगलवार

मकर (दिसम्बर 24-20 जनवरी)

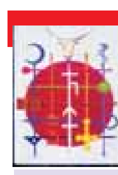

यह सप्ताह बैठकों, मेहमानवाजियों आदि जैसी अनंत गतिविधियों के साथ शुरू हो सकता है। इससे आपको अपने लिए बिलकुल भी समय नहीं मिलेगा। आप कड़ी मेहनत कर रहे हैं। संभावनाएं हैं कि आप स्वयं से दुखी या असंतुष्ट हो सकते हैं। वाहन चलाते समय एकाग्र रहें और किसी भी दुखद स्थिति से बचने के सभी सुरक्षात्मक उपाय अपनाएं। कार्य मोर्चे पर, चीजें जैसे जैसे आपके पक्ष में जा रही हैं आप उतना ही सहज महसूस करते जा रहे हैं। अच्छी चीजें छोटे पैकेज में आती हैं और ऐसा ही कुछ इस समय आपके साथ घटित हो रहा है।

शुभ अंक: 8 **शुभ रंग:** बादामी **शुभ दिन:** शुक्रवार

कुम्भ (जनवरी 21-19 फरवरी)

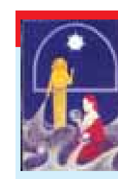

इस सप्ताह क्रोध व आक्रामकता से बचें। अपने शरीर पर ध्यान दें और तदनुसार उसका उपचार करें। परिवार में बुजुर्ग व्यक्ति से सलाह लें, वो आपकी मां या आंटी हो सकती हैं। उनके घरेलू उपचार से आपको अपनी मौजूदा स्वास्थ्य समस्याओं से राहत प्राप्त होगी। काम के स्तर पर, आप उत्साह से भरे हैं और आप जीवन में जो चाहते हैं उसे पाने के लिए अपना भरपूर प्रयास करें। कानूनी मामले में जो लोग अदालत में अंतिम फैसले की प्रतीक्षा कर रहे हैं, वे मुकदमा अपने पक्ष में मुड़ने से खुश होंगे। मीडिया, विपक्ष व विधि क्षेत्र में लोग अच्छा काम करेंगे।

शुभ अंक: 7 **शुभ रंग:** कत्थई **शुभ दिन:** गुरूवार

मीन (फरवरी 20-20 मार्च)

इस सप्ताह स्वास्थ्य अच्छा नजर आता है। आपमें से कुछ लोग धीरे धीरे अपना स्वास्थ्य सुधार सकते हैं और रचनात्मक की नयी लौ महसूस करेंगे। नया स्वास्थ्य नजरिया आजमाने का यह अच्छा समय है, खासतौरपर रोकथाम संबंधी नजरिया। व्यायाम, बेहतर खाना, और सुनिश्चित करना कि आप पर्याप्त नींद लेते हैं, ये सभी सामान्य नजरिए हैं जिन पर आप विचार कर सकते हैं। कार्य मोर्चे पर, स्थान परिवर्तन, नयी जगह, पोस्टिंग या ट्रांसफर होने की संभावना है। आप नयी उम्मीदों व महत्वाकांक्षाओं से भरे हैं क्योंकि यह आपकी बहुप्रतीक्षित मनचाही पोस्ट है।

शुभ अंक: 3 **शुभ रंग:** बादामी **शुभ दिन:** शनिवार

नकारात्मक सोच की तुलना में सकारात्मक सोच आपको हर काम बेहतर करने का अवसर देगी
- ज़िग ज़िग्लर

सेवा व ध्यान के सद्गुण

हिंगोरी का कहना है कि हालांकि वैज्ञानिकों ने आज दिमाग पर ध्यान और सेवा के असर को साबित करना शुरू कर दिया है, मगर अज्ञात अभी भी ज्ञात के मुकाबले कहीं अधिक हैं

मानव मस्तिष्क की जटिलता को समझना लंबे समय से मूल वैज्ञानिक जिज्ञासा बना हुआ है। हजारों साल पहले हमारे प्राचीन संतों ने जिस चीज की चर्चा की थी, वो धीरे धीरे सामने आ रही है। उदाहरण के लिए, जब जागृत लोग मौजूद होते हैं तो संवाद विचारों के आदान प्रदान या टेलीपैथी के जरिए होता है। आज उन्नत कंप्यूटरों को दो अगले स्थानों में लोगों के दिमागों तक पहुंच बनाना दिखाता है कि एक व्यक्ति जो कल्पना कर रहा है उसे दूसरा देख सकता है - हालांकि कुछ कुछ विकृत लेकिन यह विचार की पर्याप्त स्पष्ट छवि है।

सेवा

वर्षों से सेवा की भावना या दूसरों की सहायता करने के काम की अनगिनत धर्मग्रंथों व धर्मों में पैरवी की गयी है। सिखधर्म, इस्लाम, ईसाइयत व अन्य सभी धर्मों ने दूसरों की सेवा तथा जरूरतमंद व वंचित को दान देने की महत्ता की शिक्षा दी है। न सिर्फ सेवा करने बल्कि तरीकों, कारणों व यहां तक कि आंतरिक प्रगति, जिनसे कि, असलियत में सेवा का काम करते हुए, व्यक्ति गुजरता है, की जटिलता को कर्मसूत्र, किताब में रेखांकित किया है, चिंतन के लिए खासा भोजन प्रदान करता है। सामाजिक प्रशंसा पाने की मंशा के साथ दूसरों की सहायता करना इंसान का स्वभाव है। इसीलिए हम अनेक लोगों की खुले आम उनके परोपकारिक प्रयासों के लिए प्रशंसा होते देखते हैं। जैसे जैसे व्यक्ति आध्यात्मिक मार्ग पर आगे बढ़ता है, उसकी सेवा के पीछे की भावना वो सब जो उसने पाया है उसके प्रति कृतज्ञता व दायित्व की भावना से कहीं आगे पहुंचती नजर आती है। और अंत में, यह एक आदत बन जाती है जिसमें व्यक्ति कार्य के प्रति कर्ता भावना जिम्मेदारी तक नहीं लेता है। मैं मानता हूं कि दूसरों की सहायता करना असलियत में प्राप्तकर्ता की शुभ कामनाओं व कृतज्ञता द्वारा अर्जित सकारात्मक कार्मिक कर्तव्य के कारण एक स्वार्थी काम है। इसलिए स्वार्थी कार्य होने के बजाय, सेवा स्वार्थ बन जाती है,

हालांकि सकारात्मक रूप में- और प्रदाता भी यहां ग्रहणकर्ता बन जाता है। अंतिम लक्ष्य है स्वयं कार्य का कर्ता से खुद को अलग कर लेना।

लेकिन दिमाग में दरअसल क्या होता है जब व्यक्ति सड़क पर उतरता है और लोगों को भोजन खिलाता है या किसी बुजुर्ग महिला की सड़क पार करने में सहायता करता है? उत्तर सिर्फ अच्छा महसूस करने की तुलना में अधिक जटिल है। जो भावना हम सभी के भीतर वास करती है, उस क्षण एक सेल्फी ले लेती है, वे कौन हैं इसकी पूरी छवि को कैद कर लेती है, जो हर अच्छे काम के साथ बेहतर दिखने लग जाता है। लगभग सभी लोग अपनी सेल्फी द्वारा तुष्ट होने का उत्साह ग्रहण करते हैं जो कि असलियत में सिर्फ उनका आत्मउत्साह होता है (आम तौर पर आध्यात्मिक स्तर के मुकाबल भौतिक स्तर पर ज्यादा) सेवा का प्रत्येक काम स्व-उत्साह और संबंधित व्यक्ति की आत्मछवि उभारता है। आप इसे 'सेवा में मेवा' कह सकते हैं।

हम जितना अधिक इंसानी मस्तिष्क का अध्ययन करते हैं उतना ही ज्यादा जानकारी इस दिशा में संकेत करती है। अध्ययन दिखाते हैं कि सेवा करना अमिगडाला में गतिविधि घटाती है। एमिगडाला वो क्षेत्र है जो भावनात्मक प्रतिक्रियाओं, खासतौर पर भय से जुड़ा होता है। न्यूरोलाजिस्ट भी मानते हैं कि जब हम दूसरों की सहायता करते हैं हमारा मस्तिष्क आक्सीटोसिन, सीरोटोनिन और डोपामाइन प्रसारित करता है जिससे अच्छा महसूस होता है। इन हार्मोन्स में हमारे मूड को प्रोत्साहित करने तथा कार्टिसोल (तनाव वाले हार्मोन) के असर को बेअसर करने वाला असर होता है। इसके अलावा, शोध ने पाया है कि ऐसी गतिविधियों में भागीदारी दर्द की संवेदना को कमजोर भी कर सकती है। इसमें केवल एकल लाभ नहीं होता है। नियमित आधार पर करने पर, सकारात्मकता की सहज भावना जगती है जो फिर आपको सेवा के अधिक काम करने के लिए प्रोत्साहित करती है, आपको इसे करने के शुरूआती दौर से आगे ले जाकर, जो कुछ आपने किया उससे अच्छा महसूस कराती है, उसे आदत के स्तर पर और अंततः जो कुछ आपने किया उसके बारे में न सोचने के मुकाम पर ले जाती है।

हमारे धर्मग्रंथों के अनुसार, सेवा और ध्यान न केवल हमारे वर्तमान जीवन के पाठ्यक्रम को बदलते हैं, बल्कि भविष्य के जीवन के भी हैं और आध्यात्मिक प्रगति के पथ पर हमें निरंतर मदद करते हैं। ये हमें एक प्रकार का धन देते हैं जिसे हम आफ्टरलाइफ. कर्म मुद्रा में ले जा सकते हैं

ध्यान

हम सभी जानते हैं कि ध्यान या मेडिटेशन में शांतिदायक असर होता है और जो हममें शांति व आंतरिक संतुलन की भावना जगाता है। परिपक्व योगी लैब प्रयोगों से होकर गुजरे हैं जहां वे उल्लेखनीय ढंग से शारीरिक तापमान बदलने, अपने शारीरिक अंगों को जगाने व शांत करने में सक्षम हुए हैं जिसे पारंपरिक विज्ञान संभव नहीं मानता है।

हालांकि, मस्तिष्क पर ध्यान का असर कुछ ऐसा था जो तुलनात्मक रूप से हाल तक बहुत कम जाना गया है। नतीजे चौंकाने वाले हैं। यह पाया गया है कि ध्यान के अनुभवी अभ्यासकर्ताओं के दिमागों में अन्य लोगों से संरचनागत अंतर होते हैं।

ध्यानगत एवं भावनात्मक एकीकरण से संबंधित क्षेत्रों में सेरेब्रल कोर्टेक्स में देखने योग्य मोटाई होती है। स्वजागरूकता, करूणा और आत्ममंथन से जुड़े मस्तिष्क के हिस्से में ग्रे मैटर घनत्व में भी उल्लेखनीय वृद्धि होती है। पश्च भाग, जो मानसिक अस्थिरता में लिप्त रहता है और आत्म प्रासंगिकता भिन्नता भी देखती है। वे लोग जो ध्यान करते हैं उनमें एकाग्रता की उच्च योग्यता होती है और बहुत मजेदार ढंग से स्व-प्रासंगिकता जो आत्म उत्साह से जुड़ती है। यह एक और मजेदार हिस्सा है जिसके बारे में किताब, आत्मसूत्र में चर्चा हुई है, जहां स्वाराधना की अवधारणा पर चर्चा होती है। हालांकि यह आंतरिक दिव्यता को महसूस करने की क्रिया है, वो यात्रा जो आत्मप्रेम से आरंभ होती है। जो चीज चर्चा में भी आई, वो यह कि जब हम खुद को सही चीजों करने वाले के रूप में देखते हैं मसलन दूसरों की सेवा करना, पेड़ लगाना या वातावरण पर सकारात्मक असर डालना, हमारी आत्मछवि पर सकारात्मक ढंग से असर पड़ता है। इससे हमें खुद को लेकर अच्छा महसूस होता है और इसीलिए स्व-उत्साह का हमारा स्तर उन्नत होता है।

इसीलिए यह कोई आश्चर्य नहीं है कि योगियों के मस्तिष्क या टीपीजे में टेम्पोरोपराइटलल जंक्शन में भी अंतर था। यह परानुभूति व करूणा के साथ संबंधित है दोनों आध्यात्मिक विकास के उच्च स्तर के संकेतक। अन्य सभी अच्छाइयों के अलावा, हालांकि एक और थी - एमिगदाला में ग्रेमैटर घनत्व में महत्वपूर्ण घटोत्तरी जो भय, बेचैनी और तनाव में भूमिका निभाती है।

जो चीज जानना अत्यंत दिलचस्प है वो यह कि ध्यान बुढ़ापा विरोधी क्रीमों व सेरम बाजार के लिए नमी का काम कर सकता है। ध्यान का एक सशक्त दुष्प्रभाव को ग्रे मैटर पर आयु संबंधी प्रभावों को दूर करने तथा हमारी संज्ञानात्मक क्रियाकलाप की कमी घटाने की इसकी योग्यता बनते पाया गया है जिससे संभवतया हमारी डिमेंशिया जैसे रोगों से ग्रसित होने की संभावना कम होती है। अब क्या यह एक कारण हो सकता है कि क्यों हमारे प्राचीन योगियों को यदि हजार साल का नहीं तो सौ साल का कहा जाता है। मेरा अनुमान है कि हमें बस इसकी भी खोज के लिए विज्ञान की प्रतीक्षा करनी पड़ेगी।

हालांकि वैज्ञानिकों ने आज मस्तिष्क पर ध्यान और सेवा के असर को साबित करना बस शुरू किया है, अज्ञात अभी भी ज्ञात की तुलना में कहीं ज्यादा है। यदि हम अध्ययन करते जो हमारे धर्मग्रंथों व पुस्तकें कहती हैं, तो ये न केवल हमारे वर्तमान जीवन, बल्कि भावी जीवनों के क्रम को बदल देते और तेजी से आध्यात्मिक प्रगति के पथ में हमारी सहायता करते। हमें हमें एक प्रकार की संपदा देते हैं जिसे हम जीवन उपरांत - कार्मिक मुद्रा में आगे ले जा सकते हैं।

इसलिए अंतिम प्रश्न जो उठता है, अब आगे क्या ? शुरूआत का सही समय है अभी। अब अपने आसपास देखें और यदि इच्छा मौजूद है - अनेक दरवाजे खुलेंगे।

- लेखक हिंगोरी सूत्राज सीरीज आफस्प्रिचुअल बुक्स के रचनाकार हैं।

अंतर्दृष्टि
प्रमोद पाठक

प्रत्यक्ष हाथ को काम करने दें

कोरोना वायरस तूफान की मार खाई, अर्थव्यवस्थाएं अनभिज्ञ हैं और बचने के लिए भाग रही हैं। मुक्त बाजार अर्थव्यवस्था के चैंपियन अक्सर सभी आर्थिक रोगों के रामबाण के रूप में एडम स्मिथ के अदृश्य हाथ सिद्धांत का हवाला देते हैं। इस बार कोई अंतर नहीं। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था मुक्त बाजार में काम कर सकती है जहां हर कोई व्यक्तिगत हित के लिए कोशिश करता है। वो लाइसेज फेयरे थे जिन्होंने दो सदियों पहले पैरोकारी की थी। अनेक ग्रहणकर्ता थे और मार्क्सवाद के ढहने से दुनिया मुक्त बाजार पैरोकारों के लिए वैश्विक बाजार बन गयी जो तबाही और प्रगति के नए मॉडलों की ओर ले जा रही है। सामाजिक डार्विनवाद नया मंत्र था। लेकिन , इंसान प्रस्ताव देता है, ईश्वर नकार देता है। इसलिए प्रकृति द्वारा एक भारी उथलपुथल इस व्यवस्था को हिला देती है। अर्थ व्यवस्थाएं नौ पिनों की तरह गिरती हैं जैसे ही महामारी दुनिया को चीत्कार की हालत में ले आती है। लेने वाला नहीं जानता है, मुक्त बाजार सिद्धांतकार कुछ भी समझ पाने की हालत में नहीं थे, जैसा कि आईएमएफ ने माना कि वैश्विक अर्थव्यवस्था संकट में थी। वैश्विक भविषवाणियां अस्पष्टता दर्शा रही थीं, नौकरियां जाने का उत्तर तलाशना कठिन है। मानवता के लिए बड़ा प्रश्न है शांति कहां से पाएं। स्वाभाविक उत्तर अब प्रत्यक्ष हाथ में मौजूद नजर आता है, क्योंकि अप्रत्यक्ष पूर्णतया समाप्त हो रहा है। सरकारों का नियंत्रण व नेतृत्व ढांचा जो अनावश्यक समझा जाता था, उम्मीद की किरण बनता दिखता है। जैसे ही बड़ी सरकार वापस आती है, मौजूदा वैश्विक आर्थिक संकट से निपटने की रणनीतियों पर काम किया जा रहा है। क्या करें और कैसे करें जैसे सवालों का समाधान हो। भारतीय इतिहास के पास कुछ तरीके हैं। लखनऊ (तत्कालीन अवध) के 1784 के अकाल ने तत्कालीन नवाब, आसिफुद्दौला के सामने ऐसी ही चुनौती पेश की थी। अकाल लंबे समय तक रहा, जिसने अमीर और गरीब दोनों को प्रभावित किया। नवाब पर अर्थव्यवस्था को चलाए रखने तथा जीवन और आजीविकाओं को बचाए रखने का बहुत दबाव था। उसने भव्य निर्माण परियोजना शुरू करने का फैसला किया। लेकिन इस परियोजना का एक अनोखा पहलू था। उस दौरान गरीब मजदूर दिन में निर्माण कार्य किया करते थे, कुलीनों व अमीरों को रात में निर्मित ढांचे को गिराने के लिए कहा जाता था। यह काम जारी रहा और नवाब इस संकट से पार पा गए। जिन लोगों की इतिहास में दिलचस्पी है, यही वो आर्थिक रणनीति थी जो भारत में लखनऊ के प्रसिद्ध स्मारक, बड़ा इमामबाड़ा के निर्माण की निहित वजह थी। मजेदार बात यह कि अर्थव्यवस्था को प्रेरित करने के लिए नवाब की यह आर्थिक समझदारी कीसं द्वारा प्रस्तावित सिद्धांत के बहुत पहले कारगर साबित हुई थी। नवाब ने जिसकी परिकल्पना की थी, और कींस 150 साल बाद जिसे साकार किया था, वो यह कि सरकारी खर्च का संकटग्रस्त अर्थवस्था के पुनर्जीवन पर महत्वपूर्ण प्रभाव रहा है। आर्थिक प्रोत्साहन एक प्रक्रिया है जिसे सरकारी खर्च द्वारा संचालित किया जाना चाहिए और जैसे ही सुधार आरंभ होता है, निजी पूंजीपति पैसा लगाना शुरू कर देते हैं। यह विह राजस्व बहुआयामी प्रभाव है जो अर्थव्यवस्था को मंदी से बाहर निकालता है। यही वो प्रत्यक्ष हाथ है जो संकट के दौर में काम आता है जब अप्रत्यक्ष हाथ विफल हो गए हों। नया दौर नए नजरियों की मांग करता है। जिस प्रकार अमरीका, यूरोपीय यूनियन और भारत जैसे लोकतंत्र अपनी अर्थव्यवस्थाओं को फिर से पटरी पर लाने के लिए संघर्षरत हैं, सवा दो सौ साल पहले अपनाया गया भारतीय नवाब का नजरिया उपयोगी नजर आता है। लेकिन यह समझना जरूरी है कि बड़ी सरकारों को हमेशा भारी हाथ का उपयोग नहीं करना होता है। कभी कभी बड़ा दिल है जो महत्वपूर्ण असर डालता है। अदृश्य हाथ का सिद्धांत फिर, साफ मौसम में काम करता है।

कामयाबी के लिए सिर्फ इच्छाएं होना काफी नहीं

महेन्द्र पाल

दोस्तों, इच्छाएं या चाहतें हमारे जीवन का अनिवार्य हिस्सा होती हैं। दुनिया में आने और समझदारी के पहले पड़ाव से ही इंसान का इनसे साक्षात्कार हो जाता है। बल्कि यह कहें कि जीवन में प्रवेश करते ही, हम अपने अवचेतन में ही इच्छाओं के रथ पर सवार हो जाते हैं। शायद, जन्म लेते ही नवजात बच्चे द्वारा अपनी पहली रुलाई में मां को पुकारना, चाहत का पहला, हालांकि अवचेतन, कदम होता है। धीरे धीरे इच्छाओं का यह सफर, जो शुरू तो अवचेतन से होता है, मगर धीरे धीरे चेतन या चेतना का हिस्सा बनता जाता है, और जैसे जैसे यह चेतना के उत्तरोत्तर उन्नत धरातल पर पहुंचता जाता है, वैसे वैसे इच्छाओं का दायरा व्यापक होते हुए व्यक्ति विशेष के साथ साथ पूरी सृष्टि या कायनात को अपने भीतर समेट लेता है।

खैर वापस लौटते हैं जीवन में चाहतों या इच्छाओं की अहमियत की तरफ।

इसमें संदेह नहीं कि हम जीवन में बहुत कुछ चाहते हैं। ये इच्छाएं या चाहतें ही हैं जो हमें आगे बढ़ने के लिए नयी मंजिलें या नए उद्देश्य प्रदान करती हैं, हमें उनको पाने के लिए उत्साहित करती हैं। जैसे जैसे उम्र बढ़ती जाती है, जिदंगी के प्रत्येक पड़ाव पर इच्छाओं या चाहतों की निरंतर नई खेप हमारे जीवन का हिस्सा बनती जाती है। जिनसे हमारी चाहतों का कद का दायरा, यहां तक की प्रारूप भी, उन्नत व व्यापक होता जाता है। यह जरूरी भी है, क्योंकि उम्र के साथ इच्छाओं या चाहतों का उन्नत होते जाना अनिवार्य है। ऐसा न होने पर, वही इच्छाएं, जो कभी प्रगति की वाहक बनी होती हैं, इंसान के लिए मानसिक गांठ बन जाती हैं जो फिर भविष्य में आगे बढ़ने के रास्ते में

अवरोध बनती हैं।

वैसे इच्छाओं को अगर अपने समय या परिवेश या हालात का प्रारूप कहा जाए तो शायद अनुचित नहीं होगा। क्योंकि इच्छाएं हवा में या निरी कपोल कल्पना में नहीं पैदा होतीं। इंसान सहजतापूर्वक वही इच्छा करता है जो उस समय या वस्तुगत परिवेश या परिस्थिति में उपजती है। हालांकि इसमें भी इच्छओं का दायरा वर्तमान के साथ भविष्य का सुदूर या कहें कि असंभव सा लगने वाला लक्ष्य भी अपने भीतर समेट लेता है, मसलन दुनिया में पूरी तरह सद्भाव व समानता हो, कोई लड़ाई झगड़े न हों, पूरी दुनिया वसुधैव कुटुंबकम हो, आदि इत्यादि। लेकिन तब ऐसी इच्छाओं का साकार होना, समय के विस्तृत कालखंड का हिस्सा बन जाता है। फिर वो इंसानी जीवनावधि के दायरे से परे हो जाता है। लेकिन क्या सिर्फ चाहत रखना या इच्छा मात्र होना, इंसान को कामयाबी की मंजिल पर पहुंचा सकता है? बिलकुल नहीं। किसी महान व्यक्तित्व ने कहा है इच्छाएं जब तक तार्किक योजना का हिस्सा नहीं बनतीं, वे सच के रूप में साकार नहीं हो सकतीं या सफलता का प्रारूप नहीं बन सकतीं। इच्छाओं को साकार करने के लिए व्यक्ति को उन्हें पूरा करने की योजना बनाना अनिवार्य है। योजना बनने पर ही उक्त इच्छा की व्यवहारिकता तौली जा पाती है। उसमें भावी चुनौतियों का आंकलन व उनसे निपटने के तरीके पर विचारमंथन होता है। इससे इच्छा, जो योजनाबद्ध हो जाने पर तात्कालिक लक्ष्य बनती है, के समग्र मूल्यांकन व विश्लेषण का अवसर मिलता है जो फिर इंसान का दूरगामी या जीवन लक्ष्य बनकर उभरती है, जिस पर ताउम्र चलने का इंसान फैसला करता है और कामयाबी का मुकाम हासिल करता है।

यानी, इसमें संदेह नहीं कि बिना चाहत के या बिना इच्छाओं के इंसान जीवन में प्रगति नहीं कर सकता। लेकिन इच्छाओं को तार्किक योजना का हिस्सा बनाकर ही जीवन में कामयाबी पाई जा सकती है। इच्छाएं अगर बीज की तरह हैं तो इंसान की एकाग्रता व तार्किक योजनाबद्धता उस पहरेदार की तरह हैं जो उसे आवश्यक नमी, धूप व बरसात प्रदान करने का आधार व सुरक्षा मुहैया कराती हैं।

अपने डर को जीतो

दोस्तों, सोचकर कितना विचित्र लगता है कि हिन्दी व्याकरण माला के दो अक्षर ड और र, जो स्वयं तो अक्षर-पंक्तियों में बीच में सहमे से रहते हैं लेकिन जब आपस में मिलते हैं तो एक बिलकुल भिन्न दुनिया रच जाते हैं। जीहां, डर नामक शब्द देखने में दो अक्षरों का है मगर इंसानी चेतना में अपनी गहरा असर छोड़ता है। यह असर कभी तो इस कदर हावी होता है कि इंसान की सारी पहलकदमियां हाशिए पर चली जाती हैं, चुनौतियों के सारे पैंतरे बेमानी से लगने लगते हैं। दुनिया को वस्तुगत ढंग से समझने की जिज्ञासा और क्षमता उदासी ओढ़ लेती है और विपरीत से निपटने के सारे हौसले पस्त हो जाते हैं। इंसान निराशा और अवसादग्रस्तता के ऐसे कुएं में गिरता जाता है कि उसके जीवन का सामान्य पटरी पर लौट पाना बहुत ही कठिन होता है। यह प्रश्न सोचने का है कि आखिर डर की यह दुनिया क्यों और कैसे इंसानी जहनियत को अपना शिकार बनाती है? क्या डर या भय इंसान की अपनी सहज मौलिकता का हिस्सा है या जाने-अंजाने खयालों के किसी चोर दरवाजे से चुपचाप हमारे भीतर दाखिल हो जाता है? आखिर कब और कैसे इसकी शुरुआत होती है? और किनके जरिए सबसे पहले हमारी डर से मुलाकात होती है?

अगर हम सभी अपने बचपन को याद करें तो हमें काफी हद तक अपने इन प्रश्नों के उत्तर मिल सकते हैं। इंसान कोई पैदाइशी डरपोक नहीं होता। जीवन के शुरुआती पड़ाव यानी बचपन में उसके लिए हर रंग और अनुभव नवीनता लिए होता है। हम देखते हैं कि बच्चा जितना दिन के उजाले और रंगबिरंगी दुनिया से प्यार करता है उतना की अंधेरे की चांद-सितारों की दुनिया को भी। अंधेरे से भय का अहसास उसमें तब तक नहीं जड़ जमाता जब तक कि उसके सामने अंधेरे को, किसी भूत प्रेत या किसी जानवर की सूरत के बतौर, भय का जामा पहनाकर हमारे प्रियजनों द्वारा ही पेश नहीं किया जाता। अपने आसपास और स्वयं अपने बचपन के दिनों को याद करें तो हम पाएंगे कि हमारे सामने सबसे पहले हमारे अपनों ने डर की दुनिया परोसी थी। हालांकि कोई भी प्रियजन अपने बच्चे को डरपोक बनाना नहीं चाहता लेकिन जाने-अनजाने में बच्चे की जिज्ञासाओं व उसके मासूम व कभी कभी विचित्र व अबूझे सवालों का अनुत्तर उनसे यह कारनामा करा जाता है।

एक सच्चाई से इंकार नहीं किया जा सकता कि हमारे सामाजिक सांस्कृतिक परिवेश में बच्चों की जिज्ञासाओं को पर्याप्त अहमियत नहीं दी जाती। प्राय: उनके सवालों को, उनकी जिज्ञासाओं को, कभी डांट फटकार तो कभी किसी अंजान भय के जरिए, नियंत्रित या दबाने का प्रयास किया जाता है। हालांकि यह भी सच्चाई है कि निरंतर उदार व बहुआयामी हो रही दुनिया ने आज की उदार और शिक्षित पीढ़ी को अपने बच्चों के प्रति उदार व संवेदनशील बनाया है। वह अधिकतम बच्चों की जिज्ञासाओं को शांत करने का प्रयास करती है। लेकिन हमारा वृहद सामाजिक सांस्कृतिक परिवेश अभी भी पुराने सामंती तौर तरीकों में जकड़ा होने के कारण बच्चों में, उनके माता पिता से इतर, किन्हीं चोर दरवाजों से डर की दुनिया परोसता है।

आखिर इस डर को कैसे जीता जा सकता है? क्या टीवी आदि में दिखाए जाने वाले माऊंटेनड्यू मार्का विज्ञापन के आधार पर ? जैसे आप कोई घुट्टी या ड्रिंक पीएं और डर गायब? जी नहीं। यह ऐसे आवेग के रूप में हमारे भीतर समाया रहता है, जो हमारी शारीरिक - मानसिक क्षमता से परे है, जिससे हम लड़ नहीं सकते। दूसरे शब्दों में डर अधीनता या गुलामी का जामा पहने होता है। और इसे अगर किसी चीज से नियंत्रित किया जा सकता है तो वह है तर्क और विवेक। जैसे जैसे तर्क और विवेक की दुनिया फैलती जाती है, डर की दुनिया सिमटती जाती है।

हमें अपने मानसिक जगत से डर को बेदखल करने के लिए तर्क और विवेक को चुनना होगा। क्योंकि डर के मूल कारणों तक हमें तर्क और विवेक ही पहुंचाते हैं। जैसे ही हमें अपने डर का कारण पता चलता है, वैसे ही डर गायब हो जाती है। और जब डर गायब होता है तो कुछ भी करने या पाने की हिम्मत अपने आप आ जाती है। फिर कामयाबी की बुलंदी छूना असंभव नहीं रह जाता।

मैं खुद को खुशकिस्मत समझती हूं कि मुझे नेहा कक्कड़ के गानों पर परफॉर्म करने के लिए चुना गया है। जब भी मुझे कोई गाना मिलता है मैं यह जानकर बहुत उत्साहित हो जाती हूं।
- नोरा फतेही

होम थियेटर

बंधक समस्या पर रोचक सीरीज़

होस्टेजेस 2
डिज्नी, हॉटस्टार
कलाकार: रोनित रॉय, दिव्या दत्ता तथा अन्य
रेटिंग: 6/10

होस्टेजेस 2 वहीं से प्रारंभ होता है जहां से होस्टेजेस समाप्त हुआ था। लेकिन कहा जा सकता है कि दोनों ही सीज़न अच्छे गए हैं और जनता के बीच लोकप्रिय भी। यदि पहले में राजनीतिक एवं कॉरपोरेट षडयंत्र के चलते मुख्यमंत्री की हत्या को लेकर एक चिकित्सक का अंतर्द्वंद दिखाया गया था तो इस बार भी इसे उतने ही रोचक कथानक के साथ प्रस्तुत किया गया है।

इस बार मुख्यमंत्री ही बंधक बन गए हैं लेकिन एक चिकित्सकीय कारण से। रोनित रॉय पृथ्वी के रूप में लीड भूमिका में हैं वो इस सीरीज़ में अवकाश प्राप्त सुपर कॉप अपने चरित्र को सही ढंग से प्रस्तुत करने में सफल रहे हैं लेकिन चरित्र की गंभीरता के चलते आप उनके चेहरे पर एक मुस्कान के लिए भी तरस जाएंगे। वो अपने टीवी चरित्र मिस्टर बजाज से अब तक बाहर नहीं आ सके हैं। लेकिन एप्लॉज़ हाउस की ये प्रस्तुति रोचक, थ्रिलिंग बन पड़ी है। किसी भी बंधक समस्या की तरह ही इस सीरीज़ में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं जो स्वाभाविक लगते हैं। आपको इसमें एटीएस टीम के ऐक्शन, नाइट स्नाइपर्स, योजना तथा बंधक स्थल की सर्वेलांस जैसी सनसनीखेज गतिविधियां देखने को मिलेंगी। बंधक स्थल एक औपनिवेशिक कालीन खंडहर रखा गया है जो आकर्षक बन पड़ा है। घूमती सर्चलाइट तथा स्थिति से मेल खाता संगीत वरिष्ठ निर्देशक सुधीर मिश्रा के कौशल को दर्शाता है। ये सभी कारक पूरी सीरीज़ के रोचक प्रस्तुतीकरण में सहायक हुए हैं। अभिनेता दिलीप ताहिल ने भ्रष्ट मुख्यमंत्री का चरित्र मंझे अभिनेता की तरह जिया है। दिव्या दत्ता ने बंधक समस्या के समाधान में एक कुशल मध्यस्थ की भूमिका में चार चांद लगा दिये हैं। उनका अभिनय प्रशंसनीय है।

मुख्य कहानी के पार्श्व में चल रही दूसरी कहानियां अधिकांशतया निरर्थक हैं लेकिन कुछ मुख्य कहानी से लय स्थापित करने में सफल रही हैं सभी चरित्रों ने पूरी सीरीज़ को प्रामाणिक बनाने में सहयोग दिया है। 12वें एपिसोड के आने तक कहानी में रोचकता बनाए रखी गई है लेकिन इसके बाद कहानी को ढीला छोड़ दिया गया लगता है।

सभी चरित्रों को सामान्यत: उनकी परदे पर दिखने वाली आदतों को ध्यान में रखते हुए चुना जाता है लेकिन यहां दीनो मोरिया एक ऐसे हत्यारे दिखाए गए हैं जो हत्या करते हुए मुस्कुराते दिखते हैं। वो बिना किसी कारण लोगों को मारते दिखते हैं। वो सीरीज़ में क्यों हैं और क्यों लोगों की हत्या करते हैं, इसका कारण अंत तक पता नहीं चलता। लेकिन होस्टेजेस2 एक सीरीज़ के रूप में अपनी रोचकता के चलते आपको बांधे रखने में अवश्य सफल है, इतना तो कहा ही जा सकता है।

अच्छा कथानक, खराब प्रस्तुतीकरण

कार्गो
प्लेटफॉर्म : नेटलिक्स
कलाकार: विक्रांत मैसी, श्वेता त्रिपाठी, नंदू माधव, कोंकणा सेन
रेटिंग: 5/10

कुछ ऐसे कथानक हैं जिन्हें समझने में बॉलिवुड को सालों लग सकते हैं। एक ऐसा ही विषय है विज्ञान आधारित कहानियों का, और इसका भी एक कारण है। हम सेट पर अधिक ध्यान नहीं देते। ये सही है कि इसकी लेखिका और निर्देशिका के रूप में आरती यादव की प्रशंसा की जानी चाहिये कि उन्होंने यमराज और मृत्यु जैसे विषय को कथानक के रूप में चुना। इसे उन्होंने अलग ढंग से बुना है लेकिन फिर भी आपको कहानी को परदे पर सही ढंग से उतारना भी तो आना चाहिये।

अब स्पेस शिप की बात की जाए तो इसमें भी कल्पना के लिए कोई स्थान नहीं है। लेकिन इस शिप के बाहर के दृश्य वास्तविक दिखे हैं। लेकिन इसकी अंदरूनी सज्जा किसी नौसिखिया द्वारा की गई लगती है। जबकि इसके लिए अनेक हॉलिवुड फिल्में उपलब्ध हैं और उनसे सीखकर काफी सुधार किया जा सकता था।

लेकिन ऐसा प्रतीत होता है जैसे निर्माताओं को अपनी कहानी पर अतिविश्वास था कि रोचक कहानी के चलते दर्शक अन्य बातों पर ध्यान नहीं देगा। दुर्भाग्य से एक बार यदि किसी को पता चल जाता है कि हो क्या रहा है तो फिर आपको उसे दुबारा दिखाने से पहले उसमें रोचकता बनाए रखने के लिए कुछ विशेष योजना बनानी होती है, आप टीन के बक्से और यहां वहां कुछ करके उसे स्पेस शिप नहीं बना सकते। ऐसा कैसे हो सकता है कि किसी स्पेस शिप में अंतरिक्ष यात्री (कहानी में आधुनिक यमराज) के लिए बैठने के लिए उचित स्थान भी उपलब्ध न हो। इसके अलावा इस विमान पुष्पक 634ए में मुख्य यात्री के लिए स्थान भले ही न दिया गया हो लेकिन उसके सहायक के लिए एक उचित स्थान या कहें कक्ष उपलब्ध है। एक प्लेटफॉर्म पर उसके लिए बक्से लगे हैं और यहीं उसका स्थान है। अब आप सोच रहे होंगे कि कार्डबोर्ड के बक्से स्पेसशिप पर क्या कर रहे हैं? तो जान लीजिये कि विज्ञान आधारित फिल्मों के लिए इससे गई बीती बात कुछ और नहीं हो सकती।

यदि इस श्रेणी की हॉलिवुड की हिट फिल्म 'द एबिस और स्टारट्रेक' के निर्माता इसे देख लें तो अपना सिर अवश्य धुन लेंगे।सभी कलाकारों को देखकर ऐसा लगता है जैसे वे एक दूसरे के सामने असहज हैं लेकिन उनका व्यक्तिगत अभिनय चलताऊ कहा जा सकता है। यदि देखना ही है तो केवल इसकी अवधारणा के लिए ही देखें।

-शालिनी सक्सेना

हिंसा ही हिंसा

द बेबी सिटर: किलर क्वीन
प्लेटफॉर्म : नेटलिक्स
कलाकार: जुडा, लूइस, एमिली एलिन लिंड, बेला थॉर्न, जेना ऑरटेगा
रेटिंग: 5/10

हॉलिवुड फिल्मों में हिंसा का दौर इस बेबी सिटर के सीक्वेल में भी जारी रहता है। कहानी को कुछ साल आगे ले जाया गया है। अब इसका लीड अभिनेता कोल हाई स्कूल में है और अब उसे किसी बेबी सिटर की आवश्यकता नहीं है। उसकी कहानी पर किसी को विश्वास नहीं होता। बाद में पुलिस के आने पर ये सिलसिला रुक जाता है और कहीं कोई लाश नहीं दिखाई देती।

कोल की कहानी को उसके माता-पिता एक थेरेपी करार देते हैं। लेकिन वे मृत लोग फिर अचानक तब कैसे प्रकट हो जाते हैं जब उनकी आवश्यकता ही नहीं होती, और अब इसका सीक्वेल भी देखना होगा। इसमें भी आपको सिर कटने, लोगों को आग में जलते और खून चारों दिशा में फैलता दिखाया गया है लेकिन संदर्भ गायब है। फिर वे मृत लोग अचानक तब कैसे प्रकट हो जाते हैं और उनके ऐसा करने का कारण भी स्पष्ट न हो। यदि विशुद्ध मानव के रक्त को पीने से ही आप सर्वशक्तिमान बन सकते तो फिर और कुछ करने की आवश्यकता क्या है। लेकिन कहानी का अंत आते आते आपको पता चलता है कि ऐसा कुछ भी नहीं होता। यदि आपको पग पग पर हिंसा प्रिय है तो आप इसे भी देख सकते हैं।

रोचक और अत्यंत हास्यपूर्ण

वकालत फ्रॉम होम
अमेजॉन प्राइम
एपिसोड 10
कलाकार: सुमित व्यास, गोपाल दत्त, निधि सिंह, आकर्ष खुराना, कुब्रा सैत

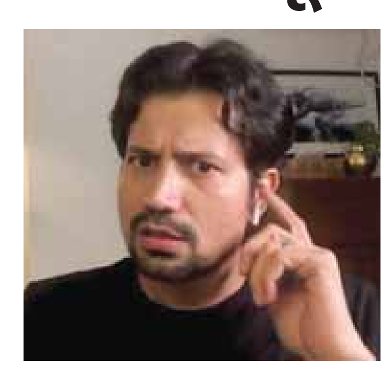

निर्माता रोहन सिप्पी और अनुवब पाल की ये 10 एपिसोड वाली सीरीज़ अच्छी बन पड़ी है। इसका कहानी सामान्य सी है- वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से तलाक। इसकी प्रेरणा कोविड 19 महामारी काल में कोर्ट्स द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से विभिन्न प्रकरणों की सुनवाई से ली गई है। लेकिन रोहन सिप्पी ने इसे अच्छे ढंग से प्रस्तुत किया है। काफी दिनों बाद आपको इतना स्वस्थ मनोरंजन प्रदान करने वाला कुछ देखने को मिला है वरना आजकल कहानियां इतनी जटिलता लिये होती हैं कि आपको कुछ समझ में ही नहीं आता। वकालत फ्रॉम होम में आपको बहुत दिनों बाद विशुद्ध हास्य और मनोरंजन मिला है। इसमें एक संदेश भी है कि आप तलाक के वकीलों से अधिक संपर्क न रखें।

इस प्रकार के प्रकरण में हंसना यद्यपि दुखद है लेकिन कहानी काल्पनिक है जिसमें दो लोग विवाह के 10 सालों के बाद अपने मतभेदों के चलते अलग होना चाहते हैं। वे बचपन के मित्र भी होते हैं। फिर भी कथानक हास्यपूर्ण है।

अलग अलग स्थानों पर अभिनेताओं के होने और उन्हें एक कहानी में साथ दिखाना कोई इस फिल्म से सीख सकता है। इसकी एक और सुंदरता ये है कि इसका एक एपिसोड केवल 15 मिनट का रखा गया है। ऐसे में अंत तक आपको प्रतीक्षा नहीं करनी होती कि इसका अंत कैसा होगा। ढाई घंटे में आप इसके 10 एपिसोड देख सकते हैं। सुमीत व्यास, गोपाल दत्त तथा निधि सिंह का अभिनय अच्छा है। कुब्रा सैत का अभिनय उल्लेखनीय है। तलाक की पारंपरिक अधिवक्ता से हॉट लॉयर बनना अद्भुत दिखा है। यही कारण है कि सीरीज़ अत्यंत रोचक बन सकी है।

उर्मिला ने कंगना रनौत के बयान के बाद समर्थन के लिए लोगों को दिया धन्यवाद

अभिनेत्री उर्मिला मातोंडकर ने उनके खिलाफ अभिनेत्री कंगना रनौत की सॉफ्ट पोर्न स्टार संबंधी टिप्पणी के बाद मिले समर्थन के लिए भारत के असली लोगों का शुक्रवार को आभार प्रकट किया।

मातोंडकर ने फिल्म उद्योग में भाई-भतीजावाद और बॉलीवुड में नशीले पदार्थों की समस्या को लेकर रनौत के दावों पर सवाल उठाया था, जिसके जवाब में रनौत ने एक निजी समाचार चैनल को दिए साक्षात्कार में कहा था कि 90 के दशक की जानी-मानी अभिनेत्री मातोंडकर सॉफ्ट पोर्न स्टार थीं और वह अपने अभिनय के लिए नहीं जानी जाती हैं।

फिल्म निर्देशक राम गोपाल वर्मा, फिल्मकार अनुभव सिन्हा और अभिनेत्री स्वरा भास्कर समेत उद्योग के कई लोगों ने रनौत की इस टिप्पणी की निंदा की और मातोंडकर के 25 साल के करियर को सादगी और गरिमा वाला बताया। मातोंडकर ने ट्वीट किया, मेरे साथ खड़े होने के लिए भारत के असल लोगों और निष्पक्ष, प्रतिष्ठित मीडिया की दुर्लभ नस्ल का शुक्रिया। यह फर्जी आईटी ट्रोल और दुष्प्रचार के खिलाफ आपकी जीत है। मैं वास्तव में बहुत अभिभूत हूं। जय हिंद। अभिनेत्रियों पूजा भट्ट एवं सयानी गुप्ता और पटकथा लेखक कनिका ढिल्लों ने भी मातोंडकर का समर्थन किया।

अयोध्या की रामलीला 14 भाषाओं में डिजिटल रूप से उपलब्ध होगी

भाषा। नई दिल्ली

अयोध्या की रामलीला उर्दू और भोजपुरी समेत 14 भाषाओं में डिजिटल रूप में उपलब्ध होगी। आयोजकों ने कहा कि भाजपा सांसद मनोज तिवारी और रवि किशन भी इसमें हिस्सा लेंगे। रामलीला का मंचन अयोध्या में सरयू नदी के किनारे स्थित लक्ष्मण किला में होगा जो निर्माणाधीन राम मंदिर से कुछ किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। आयोजन समिति के मुख्य मीडिया सलाहकार नीलकांत बख्शी ने कहा कि कोविड-19 महामारी के मद्देनजर 17 से 25 अक्टूबर के बीच सीमित दर्शकों की मौजूदगी में इसका मंचन होगा लेकिन केबल टीवी, यूट्यूब और अन्य सोशल मीडिया मंचों पर इसे प्रसारित किया जाएगा।

आयोजकों ने कहा कि तिवारी और रवि किशन के अलावा कई बॉलीवुड और टीवी कलाकार भी इस रामलीला का हिस्सा होंगे। अभिनेता विंदु दारा सिंह हनुमान की भूमिका में होंगे, रितु शिवपुरी कैकई की भूमिका निभाएंगी, असरानी नारद के तौर पर नजर आएंगे और शहबाज खान रावण के किरदार में दिखेंगे। उन्होंने कहा कि राकेश बेदी विभीषण, राकेश पुरी निषादराज, रजामुराद अहिरावण और अवतार गिल जनक की भूमिका में होंगे। गोरखपुर से सांसद रवि किशन भरत के किरदार में नजर आएंगे। उत्तर पूर्वी दिल्ली लोकसभा सीट से सांसद तिवारी रामलीला में अंगद की भूमिका निभाएंगे। उन्होंने शुक्रवार को एके संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अयोध्या में राम मंदिर निर्माण को लेकर लोगों में भारी खुशी है और यह भगवान राम की जन्मस्थली पर भव्य रामलीला के आयोजन की प्रेरणा है। तिवारी ने कहा, अयोध्या की रामलीला की एक प्रमुख विशेषता यह है कि यह भोजपुरी, उर्दू, तमिल, तेलगु, बंगला और अंग्रेजी समेत 14 भाषाओं में डिजिटल रूप में उपलब्ध होगी। बख्शी ने कहा कि देश भर में व्यापक रूप से जनता तक पहुंचने के लिए 14 भाषाओं में लिखित भाषांतर का इस्तेमाल किया जाएगा।

इस रामलीला का मंचन संयुक्त रूप से दो संगठनों, मेरी मां फाउंडेशन और राम की रामलीला द्वारा किया जा रहा है। पश्चिमी दिल्ली लोकसभा सीट से भाजपा सांसद प्रवेश वर्मा समिति के मुख्य संरक्षक हैं।

मान्यता ने संजय दत्त, बच्चों के साथ तस्वीरें साझा की

मुंबई। अभिनेता संजय दत्त की पत्नी मान्यता दत्त ने शुक्रवार को कहा कि वह ऐसे एकजुट परिवार को पाकर धन्य महसूस करती हैं। संजय दत्त और मान्यता ने हाल ही में अपने बच्चों शाहरान और इकरा के साथ दुबई की यात्रा की थी। मान्यता ने संजय और बच्चों के साथ अपनी एक तस्वीर साझा करते हुए इंस्टाग्राम पर लिखा, आज। मैं परिवार के रूप में मिले तोहफे के लिए ईश्वर का धन्यवाद करना चाहती हूं। कोई शिकायत नहीं.... कोई निवेदन नहीं..... बस हमेशा साथ रहें। लॉकडाउन के दौरान मान्यता बच्चों के साथ दुबई में थीं लेकिन दत्त की स्वास्थ्य परिस्थितियों के कारण अगस्त में मुबई लौट आई थीं।

और अब फैशन टूर ने तरुण तहिलियानी से मिलाया हाथ

सुप्रसिद्ध डिज़ाइनर तरुण तहिलियानी ने ब्लेंडर्स प्राइड फैशन टूर के पहले डिजिटल प्रीमियर की शुरुआत की जिसमें इन्फाइनाइट, माय आइडेंटिटी, माय प्राइड का प्रदर्शन किया गया

ब्लेंडर्स प्राइड फैशन टूर और असाधारण डिजाइनर तरुण तहिलियानी के बीच गुरुवार को उनके इस इंडस्ट्री में 25 साल पूरे करने के जश्न के रूप में अपनी तरह की पहली डिजिटल साझेदारी की गई। पिछले कई सालों सेए ब्लेंडर्स प्राइड फैशन टूर ने भारतीय डिजाइन को बढ़ावा देने के लिए भारतीय डिजाइनर कम्युनिटी के साथ सहयोग करते हुए भारत में फैशन उद्योग के लिए बैंचमार्क स्थापित किया है। यह टूर वर्षों से पारंपरिक रनवे शो से लेकर फैशन फैस्टिवल तक विकसित हुआ है और आजए इन अनोखे समय मेंए तरुण तहिलियानी के साथ मिलकर डिजिटल साझेदारी करते हुए और माय आइडेंटिटीए माय प्राइड की एक कहानी का जश्न मनाया गया। इस शाम अपने शिल्प और विरासत के गौरवान्वित करने वाले तत्वों को प्रदर्शित किया गयाए यह शाम आधुनिक होने के साथ एक इकाई के रूप में स्ट्रीम ऑफ़ कॉन्शियसनेस भी थी। उनके अनुभव ने दुनिया का अनुसरण करते हुए एक व्यक्ति के जीवन में इनफाइनाइट संभावनाओं के विचार को उजागर किया। अपनी तरह के हाइब्रिड फैशन अनुभव ने सभी ग्लैमर और ग्लिट्ज़ को एक प्रभावशाली कहानी के साथ डिजिटल प्रीमियर के माध्यम से जीवंत किया। फैशन के एक नाटकीय रूपान्तरण के माध्यम से मेन्सवियर और वुमेन्सवियर में 25 मॉडल्स ने 25 खूबसूरत लुक्स प्रस्तुत किए। जो कि तरुण तहिलियानी द्वारा डिजाइन किए गए भव्य कस्टम सेट में उनकी 25 साल की यात्रा को प्रदर्शित करता है। इस अवसर पर बोलते हुए ईशविंदर सिंह जीएम मार्केटिंग पेरनोड रिकार्ड इंडिया ने कहा कि ब्लेंडर्स प्राइड फैशन टूर पिछले 15 वर्षों से फैशन और स्टाइल के क्षेत्र में अद्वितीय अनुभव पेश कर रहा है। हमने तरुण के साथ एक लंबी और विशेष यात्रा तय की है और आज जैसा कि वह इंडस्ट्री में 25 साल मना रहे हैंए हम अपने ग्राहकों के लिए उनके घर के सुकून में इस शो का अनुभव पेश करने के लिए समान रूप से उत्साहित हैं। हमने पिछले दो वर्षों से श्प्राइडश् की यात्रा जारी रखी हैए और इस वर्ष भी श्माइ आइडेंटिटीए माइ प्राइडश् को केंद्र में रखते हुए जारी है। माय आइडेंटिटी माय प्राइडष्के इर्द.गिर्द एक सहज कहानी को बुनते हुए तरुण तहिलियानी ने कहा-किसी की पहचान से ज्यादा महत्वपूर्ण कुछ नहीं हैए यही वह अभिव्यक्ति है जो आपको दुनिया से अलग बनाती है। यह साझेदारी मेरी यात्रा और बेशुमार प्रेरणाओं का उत्सव है जिसने पिछले कई वर्षों से मुझे प्रेरित किया है।